K. Mishra 41

This is another characteristic of modern civilization. This unity can be seen particularly in business matters. People of different nations come in contact with one another by exchange of goods or selling and buying. For the first time the world is becoming a single place.

**Draw backs of present day civilization—**

Today we have democratic governments in most countries where the men are equal in the eyes of law. But there is no proper distribution of wealth in society. This is one of the major defects of modern civilization. There are only few people who live a good life, while the many other do n't have enough food, clothes and houses. These people are too poor to maintain a good living.

Again war is a great danger to our civilization because it means destruction of mankind. War is the negation of humanity. We have already seen the horrors of two great world-wars.

Yet another great defect of our civilization is that we do not know the proper use of our knowledge. Science has given us so many new things. Today we have many fatal weapons and powerful machines, but we don't use them properly. They have become a bad masters instead of good servants. In this way a time may come when the machines will rule us altogether.

**Real civilization—**The writer thinks that real civilization consists in making beautiful things, thinking freely and living rightly and maintaining justice equally between man and man. If modern man devotes more time and more energy than he ever had before, real civilization will come into existence. And it will undoubtedly be the greatest civilization because it can last for long.

## पाठ का सारांश

वर्तमान सभ्यता की कुछ अच्छी तथा कुछ बुरी बातें हैं। हमें इसके गुण अवगुणों को विवेचना करनी है।

व्यवस्था तथा सुरक्षा—वर्तमान सभ्यता संसार में व्यवस्था तथा सुरक्षा लाई है। आजकल हम हिंसा के डर से मुक्त हैं। अगर कोई हमें हानि

पहुंचाता है तो हम कानून की शरण ले सकते हैं । अब शक्ति का स्थान अधिकार ने ले लिया है । वास्तव में हमारे जीवन में व्यवस्था और सुरक्षा की अत्यन्त आवश्यकता है । इनकी अनुपस्थिति में हम स्वतन्त्रता पूर्वक विचार नहीं कर सकते हैं । इसलिये सुरक्षा और व्यवस्था ऐसी चीज है जिसके बिना सभ्यता असम्भव हो जायेगी । वे हमारी सभ्यता के लिये इतनी ही आवश्यक है जितनी कि हमारे लिये हवा आवश्यक है । वास्तव में यह हमारी सभ्यता की महान देन है । कि आज का मानव हिंसा के डर से मुक्त है ।

कष्ट से स्वतन्त्रता—हमारी सभ्यता के बारे में दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि आधुनिक-व्यक्ति अधिकांश रूप में कष्ट तथा पीड़ा से भी मुक्त है और वे अपने पूर्वजों की अपेक्षा अच्छे स्वस्थ्य का आनन्द लेते हैं । बीमारी अब और अधिक भयानक चीज नहीं रह गई है जैसे कि यह भूतकाल में थी । आजकल हम कष्टों को कम करने तथा मृत्यु पर विजय प्राप्त करने के साधनों की खोज कर रहे हैं ।

आधुनिक सभ्यता की और अधिक सुरक्षा—पुनः हमारी सभ्यता भूतकालीन किसी भी अन्य सभ्यता की अपेक्षा अधिक विस्तृत है । पहिली सभ्यतायें इसलिये अन्त समय तक नहीं चल सकी क्योंकि वे कुछ ही लोगों तक सीमित थी । इसके विपरीत वर्तमान सभ्यता दूर दूर तक फैली हुई है । यह इतनी अधिक विस्तृत है कि यह पहिले से ही पृथ्वी का एक विशाल भाग ढके हुये है । विशेष रूप से संसार का कोई भी भाग इससे अछूता नहीं है ।

संसार में एकता—प्राचीन काल में राष्ट्र एक दूसरे से कोई सम्बन्ध नहीं रखते थे परन्तु आजकल हम संसार में एकता देखते हैं । यह आधुनिक सभ्यता का एक दूसरा गुण है । यह एकता विशेष रूप से व्यापारिक मामलों में देखी जा सकती है । विभिन्न राष्ट्रों के व्यक्ति, समान की अदला-बदली तथा खरीद बिक्री के कारण एक दूसरे के सम्पर्क में आते हैं । पहिली बार ही दुनिया एकता में बन्ध रही है ।

आधुनिक सभ्यता के दोष—आजकल हम अधिकांश देशों में प्र[illegible] सरकार रखते हैं, जहां पर मनुष्य कानून की दृष्टि में समान है । परन्तु धन का समान वितरण नहीं है । यह वर्तमान सभ्यता का एक मुख्य

केवल कुछ ही लोग ऐसे हैं जो कि अच्छा जीवन व्यतीत करते हैं, जबकि बहुत से दूसरे व्यक्तियों के पास प्रर्याप्त भोजन, वस्त्र तथा मकान भी नहीं है। ये लोग एक अच्छा जीवन व्यतीत करने के लिये अत्यन्त ही निर्धन हैं।

फिर, हमारी सभ्यता के लिये युद्ध एक भयानक खतरा है क्योंकि इसका अर्थ है मानवता का विनाश। युद्ध तो मानवता का हनन् है। हमने दो महायुद्धों की विभिषिकाओं को देख ही लिया है।

फिर भी, हमारी सभ्यता का एक बड़ा दोष यह है कि हम अपने ज्ञान को ठीक प्रकार से प्रयोग करना नहीं जानते हैं। विज्ञान ने हमें बहुत सी नई वस्तुयें प्रदान की हैं। आजकल हमारे पास बहुत से घातक हथियार तथा शक्तिशाली मशीने हैं परन्तु हम उनका ठीक प्रकार से प्रयोग नहीं कर पाते हैं। वे तो एक अच्छे नौकर के स्थान पर बुरे स्वामी बन गई है। इस प्रकार एक ऐसा समय आ सकता है कि जब मशीने हम पर पूरी तरह से शासन करेगी।

वास्तविक सभ्यता—लेखक सोचते हैं कि सुन्दर वस्तुओं के निर्माण, स्वतंत्र विचारधारा उचित रहन सहन तथा व्यक्ति में समान रूप से न्याय की [illegible] में ही वास्तविक सभ्यता निहीत है। यदि आधुनिक युग का मनुष्य पहिले की अपेक्षा अधिक समय तथा अधिक शक्ति का उपयोग करें तो वास्तविक सभ्यता प्रकाश में आयेगी और निःसन्देह ही यह महानतम सभ्यता होगी क्योंकिं यह काफी समय तक जीवित रह सकती है।

**Word-Meanings, Notes, Hindi Translation & Explanation:**

Key Q. 1 Page 1 Para 2—Foremost—most important सब से महत्वपूर्ण। order—व्यवस्था। safety—security [illegible]। merely—simply साधारणतयाः। physically–bodily [illegible]क। knock down—throw down फेंक देना। to go to [illegible] to take the shelter of law कानून की शरण लेना। fairly [illegible]itly उचित रूप से। disputes–quarrels झगड़े। right—[illegible]। might–power शक्ति। protects–defends रक्षा करना।

robbery—dacoity डकैती। violence—use of force हिंसा। break into—to enter by force जबर दस्ती घुसना। run off-to run away भाग जाना। burglars—thieves चोर। rare—very few बहुत कम। law punished them—they are punished by law कानून के अनुसार उन्हें दण्डित किया जाता है।

हिन्दी अनुवाद–सब से प्रथम और मुख्य (हमारी सभ्यता का गुण) व्यवस्था और सुरक्षा है। यदि आज किसी दूसरे व्यक्ति से मेरा झगड़ा हो जाता है केवल मैं पिट कर ही नहीं रह जाता हूँ क्योंकि मैं शरीर में दुर्बल हूँ और वह मुझे मार कर गिरा सकता है। मैं कानून का आश्रय लेता हूँ और कानून हम दोनों के बीच में ठीक प्रकार से निर्णय करता है और इस प्रकार दो मनुष्यों के बीच में झगड़ा हो जाने पर शक्ति का स्थान न्याय (अधिकार) ने ले लिया है। इसके अतिरिक्त कानून डकैती तथा हिंसा से मेरी रक्षा करता है। कोई भी व्यक्ति मेरे घर नहीं आ सकता और वलपूर्वक नहीं घुस सकता है। वह मेरे सामान को नहीं चुरा सकता है और मेरे वच्चों को उठाकर नहीं भाग सकता है। निःसन्देह चोर है, परन्तु वे वहुत कम है और जव कभी वे पकड़े जाते हैं तो कानून उन्हें सजा देता है।

## Page 1 & Para 2

Meanings—Realise—to feel अनुभव करना। higher activities of mankind—superb creation of human beings मानव की उच्चतम् क्रियायें–ललित कलायें। inventor–आविष्कारक। we breathe–we inhale हम श्वांस लेते हैं। have grown—have become हो गए हैं। used—habituated आदि।

हिन्दी अनुवाद—हमारे लिये यह अनुभव करना कठिन है कि इस सुरक्षा सही अर्थ क्या है। सुरक्षा के विना मनुष्य की वे उच्चतम् क्रियायें नहीं सकती जिनके द्वारा सभ्यता का निर्माण होता है। आविष्कारक अविष्कार कर सकेगें, वैज्ञानिक खोज नहीं कर सकता तथा कलाकार सुन्दर वस्तुयें वना सकता। इसलिये व्यवस्था और सुरक्षा यद्यपि वे स्वयम् सभ्यता ऐसी चीजें हैं जिनके विना सभ्यता ही असम्भव होगी। वे हमारी

लिये इतनी ही आवश्यक है जितनी कि हमारे लिये वायु आवश्यक है जिसमें हम श्वांस लेते है और हम उनके इतने अभ्यस्त हो गए हैं कि हम उनकी ओर इससे अधिक ध्यान नहीं देते जितना कि हम वायु की ओर ध्यान देते हैं।

**Exp.—It is difficult.........be impossible. (Imp.)**

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, "The Civilization of Today", written by C. E. M. Joad.

**Cont.**—Here the writer tells the importance of order and security in society. They are necessary for civilization. They are the most important factor of modern civilization.

**Exp.**—Joad says that it is very difficult for us to understand the importance of order and security in the present-day world. They are the main parts of civilization. Our mental powers can not develop themselves if we do not feel safe in society Safety is necessary for the development of art, literature and science. Without them the inventor could not invent, the scientist could not find out and the artist could not make beautiful-things. Their creative genius may not come out without safety.

The writer explains that though order and security are not themselves civilization, yet they are helpful in making up civilization. Civilization is not possible without them.

सन्दर्भ—ये पंक्तियां 'The Civilization of Today' नामक पाठ से ली गई हैं। इसके लेखक C. E. M. Joad हैं।

प्रसंग—यहां पर लेखक समाज में व्यवस्था तथा सुरक्षा के महत्व के विषय में बताता है। वे सभ्यता के लिये आवश्यक है। वे आधुनिक सभ्यता के अत्यन्त महत्वपूर्ण अंग है।

व्याख्या—श्रीमान जोड कहते हैं कि वर्तमान संसार में सुरक्षा तथा व्यवस्था के महत्व को भली भांति समझना, हमारे लिये अत्यन्त कठिन है। वे सभ्यता के मुख्य अंग हैं। हमारी मानसिक शक्तियों का विकास नहीं हो सकता है, यदि हम समाज में सुरक्षा का अनुभव नहीं करते हैं। कला साहित्य तथा विज्ञान के

विकास के लिए सुरक्षा आवश्यक है । इनके बिना आविष्कारक नये आविष्कार नहीं कर सकता, वैज्ञानिक नई खोज नहीं कर सकता तथा कलाकार सुन्दर चीजों का निर्माण नहीं कर सकता है । बिना सुरक्षा के उनकी रचनात्मक शक्तियों का विकास सम्भव नहीं है ।

लेखक व्याख्या करते हैं कि यद्यपि व्यवस्था तथा सुरक्षा-स्वयम् ही सभ्यता नहीं है, फिर भी ये सभ्यता के निर्माण में आवश्यक है । उनके अभाव में सभ्यता सम्भव नहीं हैं ।

## Page 2 Para 3

For all that—inspite of it इसके होते हुए भी । period—time समय, काल । the Roman Empire—the empire of ancient Rome. It was established by Augustus in 27 B. C. The Civilization of Rome was at its height, It included present day Italy, France, Spain, England, Greece, Turkey, Egypt, Portugal etc. प्राचीन रोम का साम्राज्य-यह ईसा से २७ वर्ष पूर्व अगस्तस में स्थापित किया था । रोम की सभ्यता सर्वोच्च थी । इसमें आधुनिक समय के इटली, फ्रान्स, स्पेन, इंगलैंड, ग्रीस, टर्की, मिश्र तथा पुर्तगाल देश भी सम्मिलित थे । two Revolutions –the French Revolution (1789-1799) and the Russian Revolution (1917-1918) फ्रान्स की राज्य क्रान्ति तथा रूस की राज्य क्रान्ति । achievement—accomplishment प्राप्ति । practically—in a practical manner व्यवहार से ।

हिन्दी अनुवाद—ऐसा होते हुये भी ये दोनों (व्यवस्था तथा सुरक्षा) नवीन तथा अद्वितीय वस्तुयें है । रोम-साम्राज्य के थोड़े से समय को छोड़कर, यूरोप पिछले दो सो वर्षों से सभ्यता और सुरक्षा रही है और इस समय में भी (अर्थात् इन दो सौ वर्षों में) दो क्रान्तियां तथा अनेक युद्ध हुये हैं । इस प्रकार हमारी सभ्यता की यह महान प्राप्ति है कि आज सभ्य मनुष्य अपने साधारण जीवन में हिंसा से वास्तव में मुक्त है ।

(Key question 2) Page 2 Para 1

Meanings—Largely—mostly अधिकांश रूप में। ill–sick बीमार। an aesthetic—drugs that make men unconscious मनुष्य को वेहोश करने वाली औषधी। terrible–fearful भयानक। savages—wild people असभ्य लोग। usually—often प्रायः। invalids–the unhealthy अस्वस्थ रोगी। well–healthy स्वस्थ। longer–और अधिक लम्बा। grow up–to develop विकास करना।

हिन्दी अनुवाद—वे (मनुष्य) ज्यादातार पीड़ा के भय से मुक्त हैं। वे अब भी बिमारी का अनुभव करते हैं-परन्तु जब से वेहोश करने वाली औषधियों का प्रयोग काफी होने लगा है, तब से बिमारी इतनी भयंकर नहीं रही, जितनी कि यह हुआ करती थी और अब लोग बीमार भी बहुत कम होते हैं। स्वस्थ होने का अर्थ सभ्य होना नहीं है-जंगली लोग तो प्रायः ताकतवर होते हैं, यद्यपि प्रायः इतने नहीं जितने कि उनको सामान्य रूप से समझा जाता है। परन्तु जब तक तुम्हारा स्वास्थ्य ठीक नहीं होगा, तो तुम किसी वस्तु का आनन्द नहीं ले सकते और न ही कुछ प्राप्त कर सकते हो। यह सच है कि कुछ महान आदमी हुये हैं। जो कि अस्वस्थ थे परन्तु उनकी खराब तन्दुरुस्ती के होते हुये भी उन्होंने अपने कार्यों को पूर्ण किया और चूंकि उनका कार्य महान था, यह और भी अधिक महान होता, यदि उनका स्वास्थ अच्छा होता। आजकल पुरुष तथा स्त्रियां अच्छा स्वास्थ्य ही नहीं रखती, वरन् पहिले की अपेक्षा उनका जीवन दीर्घ होता है और उनको अपने विकास का और अधिक अच्छा अवसर प्राप्त होता है।

**Exp.**—To be healthy...........been well.

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'The [illegible]ization of Today', written by C. E. M. Joad. This lesson [illegible] been taken from his famous book' 'The Story of Civiliza-

[illegible]**nt.**—With the advancement of modern Civilization we [illegible] become free from pain and suffering. Now we enjoy [illegible] health than before.

[illegible]**p.**—Here the writer says that good health is not necess-

ary for being civilized in society. Health and civilization ar two different things. We may remain uncivilized inspite o our good health. Barbarians are always healthy. But the are actually not so healthy as the town-people think them.

The writer explains that good health is to some extent nece ssary, in order to enjoy the sweetness of life. Without it, w may not be able to achieve something great in life. It is als true that there were the men, who did not enjoy health. Bu it is equally true that these men fulfilled their task inspite o their ill-health. That is why they were able to do good an great things in life. Had they been healthy, they would hav done better work in their lives.

व्याख्या—यहाँ पर लेखक कहते हैं कि समाज में सभ्य बनने के लिये अधिक स्वस्थ्य होना आवश्यक नहीं है। स्वस्थ तथा सभ्यता दो भिन्न २ वस्तुयें हैं। हम अपनी अच्छी तन्दुरुस्ती के होते हुए भी असभ्य रह सकते हैं। जंगली लोग प्रायः स्वस्थ होते हैं परन्तु वास्तव में वे इतने स्वस्थ नहीं होते जितना कि नगर के लोग उनको सोचते हैं।

लेखक यह भी व्याख्या करते हैं कि अच्छा स्वास्थ्य भी कुछ सीमा तक आवश्यक है। इसके बिना, हम जीवन में किसी महान लक्ष्य की प्राप्ति में असफल हो सकते हैं यह भी सत्य है कि वे व्यक्ति भी महान हुये हैं जिनका स्वास्थ्य खराब था परन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि इन व्यक्तियों ने अपनी खराब तन्दुरुस्ती के बावजूद भी अपने कार्यो को पूर्ण किया है। यही कारण है कि वे जीवन में महान तथा उत्तम कार्य कर सके। यदि वे स्वस्थ होते तो अपने जीवन में और भी अधिक अच्छे कार्य कर सकते थे।

### Page 3 Para 1 under Key Question 3

Meanings—Secure—safe सुरक्षित। widely sprea covers a large part of the earth i. e. it is sprea and wide पृथ्वी का विशाल भाग ढके हुये हैं अर्थात यह सर्वत्र (दू व्याप्त है। previous–far-going पहिली। known to his which are recorded in history जिनका कि इतिहास में है। came to an end–ended समाप्त हो गई। vigorou

ust हृष्ट पुष्ट । broken upon–attacked आक्रमण कर दिया । destroy–ruin नष्ट करना ।

हिन्दी अनुवाद—तीसरे, हमारी सभ्यता अपने से पूर्व की किसी भी सभ्यता से अधिक सुरक्षित है । ऐसा इसलिये है कि यह बहुत अधिक विस्तृत है । इतिहास में वर्णित अधिकांश पहिली (प्राचीन) सभ्यतायें समाप्त हो गईं क्योंकि शक्तिशाली परन्तु असभ्य लोगों ने उन पर (सभ्य लोगों पर) आक्रमण कर दिया और उनको नष्ट कर दिया ।

Page 3 pare 2 Meanings–Threatens–challenges चुनौती देता है । likely–possible सम्भव । escape–to get rid छुटकारा पाना । specialised–uncommon सामान्य न होना । limited–confined सीमित । oases–a fertile place in a desert नखलिस्तान (मरु भूमि) । surrounding–चारों तरफ । all–round । savagery–barbarism असभ्यता । closed in–spread फैल गया । far-flung thing–widely spread thing दूर २ तक फैली हुई वस्तु । practically–in a practical manner व्यवहारिक रूप से । untouched-aloof अछूता । owing to–due to कारण से । destruction–ruin विनाश । armed it–equipped with arms हथियारों से सुसज्जित कर दिया । exceedingly–greatly अत्यन्त । prevail–to gain mastery over प्रबल होना ।

हिन्दी अनुवाद—अब यह प्रकट होता है कि हमारी सभ्यता किन्हीं भी ...रों से, जो इसे धमकी देते हैं और वे बहुत हैं, प्रायः इस एक भय से मुक्त है । ...न की सभ्यतायें विशिष्ट तथा सीमित थी । वे तो चारों तरफ फैले हुये ... रेगिस्तान में छोटे २ नखलिस्तान (मरुभूमि) थे । थोड़े बहुत समय ...समीप आता गया और मरुभूमि समाप्त हो गई । परन्तु आज तो ...का, आस्ट्रेलिया और एशिया और अफ्रीका के बड़े २ भागों पर ... व्यवहारिक रूप से संसार का कोई भी भाग इससे अछूता नहीं है ...नी शक्तियों के कारण जो विज्ञान ने हमें हथियारों के रूप में दी है,

यह वात वहुत ही असम्भव है कि ऐसे जंगली या असभ्य लोग जो संसार में अ
भी शेष हैं, इसके (आधुनिक सभ्यता) विरुद्ध बल प्रकट करें (अर्थात इस पर छ
जायें)।

**Exp.**—Pervious civilizations.........the desert. **(Most Impt.**

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'Th
Civilization of Today', written by C. E. M. Joad. Joad was
powe r l thinker of modern times.

**Cont.**—Here the writer tells us the difference between th
past and the present civilization. Past civilizations ende
because they were limited to a number of people only.

**Exp.**—Past civilizations did not last for long because the
were confined to some small group of people. The writ
compares these civilizations to the oases in the deserts. It mea
that there were barbarians all around us, and the civiliz
people were only very few among them. In course of time t
barbarians attacked over the civilized ones and scattered th
civilizations to the winds. The oases in the desert also turn
into sand after some time. Same was the case with past civi
zations. But today the matter is quite different. Now civi
zation is fast spreading every where. Today it appears that t
desert is changing into an oasis i. e. civilized persons are co
verting those who are uncivilized these days. Today the civiliz
countries are much more in number than the uncivilized cour
ries.

व्याख्या—विगत कालीन सभ्यताएं काफी समय तक नहीं रह सकी क्यों
वे कुछ लोगों के समूह तक ही सीमित थे। लेखक इन सभ्यताओं की तुल
रेगिस्तान की मरुभूमि से करता है। इसका अर्थ है कि इसके चारों तरफ अस
लोग थे और उनके मध्य में सभ्य लोग बहुत ही कम थे। कुछ समय बे
असभ्य लोगों ने सभ्य समुदायों पर आक्रमण कर दिये और उनकी
छिन्न भिन्न कर दिया रेगिस्तान के मरुस्थल भी कुछ समय पश्चात
परिवर्तित हो जाते हैं। यही स्थिती विगत सभ्यताओं की थी परन्
स्थिती बिल्कुल भिन्न हैं। अब सभ्यता प्रत्येक स्थान पर तेजी से फै
आजकल तो ऐसा प्रकट होता है कि रेगिस्तान स्वयं मरुभूमि में

अर्थात सभ्य लोग उनको परिवर्तित कर रहे हैं जो असभ्य हैं। आजकल असभ्य देशों की अपेक्षा सभ्य देशों की संख्या कहीं अधिक है।

**Exp.**—Practically no part............against it. **(Impt.)**

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'The Civilization of Today', written by C. E. M. Joad.

**Cont.**—Here the writer tells us the difference between the past and the present civilization.

**Exp.**—The writer tells the nature of modern civilization which is spreding every where in the world. It is very popular. It is the civilization of the masses and not of the noblest and the lords only. Almost, it has spread every-where in the world. Moreover it is expected that modern civilization will last for long because of the new inventions of science. Science has given us many fatal weapons of war, with which we can fight against those who try to destroy this civilization of the masses. The savages, who are left in the world, are afraid of these destructive weapons. For fear of these weapons, they do not have courage to destroy our civilization.

व्याख्या—लेखक वर्तमान सभ्यता के गुण के विषय में बताता है जो कि संसार में सर्वत्र फैल रही है। यह बहुत प्रसिद्ध है। यह तो सामान्य जनता की सभ्यता है और कुछ ही श्रेष्ठ व्यक्तियों की सभ्यता नहीं है। यह संसार में प्रायः सर्वत्र व्याप्त हो चुकी है। इसके अलावा, यह आशा की जाती है कि वर्तमान सभ्यता विज्ञान के नवीन आविष्कारों के कारण काफी समय तक चल सकेगी। विज्ञान ने हमको युद्ध के बहुत घातक हथियार दिये हैं जिनके द्वारा हम उनसे लड़ सकते हैं जो कि आम जनता की इस सभ्यता को नष्ट करने का प्रयास करते हैं। ये जंगली व्यक्ति, जो संसार में अब भी हैं, इन विनाशकारी हथियारों से डरे हुये हैं। इन हथियारों के डर के कारण ये हमारी सभ्यता को नष्ट करने का साहस नहीं कर सकते हैं।

## Key Question 4 Page 3-4 para 1

**Meanings**—A single whole—a unified entity एक इकाई। unity—एकता। exchange—barter विनिमय। goods—

सामान । a lot of–many बहुत से । shut off–divided विभक्ति ।

हिन्दी अनुवाद–इस प्रकार पहिली बार ही संसार के एक सूत्र में बन्धन का अवसर प्राप्त हुआ है । जहाँ तक क्रय विक्रय तथा सामान की अदला-बदली (व्यापार) का सम्बन्ध है, यह (संसार) पहले से ही एक इकाई है । संसार प्रथम बार ही अनेक भिन्न २ स्थानों के बजाय, जो क एक दूसरे से अलग है, एक सूत्र में बन्धता जा रहा है ।

Page 4 Para 2 Meanings—Century—a period of hundred years शताब्दी । boxes—containers- (Ref. to countries यहां देशों से तात्पर्य है) । holding no communication with each other—having no contacts or links with each other एक दूसरे से कोई सम्बन्ध न रखते हुए । invaded –attacked आक्रमण करते थे । constant–continuous निरन्तर । sides of the boxes–national boundaries राष्ट्रीय सीमाएं । breaking down–टूट रही है (they are losing their former importance) वह अपने पूर्व अस्तित्व को खो रही है । enormous—huge विशाल । the danger from revolution within the country देश की अन्तर्गत की क्रान्तियों से ही हमें भय लगता है । defects —draw-backs दोष, कमियां ।

हिन्दी अनुवाद—कोई कह सकता है कि सदियों से मानव जाति के राष्ट्र भिन्न २ सन्दूकों (अर्थात देशों) मे रहे हैं (अर्थात संसार के मनुष्य अनेक देशों में रहते चले आए हैं) और वे आपस में एक दूसरे से कोई सम्बन्ध नहीं रखते थे सिवाय उस समय के जबकि एक राष्ट्र के लोग दूसरे राष्ट्र पर आक्रमण क[illegible] देते थे और कुछ सन्दूक तो कभी भी नहीं खोले गए (अर्थात कुछ देश तो क[illegible] भी दूसरों के सम्पर्क में नहीं आए) आजकल राष्ट्रों के बीच लगातार ही आ[illegible] जाना है, यहां तक कि सीमा भी समाप्त होती जा रही है और संसार [illegible] विशाल सन्दूक (व्यापक देश) की भाँति दिखाई देने लगा है । अब ऐसा खत[illegible] नहीं है कि कोई अज्ञात जाति बाहर से आकर हमारी सभ्यता पर आक्र[illegible]

करके, इसे नष्ट कर दें। वल्कि खतरा तो अब देश के अन्दर से ही है। यह हमारे स्वयं के मध्य से उत्पन्न भय हैं। यह मुझे अपनी सभ्यता के दोषों का परिचय कराता है।

**Exp.**—Today there............enormous box. **(Impt.)**

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'The Civilization of Today', written by C. E. M. Joad.

**Cont.**—In the past we had no connections with the people of other nations. But we are changing fast these days.

**Exp.**—The writer says that people in the past did not come in contact with the citizens of other countries. They were closed within the narrow boundaries of their country alone. Today the shape of things has changed. Now we always mix up with the people of other countries. National boundaries are losing their former importance. There is more movement of people and exchange of ideas between nations. Now the whole world is looking like a big nation.

व्याख्या—लेखक कहते हैं कि भूतकाल में लोग दूसरे देशों के नागरिकों के सम्पर्क में नहीं आते थे। केवल अपने ही देश की संकुचित सीमाओं के अन्तर्गत वन्द रहते थे। परन्तु आज वस्तु स्थिती भिन्न है। अब हम सदा ही दूसरे देशों के लोगों के साथ घुल मिलकर रहते हैं। राष्ट्रीय सीमाएं अपने पूर्व महत्व को खोती जा रही हैं। राष्ट्रों के बीच में विचारों का आदान प्रदान तथा आवागमन अब अधिक है। अब तो सम्पूर्ण देश एक महान राष्ट्र के समान दिखाई दे रहा है।

## Key Question 5, Page 4 Para 1

**Meanings**—Democratic countries—प्रजातन्त्रीय देश। [illegible]ve a voice–have their 'say' अपना अधिकार भी रखते हैं। [illegible]ding–settling निर्णय करना। sharing out–distribution [illegible]ण। unfair–that is not fair जो ठीक न हो-अनुचित। sur[illegible]ndings—atmosphere वातावरण। dreadful–fearful [illegible]। Fun–joke मजाक। afford–bear सहन करना।

हिन्दी अनुवाद—प्रजातन्त्रीय देशों में कानून के समक्ष सब व्यक्ति बराबर हैं और वे यह निर्णय करने में अपना अधिकार रखते हैं कि उन पर किस प्रकार तथा कौन शासन करेगा। परन्तु धन का वितरण—जिसका अर्थ भोजन, वस्त्र, मकान और पुस्तकें आदि का वितरण है-अब भी बहुत अनुचित है। जबकि कुछ लोग ऐश्वर्य में रहते हैं, बहुत सों के पास खाने, पीने, और पहिनने के लिये साधन प्रर्याप्त नही है। यहां तक कि संसार के सुन्दरतम नगरों में भी हजारों लोग भयानक वातावरण में रहते हैं। पांच और छः सदस्यों के अनेक परिवार हैं जो कि एक ही कमरे में रहते हैं, इसी कमरे में वे सोते हैं, कपड़े बदलते हैं, धोते हैं तथा अपना अपना भोजन करते हैं। इसी कमरे में जन्म लेते हैं और उसी कमरे में मर जाते हैं वे इस प्रकार आनन्द के लिये नहीं रहते परन्तु इसलिये रहते हैं कि दूसरा कमरा लेने के लिये वे बहुत ही अधिक निर्धन हैं।

Page 5 para 2

Meanings—Proper—just उचित। share–भाग। delightful—pleasant आनन्ददायक। far from perfect—it will not become perfect यह सभ्यता पूर्ण नहीं होगी।

हिन्दी अनुवाद—मैं सोचता हूँ कि यह स्पष्ट है कि जब तक प्रत्येक व्यक्ति को आवश्यक और आनन्ददायक वस्तुओं का उचित भाग प्राप्त नहीं हो जाता है, तब तक हमारी सभ्यता पूर्ण नहीं होगी।

(Key Question 6 Page 5–6 Para 1)

Meanings—A single whole—एक इकाई। across its surface—through out the world पूरे संसार में। frontiers–boundary-walls सीमायें। states—राष्ट्र-nation। dist... past—times long ago वहुत समय पहिले। recent—of हाल का ही। a couple of hundred years ago—two hundred years ago दो सौ वर्ष पूर्व। steam ship—पानी के ... inventions–आविष्कार। have made nonsense–have made them useless इनको व्यर्थ का बना दिया है। political div...

–national boundaries resulting from political events in history इतिहास में राजनैतिक घटनाओं के परिणाम् स्वरूप राष्ट्रीय सीमाएं । would not matter greatly–would be of little importance कम महत्व की होगी । torn by war–disturbed by war युद्ध से छिन्न भिन्न हुआ । will set...oblaze–will destroy a heap of hay by burning जलाकर सूखी घास के ढेर को समाप्त कर देगा । war materials—weapons of war युद्ध के शस्त्र । the world is again like a hay-rick—a hay rick is a large heap of hay and the world is like it यह दुनिया सूखी घास के या अनाज के ढ़ेर के समान है (अर्थात जरा सा झगड़ा हो जाने से अगले विश्व युद्ध की सम्भावना हो जाती है जिस प्रकार जरा सी दिया सलाई की तीली के जलाने से सारा घास का ढ़ेर जलकर राख हो जाता है । ) jokingly—cutting joke मजाक करते हुये । remarked—said कहा । bows and arrows—तीर तथा धनुष ।

हिन्दी अनुवाद–एक इससे भी बड़ा खतरा युद्ध कारण उत्पन्न होता है । यद्यपि, जहां तक क्रय विक्रय तथा चीजों के विनिमय का सम्बन्ध है, संसार एक इकाई हो सकता है और होना चाहिये, पर इससे भी दूर विभिन्न राष्ट्रों की सीमायें पाई जाती हैं । इनमें से वहुत सी तो अत्यन्त प्राचीन काल में निश्चित कर दी गई थी, कुछ हाल ही की दो सौ वर्ष पुरानी है-इसका अर्थ यह है कि वे इस समय से पहिले की है जब रेल, मोटर कार, भाप से चलने वाले जहाज और हवाई जहाज का आविष्कार नहीं हुआ था । फिर भी इन आविष्कारों ने संसार को इतना छोटा वना दिया है कि आज मैं इगलैण्ड में रहता हुआ भारत के पास पहुंचने में यात्रा करने का उससे कम समय लेता हूँ जितना मेरे [illegible] लेन्ड में किसी व्यक्ति के पास तक पहुंचने में लेते थे । इस प्रकार [illegible]ए अर्थ हीन हो गई हैं, जिनसे कि यह संसार अब भी विभाजित [illegible]जन-राजनैतिक आधार पर किए गए विभाजन, जो मानव जाति को बिल्कुल महत्वपूर्ण न होते, यदि युद्ध न होते । मेरे जीबन काल में

अब तक दो बार १९१४ से १९१८ तक तथा १९३९ से १९४५ तक प्रायः समस्त संसार युद्धों से छिन्न भिन्न हो गया है। इसके अति रक्त आजकल की परिस्थितियों में कोई भी युद्ध, जो कहीं भी आरम्भ होता है, अधिकाधिक रूप में सर्वत्र फैल सकता है। एक अकेली दिया सलाई की तीली सम्पूर्ण सूखी घास के ढेर को आग लगा सकती है और सर्वत्र युद्ध के हथियारों से युक्त संसार उस सूखी घास के ढ़ेर के समान हीं है जो दिया सलाई की तीली की प्रतीक्षा करता रहता है (अर्थात जरा सा भी झगड़ा होने पर समस्त संसार में युद्ध फैल सकता है) जिस प्रकार किसी ने मजाक में कहा था कि अगले युद्ध में व्यक्ति एटम वम से लड़ेंगें और उसके वाद युद्ध में वे धनुष तथा तीर से लडाई लड़ेंगें।

6 **Exp.**—A single match...........arrows. **(V. Imp.)**

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'The Civilization of Today', written by C. E. M. Joad.

**Cont.**—War is a great threat to our civilization. The results of war are very terrible. We have already experienced the destruction of the two world-wars.

**Exp.**—The writer thinks that there is a possibility of another war. If it starts anywhere, it is likely to spread everywhere. Most of the countries of the world have enough war materials. They only want its beginning. The writer points out that the condition of these nations is like a heap of dry grass, which needs only a single-match-stick to burn into ashes. In the same way a small dispute might be enough to set off the fire of the next world war.

Some people think that wars will take us back to the dark ages. They will make the people uncivilized. They will, then fight with their old-type of bows and arrows.

व्याख्या—लेखक विचारते हैं कि एक अन्य युद्ध की भी सम्भावना है। यह कहीं भी आरम्भ हो जाता है, तो यह सर्वत्र फैल सकता है। सं अधिकांश देशों के पास पर्याप्त युद्ध सामग्री है। वे तो केवल इसकी चाहते हैं। लेखक संकेत करता है कि इन राष्ट्रों की दशा सूखी घास समान है जिसको की जलकर राख हो जाने के लिये एक दिया सलाई

की आवश्यकता पड़ती है। इसी प्रकार अगली विश्व युद्ध की आग भड़काने के लिये एक छोटा सा झगड़ा ही प्रयाप्त है।

कुछ लोगों का विचार है कि युद्ध हमको अन्धकारमय युग की ओर ले जायेंगे। वें लोगों को असभ्य बना देगें। तब वे अपने पुराने किस्म के तीर-कमान से ही लड़ेगें।

(Key Question 7 Page 6 Para 1)

Meanings—Fit for God–befitting for the God देवताओं के योग्य। tremendous powers—विशाल शक्ति।

हिन्दी अनुवाद—फिर हमारी सभ्यता का एक दूसरा महान दोष यह है कि उसको यह ज्ञात नहीं है कि अपने ज्ञान का प्रयोग किस प्रकार करें। विज्ञान ने हमें देवताओं के लिये उपयुक्त अधिकतम शक्ति दी है-परन्तु हम उसका प्रयोग छोटे बच्चों की भांति ही करते हैं। (अर्थात वैज्ञानिक शक्ति का प्रयोग हम हानिकारक कारणों के लिये ही करते हैं।)

Page 6 Para 2

Meanings—Manage our machines—take work from machines अपनी मशीनों से काम लेना। dependent—one who relies on another आधीन। looking after—taking care देखभाल करना। waiting upon–attending to कार्य करना। stern—hard कठोर। fed with coal—coal is the food of machines कोयला मशीनों का भोजन है। petrol to drink–petrol to keep them running उनको चलाने के लिये पेट्रोल दिया जाता है। temperature—तापमान। meals—food भोजन। sulky—ill [illegible]ered चिढ़ी चिढ़ी, क्रोधित। rage–anger क्रोध। blow up–[illegible] है। spread ruin......them–they destroy many [illegible] around them अपने चारों तरफ की बहुत सी चीजों का विनाश [illegible] है। to keep them in good temper—keep them [illegible]ng smoothly उनके ठीक प्रकार से कार्य करने की दशा में

रखना। altogether—fully पूरी तरह से।

हिन्दी अनुवाद—उदारणार्थ हम यह नहीं जानते कि मशीनों से किस प्रका कार्य लें। मशीनों को व्यक्ति का सेवक होने के लिये बनाया गया था, पर व (मनुष्य) उन पर इतना अधिक आश्रित हो गया है कि वे काफी सीमा तक उ की स्वामिनी बन गई हैं। अब भी बहुत से मनुष्य अपने जीवन का अधिका समय मशीनों की देखभाल करने तथा उन पर काम करते हैं, और मशीने बड़ी कठोर स्वामिनी हैं। उन्हें भोजन के रूप में कोयला, पीने के लिये पेट्रो तथा धोने के लिये तेल देना पड़ता है और उन्हें ठीक प्रकार से कार्य करने दशा में रखना चाहिये और यदि उनको अपना भोजन नहीं मिलता है, जब उन्हें जरुरत हो, तो वे चिढ़-चिढ़ी हो जाती है और काम करने से इंकार देती हैं या क्रोधित हो जाती हैं और फट पड़ती हैं तथा अपने चारों त विनाश, बर्बादी हो फैलाती हैं। इसलिये हमें बड़ी सावधानी से उन पर करना पड़ता है और ऐसे सब कार्य करने पडते हैं जिनसे कि उनको अच्छे स्व में रख सकें (अर्थात उनसे भलि भांति कार्य ले सकें।) अब भी हम मशीनो बिना कार्य करना तथा खेलना कठिन पाते हैं, और एक समय ऐसा आ सकत जबकि वे पूरी तरह से हम पर शासन करेगी, जैसे कि हम अब पशुओं पर हैं।

**Exp.**—For example......his masters. **(Imp.) Para 6 Pa**

**Ref.**—These lines have been taken from the chapter, Civilization of Today', written by C. E. M. Joad.

**Cont.**—Machines are also a great danger to modern c zation, because we are totally dependent on them,

**Exp.**—In fact, we don't know how to handle the machines, invented by science. They were made to man's servants. So we might use them for our com ease. But we do not use them for good purposes in lif of it, we use them for destruction of mankind. Mo have become quite dependent on them. They ha governing us in our daily life. At present these powe nes have become our masters, and it is one of major modern civilization.

व्याख्या—वास्तव में हम यह नहीं जानते हैं कि बड़ी बड़ी मशीनों से किस प्रकार कार्य करें। वे तो व्यक्ति को सेविकाओं के रूप में बनाई गई थी-इसलिये हम अपनी सुविधा तथा आराम के लिये उनका प्रयोग कर सकते थे। परन्तु हम जीवन में अच्छे कार्यों के लिये उनका प्रयोग नहीं करते हैं। इसके बजाय, हम तो मानवता के विनाश के लिये उनका प्रयोग करते हैं। इसके अलावा हम उन पर पूर्ण आश्रित हो गये हैं। उन्होंने हमारे दैनिक जीवन में हम पर शासन करना आरम्भ कर दिया है। वर्तमान समय में ये शक्तिशाली मशीने आदमी की स्वामिनी बन गई हैं और यह तो वर्तमान सभ्यता के बड़े दोषों में से एक है।

## Key Question 8 Page 7

Meanings—Liking–living पसन्द करना । thinking freely स्वतन्त्रता पूर्वक विचार करना। maintaining–establishing स्थापित करना । justice—न्याय । energy—power शक्ति । less–और कम । created–उत्पन्न किया गया । won for–given to दिया है । universe–whole world ब्रह्माण्ड । prevent–check रोकना । undoubtedly–surely निःसन्देह । the most lasting–likely to last for the longsst period of time सब से अधिक देर तक चलने वाली (प्रायः स्थाई) ।

हिन्दी अनुवाद—सभ्य होने के अर्थ होते हैं कि सुन्दर वस्तुओं का निर्माण करना तथा उनसे प्यार करना, स्वतन्त्रता पूर्वक विचार करना, उचित रूप से रहना तथा मनुष्य २ के बीच में समान रूप से न्याय की भावना को स्थापित करना आदि। पहिले की अपेक्षा इन कार्यों को करने के लये आज के मानव के पास अधिक उचित अवसर हैं। उसके पास अधिक समय तथा अधिक शक्ति है और अपने द्वारा स्वयं उत्पन्न खतरों को छोड़कर, व्यक्ति को भय के लिये तथा क्रोध के लिये बहुत कम अवसर हैं। मशीनों ने हमारे लिये कुछ समय तथा शक्ति की बचत की है। यदि हम सुन्दर चीजों के निर्माण में, संसार के विषय में अधिकाधिक ज्ञात करने में, राष्ट्रों के बीच में झगड़ा का नबटारा करने में तथा गरीबी को दूर करने के उपायों की खोज करने में इस समय तथा शक्ति का

उपयोग करे तो मेरा विचार है कि हमारी सभ्यता निश्चय ही महानतम होगी और इस प्रकार यह किसी होने वाली सभ्यता की अपेक्षा बहुत ही समय तक चल सकेगी ।

**Exp.**—Being civilized..........himself created.

**(Page 7 last Para)**

**Ref.**—These lines occur in the lesson, "The Civilization of Today", written by C. E. M. Joad.

**Cont.**—According to the writer, there are many chance before us to develop our civilization. Modern-men have more time and energy than their fore-fathers.

**Exp.**—Here the writer tells us the real meaning of civiliza. tion. Real civilization exists in making beautiful things thinking freely, living rightly and having equal justice between man and man. A welfare-state is the outcome of the noble thoughts of the civilized people. Today we have better chances of being civilized because of enough time and energy that machines have saved for us. Now we can do a lot of work in no time because modern-machines do many other works and thus save sufficient time for us. We can utilize this exta-time and energy in making ourselves fully civilized.

व्याख्या-यहां पर लेखक सभ्यता का वास्तविक अर्थ बताता है । वास्तविक सभ्यता सुन्दर चीजों के निर्माण में, स्वतन्त्र विचारधारा में, उचित रहन सहन में तथा व्यक्ति २ के बीच समान न्याय की भावना में निहीत है । सभ्य लोगों के श्रेष्ठ विचारों के परिणाम स्वरूप ही लोक कल्याणकारी राज्य की स्थापना हो सकती है । आज कल सभ्य बनने के हमारे पास अच्छे अवसर है क्योंकि मशीनों ने हमारे लिये पर्याप्त समय तथा शक्ति बचा रक्खी है । आजकल हम बहुत कम समय में काफी कार्य कर सकते हैं क्योंकि आधुनिक मशीने बहुत से अन्य कार्य और इस प्रकार हमारे लिये प्रर्याप्त समय बचा देती हैं । हम इसके अति समय और शक्ति का प्रयोग अपने आपको सभ्य बनाने में कर सकते हैं ।

## Questions and Answers

**Key question I**—What does C. E. M. Joad have to s

praise of the order and safety which obtain in the civilization of today ?

सी० ई० एम० जोड़ आधुनिक सभ्यता में पाई जाने वाले व्यवस्था तथा सुरक्षा के गुणों की प्रशंसा के विषय में क्या कहते हैं ?

**Ans.**—In this present lesson the writer has described the important points of modern civilization. Our civilization has many good points which make it permanent in the world. First and foremost there are order and security in the civilization of today.

**The importance of order and security**—Order and security are very useful for being civilized in the world. Today man is free from the fear of violence and might is no longer the right. But right has taken the place of might. At present our lives are generally safe from many dangers which threatned our civilization in the past.

**Law protects us**–If today we pick up quarrel with another men, we do not get beaten merely because we are physically weak.. We can take the shelter of law, that is always to help us against all dangers. Law protects us in our daily lives and punishes the wrong doers.

Secondly law protects us against robbery and violence. Nobody, can enter our house and run off with our children. If some one does so, he will be punished by law.

**Inventions of new things**—Again safety enables us to do every great things in life. Without safety the inventor cannot invent, the scientist cannot discover and the artist cannot make beautiful things. If they do not feel safe, they cannot think freely for fear of danger to their lives.

In this way order and security are two new things of modern civilization. They make us free from dangers.

**Key question 2**–In what way has the growth of civilization helped men and women to enjoy better health ?

सभ्यता का विकास स्त्री–पुरुषों को अच्छे स्वास्थ्य का आनन्द लेने में किस प्रकार सहायक है ?

**Ans.**—The growth of civilization has helped men and women to enjoy better health than they had in the past. These days we live longer than our fore-fathers, because we are quite

free from the fear of pain. Illness is no longer the terrible thing as it used to be in the past. At present we are finding ways and means to minimize pain and conquer death.

Our civilization has helped us to fight against so many terrible diseases. It has lessened pain and suffering and increased the span of human life. It does not mean that people don't feel at all. But they can get themselves cured through the latest methods. For example the use of anaesthetics has almost removed our pains. Now the patients no longer suffers great pain under the surgeon's knifer.

These days scientists and doctors all over the world are busy in finding out causes and remedies of so many diseases which were thought incurable in the past.

Good health is also necessary for the fullest development of our personality. We cannot enjoy anything without good health. Healthy men and women have a much better chance of growing up. Health is, indeed, a thousand blessings to mankind.

**Key question 3**—Why is our civilization more secure than any that have gone before it ?

" अपने से पूर्व की किसी सभ्यताओं की अपेक्षा हमारी सभ्यता अधिक सुरक्षित क्यों हैं ?

**Ans.**—Please consult the summary of the under lesson sub-heading–"Greater security of Modern Civilization", for the answers of this question.

**Key question 4**—How is our world tending to become a unity ?

हमारा संसार एक 'सम्पूर्ण इकाई' होने के लिये किस दिशा में जा रहा है ?

**Ans.**—Nations in the past had no connection with one another. They remained into separate boxes and had n't any chance of coming into contact with the progressive nations of the world. But the shapes of things are changing fast.

**Unity in the world**—Now for the first time the world has a chance of becoming a single whole–a unity. This unity comes as a result of buying and selling and the exchange of goods. People of one nation come in contact with those of the other through business and trade. Now they have a better chance of understanding one another.

**Its advantage**—Previously the nations were like different groups of people living in separate boxes, but to-day the whole world is a big box, where people of different nations meet together. As a result of this unity, our civilization has no danger from outside.

**Key question 5**–What are the major defects of our civilizations ?

हमारी सभ्यता के मुख्य दोष क्या हैं ?

**Ans.**—Please consult the summary of the lesson under the heading of "Draw-backs of Present-day civilization."

**Key question 6**—How does war endanger our civilization ?

युद्ध से हमारी सभ्यता को किस प्रकार खतरा हो सकता है ?

**Ans.**—The writer of the lesson has pointed out certain draw-backs of our civilization. One of the major defects of present-day civilization is that it is not free from the fear of war. It is certainly a very great danger to our civilization.

**War causes destruction**–War is the negation of humanity and it causes great destruction to mankind. During war, our lives are not safe and we feel fear of the coming danger. Sometimes war causes large-scale destruction of men and property and the civilization of the people goes to rack and ruin. We have already seen the horrors of two great world-wars, which have created a sense of doubts in our minds.

**Present conditions**—Though we are coming in contact with many other people, living in other countries, we are always afraid of quarrels too. In the conditions of the present day, any war that starts any where is more and more likely to spread every where. The position of the world is like a heap of hay, that can be burnt to ashes by a single-match-stick. In the same way a very minor clash may result into a great war.

**Key question 7**—How does danger to our civilization arise from machines ?

मशीनों से हमारी सभ्यता को किस प्रकार खतरा पहुंचता है ?

**Ans.**—Science has given us many new machines which we ... our every day life. Unfortunately we do n't realize the danger that may appear from these powerful machines.

**The power of machines**–The machines are very powerful

and stern masters. They need coal and petrol as their foo
and drink. We have to keep them in good working order. An
if they do not get their meals, they grow irritated and refuse t
work. These machines do a lot of work for us so we must kee
them in proper working condition, otherwise they can be ver
harmful to us. They can destroy the humanity at work.

**Men and machines**–At present men have become total
dependent on machines. They were made to be man's servant
yet we have grown so dependent on them that they have becor
our masters. It is expected that a time may come when th
will rule us altogether just as we rule the animals. But it is n
the defect of machines. The basic defect lies with us. We
not know how to work on them. They are great forces
science and it is our duty to use them in the right w
If we do n't use them properly, they can be a great danger
modern civilization.

**Key question 8**—How can we be truly civilized ?

हम वास्तविक रूप से किस प्रकार सभ्य हो सकते हैं ?

**Ans.**—Modern science has given us many new machi
and weapons of war. It has also made human life more co
fortable and beautiful than before. There was a time w
human life was completely in dark and there was no joy i
With the advancement of science, we have made progress
every walk of life. But this scientific advancement does
make the true civilization. It has a larger meanings.

**Real civilization**—The writer thinks that real civiliza
consists in making beautiful things, thinking freely and li
rightly between man and man. The inventions of mach
have done a useful work for us. They have saved time
energy. If we devote more time and more energy then we
did, real civilization will come into existence. And it
undoubtedly be the greatest civilization.

On the whole civilization consists in everything that is
and beautiful. Unless man has free thinking and good li
there is little hope of permanent civilization in the world.
zation depends on the higher values of life. We, the
must try our best to remove pain and suffering from this
In this way real-civilization will exist in the world.

# 2. Students And Village Service

## (विद्यार्थी तथा ग्राम-सेवा)

### (M. K. Gandhi 1869-1948)

**Introduction to the author—**

Mahatma Gandhi still remains one of the greatest figures in the world. He is remembered in history as the Father of the Indian Nation.The history of India's struggle for Independence is the story of Mahatma Gandhi's life. He fought for India's freedom with the wonderful weapons of Truth and Ahimsa. In this way he placed before the world new ideals in politics. Gandhi was a great saint, who wanted to raise the standard of the poor and back-ward people. He had great sympathy for the poor and down-trodden,

As an author, Gandhi had wonderful power of writing. His purity of soul reflects in all his writings, Gandhi's whole life was one long journey in search of truth and non-violence.

**Introduction to the lesson—**

Gandhiji regularly wrote articles for 'Young India'. Once ıe Students of Allahabad wrote a letter to Gandhiji, asking for is advice regarding the village service. Gandhiji replied, this tter in one of the issues of 'Young India' dated December 20, 929. This lesson is that reply of Gandhiji, published in his nglish Weakly. Gandhiji also remained the editor of this per from 1919 to 1922.

Here, Gandhiji has placed the ideals of village service before e young students of the country. Here he gives a difinite ggestions to them as to how they can help the villagers during ir long-vacations.

### Main Points of the lesson

dhiji received a letter from Allahabad students, while as on tour in U. P.

2 The students wanted to know the definite programme f[...] village-service. They had a great desire to do somethi[...] for the country.

3 Gandhiji advised them to take up the village-work ev[...] while they were studying at schools or colleges.

4 The students should devote the whole of their long-va[...] tions to village-service. They should not read during h[...] days.

5 During that perlod, they can teach the adults in the v[...] ages. They can tell the rules of sanitation to the villag[...] Moreover, they can be helpful to the villagers in m[...] othes ways.

6 The village life has to be touched at all points viz [...] economic, the hygienic, the social and the political.

7 The students should spin on the 'Charkha' also. T[...] can serve both self and country.

8 If we serve our villages, we can establish 'Swaraj' in the [...] ntry. Village-service is the most pious work for a stude[...]

## Summary of the lesson

**Gandhiji receives a letter**—During the U. P. [...] Gandhiji received a letter from Allahabad students. These [...] dents wanted to know how exactly they could be helpful i[...] villages. The students had read the writer's article in an [...] of 'Young India' on rural civilization, they, therefore, w[...] some definite out line for the work in the villages.

The students wrote to Gandhiji that they were keenl[...] terested in doing something useful for the nation. But [...] did not know how they might be helpful to the nation. [...] requested Gandhiji to throw some light on this point.

**Gandhiji's reply to the students**—Though Gan[...] already told about it in one of his speeches, yet he re[...] letter of the students. He advised all college-studeut[...] village work. They can start it even now and after [...] their education also.

**Scheme for village service—**

**(i) Programme for the vacation**—Gandhiji advised the young students of the country to take up village work during their vacation They should devote the whole of their vacation to village service. They should go to the neighbouring villages and do social service there. Our villages were the most backward places and needed reforms in every walk of life. We, the students, therefore, must spend all our vacation in villages.

During their holidays, the students will stay in the villages and help the villagers in removing their distress. They can start classes to teach the adults in the villages. They should tell the villagers the importance of 'Charkha' in their daily life. For this, we will have to make the proper use of our vacation. Teachers should not give home work to the students at such times.

**(ii) Programme for full-village service**–According to Gandhiji, the village life has to be touched at all points, the economic, the hygienic, the social and the political. Then we can dream of a happy India.

**(a) The economic condition**—The immediate solution of the economic distress is the 'Charkha' in most cases. It will add to the income of the villagers and also keep them away from mischief.

**(b) The hygienic condition**—The sudents should work themselves to make the villages neat and clean. They should clean out the wells and the tanks and make easy embarkment. In this way they can make the villages more habitable.

**(c) Social condition**—Villagers should be persuaded to give up bad customs and bad habits such as untouchability, infant marriages, drink and drug evils and many superstitions.

**(d) The political condition**—We should study the political grievances of the villagers and teach them the importance of freedom. unfortunately our villagers did n't have knowledge of politics. So we have to develop political awakening in them.

**(e) The position of the village worker**–A true village worker is very important person in the villagers. He is the friend, philosopher and guide of the simple and illiterate villagers. But he must do his work in true spirit.

He must try to spread education in the villages. Fos this a night-school will be of great help to them. A villages worker should teach the small children of the villagers. As regards the wage of the worker is concerned, Gandhiji advises to work on the spinning wheel. In this way he will get little money to support himself.

This is the only way to establish 'Swaraj' in the country.

## पाठ का सारांश

गांधी जी एक पत्र प्राप्त करते हैं—उत्तर प्रदेश के दौरे के समय गांधी जी ने इलाहाबाद के विद्यार्थियों का एक पत्र प्राप्त किया। ये विद्यार्थी यह जानना चाहते थे कि वह ठीक प्रकार से ग्रामीणों की कैसे सहायता कर सकते हैं। इन विद्यार्थियों ने ग्रामोण सभ्यता के ऊपर 'यंग इण्डिया' के एक अंक में प्रकाशित लेखक के एक लेख को पढ़ा था—इसलिए वे गांवों में कार्य करने की निश्चित रूप रेखा जानना चाहते थे।

इन विद्यार्थियों ने गांधी जी को लिखा कि राष्ट्र के लिए कुछ लाभकारी कार्य करने की उनकी प्रबल इच्छा थी परन्तु वे यह नहीं जानते थे।

विद्यार्थियों को गांधी जी का उत्तर—यद्यपि गांधीजी ने अपने एक भाषण में इसके सम्बन्ध में पहिले ही बता दिया था, फिर भी उन्होंने विद्यार्थियों के पत्र का उत्तर दिया उन्होंने कालिज के सब छात्रों को ग्राम सेवा करने की राय दी। वे इस कार्य को अब तथा अपनी शिक्षा समाप्त करने के पश्चात भी कर सकते हैं।

ग्राम-सेवा का कार्य क्रम—

(i) छुट्टियों के लिये कार्य क्रम—गांधी जी ने देश के युवक विद्यार्थियों को छुट्टियों में ग्रामों में कार्य करने की राय दी। उन्हें अपनी सम्पूर्ण छुट्टियां ग्राम सेवा में व्यतीत करनी चाहिए। उन्हें समीपवर्ती गाँव में जाना चाहिए, और वहाँ पर सामाजिक सेवा करनी चाहिए। हमारे गाँव सबसे पिछड़ित स्थान जहां पर कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सुधार की आवश्यकता है। हम, विद्यार्थि को अपनी सम्पूर्ण छुट्टियाँ गांव में व्यतीत करनी चाहिए।

अपनी छुट्टियों में विद्यार्थी गांव में ठहरेगें और ग्रामीणों की अनेक दुख दूर करने में सहायता करेगें। वे गांवों में युवकों को शिक्षित करने के लिए कक्षाएं आरम्भ कर सकते हैं। उन्हें ग्रामीणों को उनके अनेक दैनिक जीवन में चर्खें के महत्व को बताना चाहिए। इसके लिए, हमें अपनी छुट्टियों का ठीक प्रकार से प्रयोग करना चाहिए। ऐसे समय पर अध्यापकों को चाहिए कि वे विद्यार्थियों को गृह कार्य न दें।

(ii) पूर्ण ग्राम सेवा का कार्य-क्रम—गांधी जी के अनुसार ग्रामीण जीवन का सभी क्षेत्रों में सुधार करना है—आर्थिक, सफाई सम्बन्धी, सामाजिक तथा राजनैतिक क्षेत्रों में। इस प्रकार हम एक 'प्रसन्न भारत' का स्वप्न देख सकते हैं।

(अ) आर्थिक दशा—अधिकांश दशाओं में आर्थिक संकट का निवारण 'चर्खा' कर सकता है। इससे ग्रामीणों की आय बढ़ेगी और वे स्वयं को शरारतों से भी दूर रख सकेंगे।

(ब) स्वस्थ्य सम्बन्धी दशा—गांवों को साफ सुथरा बनाने के लिए विद्यार्थियों को स्वयं करना चाहिए। उन्हें तालाब तथा कुएं साफ करने चाहिए तथा कच्चे बन्ध बना देने चाहिए। इस प्रकार वे गांव को और अधिक रहने योग्य बना सकते हैं।

(स) समाजिक दशा—ग्रामीणों को बुरी आदतें तथा बुरे रिवाज छोड़ देने के लिए फुसलाना चाहिए। जैसे कि छूतछात, बाल विवाह, मदिरा पान तथा अन्य प्रकार के अन्य विश्वास आदि।

(द) राजनैतिक दशा—हमें ग्रामीणों की राजनैतिक समस्याओं का अध्ययन करना चाहिए और उन्हें स्वतन्त्रता के महत्व को समझना चाहिये। दुर्भाग्य से हमारे ग्रामीणों को राजनीति का ज्ञान नहीं है। इसलिए हमें उनमें राजनैतिक [illegible]ृति का विकास करना है।

[illegible] ग्रामीण कार्य कर्त्ता की स्थिति—एक सच्चा ग्रामीण कार्यकर्त्ता गांवों में [illegible]त्यन्त महत्वशाली व्यक्ति है। वह सरल तथा अशिक्षित ग्रामीण का मित्र,

दार्शनिक तथा मार्ग दर्शक है। परन्तु उसे सच्ची आत्मा से अपना कार्य करना चाहिए।

उसे गांव में शिक्षा फैलाने का प्रयास करना चाहिए। इसके लिए एक रात्रि पाठशाला उनके लिए अत्यन्त हितकारी होगी। एक ग्रामीण कार्य कर्ता को ग्रामीणों के छोटे बच्चों को भी शिक्षित करना चाहिए। जहां तक कार्य कर्ता की मजदूरी का सम्बन्ध है, गांधी जी उसे चर्खा कातने की राय देते हैं। इस प्रकार वह अपने निर्वाह के लिए कुछ पैसा प्राप्त कर सकेगा।

यदि देश में 'स्वराज' स्थापित करने का एक मात्र साधन है। कि वे राष्ट्र के प्रति किसी प्रकार से सहायक हो सकते थे। उन्होंने गांधी जी से इस विषय पर कुछ प्रकाश डालने की प्रार्थना की।

• **Word Meanings, Hindi Translation & Explanations**

Key Question 1 Page 11, para 1-2-3

Meanings—During—continuing in बीच में। tour—भ्रमण। received—got प्राप्त किया। following—निम्नलिखित। with reference to your article–referring the 'writing' of Gandhiji गांधी जी के लेख के सम्बन्ध में। recent–of late हाल ही का। issue—अंक। 'Young India'—it was an English weekly papere dited by Gandhiji गांधी जी द्वारा सम्पादित यह एक अंग्रेजी का साप्ताहिक पत्र था, civilization–सभ्यता। rural–pertaining to village ग्राम सम्बन्धी। appreciate—praise प्रशंसा करना। suggestion—proposal सुझाव। sufficient—enough पर्याप्त। guide—मार्ग दर्शक। statement—कथन। outline—programme कार्य क्रम। chalked out—made बनाया हुआ। expected—hoped आशा की जाती है। vague—that is n[illegible] clear अस्पष्ट।

Burning desire—keen desire प्रबल इच्छा। countr[illegible]men—citizens of the country देशवासी। definitely-

surely निश्चित रूप से। entertain—have रखना। probable—सम्भव, possible labours—परिश्रम। benefits—लाभ। obtain—get पाना। to throw light—to explain in full पूर्ण रूप से स्पष्ट करना। student-gathering–where the students meet विद्यार्थियों के मिलने की जगह, (छात्रों की सभा)। esteemed–respected सम्मानित। paper—newspaper समाचार-पत्र।

हिन्दी अनुवाद—उत्तर प्रदेश के दौरे के समय मैंने (गाँधी जी को) इलाहाबाद के विद्यार्थियों का निम्नलिखित पत्र प्राप्त किया—

"ग्रामीण सभ्यता के सम्बन्ध में 'यंग इन्डिया' के हाल ही अंक में प्रकाशित आपके लेख के संदर्भ में हम नम्रता पूर्वक कहते हैं कि शिक्षा समाप्ति के पश्चात गांवों में जाने के आपके सुझाव की हम प्रशंसा करते हैं। परन्तु यह कथन हमारे लिए पर्याप्त मार्ग दर्शक नहीं है। हम अपने लिए स्पष्ट रूप से बनाया गया निश्चित कार्य क्रम चाहते हैं और हम से क्या कार्य किए जाने की आशा की जाती है। हम अनिश्चित तथा अस्पष्ट सुझाव सुनते थक गए हैं।"

हम अपने देशवासियों के लिए सब कुछ करने की प्रबल इच्छा रखते हैं परन्तु हम नहीं जानते हैं कि निश्चित रूप में कहां से आरम्भ करें और हम अपने परिश्रम से क्या सम्भावित परिणाम तथा लाभ रखने की आशा कर सकते हैं। जैसा कि आपने सुझाव दिया है, हमारी १५ रुपये से १५० रुपए तक की आमदनी का क्या साधन हो सकेगा। हम आशा करते हैं कि विद्यार्थियों की सभा में भाषण करते समय या अपने सम्मानित पत्र के किसी अंक में आप इन विषयों पर पूर्ण प्रकाश डालेगें।

**Explanation—**We want some.........labours.

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, "Students and Village Service", written by M. K. Gandhi.

**Cont.**–These lines are an-extract from the letter, received by Gandhiji during his U. P. tour in 1929. It was from Allahabad students. These students wanted to know the definite programme of village-service.

**Exp.**—The students want to be quite clear about the idea of village service. They want to know as how they could become useful to the villagers and what was expected of them. The students want definite programme for them. They are tired of hearing many talks in this connection. Moreover the students had a strong desire to serve the people of their country. They want to do something useful for the nation. What they play in building up a strong nation. The students do not know what will be the results of their labour. What advantages will they get from it ? They wish to know the definite outlines for them.

**संदर्भ**—यह पंक्तियां 'स्टूडेन्ट्स एण्ड विलेज सर्विस' नामक पाठ से ली गई हैं। इसके लेखक गांधी जी हैं।

**प्रसंग**—यह पंक्तियां एक पत्र से ली गई हैं, जो कि गांधी जी ने १९२९ में यू० पी० के भ्रमण के समय इलाहाबाद के विद्यार्थियों से प्राप्त किया था। विद्यार्थी ग्रामीण सेवा का निश्चित कार्य क्रम जानना चाहते हैं।

**व्याख्या**—विद्यार्थी ग्राम सेवा के विचार के सम्बन्ध में बिल्कुल स्पष्ट होना चाहते हैं। वे यह जानना चाहते हैं कि ग्रामीणों के लिए वह किस प्रकार लाभदायक हो सकते हैं और उनसे क्या आशा की जाती है। विद्यार्थी अपने लिए निश्चित कार्य क्रम चाहते हैं। वे इस सम्बन्ध में बहुत बातों को सुनते हुए थक गए हैं। इसके अलावा विद्यार्थियों को अपने देशवासियों की सेवा करने की तीव्र इच्छा थी। वे राष्ट्र के लिए कोई लाभदायक कार्य करना चाहते थे। परन्तु वह यह नहीं जानते कि कहां से और कैसे आरम्भ किया जाय। और एक शक्तिशाली राष्ट्र के निर्माण में वे क्या हिस्सा ले सकते हैं। विद्यार्थी नहीं जानते कि उनके परिश्रम का क्या परिणाम होगा। उन्हें इससे क्या लाभ होगा।

## Key Question 2 Page 12 Para 1

Meanings—Dealt with—discussed fully पूरी तरह से व्याख्या की। matter—subject विषय। addresses—speeches भाषण। definite—solid निश्चित। placed before—put before सामने रक्खा गया। worth-while—useful लाभदायक। reit-

erating—repeating दुहराना । pointedly—to the point ठीक प्रकार से । adumbrated—suggested सुझाव दिया गया ।

हिन्दी अनुवाद—यद्यपी छात्रों को दिए गए अपने एक भाषण में मैंने इस विषय की पूर्णरुपेण व्याख्या की थी, और यद्यपि इन पृष्ठों में (यंग-इण्डिया-समाचार पत्र का) एक निश्चित कार्य क्रम छात्रों के सामने रक्खा गया है । फिर भी पहले बताई गई योजना को दोहराना तथा ठीक प्रकार से दोहराना अधिक लाभकारी होगा ।

## Page 12 Para 2

Meanings—The writers of this letter—the students of Allahabad who sent a letter to Gandhiji—इलाहाबाद के विद्यार्थी जिन्होंने गांधी जी को पत्र लिखा था । finishing—completing पूर्ण करने पर । grown up students—young students नवयुवक विद्यार्थी । whilst—when जब । scheme—programme कार्य क्रम । part-time workers—persons who work for some time only कार्य-कर्ता जो कुछ समय के लिए कार्य करते हैं ।

हिन्दी अनुवाद—इस पत्र के लेखक यह जानना चाहते हैं कि वे अपना अध्ययन समाप्त करने के बाद क्या कर सकते हैं । मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि नवयुवक विद्यार्थियों और इस कालेज के सभी छात्रों को अध्ययन काल में भी ग्राम सेवा करनी चाहिए । यहां पर ऐसे अल्प कालीन कार्य कर्ता के लिए एक कार्य क्रम है ।

## Page 12 Para 3

Meanings—Devote—spend व्यतीत करनी चाहिये । vacation—long holidays लम्बी छुट्टियां । to this end—in this connection इस सम्बन्ध में । taking their walks along beaten paths—doing things as they have been done before इस प्रकार से करना जिस प्रकार कि पहले किया जा चुका है । Easy

reach—near समीप । institution—संस्था (शिक्षा के लिये) । village-folk—village-people ग्रामीण । befriend—to make friend मित्र बनाना । in contact with—in touch with सम्पर्क में । midst—amid बीच में । the previous occasional contact—the contact established with them during vacations छुट्टियों के दौरान में उनके साथ स्थापित सम्पर्क । receive–welcome स्वागत करना, strangers—अजनबी । looked upon with suspicion—सन्देह की दृष्टि से देखा जाता है ।

हिन्दी अनुवाद—विद्यार्थियों को अपनी समस्त छुट्टियां ग्राम सेवा में लगा देनी चाहिए । इस उद्देश्य के लिये पुराने ढंग से कार्य किये जाने के स्थान पर (अर्थात जैसा कि वे पहले छुट्टियां बिताया करते थे उस प्रकार को छोड़कर) उन्हें अपनी शिक्षण संस्थाओं के समीपवर्ती गांवों की ओर चला जाना चाहिये और ग्रामीणों की दशा का अध्ययन करना चाहिए और उनको मित्र बनाना चाहिये । यह आदत उन्हें ग्रामवासियों के अधिक सम्पर्क में लाएगी । तब छात्र वास्तव में ग्रामीणों के बीच में रहने के लिये पुनः जायेंगे तो पहिले अवसरों के परिचय के कारण वे (ग्रामीण) विद्यार्थियों का मित्रों की तरह से स्वागत करेंगे और उन्हें अपरिचित व्यक्ति के रूप में नहीं समझेंगे जिसको सन्देह के दृष्टि से देखा जाता है ।

**Explanation**—This habit......with suspicion. **(Imp.)**
Page 12 Para 3

**Ref.**—These lines occur in the lesson, "Students and village Service", written by M. K. Gandhi.

**Cont.**—Gandhi advised the students to go to the villages and take up the village-work. All college students should devote sometimes to village service.

**Exp.**—The habit of going to the villages and serving them will bring the student community in close contact with the villagers. They will live there and study their problems. In this way they will mix-up with the villagers. Students will not be unknown to them. The villagers will welcome them warmly and treat them as friends, whenever they go again to the vill-

ages. Gandhiji told the students that they would be greatly benefitted by village-service. They, therefore, must devote some time to village work during their period of study.

व्याख्या—गांवों में जाने तथा सेवा करने की आदत विद्यार्थी समुदाय को ग्रामीणों के निकट सम्पर्क में लायेगी वे वहां पर रहेंगे और उनकी समस्याओं का अध्ययन करेंगे। इस प्रकार वे ग्रामीणों में घुल मिल जायेंगे। विद्यार्थी उन के लिए अप रचित नहीं होंगे। ग्रामीण उनका हृदय से स्वागत करेंगे और उन के साथ मित्र के समान व्यवहार करेंगे जब कभी भी वे गांवों में फिर से जायेगें। गाँधी जी ने विद्यार्थियों को बताया कि वे ग्रामीण सेवा से बहुत अधिक लाभान्वित होंगे। इसलिये उन्हें अपने अध्ययन काल में कुछ समय ग्राम सेवा के लिये र्पित करना चाहिए।

(Key question 3 Page 13 Para 1)

Meanings—Offer—to present प्रस्तुत करना। conduct —manage प्रबन्ध करना। adults—grown up persons प्रौढ़। anitation—cleanliness सफाई। attend to—look after खभाल करना। introduce—to make known formally रिचय कराना। spinning wheel—चर्खा। spare minute–फालतू मय। revise—repeat दोहराना। ideas—opinion विचार। iought-less—heedless असावधान। prescribe—give ass- n दे देते हैं। opinion–view विचार। vicious habit–harm- l habit बुरी आदत। routine work–the work that they ually do when the college opens वह कार्य जो वे प्राय: करते बकि स्कूल खुला होता है। original—real वास्तविक। develop- ent–progress, improvement उन्नति, विकास। mentioned described वर्णन किया। form—kind प्रकार। recreation– usement मनोरन्जन। light instruction–education rece- d without much efforts बिना प्रयास के प्राप्त शिक्षा। obvi- ly–clearly स्पष्ट रूप से। preparation–readiness तैयारी।

dedication—devotion समर्पण । exclusive village service—पूर्ण ग्राम सेवा । studies—education अध्ययन ।

हिन्दी अनुवाद—लम्बी छुट्टियों में विद्यार्थी गांवों में रहेंगे और प्रौढ़ों के लिये कक्षा चलायेंगे और ग्रामीणों को सफाइ के नियम सिखायेंगे । वे विमारे के साधारण मामलों की भी देखभाल कर सकेंगे । उनके बीच में वे चर्खे का भी प रचय देगें अर्थात इस सम्बन्ध में ग्रामीणों को जानकारी करायेगें और उन्हें प्रत्येक फालतू समय का उपयोग करना सिखावेगें । इसको कार्यान्वत करने के लिए विद्यार्थी तथा अध्यापकों को छुट्टियां विताने के अपने विचारों को बदलना पड़ेगा । प्रायः असावधान अध्यापक छुट्टियों के लिये घर पर कार्य करने के लिये दे देते हैं । मेरे विचार में यह बुरी आदत है । छुट्टियां तो वह समय है जब तक छात्रों के मस्तिष्क को दिन चर्या से मुक्त कर देना चाहिए और उसे आत्मनिर्भर बनने तथा अपना मूल विकास करने के लिए स्वतन्त्र छोड़ देना चाहिए । जिस प्रकार की ग्राम सेवा का वर्णन मैंने किया है, वह सर्वोत्तम मनोरंजन तथा हल्की सी शिक्षा भी है । यह शिक्षा समाप्त करने के पश्चात पूर्ण रूप से ग्राम सेवा में अपना जीवन अर्पित करने वालों के लिए स्पष्ट रूप से सबसे बढ़िया तैयारी है ।

**Exp.**—Vacation is...........studies. **(Most Imp.)**

**Page 13 Para**

**Ref.**–These lines have been taken from the lesson, 'Students and Village Service', written by M. K. Gandhi.

**Cont.**—Gandhiji told the students that there was much scope for village-service. He asked them to go to the neighbouring villages and help the villagers in making themselves and their villagers happier and richer than before. They might take up this work during their vacation.

**Exp.**—For this work, students and teachers must change their old-opinions of using the long holidays. The writer gives his own ideas about vacation. According to him, the long holidays are the best to develop our creative genius. During vacation, students can train their minds in self-help and self development. So they should be left free from the burden of any extra-work to be done at home. Vacation is a free period and not meant for studies. Gandhiji feels that this type

village work, that he has mentioned, will provide the students with the best recreation. It is also a sort of light-education that is helpful to them in their practical life. More over some students want to do village-work after finishing their education In such case, the idea of serving the villagers during vacation will help them to a great extent. Village service is the best preparation for a noble life. It helps them who want to be village-worker in life.

व्याख्या—इस कार्य के लिए विद्यार्थियों तथा अध्यापकों को अपनी छुट्टियाँ प्रयोग करने के पुराने विचार को बदलना होगा। लेखक छुट्टियों के बारे में अपने स्वयम् के विचारों का वर्णन करते हैं। उनके अनुसार हमारी रचनात्मक शक्तियों के विकास के लिए छुट्टियां ही सब से अच्छा समय है। छुट्टियों के दौरान में विद्यार्थी अपने मस्तिष्क को आत्म निर्भरता तथा आत्म विकास के लिए प्रशिक्षित कर सकते हैं। इसलिए उन्हें इन दिनों घर पर अतिरिक्त कार्य करने के भार से मुक्त कर देना चाहिए। छुट्टियाँ तो एक स्वतन्त्र समय हैं और वह पढ़ाई के लिये नहीं है। गांधी जी अनुभव करते हैं कि इस किस्म का कार्य, जिसका कि उन्होंने वर्णन किया है, विद्यार्थियों के लिये सब से अधिक मनोरंजन प्रदान करेगा। यह एक प्रकार की हल्की शिक्षा भी है जो कि उन्हें व्यवहारिक जीवन में लाभ प्रद है। इसके अतिरिक्त अपना अध्ययन समाप्त करने के पश्चात कुछ विद्यार्थी ग्राम सेवा करना चाहते हैं। ऐसे मामलों में, छुट्टियों में ग्राम सेवा का विचार उनकी काफी मदद करेगा। ग्राम सेवा श्रेष्ठ जीवन के लिए सर्वोत्तम तैयारी है। यह उनके लिये सहायता-प्रद है जो कि ग्रामीण कार्य कर्त्ता बनना चाहते हैं।

(Key question 4. Page 14 Para 2)

Meanings—Scheme—plan योजना। elaborately—in detail विस्तार पूर्वक। describe—mention वर्णन करना। permanent footing—on a proper and continuous basis उचित तथा स्थाई रूप में। for a fuller response—to co-oerate and play a more active part और अधिक सक्रिय भाग लेगें पूर्ण सहयोग का देना। touched—improved सुधार किया जाना। all points—in every respect हर प्रकार से। economic

distress—financial difficulty आर्थिक कठिनाई । hygienic—relating to health स्वस्थ्य सम्बन्धी । solution–remedy ह- undoubted—certainly निश्चित रूप से । wheel–the spin- ing wheel चर्खा । vast—great विशाल । majority of cas- in most cases अधिकांश रूप से । add–increase बढ़ाना । kee- them from mischief—prevents them from wast- their time on useless things बेकार की चीजों में समय ब- करने से उन्हें रोकता है ।

हिन्दी अनुवाद—अब ग्राम सेवा की सम्पूर्ण योजना का विस्तार वर्णन करने की आवश्यकता नहीं है । छुट्टियों में जो कुछ किया गया था, उसी को स्थाई रूप देना है । ग्रामीण को भी पूर्ण सहयोग तथा सक्रिय लेने के लिए तैयार किया जा सकेगा । ग्रामीण जीवन को आर्थिक, स- सम्बन्धी, सामाजिक तथा राजनैतिक-सभी क्षेत्रों में सुधार करना है । अधि- मामलों में आर्थिक संकट का तुरन्त निवारण चर्खा ही है । यह ग्रामीणों आय में तुरन्त वृद्धि करता है और उन्हें बेकार के कार्यों में समय बर्बाद क- भी रोकता है ।

**Exp.**—The village life.........mischief. **(Page 13–14)**

**Ref.**–These lines have been taken from the lesson, 'Stu- and Village Service', written by Gandhiji.

**Cont** —Our villages were the most back-ward places. needed an all-round reform. Gandhiji placed certain idea- fore the students of the country in order to serve the villa-

**Exp.**—The writer explains that we need full-develo- in our village. They are the back-bone of the nation. tunately our villagers live in dirty surroundings and miserable life on account of poverty and illiteracy. Th- not politically conscious. Thus they are lagging behind in field. Therefore village life has to be reformed at all We have to make our villages better and more habitable they are. As far their economic problems are concerned should be taught to work on 'Charkha'. It will make

gers economically sound. Moreover they will no longer waste their time in useless things.

व्याख्या—लेखक व्याख्या करते हैं कि गांवों में हमें पूर्ण विकास की आवश्यकता है। वे (गांव) राष्ट्र के आधार हैं। दुर्भाग्य से हमारे ग्रामीण गन्दे वातावरण में रहते हैं और निर्धनता तथा अशिक्षा के कारण दयनीय जीवन व्यतीत करते हैं। वे राजनैतिक दृष्टि से भी चेतन नहीं हैं। इसलिये वे प्रत्येक क्षेत्र में पिछड़ रहे हैं इसलिये सभी क्षेत्रों में ग्रामीण जीवन का विकास करना है। हमें अपने गांवों को और अधिक अच्छा तथा रहने के योग्य बनाना है। जहां तक उनकी आर्थिक समस्याओं का सम्बन्ध है, उन्हें चर्खा चलाना सिखाना चाहिए। यह ग्रामीणों को आर्थिक रूप से सफल बनाएगा। इसके अतिरिक्त वे बेकार की चीजों में अपना समय बर्बाद नहीं करेगें।

## Page 14 Para 2

Meanings—Includes–contains शामिल करना। insanitation—uncleanliness गन्दगी। labour—to work hard परिश्रम करना। (used as a verb) trenches—ditches खाईयां। burying—गाड़ना। excreta—night-soil मलमूत्र। refuse—rubbish कूड़ा कर्कट। manure—खाद। easy—सरल। embankment—mounds मेढ़, बान्ध। rubbish—refuse कूडा। habitable—fit for living रहने योग्य।

हिन्दी अनुवाद—स्वस्थ्य सम्बन्धी (सफाई कार्य) में बीमारी तथा गन्दगी सम्मिलित है। यहां पर विद्यार्थियों से आशा की जाती है कि वे स्वयं अपने हाथों से कार्य करें और मलमूत्र तथा अन्य कूडा कर्कट को गाड़ने के लिए गहरे गड्ढे खोदने में कड़ा परिश्रम करें ताकि इससे खाद बनाया जा सके। कुएं तथा तालाब साफ करने, सरल बान्ध बनाने, गन्दगी दूर करने और प्रायः गांवों को रहने योग्य बनाने के लिए परिश्रम करना होगा।

## Page 14 Para 3

Meanings–Gently—humbly विनम्रता पूर्वक। persuade—induce फुसलाना। give up—छोड़ना। untouchability—

अस्पृश्यता । infant marriages—बाल विवाह । unequal ma-ches—marrying a young girl to an old man बूढ़े से जवान लड़की की शादी करना । drink—wine शराब । drug —bad habits of using intoxicants नशीली वस्तुओं के की बुरी आदत ।

हिन्दी अनुवाद-ग्रामीण कार्य कर्ता को सामाजिक क्षेत्र में भी कार्य कर और ग्रामीणों को बुरी आदते, तथा बुरे रिवाज जैसे अस्पृश्यता, बाल वि असमान विवाह, शराब तथा नशीली वस्तुओं का सेवन करना तथा अनेक प्र के प्रचलित अन्ध विश्वासों को छोड़ने के लिये नम्रता पूर्वक फुसलाना है ।

## Page 14 Para 4, Page 15 Para 1

Meanings—Lastly—in the end अन्त में । politi part—political work राजनैतिक कार्य । grievances—com laints शिकायतें । dignity—excellence महत्व-प्रतिष्ठा । self-r ance—self dependence आत्म निर्भरता । self-help—to स्वावलम्बन । adult—education प्रौढ़-शिक्षा । task–work little once–children बच्चे । charge–responsibility दायित्व । instruction—teaching शिक्षा । literary-trainin the knowledge of reading, writing etc. लिखने, पढ़ने ज्ञान । but—only एक मात्र । education course–शिक्षा का क्रम । means—way साधन । end—aim उद्देश्य । claim— पूर्वक कहना । equipment–necessary thing आवश्यकतायें । heart–generous heart उदार हृदय । character above picion—good character without suspicion बिना स अच्छा चरित्र । given to these conditions—having t qualities इन गुणों को रखकर । needed—आवश्यक necess bound to follow—sure to come अवश्य ही होगा ।

हिन्दी अनुवाद—अन्त में राजनैतिक कार्य आता है । इस सम्बन्ध

र्त्ता ग्रामीणों की राजनैतिक कठिनाईयों का अव्ययन करेंगे और उन्हें प्रत्येक र्य में आत्म निर्भरता-स्वावलम्बन तथा स्वतन्त्रता के महत्व को सिखायेंगे। रे विचार-इससे ही पूर्ण प्रौढ़ शिक्षा बनती है। परन्तु इससे ही ग्रामीण कार्य र्त्ता का कार्य पूर्ण नहीं हो जाता है उसे ग्रामीणों के छोटे बच्चों की भी म्मेदारी लेनी तथा देख-भाल करनी है और उनकी शिक्षा आरम्भ करनी है था प्रौढ़ों के लिये रात्रि-पाठशालायें खोलनी हैं। यह साक्षरता का कार्य-क्रम पूर्ण शिक्षा के पाठ्य क्रम का एक अंग है और ऊपर वर्णित महान उद्देश्य प्राप्ति का एक साधन है।

मैं दृढ़ता पूर्वक कह सकता हूँ कि उदार हृदय तथा निष्कलंक चरित्र ही इस ा के लिये आवश्यक गुण है। इन शर्तों को पूरा करने पर अन्य आवश्यक ण स्वयम् ही आ जायेंगे।

**Exp.**—Lastly.........adult education. **(Page 14 Para 4)**

**Ref.**–These lines have been taken from the lesson, 'Students d Village Service', written by Gandhiji.

**Cont.**—Gandhiji advised the students to touch the village e at all points i. e. economic, hygienic, social and the politi- l work that can be done by a worker in the villages.

**Exp.**—The village-worker should study the political griev- ces of the villagers. He has to make them politically cons- ous. The villagers should be made to feel the importance of edom and self-help in life. Unfortunately our villagers do t know that they have a hand in the formation of the gover- nent of the country. In fact they are themselves their rulers. they should be taught the advantages of self-help and self- pendence in their every-day life. This is, in fact, the comp- e adult education for which Gandhiji emphasises. This sort education will certainly bring new life among our villages.

व्याख्या—ग्रामीण कार्य कर्त्ता को ग्रामीणों की राजनैतिक कठिनाईयों का ययन करना चाहिये। उसे उनमें राजनैतिक चेतना उत्पन्न करनी है। ग्रामीणों जीवन में स्वतन्त्रता तथा स्वावलम्बन के महत्व का अनुभव करना सिखाना हिये। दुर्भाग्यवश हमारे ग्रामीण यह नहीं जानते हैं कि देश की सरकार के ाण में उनका भी हाथ है वास्तव में वे अपने शासक स्वयम् ही हैं। इसलिए आत्म निर्भर तथा स्वावलम्बी बनने के लाभों को सीखना चाहिए। वास्तव

में, यह सम्पूर्ण प्रौढ़ शिक्षा है जिसके लिए गान्धी जी जोर देते हैं। इस प्र
की शिक्षा निश्चित रूप से हमारे गांवों में नवीन जीवन का संचार करेगी।

6 **Exp.**—I claim.........to follow. **(V. Imp.) (Page 15 Para**

**Ref.**—These lines occur in the lesson, 'Students and Vill Service', written by M. K. Gandhi.

**Cont.**–Gandhiji suggested a definite plan for village-wo Our villages needed reforms in every walk of life. Only a t village worker can take up the work in the villages.

**Exp.**–Here Gandhiji tells us the qualities of a village-work He need not have high educational-qualification for this typ work. A village worker must be a generous fellow who wo take up most of the works of the vIllagers. He should not narrow and selfish in his views, but be broad-minded and li ral hearted. Secondly he must have a good moral charac His character should be above all suspicions. Nobody sho doubt it. If the village worker has these two qualities, he very easily have the other necessary qualities too. First of he must try to have a generous heart and strong character.

व्याख्या—यहां पर गान्धी जो एक ग्रामीण कार्य कर्त्ता के गुण बताते उसे इस प्रकार के कार्य के लिए उच्च शैक्षिक योग्यता की आवश्यकता नहीं एक ग्रामीण कार्य कर्त्ता को एक उदार हृदय व्यक्ति होना चाहिए जो कि ग्रा के अधिकांश कार्य कर देगा। उसे अपने विचारों में संकुचित तथा स्वार्थी होना चाहिए बल्कि वह विशाल मस्तिष्क तथा उदार हृदय वाला हो। उसे अच्छा चरित्र भी रखना चाहिए। उसका चरित्र सन्देह से परे हो उस पर सन्देह न किया जा सके। अगर ग्रामीण कार्य कर्त्ता इन दो गुणों प्राप्त कर लेता है तो वह बहुत ही सरलता पूर्वक अन्य गुणों को प्राप्त सकेगा। सर्वप्रथम उसे उदार हृदय तथा दृढ़ चरित्र वाला बनना चाहिए।

(Key Question 5 Page 15 Last para)

Meanings—Bread and butter—livelihood, me of living जीविका का साधन। A labour is worthy of hi a man who works, deserves to be paid accordin

his labour एक व्यक्ति जो कार्य करता है, उसे उसके परिश्रम के अनुसार धन देना चाहिए। growing—developing विकसित। stable organisation—firm, durable organisation टिकाऊ संघ। furnishes—gives देता है । illimitable—boundless अपार। a living wage—a wage sufficient for a person to live in a simple way साधारण रूप से रहने के लिये किसी आदमी के लिये मजदूरी। assured—certain निश्चित। self—yourself अपने आप को। strictly—exactly ठीक ठीक, वास्जव में। limited—सिमित। excludes–obstructs-debar अलग करना। absolutely–completely पूरी तरह से । establish—to set up, found स्थापित करना। idle dream—day-dreams झूठे स्वप्न।

हिन्दी अनुवाद—अन्तिम प्रश्न जीविका का है। मजदूर को उसकी मजदूरी मिलनी ही चाहिए। 'अखिल भारतीय चर्खा संघ' एक विकसित तथा स्थाई संगठन है। यह अच्छे चरित्र वाले लोगों को सेवा करने का असीमित क्षेत्र (अवसर) प्रदान करता है और एक रहने के योग्य मामूली सी आमदनी का भी विश्वास दिलाता है इसके अतिरिक्त इसमें अधिक धन नहीं है (अर्थात चर्खा संघ का सदस्य बनकर साधारण जीवन व्यतीत करने के लिये कुछ मामूली पैसा कमाया जा सकता है) आप अपनी तथा देश-दोनों की सेवा नहीं कर सकते हैं स्वयं की सेवा देश सेवा के सामने सीमित हो जाती है और इसलिये इस निर्धन देश के साधनों से परे जीविका कमाने (अधिक धन की इच्छा करने) का प्रश्न नहीं उठता। अपने देश की सेवा करना ही 'स्वराज' की स्थापना है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक वस्तु एक व्यर्थ सपना है।

**Exp.**—You can not serve......idle dream. **(V. V. Imp.)**
Page 15 Last para

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, "Students and Village Service", written by Gandhiji. These are the last lines of this chapter.

**Cont.**–Gandhiji advises us to be honest and simple in life inorder to serve the country. We should minimize our wants as

much as we can, then only we can dream of a prosper country.

**Exp**—The writer explains that service of self and service of country can not go side by side. They are two different things. We will have to sacrifice our comforts for the sake of the country. Again service of country is a greater and nobler thing. If we want to serve our country, we should not be selfish and narrow in views.

Therefore, we should not expect to get more money than our need. A poor country like ours cannot afford to pay high saleries for our service. Only a living wage can be assured. Real 'Swaraj' lies in serving the poor masses of the villages. Village service means service to the country. We must try to make our villages richer, better and happier than before. There is no other way of getting 'Swaraj' in the country. Everything else is merely a dream.

व्याख्या—लेखक व्याख्या करते हैं कि आत्म सेवा तथा देश सेवा साथ साथ नहीं चल सकती है। ये दोनों भिन्न भिन्न वस्तुयें हैं। देश की भलाई के लिये हमें अपने आराम को त्यागना ही होगा। पुनः देश सेवा एक अधिक महान तथा श्रेष्ठ वस्तु है। अगर हम देश की सेवा करना चाहते हैं तो हमें विचारों में संकुचित तथा स्वार्थी नहीं बनना चाहिए।

इसलिये हमें अपनी आवश्यकता से अधिक धन प्राप्त करने की आशा नहीं करनी चाहिए। हमारा निर्धन देश हमारी सेवाओं के लिये अधिक वेतन देने में प्रायः असमर्थ हो सकता है केवल जीवन निर्वाह के लिये कुछ धनराशि देने का ही विश्वास दिलाया जा सकता है। गांवों की निर्धन जनता की सेवा में ही वास्तविकता स्वराज निहित है। ग्राम सेवा का अर्थ है–देश सेवा। हमें अपने ग्रामों को पहिले की अपेक्षा और अधिक सम्पन्न तथा प्रसन्न बनाने का प्रयास करना चाहिये। इसके अतिरिक्त प्रत्येक वस्तु एक कोरा स्वप्न है।

## Questions and Answers

**Key question I**—What did the students of Allahabad ask Mahatma Gandhi in the letter they wrote him ?

इलाहाबाद के विद्यार्थी ने गांधी जी को पत्र लिखकर क्या बात पूछी ?

**Ans.**—Mahatma Gandhi regularly contributed articles in

an English weakly "Young India". Once the Students of Allahabad had read one of his articles on rural civilization, published in this paper. These students wrote a letter to Gandhiji, while he was on tour in U. P.

The students praised Gandhiji's views on rural civilizations. They agreed with him to serve the villagers during their vacation. Gandhiji advised them of going back to the villages after finishing their education. But this suggestion was not sufficient guide for them.

They wanted some definite out-line for them. They wanted to know how exactly they could be helpful to the villagers. What services could they render there. They had already heard many vague suggestions in this respect. Now they wanted to know definite and clear-cut programme of service in the villages.

Moreover the students had a keen desire to serve the villages and do something useful for the nation. Gandhiji suggested the student community that they could earn from Rs. 15 to Rs. 150 in the villages, it was not quite clear to them. So they asked him how they could earn so much there. They desired to know the result of their village-service.

They requested him to throw light on these points in his address to student community or in some issue of his esteemed paper.

**Key question 2**—How can college students establish contact with the villagers ?

कालिज के विद्यार्थी ग्रामीणों से किस प्रकार सम्पर्क स्थापित कर सकते है ?

**Ans.**—The students can prove themselves to be the best social worker, because they have a natural impulse for social-service. Moreover it is almost agreed that our education remains incomplete without social service. The students of the country can be very much-helpful in serving the villages aud removing the pain and suffering of the people, living in them. Gandhiji advises them to take-up the village-work during their vacation. They should establish contact with the villagers.

**Contact with the villagers**—The young students of the country have much more chances of social service inside and outside their colleges. There is a big and wide field for the

students for the village work. They can easily come in contact with the villagers.

(i) During long holidays they can go into the villages and take up the work of serving the villagers.

(ii) They can study the conditions of villagers and help them in removing their troubles.

(iii) Students can make the villagers their friends. This habit will help them in establishing further contact with them.

(iv) They can take up the work of teaching the adults and the children in the villages. In this way they can come in near contact with the villagers.

The student-life is the best period for the preparation of a healthy and happy life, full of service and sacrifice.

**Key question 3**—Why did Gandhiji think that students and teachers would have to revise their ideas of the uses of vacations ? How can students be of service to the villagers during vacations ?

गांधी जी ने ऐसा विचार क्यों किया कि विद्यार्थियों तथा अध्यापकों को लम्बी छुट्टियां बिताने के अपने विचारों को बदलना होगा ? छुट्टियों के दौरान में विद्यार्थी ग्रामीणों की सेवा किस प्रकार कर सकते हैं ?

**Ans,—The Ideal of the uses of vacation**—Students and teachers get long holidays every-year but they have a wrong idea of the uses of these vacations. So the thoughtless teachers prescribe lessons to the students to be done at home during the vacation. This is certainly an evil habit. They should be warned by it and clearly understand the right uses of vacations. Vacations are never meant for study. This is just a period when students' minds should be left free from the routine work. During holidays they can develop the spirit of self help and original development. They should also get some recreation and light instruction at such times. Gandhiji, therefore, thinks that students and teachers would have to revise thier ideas of the uses of vacation.

**Service to the villagers during vacation—**

Students can render a lot of service to the villagers during vacation. They can stay in the villages and offer to conduct classes for adults. They can attend to the ordinary cases of

illness and teach the village folk the rules of sanitation. In this way college students can drive away illiteracy from Indian villages by holding night-classes and teaching the adults and children in the villages.

Students can introduce the spinning wheel i. e. 'Charka' among the villagers. This will make them self-sufficient in economic matters and help in removing many of their financial difficulties. 'Charkha' is undobtedly the immediate solution of economic distress. It will teach the villagers the proper use of every spare minute and save them from mischief. All these works can be successfully done during vacation.

**Key question 4**—What was Gandhiji's scheme for exclusive village service.

'पूर्ण ग्राम सेवा' की गांधी जी की क्या योजना थी ?

**Ans.**—Please read the summary of the lesson under the heading, "Programme for full-village-service.

**Key question 5**—What was Gandhiji's answer to the question of bread and butter for village-worker.

**Ans.**—Gandhiji put certain ideals before the students of the country and advised them to go to villages after finishing their education. Our villages were the most back-ward places and they needed reform in most cases. For this, Gandhiji suggested to become a social worker in true spirit.

As regards the wages of the worker is concerned, Gandhiji advises to work on the spinning wheel that will provide them with a living wage. A village-worker should not expect decent salaries for their services. Their service cannot be evaluated in terms of money. Our country cannot afford to pay them high remuneration for the village work.

Moreover a village worker is expeted to lead a simple and pure-life full of strong determination and great sacrifice. He should not be greedy for wealth as it may mar his spirit of service. Village-service must be the only aim of his life. For this work, he will have to minimize his needs- we can not serve both 'self' and country. And service to the country is a much greater thing. We can serve the country in the right way, if we take up the village work in life.

"To serve our villages is to establish Swaraj. Every thing else is but an idle dream".

——

# 3. The Ashram at Karanjia

## कर्णंजिया में आश्रम

**(By—Verrier Elwin)**

**Introduction to the author—**

Dr. Verrier Elwin, a famous writer and social worker spent most of his life-time-among the Adivasis of India. He did a lot of work to make their life happier and better. His work was based on the principles of love and brother-hood for all. On the advice of Gandhiji, Verrier Elwin founded the Bhumijan Seva Mandal, an organisation to serve the Adivasis on a scientific and humanitarian basis.

As a writer, he is well known for his translation of Folk-poetry. He is also the author of important books i. e. 'Mahatma Gandhi'. 'Leaves from the Jungle'. and 'The tribal world of Verrier Elwin'. He married an Adivasi and became an Indian citizen. He was a good friend of almost all the leaders of the Indian freedom movement.

**Introduction to the lesson**

The present lesson has been taken from the writer's book, "Leaves from the Jungle". It gives a beautiful idea of a model Ashram, founded by the writer. The author established an Ashram at Karanjia to serve the Adivasis. Karanjia is a small village of Mandla district in Medhya Pradesh.

Dr. Verrier Elwin built an Ashram there to serve the adivasis of the area. The ashram was founded on a principle of complete religious equality and toleration and its members were drawn from all communities.

**Main Points of the lesson**

1 Karanjia is a little village in the Mandla district of Madhya Pradesh. It is situated near the source of the Narmada River and in the foot of the Satpura hills.

2 The writer established an Ashram there in the village on January 31, 1932. In those days there was dense forest all around the Ashram.

3 The Ashram looked very beautiful. It was almost the part of the village, as all the houses were made of clay.

4 The members of the Ashram were drawn from all communities. It was founded on a principle of complete religious equality.

5 The Ashram consisted of a dispensary, the refectory, a kitchen and a dining room Fruit trees were planted near abouts the buildings of the ashram.

6 There was also a co-educational school for the children of the Adivasis.

8 The Ashram aimed at improving the condition of the adivasis of that area. But the prevention of diseases was its chief aim.

7 The members of the ashram did many things to improve their condition. They cleaned the villages, improved their agricultural condition and taught their children.

9 These adivasis had given up their tribal customs. They had started living like other castes in India.

10 The writer lived at Karanjia till 1936. Later on he spent a lot of time in the lovely hill of Orissa.

## Summary of the lesson

### Establishment of an Ashram at Karanjia—

Karanjia is a small village near the source of the Narmada river. It is amid the eastern hills of the Satpura. The village is situated on a little hill where from the Pilgrim's way can be seen. This way goes up to Amarkantak. It is about eleven miles from the source of the Narmada River.

Amid such peaceful and beautiful surroundings, the writer founded an Ashram on January 31, 1932. The ashram consisted of small muddy-huts, thatched with straw. All around the Ashram, there was thick forest. At night one could hear the roar of the tigers near-abouts the ashram. But it was beautiful to look at its mud-houses.

**The building of the Ashram**–All the flats in the ashram were built in the Gond-style, The huts and house were made of mud and thatched with grass and straw. Even the walls of the houses were decorated with Gond pictures and desins. As

a whole, it looked like the village itself. But it was alw kept neat and clean. The huts were clean and well-ventila and everywhere there were flowers and fruit trees.

**The Main principles of its foundation**—This beauti ashram was founded on the principles of equality and tolerati Persons from all communities became its members. There v no distinction of class or creed. The more important thi about it was that no one was forced to give-up his particu religion. The chief aim of the ashram was to show the sp of unity in work inspite of the existence of different theologi

**The Different units of the Ashram**—There was dispe sary in the ashram. It was called 'Premayatna'. All sorts important medicines were available in the dispensary. Next the dispensary, there was a Refectory for resident-memb Next to it, there were the Mitralaya and the 'Ajibkhana'. T 'Ajibkhana' was a popular place of wonders. You can be call it the Museum. The largest unit of the ashram was t 'Vidya Mandir'—a co-educational school for the children Adivasis. Beyond the school, there was the Lepeir Refuge. was situated in the thickly wooded place and no one was al wed to go there.

Round the main building there were eight branch Ashra They were spread within a radius of eight miles.

**Important works done in the Ashram**—The preve tion of diseases was the primary aim of the ashram. It aim at improving the general conditions of the adivasis of that are For this lectures about the human body, sanitation and com mon diseases were given in every school. The villagers we taught to use the mosquito-nets, which were made in the ashra

The resident-members of the ashram had to do a lot work for the improvement in the condition of the adivas They had to work for the health of the community and look after their general condition. For this work dispensaries a health-propaganda proved very useful. The workers clean the villages and improved the agricultural conditions of t villagers.

The girls were given training in the domestic arts and sciences. Carpentary and tailoring were taught to the many educated Gonds, who learnt to save more money than before.

**The Gonds of Mandla district**—The gonds of Mandla district were changing themselves. They had started living like Hindu castes and given up many of their old customs. They delighted in dance and song at which they were very good. There was also a large-number of non-tribals living in them.

Dr. Verrier Elwin left the ashram in 1936. After it he spent a lot of time in Bastar. Later on he passed some time in the lovely hills of Orrissa. In 1953, the writer was appointed as an Adviser for Tribal Affairs to the NEFA (North-East Frontier-Agency). At the same time he accepted Indian citizenship-

## पाठ का सारांश

करंजिया में आश्रम की स्थापना—नर्मदा नदी के उद्गम के समीप करंजिया एक छोटा सा गाँव है। यह सतपुड़ा की पूर्वी पहाड़ियों के मध्य में है। गाँव एक छोटी सी पहाड़ी पर स्थिति है जहां से तीर्थ यात्री मार्ग देखा जा सकता है। यह मार्ग अमरकण्टक तक जाता है। यह नर्मदा नदी के उद्गम से लगभग ग्यारह मील दूर है।

ऐसे शांत तथा सुन्दर वातावरण में लेखक ने ३१ जनवरी १९३२ को एक आश्रम की स्थापना की। आश्रम में तिनको से छिपी हुई कच्ची मिट्टी से बनी छोटी झोपड़ियां थी। आश्रम के चारों तरफ घना जंगल था। रात्रि के समीप से चीतों की भयानक आवाज को सुना जा सकता था। परन्तु आश्रम के कच्चे घर देखने में सुन्दर प्रतीत होते थे।

आश्रम की बनावट—आश्रम के सब छोटे कमरे गोंड स्टाईल में बनाए गए थे। झोपड़ियां और घर मिट्टी के बने हुए थे तथा उन पर घास फूंस के छप्पर थे। यहां तक की घरों की दीवारे भी गोंड चित्रों तथा आकृतियों से सजी हुई थी। पूरे तौर से यह एक गांव के समान दिखाई देता था। परन्तु इसे सदैव ही साफ सुथरा रक्खा जाता था। झोपड़ियाँ साफ तथा हवादार थी और प्रत्येक स्थान पर फल व फूलों के वृक्ष भी थे।

इस की स्थापना के मुख्य सिद्धान्त—यह सुन्दर आश्रम समानता तथा सहन शीलता के सिद्धान्त पर स्थापित किया गया था। सभी वर्गों के व्यक्ति इसके सदस्य हो गए। वहां पर वर्ग अथवा धर्म का कोई भेद नहीं था। इसके बारे में और अधिक महत्वपूर्ण बात यह थी कि किसी को भी अपने धर्म विशेष को त्यागने के लिए बाध्य नहीं किया जाता था। विभिन्न वेदान्तों के बावजूद भी कार्य में एकता की भावना को प्रदर्शित करना ही आश्रम का मुख्य उद्देश्य था।

आश्रम की विभिन्न शाखायें—आश्रम में एक औषधालय सभी में प्रकार की मुख्य २ औषधियां प्राप्त हो सकती थी। डिस्पेन्सरी के आगे, वहां पर निवास करने वाले सदस्यों के लिये एक एक भोज गृह की स्थापना की गई थी। इसके आगे 'मित्रालय' तथा 'अजीव खाने' थे। 'अजीव खाना' आश्चर्यजनक वस्तुओं का एक प्रसिद्ध स्थान था तुम इसको अजायब घर के नाम से पुकार सकते हो। आश्रम का सबसे बड़ा भाग 'विद्या मन्दिर' था जो कि आदिवासियों के बच्चों के पढ़ने के लिए एक सह शिक्षण संस्था थी। स्कूल के परे, एक कोढ़ियों के रहने की जगह थी। यह घने वृक्षों के मध्य एक स्थान पर स्थित था और किसी को वहां जाने की आज्ञा नहीं थी।

मुख्य भवन के चारों तरफ, वहां पर आश्रम की आठ शाखायें थी। आठ मील दूर तक फैली हुई थी।

आश्रम में किये जाने वाले महत्वपूर्ण कार्य—बीमारियों की रोक थाम ही आश्रम का मुख्य उद्देश्य था। इसका उद्देश्य उस क्षेत्र के आदिवासियों की सामान्य स्थिति में सुधार करना था। इसके लिये मानव शरीर, सफाई तथा आम बीमारियों से सम्बन्धित भाषण प्रत्येक स्कूल में दिए जाते थे। ग्रामीणों को मच्छरदानियों के प्रयोग को सिखाया जाता था। जो कि आश्रम में ही बनाई जाती थी।

आदिवासियों की दशा के सुधार लाने में लिए आश्रम में निवास करने वाले सदस्यों को काफी कार्य करना पड़ता था। उन्हें गांव समाज के स्वस्थ्य के लिए कार्य करना पड़ता था तथा उनकी सामान्य रूप से देख भाल करनी होती थी। इस कार्य के लिए औषधालय तथा 'स्वस्थ्य प्रचार' काफी लाभदायक सिद्ध हुए।

कार्य कर्त्ता गांवों को साफ करते थे तथा ग्रामीणों की कृषि दशा में सुधार करते थे।

लड़कियों को घरेलू कलाओं तथा विज्ञान (गृह-विज्ञान) का प्रशिक्षण दिया जाता था। बहुत से शिक्षित गोंड व्यक्तियों को बढ़ई गिरी तथा दर्जी का काम सिखाया जाता था। इन्होंने पहिले की अपेक्षा अधिक धन को जोड़ना भी सीख लिया था।

माँडला-जिले के गोंड—माँडला जिले के गोंड अपने आप को तेजी के साथ परिवर्तित कर रहे थे। उन्होंने हिन्दू जातियों की तरह से रहना आरम्भ कर दिया था तथा अपने बहुत से पुराने रिवाज को छोड़ दिया था वे नाच गाने में आनन्द लेते थे जिनमें बहुत अधिक निपुण थे। उनके बीच में काफी संख्या में दूसरे लोग (जो आदिवासी नहीं थे) भी रहने लगे थे।

डा० वेरयर इलविन ने १९३६ में आश्रम को छोड़ दिया था। इसके पश्चात उसने काफी समय 'बस्तर' में व्यतीत किया। तत्पश्चात उसने उड़ीसा की सुन्दर पहाड़ियों में कुछ व्यतीत किया। १९५३ में लेखक नेफा में जाति सम्बन्धी विषयों के सलाहकार नियुक्त हुये। उसी समय उन्होंने भारतीय नागरिकता स्वीकार करली।

## Word Meanings, Hindi Translation & Explanations

### Key Question 1 Page 18 Para 1

Meanings—Trace—to follow by footsteps पद चिन्हों का अनुसरण करना। course—way मार्ग। Narmada—a river flowing from Madhya Pradesh to the Arabian sea. Its length is about 1300 Km. लगभग १३०० कि० मी० लम्बी नदी जो मध्य प्रदेश से अरब सागर की ओर बहती है। its mouth—its opening or outlet into the sea नदी का मुहावना। source स्रोत उद्गम। coast shore—समुद्री किनारा। sacred-holy पवित्र। Amid–in the middle मध्य में। spures—ranges श्रेणियां। Amid the eastern spures—in the foot hills towards

the east पूर्व की ओर पहाड़ियों की तलहटी में)। a hair's breadth from its tail—at a little distance from the source of the river नदी के उद्गम से थोड़ा दूर।

हिन्दी अनुवाद—संसार के नक्शे में भी छोटे से गांव करंजिया की स्थिति को ज्ञात करना सरल है। पश्चिमी समुद्री किनारे पर महान नर्मदा नदी के मुहाने से सतपुड़ा की पूर्वी पहाड़ियों के मध्य में उसके उद्गम (नर्मदा नदी के) मार्ग तक पैदल चले। नदी के उद्गम से थोड़ा दूर चलो और वहाँ पर करंजिया है।

## Page 18 Para 2

Meanings—Fortunate–lucky भाग्य शाली। over looking–coming in view दृष्टिपात होना। pilgrim's way–a way that leads to a holy place एक मार्ग जो कि किसी तीर्थ स्थान की ओर जाती है। Amarkantak—this is a place of Hindu pilgrimage in Madhya Pardesh. Four rivers rise from Amarkantak यह मध्य प्रदेश में हिन्दुओं का एक तीर्थ स्थान है। अमरकण्टक से चार नदियां निकलती हैं। distant—far दूर। huts of mud—कच्ची झोपड़ियां। wattle–a rode to support thatch छप्पर को संभालने के लिए लकड़ी के डन्डे। thatch—covering of straw छप्पर। constituted–बनाते थे made। lay–past tense of 'lie' पड़ा था। vast—big विशाल। mysterious—secret गुप्त। silence—peace शांति। roar–a roaring sound दहाड़ने की आवाज। melancholy—sad दुख पूर्ण। call—cry चिल्लाहट। deer—हिरन।

हिन्दी अनुवाद–३१ जनवरी १९३२ को हम अत्यन्त भाग्य शाली थे। जब कि हमें एक छोटी से पहाड़ी का ज्ञान हुआ जहां से तीर्थयात्री मार्ग दिखाई देता था जो कि ग्याहर मील दूर पहाड़ की ओर अमर कन्टक को जाता है जहाँ से नर्मदा नदी निकलती है और यहीं पर हमने घास फूस बाँस की पन्चकों से छपी

हुई मिट्टी की छोटी झोपड़ियां बनाई जो कि एक आश्रम का निर्माण करती थी। उन प्रारम्भिक दिनों में हमारे चारों तरफ विशाल रहस्यमयी वन थे जिन की शांति रात्रि के समय चीतों की दहाड़ तथा हिरणों की अत्यन्त दुख भरी आवाज से भंग हो जाया करती थी।

**Exp.**—In those early...........deer. **(V. Imp.)**

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'The "Ashram at Karanjia", written by Verrier Elwin. This lesson is taken from the writer's book, 'Leaves from the Jungle'.

**Cont.**—The writer established a beautiful ashram at village-Karanjia in Madhya Pardesh. Karanjia is a small village, situated in the foot-hills of the Satpura.

**Exp.**—The writer founded the ashram amid the silence of the forest. All around the small huts of the ashram, there lay the vast mysterious forest. The forest was thick with wild animals. Nobody know anything about this big forest. Sometimes fearful noises come from the forest at the time of night. The silent atmosphere was disturbed at night either by the roarings of the tiger or sad and shrill cry of the deer. It means that the tigers roared in the forest at night. Sometimes the deer cried painfully before their death. Their painful cry in the silent atmosphere of the forest made it all the more terrible.

संदर्भ—यह पंक्तियां 'Ashram at Karanjia' शीर्षक पाठ से ली गई हैं। इसके लेखक Verrier Elwin है। यह पाठ लेखक की पुस्तक, 'Leaves from the Jungle' से लिया गया है।

प्रसंग—लेखक ने मध्य प्रदेश के एक ग्राम करंजिया में एक सुन्दर आश्रम की स्थापना थी। करंजिया में सतपूड़ा की पहाड़ी तलहटियों में स्थित एक छोटा सा गांव है।

व्याख्या—जंगल की नीरवता में लेखक ने आश्रम की स्थापना की। आश्रम की छोटी २ झोंपड़ियों के चारों ओर विशाल तथा रहस्यमयी जंगल फैला हुआ था। इसे घने जंगल में बहुत से जंगली पशु थे। किसी व्यक्ति को इस विशाल जंगल के विषय में कुछ ज्ञात नहीं था। कभी २ रात्रि के समय जंगल में से भयानक आवाजे सुनाई पड़तीं थी। हिरणों की तेज तथा दुख पूर्ण चिल्लाहट

अथवा चीतों के दहाड़ने की आवाज से वातावरण की शांति भंग हो जाया करती थी। इसका अर्थ है कि रात्रि के समय जंगल में चीते दहाड़ते थे कभी अपनी मृत्यु से पहले हिरन दुख पूर्ण चिल्लाहट करते थे। जंगल के शांत वातावरण को उनकी आवाजें और भी अधिक वीभत्स वना देती थी।

## Page 18-19 Para 3

Meanings—Exactly—accurately, just so यथावत। policy—नीति। style—ढंग। thatch–घास फूंस। Gond decorations—the pictures and designs with which the Gond decorated their houses. तस्वीरें तथा आकृतियां जिनसे गोंड लोग अपने घरों को सजाते थे। Gond—it is a trible, living mostly in Madhya Pradesh यह प्रायः मध्य प्रदेश में रहने वाली एक आदिवासी जाति है। matched—compared तुलना की जाती। attempt—try कोशिश करना। to demonstrate—to show प्रदर्शित करना। what a village might be like—what type of village it might be कोई गांव किस प्रकार का हो सकता था। well-ventilated—fully open for the free access of air हवा के स्वच्छन्दता पूर्वक आने के लिए पूरी तरह से खुले हुए थे। अर्थात पूरे हवादार थे। poultry—मुर्गियां। cattle—animals पशु। pits—small trench गढ्ढे। refuse—rubbish गन्दगी। manure—खाद। at home—quite comfortable आराम पूर्ण। chance—opportunity मौका।

हिन्दी अनुवाद—आश्रम बिल्कुल गांव के ही एक भाग के समान दिखाई देता था जो कि आश्रम के चारों तरफ तथा नीचे की ओर फैला हुआ था। क्यों कि आरम्भ से ही हमारी नीति प्रत्येक चीज को गोंड ढंग से निर्माण करने की थी। सब घर घास फूंस तथा मिट्टी के थे तथा दीवारें भी गोंड आकार के चित्रों तथा आकृतियों से सुसज्जित थी और ऐसा कोई फर्नीचर नहीं था जिसकी तुलना इस गांव के फर्नीचर से न की जा सके (अर्थात सब वैसी ही चीजें थीं

साथ ही साथ आश्रम इस बात में भिन्न था कि इसका प्रयास इस बात को प्रदर्शित करता था कि कोई गांव किस प्रकार का दिखाई देना चाहिए। झोपड़ियां साफ तथा पूर्ण हवादार थी हर जगह फल तथा फूलों के वृक्ष थे और मुर्गियों तथा पशुओं के लिए उचित स्थान और खाद तथा कूड़ा कर्कट के लिए बहुत से गढ्डे बने थे। इसलिए गोंड आगुन्तक वहाँ पर पूर्ण आराम का अनुभव करताथा और साथ २ ही बिना एक भी शब्द बोले हुए वह कुछ ऐसी चीजें सीखने का अवसर प्राप्त करत था जिनको वह स्वयं अपने गांव में ले जा सकता था। (अर्थात आश्रम की वस्तुओं को देखकर वह गांव में कुछ नई चीजों का निर्माण करने के विचार को लेकर वहां से लौटता था)।

Key Question 2 Page 19 Para 2

Meanings—Founded—established स्थापित किया गया। principle—सिद्धान्त। complete—full पूर्ण। religious—धार्मिक। equality—समानता। toleration—forbearance सहनशीलता। Drawn—taken लिये गये। community—joint ownership, society बिरादरी। surrender—give up छोड़ना। tenets of his faith—his religious beliefs धार्मिक विश्वास। cease–stop रोकना। aim at unifying theologies–attempt to combine different beliefs in two or more religions दो या अधिक धर्मों के सिद्धान्तों को एक सूत्र में बांधने का प्रयास करना। demonstrating—showing प्रदर्शित करना। believers—one who believes विश्वास करने वाला।

हिन्दी अनुवाद—आश्रम की स्थापना पूर्ण धार्मिक समानता तथा सहन शीलता के सिद्धान्त पर की गई थी। इसके सदस्य सभी बिरादरीयों के व्यक्ति थे। परन्तु किसी को भी अपने धार्मिक विश्वासों को त्यागने या इसके अभ्यास को छोड़ने के लिए बाध्य नहीं किया जाता था। वास्तव में हमारा उद्देश्य विभिन्न धर्मो का समन्वय करना नहीं था बल्कि यह प्रदर्शित करना था कि विभिन्न धर्मों के मानने वालों के लिए भी यह सम्भव है कि वे एक परिवार के समान रह सकें तथा साथ २ कार्य कर सकें।

**Exp.**—The Ashram was...........family. **(Imp.)**

**Ref.**—This paragraph has been taken from the lesson, 'The Ashram at Karanjia', written by Verrier Elwin.

**Cont.**—The writer founded the Ashram at Karanjia on January 31, 1932. All the houses in the ashram were beautifully built in the Gond style. The God visitors liked it very much.

**Exp.**—This ashram was founded in order to serve the adivasis of Madhya Pradesh. It was not based on any particular religion. The chief aim of the ashram was to improve the condition of the gond-tribe of that area. Hence it was founded on the principles of equality and tolerance. Equality and fraternity were the main basis of its foundation. People from every caste became the members of the ashram. There was no distinction of caste, colour or creed. It gave full opportunity and a vast field of service to every member of the society.

Apart from it no one was forced there to give up the principles of his own religion. And the ashram had no particular religion of its own. Service was its religion only. Its chief aim was to present an ideal of service. The whole ashram was like one family. Where all the members worked in perfect peace and harmony.

व्याख्या—मध्य प्रदेश के आदिवासियों की सेवा करने के लिए इस आश्रम की स्थापना की गई थी। यह किसी धर्म विशेष पर आधारित नहीं था। आश्रम का मुख्य उद्देश्य उस क्षेत्र की गोण्ड जन जाति की दशा का सुधार करना था। इसलिए समानता तथा धार्मिक सहिष्णुता के सिद्धान्तों पर इसकी स्थापना की गई थी। इसकी नींव के मुख्य आधार समानता तथा सहिष्णुता ही थे। प्रत्येक जाति के व्यक्ति आश्रम के सदस्य हो गए वहां पर धर्म जाति और रंग के आधार पर कोई भेद नहीं था। यह समाज के प्रत्येक सदस्य को सेवा के लिए विस्तृत क्षेत्र तथा पूर्ण अवसर प्रदान करता था। इसके अतिरिक्त किसी भी व्यक्ति को वहां पर अपने धार्मिक सिद्धान्तों को त्यागने के लिये बाध्य नहीं किया जाता था और आश्रम का अपना कोई धर्म नहीं था। सेवा ही इसका धर्म था। इसका मुख्य उद्देश्य तो सेवा आदर्श ही प्रस्तुत करना था। सम्पूर्ण आश्रम एक परिवार के समान था जहां पर सब सदस्य शांति तथा मेल से कार्य करते थे।

## Key Question 3 Page 19-20 Para 1

Meanings—Sheltered—protected or covered पूर्ण रूप से ढ़की हुई थी। laden-loaded लदे हुए थे। sweet smelling —मधुर गन्ध वाले। dispensary—hospital औषधालय। house of compassion-प्रेमायतन—a place of love and sympathy for all। well equipped—full furnished पूर्ण सुसज्जित। radius—व्यासार्ध। refectory—dining place भोजन गृह। resi-dent-members—members who lived in the ashram आश्रम वासी सदस्य। kitchen-a place where food is cooked रसोई घर। were planted—लगाए गए थे। neighbour hood-a pla:e near पास में। plantin—a plant with broad flat leaves कदली-केला। papaya—पपीता। orange—नारंङ्गी। fig-अंजीर। sour-खट्टे-better in taste। lime-a kind of lemon नींबू। in-patients—visitors in the ashram who fell ill आश्रम में आकर बीमार हो जाने वाले व्यक्ति। pilgrim—a religious traveller एक धार्मिक यात्री। popular—famous प्रसिद्ध। estab-lishment-settlement or a public institution एक संस्थान। temple of knowledge—place of learning विद्या मन्दिर। plain English-simple English साधारण अंग्रेजी। boarders-hostellers छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थी। fair proportion—a large percentage काफी प्रतिशत। department—विभाग। be-yond the school स्कूल से दूर, wild-जंगली। thickly wooded -dense forest घने जंगल वाली। wound-past tsnse of wind घेरे हुए। leper refuge—a shelter house for the lepers कोढ़ियों के लिये शरण का स्थान। received—got पाते थे। treat-ment—cure इलाज।

हिन्दी अनुवाद—आप पहाड़ी के पास को होकर, जो कि वृक्ष से ढ़की हुई

थी, जिनमें से बहुत सो के ऊपर मधुर गन्ध वाले फूल लदे हुए थे वहां औषधा
में पहुंचते थे। इसका नाम 'प्रेमायतन' दया का घर था। यह औषधियों से भ
पूर था और ग्रामीण यहां पर लगभग चालीस मील की दूरी से भी आते थे
इसके बाद आश्रम वासी सदस्यों के लिये भोजन गृह की बिल्डिंग आती थी वि
में पुनः गोंड-स्टाईल से बनी हुई तीन झोंपड़ियां, एक रसोई घर तथा खाने
कमरा व वस्तु भण्डार गृह थे। भोजन गृह के चारों तरफ एक सब्जीयों का
था और सभी भवनों के समीप फलों के वृक्ष लगाए गए थे—उनमें आम, के
पपीता, नारंगी, अंजीर, खट्टे नींबू तथा अमरुद के फलों के वृक्ष थे। इ
नजदीक ही 'मित्रालय', मित्रता का घर था जहाँ पर आश्रम वासी बीमार व
तीर्थ यात्री और बहुत से अन्य आगुन्तक ठहर सकते थे। पहाड़ियों से
'अजीब खाना' या 'आश्चर्यों का स्थान' था, दूसरे शब्दों में यह अजायब घर
प्रसिद्ध स्थान पर बना था और फिर हमारे संस्थानों में सबसे बड़ी इमारत
मन्दिर' थी, जिसका शाब्दिक अर्थ है 'ज्ञान का मन्दिर' अथवा सरल अंग्रेजी
स्कूल। यहां पर छात्रावास में रहने वाले पचास तथा एक सौ अन्य बच्चों
के लिये स्थान था। स्कूल सह-शिक्षण संस्था थां और लड़कियों की काफी
यहां उपस्थित होती थी यहां पर बढ़ई की दुकान तथा सिलाई विभाग भी
स्कूल से परे पहाड़ी जंगली तथा घने वृक्षों वाली थी और यह छोटा मार्ग
अन्दर तथा बाहर की ओर वृक्ष से घिरा हुआ था, एक फाटक के पास
था जिससे परे कोई भी बिना आज्ञा के नहीं जा सकता था। यह कोढ़ि
रहने का स्थान था जहां पर पन्द्रह या सोलह कोढ़ी रहते थे और एक
तथा छोटे घर में उनका इलाज होता था। यहां पर एक बगीचा था जि
बहुत ही गर्व करते थे।

**Exp.**—The school was......without permission.
(Page 20 Pa

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, Ashram at Karanjia', written by Verrier Elwin.

**Cont.**—The building of the ashram at Karanjia was ded into many parts. One of the great attractions of the Mandir–Temple of knowledge. In simple English we can the school.

**Exp.**—It was a co-educational institution where a large percentage of girls used to come for getting instructions. Practical-training was imparted to the students in this school. There was also the carpenter's shop and the tailoring department.

The school was situated in a peaceful atmosphere at the far end of the ashram. Beyond it was the Leper's Refuge where no one could go without permission. At this place the hill was wild and covered with thick-trees. From this hill, a narrow way went toward the Lepers' House from among the trees. No one could go there without proper permission because it was a thick-forest and the lepers lived there.

व्याख्या—यह एक सह-शिक्षण संस्था थी जहां पर शिक्षा प्राप्त करने के लिये काफी संस्था में लड़कियां आया करती थी। इस स्कूल में विद्यार्थियों को व्यवहारिक शिक्षा दी जाती थी। वहां पर बढ़ई की दुकान तथा सिलाई-विभाग भी थे।

आश्रम के एक दूर के किनारे शान्त वातावरण में स्कूल स्थित था। इससे परे कोढ़ियों का शरण स्थान था जहां पर विना आज्ञा के कोई नहीं जा सकता था। इस स्थान पर पहाड़ी जंगली थी तथा घने वृक्षों से भरी हुई थी। इस पहाड़ी से पेड़ों के वीच में से होकर एक संकुचित मार्ग 'कोढ़ियों के घर' की ओर जाता था। उचित आज्ञा लिए विना कोई भी वहां नहीं जा सकता था क्योंकि जंगल घना था और वहां पर कोढ़ी रहते थे।

## Page 21 Para 1

Meanings—Centre—the middle place केन्द। hidden—concealed छिपे हुये। remote—distant दूरवर्ती। valleys—घाटियाँ। branch-Ashram आश्रम की शाखाएं-भाग। within a radius of as many miles—within a distance of eight miles from Karanjia करंजिया से आठ मील दूरी के अन्तर्गत। resident worker—a worker who resides there संचालक। fitted with—furnished with सजी हुई।

हिन्दी अनुवाद—यह स्थान (आश्रम का) केन्द्र था। इसके चारों ओर

दूरवर्ती घाटियों में छिपे हुये अथवा जंगल के बीच में आश्रम की आठ आ
शाखायें थी। ये आठ मील के अर्द्धव्यास में फैली हुई थी। इनमें से प्रत्येक
अपना संचालक, स्कूल, हिन्दी पुस्तकालय तथा साधारण औषधियों से युक्त
छोटी सी डिस्पेन्सरी (औषधालय) थी।

## Key Question 4 Page 21 Para 2

Meanings—Prevention—check रोक थाम। primary
of the first importance प्रधान। regular–नियमित। cours
of lectures–series of lecture भाषण की माला, व्याख्यान माल
human—मानव। sanitation–cleanliness सफाई। anti-ma
arial measures–steps taken to prevent and cure ma
aria मलेरिया के रोकथाम तथा इलाज के लिये किये गए उपाय। fore
aria—forest region जंगल-प्रदेश। short of cutting dow
the trees–by any other means except that of cutti
down the trees वृक्षों को काटने के अतिरिक्त किसी दूसरे उपायों
breading places of mosquitoes—those places whe
mosquitoes take birth, such as ponds and dam
places वे स्थान जहां पर मच्छर जन्मते हैं जैसे तालाब तथा पानी वाले
managed—arranged प्रवन्ध किया। a real triumph–a tr
success वास्तविक सफलता। distribution—apportionme
बंटवारा। quinine—medicine used as a cure for malar
मलेरिया की इलाज के लिये दवाई। ceased—stopped रुका। wat
borne diseases—diseases carried by dirty water
पानी से फैलने वाली बिमारियां। constant—permanent स्थाई
menace—a threat धमकी, खतरा। well making—buildi
of the well कुओं का निर्माण करना।

हिन्दी अनुवाद—भारत वर्ष में बिमारी की रोकथाम का बहुत महत्व
प्रत्येक स्कूल में हमारे यहां मानव शरीर, सफाई तथा सामान्य बीमारि

ऊपर नियमित रूप से व्याख्यान दिये जाते थे। वन प्रदेश में मलेरिया की रोक थाम के उपाय अधिक सफल नहीं होते है क्योंकि वृक्षों को काटने के अतिरिक्त मच्छरों के पैदा होने के स्थानों को नष्ट करना प्रायः असम्भव है। परन्तु हम काफी मात्रा में मच्छरदानियां बेच सके—यह महान सफलता थी—और वास्तव में कुनैन का बांटना भी नहीं रोका गया। पानी से फैलने वाली बीमारियां भी स्थाई रूप से खतरा बनी हुई थी और हमारी गांवों में कुंआ बनाने की योजना थी, जहां पर पानी की सप्लाई बुरी थी।

**Exp.**—The prevention..........disease.

**Ref.**—These lines are an extract, from the lesson, 'The Ashram at Karanjia' written by Verrier Elwin.

**Cont.**—The ashram at Karanjia was established with a view to serve the Adivasis of Madhya Pradesh. The primary aim of the ashram was to prevent diseases.

**Exp.**—The prevention of disease is of great importance in India. There are many common diseases in our country. We therefore try to find out their chief causes and remedies to cure them. School students were also told about these diseases. They were taught to fight against their dreadful nature. For this, regular lectures were organised in every school of the ashram. These many lectures were on human body sanitation and common diseases. All these lectures were very helpful to the students because they gave them an idea of keeping themselves away from many common diseases.

व्याख्या—भारतवर्ष में बीमारी की रोक थाम का अत्यन्त महत्व है। हमारे देश में बहुत सी सामान्य बीमारियां है, इसलिये हम उनके मुख्य कारणों तथा उनका इलाज करने की उपायों की खोज करने का प्रयास करते हैं। स्कूल के विद्यार्थियों को भी इन बीमारियों के विषय में बताया गया। उन्हें इन बीमारियों के घातक स्वभाव के प्रति लड़ने की शिक्षा दी गई। इसके लिए आश्रम के प्रत्येक स्कूल में नियमित व्याख्यानों का आयोजन किया गया। ये बहुत से व्याख्यान मानव शरीर सफाई तथा आम बीमारियों पर होते थे। ये सब व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण थे क्योंकि ये उनको सामान्य बीमारियों से अपने यों को दूर रखने के विचार को प्रस्तुत करते थे।

## Page 21–22 Para 3

Meanings—Enough—sufficient पर्याप्त । properly rightly ठीक प्रकार से । finally—at last अन्त में । to enable make them able उनको योग्य बनाना । leisure—spare time खाली समय । secured—achieved प्राप्त किया जाता है । health propaganda—स्वस्थ सम्बन्धी प्रचार । improvement–progress उन्नति । specially–particulary विशेष रूप से । domestic arts and sciences—cooking house-keeping, child care hygiene–first aid etc. खाना पकाना, गृह प्रबन्ध-शिशु रक्षा-सफाई प्राथमिक चिकित्सा आदि । extent–limit सीमा । fruits of education—good results of education शिक्षा के अच्छे परिणाम likely—possible सम्भावना । swindled—cheated ठगा जा goods—सामान । carpentry—बढ़ई गिरी का काम । tailoring —सिलाई का काम । mend—repair सुधारना । last longer—continue for long काफी समय तक चलना । funerals—burial of the dead अन्त्येष्ठि क्रिया । litigation–मुकदमे । caste dinners—dinners given to members of his caste बिरादरी को दिए गए भोज ।

हिन्दी अनुवाद—इसलिए इस समय हमने चीजों को बहुत सरल देखा । हमें ग्राम समाज के स्वस्थ्य के लिये कार्य करना था, हमें यह भी था कि पर्याप्त तथा ठीक प्रकार से पका हुआ भोजन भी हो और तब हमें की अधिक धन के प्राप्त करने में सहायता करनी थी और अन्त में हमें पर्याप्त तथा उचित ज्ञान देना था ताकि वे अपना खाली समय ठीक प्रकार बिता सके । इन उद्देश्यों में से प्रथम तो औषधालयों, स्वस्थ्य प्रचार तथा की सफाई के द्वारा प्राप्त कर लिया गया है और दूसरा खेती की उन्नति लड़कियों की शिक्षा के द्वारा प्राप्त करनो था—यदि उनको (लड़कियों को) घरेलू कलाओं तथा गृहविज्ञान की शिक्षा दी जा सकती थी । तीसरा और पर्याप्त रूप में शिक्षा के परिणाम है । जब कोई शिक्षित गोण्ड अपने सामान

बाजार में ले जाता है तो उसे धोखा देने की बहुत ही कम सम्भावनायें हैं। यदि उसने थोड़ा सा बढ़ई गिरि तथा सिलाई का कार्य सीख लिया हो तो वह विक्री के लिये भी कुछ चीजें बना सकता है या कम से कम अपने कपड़ों की मरम्मत कर सकता है ताकि वे अधिक दिनों तक चल सके—और यदि उसकी शिक्षा ठीक प्रकार से हुई हो तो वह शदियों में—अन्त्येष्ठि क्रियाओं—मुकदमों तथा सह-भोजों में अपने धन को बर्बाद नहीं करेगा।

**Exp.**—If he has learnt...........dinners. **(Imp.)**

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'The Ashram at Karanjia', written by Verrier Elwin.

**Cont.**—Here the writer throws light on the nature on educated Gond. A Gond is a member of an Adivasis tribe, living mostly in Madhya Pradesh. The writer established an Ashram to improve the condition of this community.

**Exp.**—The educated Gond becomes very intelligent and it is difficult to cheat him. If he learns carpentary or tailoring he can make many things and sell them in the market. The knowledge of tailoring will help him in mending his torn clothes too. It will give a longer life to his clothes. If he is given the right type of education, he becomes quite an intelligent person. He can learn to save some money. In this way he will not waste hies money in unnecessary things-like marriages-deaths ceremonies. He will not spend it on litigations and dinners. This habit will make him economical in life.

व्याख्या—शिक्षित गोण्ड बहुत होशियार होता है और उसे धोखा देना बहुत मुश्कल है। अगर वह बढ़ई गिरि तथा दर्जी का काम सीख लेता है, तो वह बहुत सी चीजे बना सकता है और उन्हें बाजार में बेच सकता है। सिलाई का ज्ञान उसे अपने फटे हुए कपड़ों की मरम्मत करने में भी सहायक सिद्ध होगा—इससे उसके कपड़े अधिक लम्बे समय तक चल सकेगें। अगर उसे ठीक प्रकार की शिक्षा दी जाय तो वह बिल्कुल होशियार व्यक्ति हो जाता है। वह कुछ धन बचाना भी सीख लेता है। इस प्रकार विवाह तथा मृत्यु संस्कारों जैसी अनावश्यक बातों में वह अपना धन नहीं खर्च करेगा। वह इसे मुकदमों तथा दावतों में भी खर्च नहीं करेगा। यह आदत उसको मितव्ययी बनाएगी।

(Key Question 5 Page 22 Para 2)

Meanings—Surprise—strike with wonder विस्मित करना। accustomed–habituated आदी है। regard—think सोचना। tribes—जनजातियां-आदिम जाति। altogether—completely पूरी तरह से। the Mandla district–it is in Madhya Pradesh यह मध्य प्रदेश में है। were largely detribalized had in many ways given up their tribal customs and habits उन्होंने बहुत अधिक रूप में अपनी जन-जाति के रिवाज तथा आदतों को छोड़ दिया है। worship—adore पूजा करना। peasants–farmers किसान। taboo–an act or thing which religion or custom regards as forbidden कोई ऐसा कार्य जिसे धर्म रिवाज के विरुद्ध समझा जाय। concentrated–centred केन्द्रित थी। non-tribals—persons who did not belong to their tribe वे लोग जो उनकी जाति से सम्बन्धित नहीं थे। merchants–businessmen व्यापारी। liquor vendors—wine sellers शराब विक्रेता। land-lord–land owners भूमिपति। money-lenders साहूकार।

हिन्दी अनुवाद—मेरे द्वारा 'जाति' शब्द का प्रयोग उन लोगों को आश्चर्य चकित कर देगा जो कि आदिम वासियों को जाति प्रथा से पूर्णतया बाहर समझने के अभ्यस्त हैं। परन्तु-भाण्डला जिले के गोण्ड ने वहुत अधिक रूप में अपनी जाति के रिवाज तथा आदतों को छोड़ दिया है, वे अपनी भाषा भी भूल गये, हिन्दू देवताओं को पूजने लगे और पड़ोस के साधारण किसानों की भांति कपड़े पहिनने लगे हैं। कपड़े वुनना उनके लिए एक सामाजिक बुराई समझी जाती थी। उनकी सभ्यता नाच और गाने में केन्द्रित थी जिसमें वे बहुत निपुण थे। गोण्ड गांवों में उनके वीच में बड़ी संख्या अन्य जाति के लोग भी रहते हैं। वहां पर मुसलमान, हिन्दू व्यापारी, शराव विक्रेता-जमीदार साहूकार तथा अन्य प्रकार के लोग रहते थे।

**Exp.**—But the Gonds.........very good.

**Ref.**—These lines are an extract from the lesson, 'Ashram at Karanjia', written by Dr. Verrier Elwin.

**Cont.**—Gond is an Adivasi tribe, living mostly in Madhya Pradesh. They live a very simple life but at the same time they are very intelligent. It is difficult to cheat them.

**Exp.**—Mostly they live in Mandla district of Madhya Pradesh. Now they were fast changing the coustoms and habits of their tribe. They had started living like most of the Hindus. so great the change was among them that they had forgot even their language. Now they were not like Gonds of the past time. Their dresses were like those of the ordinary Indian farmers. But they did not like to weave, it was thought as a social ban among them. They worshipped Hindu Gond and goddess. These Gonds were fond of dance and song in which they were very expert. Dance and song were very favourite to them. It was a part of their Culture–the way of life.

व्याख्या—अधिकांश रूप में वे मध्यप्रदेश के माण्डला जिले में रहते हैं। अब वे अपने कबीले के रिवाजों तथा आदतों को तेजी के साथ बदल रहे थे। उन्होंने अधिकांश हिन्दुओं के समान रहना आरम्भ कर दिया था। उनमें इतना महान परिवर्तन आ गया था कि वे अपनी भाषा तक भूल गए थे। अब वे भूत काल के गोण्ड की तरह से नहीं थे। उनकी वेश भूषाएं भी साधारण भारतीय किसानों के समान थी परन्तु वे कातना पसन्द नहीं करते थे। यह उनके मध्य में एक सामाजिक अवरोध-(निषेध) समझा जाता था। वे हिन्दू देवी देवताओं की उपासना करते थे। ये गोण्ड नाच और गाने के शौकीन थे जिनमें वे बहुत कुशल थे। नाच तथा गाना उनको बहुत ही प्रिय था। यह तो उनकी संस्कृति-रहने के ढंग का एक भाग था।

## Page 23 last para

Meanings—Moved—went गए। a lot of time–much time काफी समय। Bastar—it is a district in Madhya Pradesh मध्य प्रदेश में यह एक जिला है। urgent—necessary आवश्यक। fascinating—attractive आकर्षक। task—work कार्य। adviser—सलाहकार। North East Frontier Agency –a part of India north-east of Assam largely inhabited by adivasis of various tribes आसाम के उत्तर-पूर्व में आदि-

वासियों से बसा हुआ एक स्थान का नाम। इसे उत्तरी पूर्वी सीमा ऐजेन्सी NEFA भी कहते हैं। legally—lawfully कानूनी रूप से। citizen —नागरिक।

हिन्दी अनुवाद—सन् १९३६ में करंजिया से दूसरे गांव में चले गए। मैंने काफी समय वस्तर और उड़ीसा की सुन्दर पहाड़ियों पर व्यतीत किया। १९५३ के आखिर में मुझे उत्तरी-पूर्वी सीमा ऐजेन्सी की आदिम जातियों से सम्बन्धित मामलों के सलाहकार के रूप में आवश्यक तथा आकर्षक कार्य को करने के लिए बुला लिया गया, और उसी समय मैं कानूनी तरीके से एक भारतीय नागरिक बन गया जिसके लिए मैं काफी समय से इच्छा करता था—अर्थात मेरी यह भावना थी।

## Questions and Answers

**Key question 1**—Where is Karanjia ? Why did Gond visitors find themselves perfectly at home in the Ashram ?

करंजिया कहां पर है ? गोंड आगुन्तक आश्रम में पूर्ण आराम क्यों प्राप्त करते थे ?

**Answer—**

**The village-Karanjia**—Karanjia is a very small village of Mandla district in Madhya Pradesh. It is near the source of the Narmada river. It is amid the eastern hills of the Satpura. The village is situated on a little hill, where from the Pilgrim way can be seen. This way leads up to Amarkantak-a place of pilgrimage for the Hindus. Four rivers rise from this holy place. The hill of Amarkantak is about eleven miles away from village Karanjia.

Dr. Verrier Elwin established an Ashram in this village. The houses in the ashram were made of mud and thetched with grass, bamboo and straw..

**Gond-visitors in the Ashram**—Gond is a tribe living mostly in Madhya Pradesh. The people of this tribe visited the Ashram and it was a regular feature for them. They found themselves perfectly at home in the ashram, because it looked to them like their own village. Everything in the ashram was built in the Gond style. The walls of the houses and cottages

were decorated with Gond pictures and designs. Furniture also matched with that of theirs in the village.

Secondly the ashram was kept neat and clean. The huts were clean and well ventilated. Every whery there were flowers and fruit trees. There were separate houses for poultry and cattle. As a whole the ashram looked like a big family. Besides being made in the Gond-style, it had many new and wonderful things. Gonds liked and loved them. That is why Gond visitors found themselves perfectly at home in the ashram.

**Key question 2**—On what principles was the ashram founded ?

आश्रम की स्थापना किन सिद्धान्तों पर की गई ?

**Ans.**—Please consult the summary for its answer under sub-heading, "The Main Principles of its foundation".

**Key question 3**—What were the different units of the Ashram ? or

आश्रम के कौन कौन से भाग थे ? अथवा

What do you know about the building of the Ashram at Karanjia ? Describe its main parts.

करंजिया के आश्रम की बिल्डिंग के विषय में तुम क्यां जानते हो—इसके मुख्य भागों का वर्णन कीजिए ?

**Ans.**–Dr. Verrier Elwin founded a beautiful ashram among the hilly region of Mandla district in Madhya Pradesh. It was with a view to improve the living condition of the advasis of that area. The ashram was situated at a small village-Karanjia.

**Main buildings of the Ashram**—The ashram consisted of several buildings and was spread over many miles in extent. There were six main units in it. Each unit had a separate building of its own. The First unit of the ashram was the dispensary. It was called Premayanta, the House of compassion. Patients from far and wide came here for treatment. The dispensary was well equipped with useful medicines.

The second unit was the Refectory (a dining place) for those members who lived regularly in the ashram. It consisted of three huts- a kitchen, dining room and store house. Round the Refectory there was a vegetable garden in which fruit and

flower trees were planted. There were mango-and orange, fig, sour lemon-guava trees in this garden.

Next to it, there was the Mitralya-House of Friendship. Here inpatients, pilgrims and other visitors could stay.

Farther along the hill, there was a Museum. It was called the Ajib-Khana-a popular place for wonders.

The fifth unit was the greatest of the many establishments of this Ashram. It was the Vidya-Mandir. We can call it the school in simple English. There was an accomodation for about 150 boys in this school. It was a co-educational institution. Practical training in carpentary and tailoring was given in this school.

The sixth part of the ashram was situated far away on the thickly wooded hills. It was the Lepers house, where no one could go without permission.

The central ashram was situated above on the hill. Round it there were eight branch ashrams which were spread over within a radius of eight miles. Each branch Ashram was in the charge of a manager. There were separate Hindi Library and small dispensary in every branch Ashram. These dispensaries were equipped with the simplest medicines. The villagers had not to walk a long-distance for ordinary diseases.

All these buildings were beautifully made of clay and thatched with straw only. The whole ashram looked beautiful and was like a part of the village itself.

**Key question 4**–What were the chief aims of the Ashram at Karanjia ? What means were adopted to attain these aims?

करंजिया में आश्रम के मुख्य उद्देश्य क्या थे ? इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए क्या साधन जुटाए गए ?

**Ans.**–Dr. Verrier Elwin, a great social worker, opened an Ashram at Karanjia. He wanted to improve the living condition of Adivasis, who lived in unhealthy atmosphere of the village. The ashram was established with a view to serve the adivasis.

**Its chief aims**–The chief aim of the ashram was to prevent diseases. Water-borne diseases were very common in the area. Secondly it aimed at improving the health of the adivasis by giving them all sorts of possible help. The improvement

agriculture and the education of children were the other works that were done in the ashram. As a whole the purpose of the ashram was to make the tribal life better, happier and richer than before.

**Means to attain these aims**–Different methods were adopted to attain these aims. For improving their general condition lectures about the human body, sanitation and common diseases were organised in every school. They were taught to keep themselves and their village neat and clean. For the prevention of Malaria, mosquito-nets were made and sold, Quinine was distributed among the people, and new wells were made in some villages where water-supply was not satisfactory.

The establishment of dispansaries, health propaganda and the cleaning of villages were of great help in removing the distress of these adivasis. Now they began to realize the importance of being healthy in life.

Schools were opened in the ashram to educate them. A primary education helped them to earn more money and use their leisure properly. If they had learnt a little carpentry or tailoring, they could make a few things for sale in the market and earn some money. Educated Gonds did not waste money on wedding, funerals litigation and caste-dinners.

**Key question 5**—In what way the Gonds of the Mandla district largely detribalized ? What did Verrier Elwin do after he moved from Karanjia ?

माण्डला जिले के गोंड किस प्रकार से अपनी जन-जाति के रीती रिवाज बदल रहे थे ?

**Ans.**—The Gonds of the Mandla District had largely changed themselves in many ways. They had already left most of their customs and habits. So great the change was among them that they had lost even their language. The Gonds had started living like Hindus and worshipped Hindu Gods and Goddesses. They began to put on dresses like the ordinary farmers.

These people delighted in songs and dance at which they were quite good. A large number of non-tribals also lived among them.

In 1936. Verrier Elwin left Karanjia. He lived for sometime in Bastar and later, in the lovely hills of Orissa. In 1953, he was appointed as an Adviser for Tribal Affairs to the North-East-Frontier-Agency.

———

# 4. A Bookish Topic

## पुस्तक सम्बन्धी विषय

**R. K. Narayan**

**Introduction to the author–**

R. K. Narayan is one of those writers who have won inte national fame. He was born in 1906. He is mainly famo as a novelist, short story writer and essayist. His main boo are—The Guide, Mr. Sampath, Next Sunday and the Da Room etc.

R. K. Narayan deals with social, political and econo psoblems in his stories and essays. His writings have gr charm, a quiet simplicity, economy precision and beauty phrase. His stories are very popular because of their reform tive elements.

**Introduction to the chapter–**

'A Bookish Topic' is a delightful essay in which the wri comments on borrowers of books. It has a humorous to This essay has been taken from the writer's book 'Next Sunda

The writer criticizes the nature of those who have t bad habit of borrowing the books. They generally fail return the good books. So we must be careful of such perso The writer advises us not to lend books frequently, otherw we shall never get them back.

**Main Points of the lesson**

1 R. K. Narayan feels that it is very bad to borrow boo He hates borrowers of books.

2 The borrowers do not return the books and avoid even company of their friends who lent them books.

3 Sometimes the borrowers forget even this that they b book from their friends. They show their ignorance ab the borrowed books.

4 In most cases books are lost, and the owner never gets his book back.

5 The author humoursly remarks that at the next election his vote will go to the party who imposes a ban on book borrowing.

6 He advises us not to lend our books to any one in any case. This must be the guiding principle of every man's life.

7 We can share the delight of good-reading with others without losing our books, if we have a small library of our own and keep a record of all the books.

8 As an author. the writer feels it difficult to have even one copy of the book, he has written. All the copies of the author are borrowed. He has himself to go to the library for having a copy of his own book.

**Summary of the lesson in English**

The writer expresses his views on borrowing the books. It is a bad habit with some persons who do not understand the value of books.

Nature of Book Borrowers-The writer has a very bad opinion about those who have the evil-habit of borrowing the books from their friends. They never try to return the books borrowed by them. A book-borrower proves himself unworthy of friendship after sometime. He shows no inclination to continue friendship with the owner of the book. If by chance he comes across the owner of the book, he pretends to be in great difficulty at such hours. Moreover he shows that he made a great mistake by borrowing it, because he has no time even to read the newspaper fully. For a few days the borrower keeps saying, "I have not yet read it, but I did like to, if I may."

**Books are not returned**-Generally the borrower does not return the book as he even forgets if he ever borrowed it or not. The lenders and the borrowers meet each other after a long time. The lender asks, "Where is the book ?" But the borrower simply asks, "Which bbok ?" Again the borrower says that he will try to search it in his house after a few days. He cannot search it now because of his busy life. At the next meeting

the borrower says that he has not found the book in his house as it was perhaps with his brother-in-law. He makes a false promise to get the book back from his brother-in-law. In this way even the whereabouts of the book are not known. Under such circumstances you cannot hope of getting the book back again.

**Feelings of the book owner**—The owner of the book becomes helpless. He does not hope for the return of his valuable book. He hates the man and decides not to lend his books to any body. He cannot complain to the police about the lost book. The writer remarks that he will vote for the party who promises to ban the borrowing of books. He feels that there should be law to punish such persons who do not return the borrowed books.

**Delight of Good Reading**—All of us love to keep our books. We also share the delight of good reading with others. But it is impossible to love books and share the delight of reading with others. Generally we do not get them back. If you are really interested in sharing the delight of reading with others, you must keep a library of your own and have the record of the books, you have. But in such case you will have to ask the borrower to sign a register. If the borrower does not return the book in time, he should pay daily-fine for it. Full price should be charged if the book is lost.

**The Author's problem**—As an author his problem is a little more complicated. A publisher gives him only six free copies when a new book comes out. He wants to keep at least one of them with him. But some one borrows even this copy. So he does not have any one with him. Whenever he wishes to see his own books for any purpose, he has to borrow them from the library.

The writer advises us not to lend our book to any one on earth. This really ought to be one's guiding principles in life.

## पाठ का सारांश

लेखक किताबें उधार मांगने के सम्बन्ध में अपने विचार प्रकट करता है। कुछ व्यक्तियों की यह बहुत बुरी आदत है वे पुस्तकों के मूल्य को नहीं समझ पाते हैं।

पुस्तक उधार लेने वालों का स्वभाव—लेखक उनके विषय में बहुत बुरा सोचता है जिनको अपने मित्रों से पुस्तक उधार लेने की बुरी आदत है। वे उधार ली गई पुस्तकों को कभी भी लौटाने का प्रयास नहीं करते हैं। कुछ समय के पश्चात उधार लेने वाला स्वयं को मित्रता के भी अयोग्य सिद्ध करता है। वह पुस्तक के मा लक से मित्रता रखने के सम्बन्ध में कोई रु च प्रकट नहीं करता है। अगर देव योग से उसको कभी पुस्तक का मालिक मिल जाता है, तो वह ऐसे समय में महान संकट में होने का बहाना करता है। इसके अतिरिक्त वह यह भी प्रदर्शित करता है कि पुस्तक उधार मांगकर उसने बड़ी गलती की है क्योंकि उसके पास तो ठीक प्रकार से समाचार पत्र तक पढ़ने का समय भी नहीं है कुछ दिनों तक तो उधार लेने वाला यही कहता रहता है, "मैंने इसे अभी तक नहीं पढ़ा है, परन्तु यदि मैं इसे पढ़ सका तो अवश्य ही पढ़ना चाहूँगा।"

पुस्तकें वापिस नहीं होती—प्राय: किताब उधार लेने वाला पुस्तक को वापिस नहीं करता है क्योंकि वह तो यह तक भूल जाता है कि उसने कभी पुस्तक उधार ली थी अथवा नहीं। उधार लेने वाला तथा उधार देने वाला एक दूसरे से कुछ समय पश्चात मिलते हैं। उधार देने वाला पूछता है, "किताब कहां है ?" परन्तु उधार लेने वाला केवल यह कहता है, "कौन सी पुस्तक ?" और फिर उधार लेने वाला यह कहने लगता है कि वह इसे कुछ समय पश्चात अपने घर में ढूंढने की कोशिश करेगा। वह अपनी व्यस्तता के कारण इसे अभी तालाश भी नहीं कर सकता है। अगली बार, उधार लेने वाला कहता है कि उसके घर के अन्दर पुस्तक नहीं मिली है क्योंकि यह तो शायद उसके साले के पास है। वह साले से पुस्तक वापिस मांगने का झूठा वायदा भी कर लेता है। इस प्रकार पुस्तक का अता-पता भी नहीं ज्ञात रहता है। इन परिस्थितियों में आप पुस्तक को पुन: वापिस लेने की आशा कदापि नहीं कर सकते हो।

किताब के मालिक के विचार—किताब का मालिक असमर्थ हो जाता है। वह अपनी मूल्यवान पुस्तक के पाने की आशा छोड़ देता है। वह उस आदमी से घृणा करने लगता है और यह आशा करता है कि कभी भी किसी को वह पुस्तक उधारी नहीं देगा। वह अपनी खोई हुई पुस्तक के विषय में पुलिस में भी

शिकायत नहीं कर सकता है। लेखक टिप्पणी करते हैं कि वह तो ऐसी पार्टी
लिये वोट देगा जो किताब उधार मांगने पर प्रतिबन्ध लगाने का वायदा करे
है। वह अनुभव करता है कि ऐसे व्यक्तियों को दण्ड देने के लिये कानून हो
चाहिये जो उधार ली गई पुस्तकों को नहीं लौटाते हैं।

अच्छी प्रकार से पढ़ने के आनन्द—हम सब अपनी पुस्तकें रखना पस
करते हैं। हम दूसरों के साथ मिलकर पढ़ने के आनन्द में भी साझीदार हो
चाहते हैं। परन्तु किताबों से प्यार करना तथा दूसरों के साथ मिलकर पुस्त
पढ़ने के आनन्द का साझीदार बनना असम्भव है। प्राय: हम उन्हें वापिस न
प्राप्त करते हैं। यदि आप पुस्तक पढ़ने के आनन्द को दूसरे के साथ मिल
बाँटने में वास्तव में रुचि लेते हैं तो तुम्हें अपना स्वयं का पुस्तकालय रख
होगा और जो किताबें तुम्हारे पास है, उनका पूर्ण विवरण भी रखना चाहि
परन्तु ऐसे मामलों में तुम्हें उधार मांगने वाले से एक रजिस्टर में हस्ता
कराने होंगे। यदि उधार मांगने वाला समय पर पुस्तक नहीं लौटाता है तो
इसके लिये दैनिक जुर्माना भरना होगा। पूरी कीमत वसूल करनी चाहिए,
पुस्तक खो गई हो।

लेखक की समस्या—लेखक के रूप में उसकी समस्या तनिक और भी ज
है। जब कोई नई पुस्तक प्रकाशित होती है तो प्रकाशक उसे पुस्तक की
प्रतियां मुफ्त में भेंट करता है। इनमें से कम से कम एक वह अपने पास रख
चाहता है परन्तु कोई न कोई इस प्रति को भी मांग कर ले जाता है इसलि
उसके पास एक भी प्रति नहीं रह जाती हैं। जब किसी भी उद्देश्य के लिये
अपनी ही पुस्तक देखने की आवश्यकता होती है, तो उसे उन्हें पुस्तकालय
उधार लेनी होती है।

लेखक हमें राय देता है कि संसार में किसी को भी अपनी पुस्तक उ
नहीं देना चाहिए। यह तो जीवन में हमारा पथ प्रदर्शन करने वाला सिद्धा
होना चाहिए।

**Word Meanings, Hindi Translation & Explanations**

Key Question 1 Page 26-27 Para 1

Meanings—Blackest thoughts—most bitter the

ghts सबसे कटु विचार, reserved–kept safe सुरक्षित है । borrow —उधार मांगना । forgive–क्षमा करना, pardon, who fails to return—who does not return जो नहीं लौटाता है । shelf—almirah अलमारी । hesitate—to be doubtful हिचकिचाना । precisely—exactly ठीक प्रकार से । as a general rule सामान्य तोर से । the book pirate—the person who robs you of your books वह व्यक्ति जो तुमसे पुस्तकें ठग लेता है । inclination–disposition झुकाव-प्रवृति । stoops–bends झुक जाता है । beside—by the side पास में । hedge—shurb झाड़ी । remains—lives रहता है । still–silent शान्त । face to face–आमने सामने । he doubles his pace......desperately—he moves on a fast speed and prentends to be going on an urgent business वह अत्यन्त तेज गति से चलता है और एक खास जरुरी काम से वाहर जाने का झूठा वहाना बनाता है । in search of—to look for तलाश करने के लिये । matter—thing मामला । engage—make busy व्यस्त होना । conversation—talks वातचीत । centring round some miserable book—that is mainly about the old and useless book जो कि पुरानी तथा वेकार सी पुस्तक से ही सम्वन्धित है । in a weak moment—at a time when one is not careful ऐसे समय पर जवकि कोई सावधान नहीं होता है । worst —सवसे बुरा । entertained the idea—had the idea विचार था । persuing—reading पढ़ना । develops—grows उत्पन्न हो जाता है । aversion—hatred घृणा । the man who lent it–the lender of the book पुस्तक उधार देने वाला । generous—full of generosity, kind उदार । brood—young family of human beings तुच्छ मानव बच्चा । generous brood–one of those with a kind nature–अच्छे स्वभाव वाला । pointless

—useless बेकार । going through it—reading it
पढ़ना ।

हिन्दी अनुवाद—मेरे सबसे कटु विचार उनके लिए सुरक्षित है जो पुस्तकें उधार मांगते हैं । मैं उस व्यक्ति को क्षमा नहीं करता हूं जो उस को लौटा नहीं पाता है । जोकि उसने मेरी अलमारी में से ली थी । मैं ठीक प्रकार से यह बताने में संकोच नहीं करूंगा कि मेरा उसके विषय में विचार है, यदि वह मुझे यह बताने का अवसर प्रदान करे (अर्थात वह लेखक को मिल जाय) परन्तु सामान्य तौर से किताब ठगने वाले की साथ मित्रता जारी रखने में भी कोई रुचि नहीं होती है । वह झाड़ी (अपने मकान के चारों तरफ लगी हुई) झुक कर बैठ जाता है और शान्त रहता है जब तक कि मैं उसके दरवाजे के सामने से नहीं निकल जा यदि वह सड़क पर आमने सामने मिल जाता है तो वह ऐसे भाव से अपनी दूनी कर लेता है (अर्थात तेजी से चलने लगता है) मानो वह निराश डाक्टर की खोज में जा रहा है । और उसके लिए यह जीवन मृत्यु का हो इसलिए उसके पास उसी फटी पुरानी पुस्तक के सम्बन्ध में बातचीत का समय नहीं है जो कि उसने किसी समय असावधानी में ले ली थी । किताब वाले की यह सबसे बुरी बात है । वह अनुभव करने लगता है कि किसी के कारण ही उसने किसी पुस्तक को पढ़ने का विचार किया, जबकि समान व्यस्त व्यक्ति को अपने पडोसी के समाचार पत्र को पढ़ने का भी नहीं है । इसके बाद पुस्तक तथा पुस्तक उधार देने वाले के प्रति वह घृणा लगता है । कुछ दिनों तक तो वह यह कहता रहता है, मैंने इसे अभी तक पढ़ा है, परन्तु यदि पढ़ सका तो पढ़ूंगा ।" और पुस्तक उधार देने वाला उदार व्यक्ति हैं, कहता है, "अरे, हां इसे जरूर रखिए, आपने इसे इतने समय रक्खा है और यदि अब बिना पढ़े लौटा देते हैं तो यह बेकार ही रहेगी । इसे रखे रहिए ।"

**Exp.**—This is the wrost......lent him it. (V. I
(Page 2

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson Bookish Topic", written by R. K. Narayan.

**Cont.**—In this lesson, the author gives us a delightful comment on borrowers of books. There is a tone of gentle humour and delicate irony in this chapter. The author is well known for humour in his writings—

**Exp.**—The borrowers of books have a very bad habit, because they neither read nor return the borrowed books. This is the worst habit with them. Whenever the owner of books meets the borrower on the road the later tries to show that he is very busy man and does not find time even to read the daily news. It is almost impossible for him to go through the book, because he has not enough time for that. Any how he borrowed the books but could not read them. Later on he begins to dislike both—the book and the book-owner. As a matter of fact the book borrower develops a bad habit of keeping the book with him, He does not show any inclination to his friend who lent him the book.

संदर्भ—ये पंक्तियां 'A Bookish Topic' नामक पाठ से ली गई हैं। इसके लेखक R. K. Narayan हैं।

प्रसंग—इस पाठ में लेखक किताब उधार मांगने वालों की मनोरंजक ढंग से आलोचना करता है। इस पाठ में शिष्ट हास्य तथा कोमल व्यग्यं का पुट है। लेखक अपने लेख में हास्य प्रदर्शित करने के लिए प्रसिद्ध है।

व्याख्या—किताब उधार माँगने वालों की आदत बहुत बुरी होती है। क्यों कि उधार ली हुई पुस्तक को न तो वे पढ़ते हैं और न वापिस ही करते हैं। यह उनकी सबसे बुरी आदत है। जब कभी किताब का मालिक, उधार पुस्तक लेने वाले से मिल जाता है तो वह (उधार मागने वाला) यह दिखाने की कोशिश करता है कि वह अत्यन्त व्यस्त व्यक्ति है। और उस पर तो प्रतिदिन के समाचार पढ़ने का समय भी नहीं है उस किताब को पढ़ना तो प्रायः उसके लिए असम्भव है क्योंकि उसके लिए उसके पास पर्याप्त समय भी नहीं है। किसी भी प्रकार उसने पुस्तके उधार ली थी परन्तु उन्हें पढ़ नहीं सका। बाद में वह दोनों को —पुस्तक तथा पुस्तक के स्वामी—को घृणा करने लगता है। वास्तव में पुस्तक उधार लेने वाला किताब को अपने पास रखने की बुरी आदत बना लेता है। वह अपने मित्र के प्रति, जिसने कि उससे किताब मांगी थी, कोई रुचि प्रदर्शित नहीं करता है।

## Key Question 2 Page 87 Para 2

Meanings—Feels delicate—find it awkward लगता है । a happy New Year—they (borrow and lender) wish happy New Year to each other वे एक को नव वर्ष की बधाई देते हैं । suddenly—तुरन्त, अचानक । real feel अनुभव करना । gap—empty place रिक्त स्थान । abrup —readily, suddenly अचानक ही ।

हिन्दी अनुवाद—अगली मुलाकात के समय किताब उधार देने वाला के विषय में फिर से पूछ ताछ करने में शर्म का अनुभव करता है । कुछ गुजर जाते हैं और फिर वे एक दूसरे को नववर्ष की शुभ कामना भेजते हैं फिर एक और नववर्ष व्यतीत हो जाता है और अब भी अचानक तुम यह भव करते हो कि आपकी अलमारी में अभी भी रिक्त स्थान शेष है ( किताब नहीं लोटी है) और तब तुम अचानक ही उससे एक दिन मिलते हैं से पूछते हो—

"पुस्तक कहां है ?"

"कौन सी पुस्तक ?"—वह भद्र व्यक्ति पूछता है ।

## Page 27-28 (When......correspondent)

Meanings—Stimulate–excite उत्तेजित करना । (sti ating his memory—trying to remind him उसको दिलाने की कोशिश करने में) । search for—find out तलाश naturally–infact वास्तव में । tone–manner ढंग । inst —natural feeling भावनाएं । humanity–mankind मानव words fail you—you don't speak a word even तुम शब्द भी नहीं बोलते हो । you cannot...further—you can be sure that you will not lose your temper if speak further आपको यह विश्वास नहीं हो पाता कि यदि आप अधिक बोलेगें तो आपको क्रोध नहीं आएगा । brazenly—ru

असभ्यता से । an air of condescending—an appearance of lowering himself अपने आपको हीन समझने के दृष्टि कोण से । to give a thought—to think over सोचना । for a while -for a short time कुछ थोड़े समय के लिए । replies mechanically–answer without thinking बिना विचारे ही उत्तर देता है । beg—request प्रार्थना करना । tour—भ्रमण । bear–सहन करना । postal expenses–expenses that come towards posting of letters etc. पत्रादि भेजने के लिए डाक खर्च वगैरह bad correspondent—a person who is not prompt in sending replies of letters पत्रों का उत्तर ठीक प्रकार तथा शीघ्रता से न देने वाला ।

हिन्दी अनुवाद—जब आप उसे (कताव के विषय में) याद दिलाने में सफलता प्राप्त कर लेते हैं तो वह केवल यह कहता है, "अरे वह । मुझे तो इसे पढ़ना होगा ।" स्वाभाविक रूप से आप उसके इस प्रकार से बोलने के ढंग को पसन्द नहीं करते हो और कहते हो, 'अच्छा, अब क्यों नहीं तलाश कर लेते हो ? (वह कहता है) 'अरे अब, नहीं मैं······आप देखते ही हैं—अब मैं बहुत व्यस्त हूँ ।' आपकी मूलभावना आपको यह ज्ञान कराती है कि आप अपनी पुस्तक को फिर से कभी वापिस नहीं देखोगे । तुम अनुभव करते हो कि अब तुम मानवता का सबसे विकृत रूप देख रहे हो । तुम्हारे मुख से शब्द नहीं निकलते हैं । तुम पर अपने ऊपर यह विश्वास नहीं होता कि यदि तुम कुछ और बोलोगे तो तुम्हें क्रोध नहीं आएगा और तुम वहां से चले जाते हो । अगली मुलाकात के समय वह व्यक्ति (उधार माँगने वाला) फिर पुस्तक के विषय में विचार करे, अपने को हीन समझता हुआ अशिष्टता से कहता है, 'मुझे आपकी पुस्तक नहीं मिली । मैं कुछ समय के लिये नगर के बाहर काम से गया हुआ था । मेरा विश्वास है कि यह पुस्तक मेरे साले के पास होगी, तुम तो मेरे साले को जानते हो ?'

'मैं नहीं जानता, तुम उनसे इसे वापिस क्यों नहीं मंगा लेते हो ?'

'मैं जरूर, जरूर मंगा लूंगा'–वह बिना विचार किए हुए उत्तर दे देता है ?

'या, मैं स्वयं हो जाऊंगा और उससे पुस्तक वापिस करने की प्रा
करूंगा, वह कहां है ?'

'यहां तो मुझे ज्ञात करना है। वह एक दौरे पर चला गया है।'

'उसको एक पत्र क्यों नहीं भेज देते ? मैं डाक खर्च दे दूंगा।'

'अरे पत्रों से कोई लाभ नहीं है–वह पत्र डालने में बहुत ही बुरा
(सुस्त) है।'

**Exp.**—You feel.........go away. (Im
(Page 27 Pa

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, Bookish Topic", written by R. K. Narayan.

**Cont.**–Here the writer expresses the feelings of the ow of book, while the borrower refuses to tell the whereabou the book. The lender feels that the book will never come b to him. He becomes hopeless.

**Exp.**–The borrower does not tell anything about the bo He shows his utmost carelessness about it, and behaves in unnatural manner with the owner. You feel that you are talk to an uncultured man. You feel how much a man can st himself. Sometimes you become angry with him. But you ca speak even a word, since you do not like to talk to such a m fellow. Moreover you are not sure that you will not lose y temper if you again speak to him.

व्याख्या—उधार लेने वाला किताब के विषय में कुछ नहीं बताता है। इसके बारे में अपनी सर्वाधिक लापरवाही प्रदर्शित करता है और पुस्तक के के साथ अस्वाभाविक ढंग से बातचीत करता है। तुम यह अनुभव करते हो तुम एक अशिष्ट व्यक्ति से बात कर रहे हो। तुम यह अनुभव करते हो कि आदमी अपने को कितना नीचा गिरा सकता है। कभी कभी आप उसके नाराज भी हो जाते हो। परन्तु आप एक भी शब्द नहीं बोल सकते हो क्यों आप ऐसे नीच व्यक्ति से बात करना भी पसन्द नहीं करते हो। इसके अतिरि आपको इस बात का यकीन नहीं है कि यदि आप उससे फिर बोलेंगें तो आप क्रोध नहीं आयेगा।

Page 28 Para 2-3 The where abouts...promise.

Meanings—Where abouts–अता-पता। trailing away into indefiniteness—becoming vague अस्पष्ट हो रहे हैं (ज्ञात नहीं होते हैं)। disowns–refuse to recognise पहिचानने से इंकार करना। completely–fully पूरी तरह से। misanthrope–hater of mankind मानवता से घृणा करने वाला। in a more perfectly arranged world—in a better world than ours today हमारी आजकल की दुनिया से अच्छे संसार (वातावरण) में। pledges—promises प्रतिज्ञा करती है। eliminate—to root out समाप्त करना। illiteracy—अशिक्षा। scrutinising—examining in detail सूक्षम निरीक्षण करते हुए। manifesto–घोषणा। (manifesto and party programme—public declaration of principles, polioy, purposes etc. by a political parly एक राजनैतिक दल द्वारा अपने उद्देश्य, नीति तथा सिद्धान्तों की जनता के सन्मुख घोषणा।

हिन्दी अनुवाद—तुम यह अनुभव करते हो कि पुस्तक का अता पता अब भी ज्ञात नहीं है। दूसरी भेंट में–(पुस्तक का विचार करता है कि सम्भवतः अगली भेंट पर पुस्तक मिल जावे)। परन्तु कोई अगली मीटिंग नहीं हो सकती है। वह भद्र व्यक्ति (उधारी पुस्तक लेने वाला) अपने को झाड़ियों में छिपा लेता है और आप से मिलने (पूरी तरह से पहिचानने) को इंकार कर देता है।

इन परिस्थितियों के अन्तर्गत आप मानवता से घृणा करने लगते हो और यह विचार करते हो कि ऐसा क्यों है कि आप अपनी पुस्तक की हानि के बारे में पुलिस में शिकायत भी नहीं कर पाते हो। आज की अपेक्षा और अधिक व्यवस्थित संसार में ऐसा असम्भव होगा। अगले चुनाव में मेरा मत ऐसी पार्टी के लिये जाएगा जो कि हमारे समाज से (अशिक्षा, निर्धनता और बीमारी के साथ ही) पुस्तक-उधार मांगने को समाप्त कर देने की प्रतीज्ञा करें। मैं इस सम्भावित प्रतिज्ञा के लिये प्रत्येक पार्टी के उद्देश्य, नीति तथा सिद्धान्तों की घोषणा की सूक्षता पूर्वक जांच कर रहा हूँ।

**Exp.**—It is under...........be possible. **(Imp.)**

**(Page 28 last Para)**

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, "A Bookish Topic" by R. K. Narayan.

**Cont.**—The book-borrower does not return your book. He even forgets about it. The whereabouts of the book are not known to its owner. The borrower does not tell where the book is at present.

**Exp.**—After sometime the borrower tries to escape your meeting. He hides himself whenever he sees you. Under such circumstances, you begin to hate the man i. e. the borrower of the book. You think why there is no law against those who do not return the borrowed book. You imagine to complain to the police against such persons but you can't. Further more the writer thinks that it can be possible in a further world than ours today. We will take the shelter of law, if we don't get back our book. But it is not possible these days.

व्याख्या—कुछ समय पश्चात पुस्तक उधार मांगते वाला आपकी भेंट भी छुटकारा पाने की कोशिश करता है। जब कभी वह आपको देखता है स्वयम् को छिपा लेता है। इन परिस्थितियों के अन्तर्गत तुम उस व्यक्ति से अर्थ पुस्तक उधार लेने वाले से घृणा करने लगते हो। तुम यह सोचते हो कि व्यक्ति के लिये कोई कानून क्यों नहीं है जो उधार ली हुई पुस्तक नहीं लौटा हैं। तुम ऐसे व्यक्ति के खिलाफ पुलिस में शिकायत करने की कल्पना करते परन्तु शिकायत नहीं कर सकते हो। इसके आगे लेखक सोचते हैं कि आज हमारी दुनियां की अपेक्षा भविष्य में आने वाले इससे भी अधिक संसार में सम्भव होगा। यदि हम अपनी कितावें वापिस नहीं प्राप्त करते हैं तो कानून की शरण ले सकते हैं। परन्तु यह आजकल सम्भव नहीं है।

## Key Question 3 Page 29 30

Meanings–Keep–have रखना। share—divide बांटना। delight—pleasure आनन्द। combination—mixture मेल। painful experiment—sad example दुख पूर्ण प्रयोग या अ हरण। lend–to give on loan उधार देना। on earth–in th

world संसार में। really–वास्तव में। guiding principle–principle, showing the noble path in life जीवन में श्रेष्ठ मार्ग की ओर चलने वाला सिद्धान्त। retains—keeps रखता है। shape–form रूप। elaborately—with great care or labour बड़े प्रयास तथा परिश्रम से। enthusiastic—zealous उत्साही। provided—if यदि। signs—makes signature हस्ताक्षर करता है। ledger–register रजिस्टर। levies–imposes लगा देता है। held over–kept रक्खी जाती है, रोकली जाती है। due date–the date on which the book is to be returned निश्चित तिथि जिस पर पुस्तक लौटानी है। ruthlessly–cruelly निर्दयता पूर्वक। demands—asks for मांगता है। replacement–act of replacing, substitution बदला। spoons–चम्मचे। concerned–related सम्बन्धित। costs—values कीमत होती है। rude–uncivil भद्दा। pugnacious, petty minded–quarrelsome and mean झगड़ालू तथा नीच। favourite—lovable प्यारे। volumes—books पुस्तकें। moment—a very short time बहुत कम समय, क्षण।

हिन्दी अनुवाद—हम सब अपनी पुस्तकें रखना पसन्द करते हैं तथा दूसरों के साथ सुअध्ययन के आनन्द वांटना चाहते हैं। यह मेल असम्भव है और एक दुखदोया अनुभव में बदल जाता है। यदि तुम अपनी किताबों को प्यार करते हो तो किसी को भी संसार में उनको उधारी मत दीजिए। यह सिद्धान्त तो वास्तव में हमारे जीवन का मार्ग दर्शक होना चाहिए। दूसरों को पुस्तक देना तथा उन्हें फिर भी अपने पास रखना इसी प्रकार जिस प्रकार है रोटी खाना और उसे बचाए रखना। मैं केवल एक व्यक्ति को जानता हूँ। जिसने दोनों कार्यों को किया है। वह किताबें उधारी देता है और अपने पुस्तकालय को ठीक प्रकार रखता है। वह घर पर अति विशाल पुस्तकालय रखता है और किताब उधारी देने में अत्यन्त रुचि लेता है, जबकि उधार लेने वाला, चाहे वह उसका दामाद भी क्यों न हो, रजिस्टर पर हस्ताक्षर कर देता है और पुस्तक को ठीक तिथि

पर लौटा दें। यदि पुस्तक ठीक समय से अधिक रोक ली जाती है तो वह
पाई प्रति दिन के हिसाब से जुर्माना लगा देता है और वह खोई हुई पुस्तक
बदले में कठोरता पूर्वक किसी भी दूसरी पुस्तक की मांग करता है।
उसने यह कहा होता, "मेरा साला पुस्तक को ले गया होगा, और मैं
जानता कि पुस्तक कहां है ?" वह (उधार देने वाला) उत्तर देता होगा,
निश्चित है कि तुम अपने साले को अपनी कुर्सी, कोट या चमचें नहीं ले
देते। कोई व्यक्ति यह सोचने का साहस किस प्रकार कर सकता है कि
पुस्तक के विषय में जितना भी अधिक लापरवाह होना चाहे, हो सकता
मुझे अपने साले के विषय में कुछ न बताओ। मैं तो केवल अपनी पुस्तक
रूच लेता हूं। इसकी कीमत नो रूपये तथा डाक खर्च अतिरिक्त है।
तुरन्त ईस पुस्तक विक्रेता को लिख दो। इस पुस्तक के प्रेमी को अशिष्ट
तथा नीच व्यक्ति कहा गया है परन्तु वह इसकी परवाह नहीं करत है।
ज्ञात है कि उसकी प्रिय पुस्तक किसी भी समय कहां पर है।

**Exp.**—All of us............have it. **(Imp.)** **Page 29 Par**

**Ref.**–These lines have been taken from the lesson bookish Topic', written by R. K. Narayan.

**Cont.**—In this lesson the writer telts us the habit of borrowers. They are generally very careless and do not return the book to its owner. It is the worst habit with them.

**Exp.**—All of us want to keep some books with us. Sometimes we wish to share the delight of good reading with others. In such case, we lend our books to anyone who shows a bit interest in getting it. The writer thinks that it is impossible to have books with us and also share the delight of good reading with others. He advises us not to lend our books to anyone in the world. All of us should follow this principle in life. If you lend your books, you, cann't keep them with you. Both the things cannot go side by side. If we eat our bread, we can not keep it safe, same is the case with the books.

व्याख्या—हम सब अपने पास कुछ पूस्तकें रखना चाहते हैं। कभी-कभी हम भलि भांति पढ़ने के आनन्दों को दूसरों के साथ भी बांटना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में हम अपनी कितावें किसी भी व्यक्ति को उधारी देते हैं जो कि उसे लेने में तनिक भी रुचि प्रदर्शित करता है। लेखक विचार करते हैं कि अपने

पुस्तकें रखना तथा दूसरों को साझी बनाकर पढ़ने के आनन्दों को बांटना असम्भव है। वह हमको राय देते हैं कि हम किसी को भी अपनी पुस्तकें उधारी न दें। हम सबको जीवन में इस सिद्धान्त का अनुकरण करना चाहिए अगर तुम अपनी पुस्तकें उधार देते हा तो उन्हें अपने पास रख सकते हो दोनों चीजें साथ साथ नहीं चल सकता है। अगर हम अपनी रोटी खाते हैं। तो हम इसे सुरक्षित नहीं रख सकते हैं। ऐसी ही स्थिति किताबों के सम्बन्ध में है।

(Key Question 4 Page 30 Para 2)

Meanings—Problem—tangle समस्या। complicated–difficult जटिल। shelf—अलमारी का खाना। pardoned-excused क्षमा किया जाता। vanity–pride गर्व। subsequent-आगामी–next edition-संस्करण। value it—महत्व प्रदान करना। arrive—come आना। publisher—प्रकाशक। presentation—gift उपहार। prepared to scatter five abroad—willing to give away five of the six copies of the book to different persons भिन्न २ व्यक्तियों को पुस्तक की पांच प्रतियां देने के लिये तैयार हूँ। purpose—उद्देश्य। instead of—बजाय। complacently–calmly शांति पूर्वक ढंग से। want–need आवश्यकता होना।

हिन्दी अनुवाद—लेखक के रूप में मेरी समस्या और भी अधिक जटिल है। मैं अपनी अलमारी के खाने में दूसरे लेखकों से लिखी हुई पुस्तकें ही नहीं बल्कि अपने द्वारा लिखित पुस्तकें भी रखता हूँ (अथवा रखने की कोशिश करता हूँ) किसी लेखक को क्षमा किया जा सकता है, यदि वह अपनी स्वयम् की पुस्तकें भी अपनी लाइब्रेरी में रखना चाहता है। यह केवल गर्व के कारण नहीं है। सम्भव है कि उसे इसके अगले संस्करण में कुछ और कार्य करना अर्थात लिखना हो या अपने प्रकाशकों के पास से पहिली प्रति के रूप में प्राप्त करके पुस्तक को काफी कीमती समझे। जब एक किताब प्रकाशित होती है तो कोई प्रकाशक उसको केवल छः प्रतियां भेंट स्वरूप देता है। जबकि उनमें से मैं पांच प्रतियाँ भिन्न २ व्यक्तियों को बाहर भेज देने के लिये तैयार रहता हूँ, तो छटी प्रति को मैं स्वतन्त्रता पूर्वक अपने पास रखने का विचार करता हूँ परन्तु यह भी कहां रहती

है ? जब मैं किसी भी उद्देश्य के लिये अपनी कोई पुस्तक देखना चाहता हूँ मैं इसे लाइब्रेरी से उधार मांगता हूँ। मेरी इच्छा है कि दूसरे व्यक्ति भी ऐसा ही करें और शान्त स्वभाव से यह न पूछे, 'लेखक को अपनी पुस्तकों की आवश्यकता क्यों होती है ?"

**Exp.**—While I..........books. (Page 30 Last lines)

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'A Bookish Topic', written by R. K. Narayan.

**Cont.**—The writer is sorry to see the nature of book-borrowers. They don't leave with the author even one copy of his book. A publisher gives only six copies of a book. When it comes for the first time.

**Exp.**—The author is willing to give away five or the copies of the book to different persons. He wishes to have at least one copy of his book with him. He may need it for some consultation or he may work further on it in the next edition. But he does n't have even that single copy of his own book. Whenever he needs his own book for any reference, he was to borrow it from the library. In the end the author advises the borrowers to go to the library and consult the books. They should n't borrow them from the author. Nor they should feel

"Why should an author want his own books ?" The author may need it for any purpose.

व्याख्या—लेखक इन छः पुस्तकों में से पांच तो भिन्न २ लोगों को देने के लिए तैयार रहता है। अपनी पुस्तक की कम से कम एक प्रति वह अपने पास रखने की इच्छा करता है। उसको किसी चीज को देखने के लिए इसकी जरूरत पड़ सकती है या वह अगले संस्करण में इसमें कुछ और लिखने की सोच सकता है। परन्तु उसके पास तो अपनी किताब की एक भी प्रति नहीं बचती है। जब किसी भी प्रसंग के लिये उसे अपनी किताब की आवश्यकता होती है तो उसे लाइब्रेरी से उधारी लेनी पड़ती है। अन्त में लेखक उधार मांगने वालों को सलाह देता है कि उन्हें लाइब्रेरी में जाकर पुस्तकों को पढ़ना चाहिए। उन्हें लेखक से पुस्तकें उधार नहीं लेनी चाहिए न ही उन्हें महसूस करना चाहिए कि—

"लेखक को अपनी पुस्तक की आवश्यकता क्यों होती है ?" लेखक को किसी भी वजह से इसकी आवश्यकता हो सकती है।

## Questions and Answers

**Key question 1**—Why are Narayan's blackest thoughts reserved for those who borrow his books ?

नारायण के उनके प्रति सब से अधिक कटु विचार क्यों हैं जो उसकी पुस्तक उधार मांगते हैं ?

**Ans.**—The author says that his blackest thoughts are reserved for those who borrow his books. Perhaps the writer has bad experience of lending the books. Book borrowers are very cunning and careless fellows. The author has a bad opinion about them. There are many reasons for this aversion. First of all, the borrower does not return the book, which was borrowed by the author sometimes-back. Again the borrower does not want even to continue his friendship with the author. He begins to take escape from the writer.

Besides it, the book-borrower thinks that he made a mistake in taking the book from Narayan. He has no time to read the daily news, how he can find time to go through this book. This habit of the borrower makes the author feel that it is always wrong to lend book.

For a few days the borrower keeps the books saying, 'I have not yet red it......". In such cases the owner feels shy in asking for his book. He simply says, "Oh ! yes, by all means keep it". In this way the borrower tells a lie every time, whenever the author meets him. This is why the writer has a very bad opinion about such persons.

**Key question 2**—How does the book pirate avoid returning the books he has borrowed ?

'किताब को ठग लेने वाला' किस प्रकार उधार ली हुई पुस्तक को लौटाने से बचता है ?

**Ans.**—The writer has accurately described the nature of book-borrowers. They do not want to give the book back to the owner, but avoid returning the books they have borrowed. Whenever the lender reminds the borrower that he had given a book at such times, the borrower replies in an unnatural manner. He is very careless. He says that he will have to search for the book. At this strange behaviour. the lender feels helpless. He realizes the unwanted behaviour of some-one on him. He thinks how selfish one can be in life.

At the next meeting the borrower replies that the book is n't with him. It must be with his brother in-law who had tak the book in his absence. Under such circumstances, you n't hope of getting the book back again: In this way the whe abouts of the book are not known. The book-borrower hi himself from view, whenever he sees the lender on the road beside his house. This shows that he does not want to retu the book, he had borrowed.

**Key question 3**—In what way can we share the delight good reading with others without losing our books ?

अपनी पुस्तकें खोए बिना हम पढ़ने के आनन्द में किस प्रकार से दूसरों भी साझीदार बना सकते हैं ?

**Ans.**—Please see the summary of the lesson for its answ

**Key question 4**—Why does Narayan find his problem an author, "a little more complicated ?"

लेखक के रूप में नारायण अपनी समस्या को 'कुछ अधिक जटिल' समझता है ?

**Ans.**-As an author, Narayan finds his problem a little complicated. He wishes to have at least one copy of his book but can't have the same. The reason is that the borr ers do not leave even the last copy of the book with the au

A publisher gives only six copies for presentation wh book comes out for the first time. He is willing to give a five of the six copies of the book to different persons. He wi to have the sixth copy with him, but he does not find it in shelf. The borrower takes away even this last copy. He, th fore, has to go to the library whenever he wants to consult book for any purpose.

The writer remarks that book-borrowers should go to library to consult the books. They should not disturb author. An author may need his books at any time.

# 5. Chamari

चमेरी

(By–Jim Corbett)

**Introduction to the author—**

Jim Corbett spent the most of his life in India. He was born in 1875 in Nainital. He was very much interested in the forest-life, no one knew more about the jungle and the animals than Jim Corbett. He spent all his spare time in the neighbouring jungles and over the hills. For many years, Corbett worked for the Indian Railway in the capacity of a contractor.

Towards the end of his life, Corbett went to Kenya where he died in 1955. He is a well known shikari. In his memory the U. P. Govt. established the Corbett National Park in the foot-hills of some very delight books i. e. The Man-Eaters of Kumaon'–The Man-Eating Leopard of Rudraprayag and My India.

**Introduction to the lesson—**

The present lesson has been taken from the author's book, 'My India'. In this book, Corbett pescribes the lives of simple, honest and hardworking people of this country. They are mostly poor. In the person of 'Chamari', we come across such a person. The writer has described him as a poor, honest and hard-working fellow who spent some of his money in feeding the poor. This is a true description of the man whom the author engaged as a labourer Mokameh Ghat.

**Main Points of the lesson**

1 The author engaged Chamari and his wife as labourer at Mokameh Ghat.

2 After two days work, Corbett appointed Chamari as a head-man of the coal gang.

3 Chamari was an intelligent and hard working man. The author increased his salary.

4 Besides his lowely position Chamari spent some of his money in feeding the poor.

5 Once, in summer Caolera broke out in Begal. Many persons became its victicm.

6 Chamari also had a severe attack of cholera. The author went to see him.

7 No effort could save the poor-fellow. One morning he passed from this world.

8 There was a large crowd of people at the time of Chamari's death. Among them a priest of the great Vishnu Temple at Kashi had come to take Chamari to the temple.

9 The head-priest of the temple wanted to have Chamri's darshan. This priest also touched his feet.

10 A large number of people were present at his funeral. He was respected and loved by all.

### Summary of the lesson in English

Chamari was a chamar by caste. He belonged to the lowest caste of India. One day he came to the author. His wife was also with him. The author gave them work of loading coal, they worked upto evening.

**Chamari's appointment as Head man of the coal gang—**

Chamari was an honest and hardworking fellow. He could read and write a little Hindi. The author was fully satisfied with his work, so he appointed him as a head man of the coal-gang. He was given the work of taking down in a book the number of coal wagons. Chamari did this work honestly and efficiently. He also felt proud of his new appointment.

**As an honest and hard working man—**

Chamari was an honest, intelligent and hard working man. In the gang he was the leader of many labourers, including Brahmins. Chattris and Thakurs also. Chamari never displeased anyone. So all the workers respected him too.

As a reward for his honest services, Chamari's salary was increased from fifteen rupees per month to forty rupees. He was held in great-respect by all sections of the community for the good money he was earning.

**Chamri's way of living**—Chamari did not spend his full salary on himself. He used to spend a part of it in feeding the hungry and the poor. Many poor people were welcomed at his door to share his food. He spent only fifteen rupees on his personal requirements. The rest of the money was spent in helping the poor people of that area. Chamari's wife did n't like this way of her husband. One day the author asked Chamari why he spent so much money in feeding the poor. Chamari replied that he was appointed on fifteen rupees a month and that amount was sufficient for his family. It is always better to help the poor in life.

**Chamari was striken with Cholera**—In summer after the war, Cholera broke out in Bengal. At first two women and a man became its victims. Chamari and the author uursed these patients. One night, Chamari's wife informed the author that Chamari had Cholera. The author atonce went to see his faithful employee. It was 2 a. m. Many people were sitting on the floor round Chamari's bed. The room was dark but Chamari recognised the writer in the light of the lantern. Now Chamari's condition was changed. His eyes had sunk deep into their sockets, and his voice was weak.

**Chamari's Death**—Chamari fought the disease like a hero. He never lost hope of his life. But his body was quite cold. His condition became very serious. Jim Corbett did whatever he could do to save the life of Chamari. The disease continued for forty eight hours. Corbett ordered the men to rule powdered ginger into the palms of Chamari. He placed a barzier under his bed But all proved useless. One night his pulse folded out and breathing became impossible for him. He remained in this condition from mid night to a little after 4 a. m. After some moments Chamari said to Corbett, "Maharaj, Maharaj ! Where are you ? Parmeshwar is calling me and I must go". He folded his hands aud bowed his head. He again said, "Parmeshwar, I come". With these words, Chamri breathed his last.

**Homage to Chamari**—About one hundred people were present at the time of Chamari's death. Among them was a priest of the great Vishnu Temple at Kashi. He had come to take Chamari to the temple because the head-priest wanted to have 'darshan' of this great but humble soul But Chamari was

dead, The priest also paid homage to Chamari. He touched the feet of this dead man. He felt that Chamari was a noble soul.

A large number of people were present at Chamari's funeral. People from all castes–high and low, rich and poor, Hindu and Mohammedan, untouchable and christian came to pay their last respects to this great soul.

Jim Corbett thinks that Chamari was a heathen (pagan). He was an untouchable too. He was a great soul. The author would like to meet such a death. Chamari was respected and loved by many even after his death.

## पाठ का सारांश

चमेरी जाति का चमार था। वह भारत की निम्नतम जाति से सम्बन्धित था, एक दिन वह लेखक के पास आया। उसकी पत्नी भी उसके साथ थी। लेखक ने उनको कोयला लादने का काम दे दिया। उन्होंने शाम तक कार्य किया।

कोयले की गैस कार्यकर्ताओं के जमादार के रूप में चमेरी की नियुक्ति—

चमेरी एक ईमानदार तथा परिश्रमी व्यक्ति था। वह कुछ हिन्दी पढ़ना लिखना भी जानता था। लेखक उसके काम से पूरी तरह सन्तुष्ट था, इसलिए उसने (लेखक ने) उसे कोयला में काम करने वाले मजदूरों के ऊपर जमादार नियुक्त कर दिया। उसको एक नोट बुक में कोयले की गाड़ियों का नम्बर लिखने का कार्य दिया गया। चमेरी ने इस कार्य को इमानदारी तथा योग्यता पूर्वक किया। उसको अपनी नियुक्ति के ऊपर भी गर्व था।

एक इमानदार तथा परिश्रमी व्यक्ति—चमेरी ईमानदार, होशियार तथा परिश्रमी व्यक्ति था। मजदूरों की टोली में ब्राह्मण, क्षत्री तथा ठाकुरों को मिलाकर वह बहुत से मजदूरों का सरदार था। चमेरी किसी को भी कभी नाराज नहीं करता था—इसलिए सभी कार्य कर्ता उसका सम्मान भी करते थे।

उसकी ईमानदारी पूर्वक सेवाओं के परिणाम स्वरूप, चमेरी का वेतन १५ रु० प्रतिमास से बढ़ाकर ४० रु० कर दिया गया। इस अच्छे धन के लिए, जो कि वह कमा रहा था, समाज के सभी वर्गों के लोग चमेरी का सम्मान भी करते थे।

चमेरी के रहने का ढंग–चमेरी अपने सम्पूर्ण धन को अपने ऊपर खर्च नहीं करता था। वह इसका कुछ भाग गरीबों तथा भूखों को भोजन खिलाने में व्यतीत करता था। उसके भोजन में साझीदार बनने के लिये बहुत से निर्धन व्यक्तियों का उसके द्वारा भी स्वागत किया जाता था। वह अपनी व्यक्तिगत आवश्यकताओं पर केवल १५ रु० खर्च करता था। शेष धन उस क्षेत्र के गरीब लोगों की मदद करने में खर्च किया जाता था। चमेरी की पत्नी अपने पति के इस तरीके को पसन्द नहीं करती थी। एक दिन लेखक ने चमेरी से पूछा कि वह गरीबों को भोजन खिलाने में इतना अधिक धन क्यों खर्च करता था चमेरी ने उत्तर दिया कि उसकी नियुक्ति केवल १५ रु० प्रतिमास पर हुई थी और यह धन तो उसके परिवार के लिये पर्याप्त था। जीवन में गरीबों की मदद करना सदा ही अच्छा रहता है।

चमेरी को हैजा हो गया था–युद्ध के बाद, गर्मियो के मौसम में बंगाल में हैजा फैल गया था। सर्वप्रथम दो स्त्रियां तथा एक पुरुष इसके शिकार हुए। चमेरी तथा लेखक ने इन मरीजों की सेवा की। एक रात्री को चमेरी की पत्नी ने लेखक को सूचित किया कि चमेरी को हैजा हो गया है। लेखक तुरन्त ही अपने वफादार कर्मचारी को देखने के लिये गया। यह रात्री में २ बजे का समय था। चमेरी की चारपाई के चारों ओर बहुत से आदमी खड़े हुए थे। कमरे में अन्धकार था परन्तु चमेरी ने लैन्टर्न की रोशनी में लेखक को पहिचान लिया। अब चमेरी की हालत बदली हुई थी। उसकी आंखें अन्दर को धस गई थी और उसकी वाणी भी क्षीण पड़ गई थी।

चमेरी की मृत्यु—चमेरी वीर व्यक्ति के समान बीमारी से लड़ता रहा। वह अपने जीवन से कभी भी निराश नहीं हुआ। परन्तु उसका शरीर काफी ठंडा हो गया था। चमेरी के जीवन को बचाने के लिये जिम कोर्बट (लेखक) ने वह सब प्रयत्न किए जो कुछ भी वह कर सकता था। बीमारी ४८ घन्टे तक चली। कोर्बट ने कुछ व्यक्तियों को आदेश दिया कि वे चमेरी की हथेलियों पर पिसे हुए अदरक की मालिश करें। उसने उसकी (चमेरी की) चारपाई के नीचे एक अंगीठी भी रक्खी (ताकि वातावरण गर्म रहें) परन्तु सब व्यर्थ रहा। एक रात्री को उसकी नब्ज धीमी पड़ गई और उसके लिए श्वांस लेना असम्भव हो

गया। वह इसी अवस्था में आधी रात से लगाकर सुबह ४ बजे के कुछ
तक पड़ा रहा। कुछ क्षण के पश्चात चमेरी ने लेखक से कहा, 'महाराज
महाराज, आप कहां है ? परमेश्वर मुझे बुला रहे हैं—और मुझे उनके
जाना ही चाहिए।" उसने अपने हाथ जोड़े और अपना मस्तक झुकाया।
फिर कहा, "परमेश्वर, मैं आता हूँ।" इन शब्दों के साथ उसने अपना अन्ति
श्वांस लिया।

चमेरी के प्रति अन्तिम-सम्मान—चमेरी की मृत्यु के समय लगभग एक
लोग उपस्थित थे। उनमें काशी के बड़े विष्णु मन्दिर का एक पुजारी भी था
वह चमेरी को मन्दिर में ले जाने के लिये आया था क्योंकि मन्दिर का प्र
पण्डित भी इस महान परन्तु विनम्र आत्मा के (चमेरी के) दर्शन करना चाह
था। परन्तु चमेरी तो मर गया था। पुजारी ने भी चमेरी के प्रति सम्म
प्रकट किया। उसने इस मृतक व्यक्ति के पैर छुए। उसने अनुभव किया
चमेरी तो महात्मा था।

चमेरी के अन्तिम संस्कार में बहुत अधिक संख्या में लोग उपस्थित हु
प्रत्येक जाति के मनुष्य उच्च तथा निम्न वर्ग के, अमीर तथा गरीब हिन्दू
मुसलमान, अछूत तथा ईसाई इस महान आत्मा को सम्मान प्रकट करने के लि
आए।

जिम कोवर्ट सोचते हैं कि चमेरी एक मूर्ति उपासक था और वह अछूत
था। उसकी आत्मा महान थी। लेखक भी ऐसी मृत्यु को प्राप्त करना पसं
करेगा। मृत्यु के पश्चात भी उसको बहुत अधिक लोग प्यार करते थे
सम्मान करते थे।

**Word-Meanings, Hindi Translation & Explanations.**

Key Question 3 Page 32 Para 1

Meanings—Implies—signifies, hints प्रकट करता है। lowest starta–the lowest social classes निम्नतम सामाजिक वर्ग। Million—a thousand thousands दस लाख। untouchables—अछूत। acompained with—together with साथ में। an angular person—a person with the shape of the bone showing under the skin ऐसा व्यक्ति जिसकी

की नीचे से हड्डियां चमक रही हैं। was stamped—bore marks of चिन्ह रखता था। sufferings—pains पीडाएं। applied to—आवेदन करना। undersized man—a man of short stature छोटे कद का व्यक्ति। physique—health स्वस्थ्य। sheds—one storeyed building for storing goods गोदाम। trans shipping coal—transferring of coal from one wagan to another एक गाड़ी से दूसरे डिब्बे में कोयला लादना। (Jim Corbett had a contract for providing labourers for carrying or loading coal and other kinds of goods from the Broad Gauge line to the Meter Gauge etc. It was at Mokameh Ghat where the big railway bridge was constructed over the River-Ganges) जिम कोवर्ट पर बड़ी लाईन से छोटी लाईन तक कोयला तथा समान ले जाने तथा लादने के लिए मजदूर आदि देने के लिए रेलवे विभाग की ओर से ठेका था। यह बंगाल में मोकहट घाट की बात है जहां पर कि गंगा नदी के ऊपर एक बड़ा पुल भी बनाया गया है)। provided with—gave दिया। the pair of them—the two i. e. husband and wife दो पति तथा पत्नी। shovels—फावड़े। basket—टोकरियां। iudustry—labour परिश्रम। strength—power शक्ति। finishing—completing पूर्ण करना। task—work कार्य।

हिन्दी अनुवाद—चमेरी, जैसा कि उसके नाम से प्रकट है—भारत के छः करोड़ अछूतों के निम्नतम वर्ग से सम्बन्धित था। उसके शरीर की हड्डियां उस खाल के नीचे से दिखाई देती थी और उसके चेहरे पर अनेक वर्षों से कष्ट सामना करने के चिन्ह प्रकट होते थे अर्थात देखने से प्रतीत होता था कि वह बहुत दिनों से कष्ट में था) अपनी पत्नी को साथ लिए हुए उसने मुझसे (लेखक से) कोई काम अर्थात नौकरी देने की प्रार्थना की। चमेरी एक कमजोर शरीर वाला छोटे कद का व्यक्ति था और क्योंकि गोदामों में कार्य करने के लिए उसका स्वास्थ्य अच्छा नहीं था—इसलिए मैंने उसे और उसकी पत्नी को एक [illegible]

दूसरे डिब्बे में कोयला लादने का कार्य दिया। मैंने उन दोनों को फावड़े औ टोकरियां दी और उन्होंने अपनी शक्ति से अधिक सहास तथा परिश्रम के सा कार्य आरम्भ कर दिया। शाम के समय उनका कार्य समाप्त कराने के लि मुझे दूसरे व्यक्तियों को लगाना पड़ा।

**Exp.**—Chamari............for work. (Page 31 Para I)

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'Cha mari', written by Jim Corbett. The lesson has been taken fro the writer's book 'My India.'

**Cont.**—In this lesson, the writer has given a true accou of a poor fellow with whom the author came in contact Mokameh Ghat in Bengal. In the life of Chamari, we co across the poor, honest, simple and hard-working soul of In Chamari impresses the readers most from the beginning to end.

**Exp.**--Chamari was a poor person who came to the aut in search of an employment. It appears from his name he was 'a Chamar' by caste and belonged to the lowest so class of India. In Jim Carbett's days, there were sixty milli untouchables, living in this country, 'Chamari' belonged this class.

Chamari had a weak body and his bones were clearly ble from under the skin of his body. It appeared from his f as though he were in great distress for the last many ye His face showed the sign of his poverty and misery. He c to the author with his wife and applied for some work as l ourers.

सन्दर्भ—यह पंक्तियां 'चमेरी' पाठ से ली गई हैं जिसके लेखक जिम क हैं। यह पाठ लेखक की पुस्तक, 'मेरा भारत' से लिया गया है।

प्रसंग—इस पाठ में लेखक ने एक गरीब व्यक्ति का सच्चा चित्रण किय जो कि लेखक के सम्पर्क मोकामस घाट पर आया था। चमेरी के जीवन में भारत के निर्धन, ईमानदार, सरल तथा परिश्रमी व्यक्ति की आत्मा के दर्शन हैं। चमेरी आरम्भ से अन्त तक पाठकों को वहुत अधिक प्रभावित करता है

व्याख्या—चमेरी एक गरीव व्यक्ति था जो कि नौकरी की तलाश में ले के पास आया था। उसके नाम से यह प्रकट होता है कि वह जाति का

था और भारत की निम्नतम श्रेणी के लोगों से सम्बन्धित था। जिम कोबंट के समय में इस देश में छः लाख अछूत रह रहे थे। 'चमेरी' इस वर्ग से सम्बन्धित था।

चमेरी का शरीर कमजोर था और उसके शरीर की खाल के नीचे से उसकी हड्डियां स्पष्ट रूप से दिखाई देती थी। उसके चेहरे से यह प्रकट होता था कि मानों वह पिछले अनेक वर्षो से महान संकट में हो। उसके चेहरे से उसकी निर्धनता तथा दुख के चिन्ह प्रकट होते थे। वह लेखक के पास अपनी पत्नी सहित आया था और मजदूर के रूप में कुछ काम करने के लिए आवेदन पत्र दिया।

## Key Question 2 Page 32-33 Para 2.

Meanings—Laboured—worked hard काम किया। valiantly—bravely वीरता पूर्वक। ineffectively–inefficiently or having no good result निष्फलता से। blistered hands--hands which had small swellings caused by rough work छाले पड़े हुये हाथ। rags—pieces of torn clothes चीथड़े। to be alloted—to be given दिया जाय। is structed—directed निर्देश दिया। store—गोदाम। previously–before पहले। discharged–dismissed from service नौकरी से हटाना, head man—जमादार। coal gang—कोयला में काम करने वाले मजदूरों की टोली। for his inability–because he was unable क्योंकि वह अयोग्य था। keep sober–keep serious, not drunk मदिरा न पिए हुये, शान्त रखना। evident—clear स्पष्ट। to make a living—to earn money for living रहने के लिये धन कमाना, job—work कार्य। trial—the process of testing जांच।

हिन्दी अनुवाद—दो दिन तक चमेरी तथा उसकी पत्नी ने वीरता पूर्वक परिश्रम किया परन्तु निष्फल रहा। तीसरे दिन प्रातः काल को भी, जबकि उन के छाले पड़े हुए हाथों पर चिथड़े बन्धे हुए थे, वे अपने लिए कुछ काम दिए जाने की प्रतीक्षा कर रहे थे। (अर्थात् अपनी कमजोरी के कारण वे दो दिन

तक परिश्रम करने के बाद भी काय को पूरा नहीं कर पाए और उनके हाथों छाले पड़ गए थे फिर भी वे कुछ काम चाहते थे)। मैंने चमेरी से पूछा कि वह लिखना पढ़ना जानता था। जब उसने कहा कि वह थोड़ो हिन्दी जानता था, तो मैंने आज्ञा दी कि वह फावड़ों और टोकरियों को गोदाम में लौटा तथा कुछ आज्ञा लेने के लिए दफ्तर में हाज़िर हो। कुछ दिन पहले ही कोयला काय कर्ताओं की टोली के जमादार को नौकरी से अलग कर दिया क्योंकि वह विना शराब पिए नहीं रह सकता था, केवल यही एक व्यक्ति था को कभी मैंने नौकरी से निकाला होगा और क्योंकि यह बिल्कुल स्पष्ट था कि तो चमेरी और न उसकी पत्नी उस काम को करके, जिस पर वे लगे हुए अपने जीवन निर्वाह के लिए धन नहीं कमा सकते थे, इसलिए मैंने जमादार रूप में परीक्षण के तौर पर चमेरी को कार्य देने का निश्चय किया।

## Page 33 Para 2

Meanings—Summoned—called बुलाया गया । to be sacked–to be discharged नौकरी से अलग कर देने के लिए। relieved—felt at ease आराम का अनुभव किया। handed–gave in his hand उसके हाथ में दी। account-book—the book containing all accounts हिसाब की किताब। to take down—to write लिखना। rake of......wagons–row of railway wagons मालगाड़ी के डब्बे की कतार । unloaded—उतारा जा रहा था। engaged–busied in work काम में लगे हुए थे। wagon—डिब्बा, information—news सूचना । neatly—legibly साफ साफ। entered in the book—written in the book पुस्तक में लिखी हुई। verified—checked जांच की। entries—writings लेख। appointed—नियुक्त किया। numbering–having in number संख्या में। explain—edtold बताई । indetail—विस्तार पूर्वक। humble–gentle विनम्र। had laboured under–had been handicapped to बाधायें, रुकावट रखता था। disqualification-अयोग्यताएं। lowly birth—being born in a low commu-

nity निम्न जाति में उत्पन्न। tucked under–held safely under सुरक्षित रखे हुए। arms—भुजायें। his head in the air—his head was high. He left proud and happy गर्व और प्रसन्नता के कारण उसका सर ऊंचा उठा।

हिन्दी अनुवाद—चमेरी ने सोचा कि उसे नौकरी से निकाल दिए जाने के लिये यह दफ्तर में बुलाया गया होगा। परन्तु उसने बहुत ही अधिक आराम तथा गर्व का अनुभव किया जब मैंने उसको एक हिसाब रखने की नई पुस्तक तथा पेन्सिल दी और उससे बडी लाईन पर खड़े होने वाले माल डिब्बे का नम्बर नोट करने के लिये कहा जिनसे कि कोयला उतारा जा रहा था। इसके साथ ही उन स्त्री-पुरुषों के नाम भी लिखने थे जो कि प्रत्येक डिब्बे पर लगे हुए थे। आधा घण्टे के पश्चात वह सूचना लिये हुए आया जो कि मैंने मांगी थी। उसने सफाई से पुस्तक में लिख रखा था। जब मैंने इन लेखों की सत्यता को पूरी तरह से जांच कर ली, तो मैंने किताब चमेरी को वापिस कर दी और उसे बताया कि मैंने उसे कोयला-मजदूरों को टोली का जमादार नियुक्त कर किया है। उस समय वहां स्त्री-पुरुषों की संख्या (मजदूरों की) लगभग २०० थी। और उसके काम विस्तार पूर्वक उसे समझा दिया। वह मामूली व्यक्ति जो केवल एक घण्टे पूर्व ही अपने निम्नतम जन्म के कारण अनेक अयोग्यता पूर्ण परिस्थियों में सख्त परिश्रम कर रहा था, अब किताब को बगल में दबाए हुये, पेन्सिल को कान के पीछे रक्खे हुए मेरे दफ्तर से बाहर निकला। जीवन में पहिली बार गर्व तथा प्रसन्नता से उसका सिर ऊंचा हो पाया था।

**Exp.**—A humble man......in the air. **(V. Imp.)**

(Page 33, Para 2)

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, Chamari' written by Jim Corbett.

**Cont.**—Chamari was a poor fellow in the service of Jim Corbett. He worked as a labourer for carrying coal from one wagon to another. But he could not satisfy the author because he was very weak. The author appointed him as a head-man of the Coal gang.

**Exp.**—At his new appointment as head-man of the Coal-

gang, Chamari felt very proud and happy in life. He ne[ver]
expected to get a job like that. He belonged to the lowest ca[ste]
of India. He, therefore, had to work under many limitati[ons]
which were done to his lowly birth. Unfortunately no one co[uld]
realize the honesty & simplicity of this humble but great ma[n].

Jim Corbett recognised his genius and appointed him
head man of the Coal-gang. Chamari was given a new accou[nt]
book and a pencil. He put the book under his arms and [the]
pencil behind his ear. With a feeling of pride and happiness, [he]
came out of the author's office. Now Chamari felt very pro[ud]
and happy over his new appointment. It was the first occas[ion]
in the life of that poor man to get such a position.

व्याख्या—कोयला मजदूरों की टोली के जमादार के रूप में अपनी
नियुक्ती पर चमेरी ने अपने जीवन में गर्व तथा प्रसन्नता का अनुभव किया।
इस प्रकार के कार्य मिलने की कभी भी कोई आशा नहीं थी। वह भार[त]
निम्नतम जात से सम्बन्धित था। इसलिए भी उसे बहुत सी सीमाओं के [अ]
गंत कार्य करना पड़ता था जो कि उसके निम्न परिवार में जन्म के कारण [थे]
दुर्भाग्य से इस विनम्र परन्तु महान व्यक्ति की ईमानदारी तथा सरलता को [कोई]
नहीं जान सका।

जिम कोवर्ट ने उसकी योग्यता को पहिचाना और उसे कोयला मजदूरों [की]
टोली का मेट (जमादार) बनाया। चमेरी को एक हिसाब की नई पुस्तक [और]
एक पेन्सिल दी गई। उसने किताब को अपने बगल में तथा पेन्सिल को [अपने]
कान के पीछे रख ली। गर्व तथा प्रसन्नता के भाव सहित वह लेखक के [दफ्तर]
से बाहर आया। अब चमेरी ने अपनी नियुक्ति पर अत्यन्त गर्व तथा प्रस[न्नता]
का अनुभव किया। इस प्रकार की स्थिति को प्राप्त करने का उस गरीब आ[दमी]
के जीवन में यह पहिला अवसर था।

## Key Question 3 Page 34 Para 1

Meanings—Conscientius—scrupulous शुद्ध आत्मा [वा]
employ—to keep in service नौकरी देना। commanded[—]
had control over नियन्त्रण में रखता था। including—comp[ri]
sing सम्मिलित। offend—displease नाराज करना। render[—]

—giving in return देना । theirs by birth-right—that which belonged to them because of their birth जो उनका जन्म सिद्ध अधिकार था । never once was his authority questioned—no one ever challanged his right to exercise power over them किसी ने भी अपने ऊपर उसके शासन (अधिकार) को चुनौती नहीं दी थी । responsible—उत्तरदायी । individual-separate अलग अलग । the correctness...disputed—Chamari had always clear-cut account. No body could complain against him चमेरी हमेशा ही बहुत साफ हिसाब रखता था और कोई भी उसके खिलाफ शिकायत नहीं करता था ।

हिन्दी अनुवाद—चमेरी सबसे अधिक पुण्यात्मा तथा परिश्रमी व्यक्ति में से एक था जिनको कि मैंने अभी तक काम पर रक्खा था । जो टोली उसके नियन्त्रण में थी, उसमें ब्राह्मण, क्षत्री, ठाकुर सहित सभी वर्गों के स्त्री पुरुष थे और वह इन उच्च जातियों की स्त्रियों, मनुष्य के प्रति उनके जन्म सिद्ध अधिकार के विरुद्ध (जन्म से अधिक सम्मान उच्च जातियों का होता है) कम सम्मान प्रकट करके किसी को कभी भी नाराज नहीं करता था और कभी भी उसके अधिकार को चुनौती नहीं दी गई थी । अपने आधीन कार्य करने वालों का अलग २ से हिसाब रखने के लिए वह उत्तरदायी था और उन बीस वर्षों में, जिनमें उसने मेरा कार्य किया है, उसके हिसाब की सत्यता के विषय में कोई गड़बड़ नहीं थी ।

## Page 34–35 para 2

Meanings—Salary—pay वेतन । gradually—progressively क्रमशः । increased—बढ़ा दी । majority—large number अधिक संख्या । all sections of the community—people of all castes, classes and places in life जीवन में सभी जातियों तथा वर्गों के लोग । wages–काम की मजदूरी । unobtrusive use–quite use ठीक प्रयोग, बिना दिखावे का प्रयोग । business—work कार्य । succour–help given at the time of need

काम के समय दी गई सहायता। to share–to take part भाग prohibit—forbid आज्ञा न देना। material—things keeping open house–being ready to entertain g at all times प्रत्येक समय पर महमानों का स्वागत करने के लिए रहना। invariably—definitely निश्चित रूप से। engag employed काम में लगाया था। personal—व्यक्तिगत। requ ments—needs आवश्यकताएं। extravagant—wastefu expenses फिजूल खर्ची। nagging—finding fault with निकालना। feeding the poor—giving food to the गरीबों को भोजन खिलाना। clinch–end समाप्त करना। argu —discussion वाद विवाद। addressed—called पुकारता Coal-dust—कोयले की धूल।

हिन्दी अनुवाद—आरम्भ में मैंने १५ रु० प्रतिमास के वेतन पर कार्य दिया और क्रमशः ४० रु० तक इसकी वृद्धि कर दी, जो उस अधिक था जिसको कि रेलवे विभाग के द्वारा रक्खे जाने वाले दूसरे प्राप्त कर रहे थे। समाज के सभी वर्ग के लोग चमेरी का सम्मान करते कि वह अच्छा वेतन पा रहा था। परन्तु इससे भी अधिक सम्मान इसलि था कि वह इस धन का ठीक प्रकार से प्रयोग करता था। भूख की से परिचित होने के कारण उसका यह उद्देश्य बन गया था कि वे लोग, वह आवश्यकता के समय सहायता कर सकता था, इतना कष्ट न उठावे कि वह उठा चुका था। उसकी अपनी निम्न जाति के लोग, जो उसके के सामने से गुजरते थे, उसके भोजन में साझीदार बन जाते थे और जाति उनको उसकी (चमेरी की) पत्नी द्वारा पकाए हुए भोजन को खा इजाजत नहीं देती थी, उन लोगों को भोजन बनाने का सामान दे दिया ताकि वह अपने लिए स्वयं भोजन बना सकें। जब उसकी पत्नी के प्रार्थना पर मैं उसकी महमान नवाजी के विषय में बातचीत करता था तो निश्चि से उसका उत्तर यह था कि उसे और उसके परिवार के लिए व्यक्तिगत कताओं को पूर्ण करने के लिए १५ रु० पर्याप्त है जिस पर कि मैंने उसे

आरम्भ में लगाया था और उसकी पत्नी को इससे अधिक धन खर्च करने आज्ञा देने से सिर्फ उसे फिजूल खर्ची बना देना ही होगा जब मैं पूछता था वह किस प्रकार फजूल खर्च करती थी तो वह कहता था कि वह (उसकी ी) सदा ही उसमें उसके (चमेरी के) कपड़ों के विषय में दोष ढूंढती रहती और उसको कहती रहती थी कि उसे उन व्यक्तियों की अपेक्षा अधिक अच्छे पहिनने चाहिए, जो कि उसके आधीन कार्य कर रहे थे। जबकि उसका ार था कि कपड़ों पर खर्च किए हुए धन का और अधिक अच्छा उपभोग बों को भोजन खिलाने में किया जा सकता था। तब वाद विवाद को समाप्त के लिए वह कहता था, "अपने आपको देखिए, महाराज" तउसने मुझे पहले से ही इस प्रकार पुकारा था—और अन्त समय तक मुझे इसी प्रकार रता रहा—"आप इस सूट को वर्षों से पहिन रहे हैं, और यदि आप ऐसा सकते हैं, तो मैं क्यों न ऐसा ही करूं" ? वास्तव में मेरे सूट के विषय में गलती पर था—क्योंकि मेरे पास एक जैसे कपडे के दो सूट थे, जब एक को ले को धूल साफ करने के लिए धोया जाता था तो दूसरे को प्रयोग में लाया ता था।

**Exp.**–Having known hunger......their own food. **(V. Imp.)**

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'Chamari', written by Jim Corbett.

**Cont.**—Chamari was respected by all sections of the community for his economical way of living- He did not spend money lavishly. He knew the right use of his money.

**Exp.**—Chamari had been a great sufferer in his life and knew well the value of money. Before getting employment. he had experienced the needs of the hungry and poor. He, therefore, made it his life's objects that he would spend some part of his income in feeding the poor. He wanted that these, whom he could help, might not suffer as much as he himself had suffered in his poor days. That is why he always shared his food with those who needed it most. Sometimes he gave many things to those poor men, belonging to other superior castes. who could not eat the food prepared by his wife. With these things, these people could prepare their own food.

**Note**--These lines show the generous nature of those have n't much in life. They can feel the sufferings of the better than anyone else, because they had themselves su untold miseries in life.

व्याख्या—चमेरी ने जीवन में महान कष्ट सहन किए थे और वह क कीमत को अच्छी तरह जानता था। नौकरी मिलने से पहले, उसने भूखों गरीबों की आवश्यकताओं का अनुभव किया था। इसलिए उसने का यह उद्देश्य बनाया था कि वह अपनी आय का कुछ भाग गरीबों को खिलाने में खर्च करेगा। वह चाहता था कि वे, "जिनकी वह सहायता कर था, इतना अधिक कष्ट सहन न करे जितना के उसने अपनी गरीबी के स्वयं सहन किया था। यही कारण है कि वह उनके साथ मिलकर खा जिनको कि भोजन की अधिक आवश्यकता थी। कभी २ वह उन निर्धन को बहुत सी वस्तुएं देता था जो कि दूसरी उच्च जाति के थे और पत्नी के द्वारा तैयार किए हुये भोजन को नहीं खा सकते थे। इन चीं लोग अपना भोजन स्वयं बना सकते थे।

नोट—ये पंक्तियां उनके उदार स्वभाव को प्रदर्शित करती हैं जिन जीवन में अधिक धन नहीं होता है। वे किसी दूसरों की अपेक्षा गरीबों को अच्छी प्रकार से अनुभव कर सकते हैं। क्योंकि वे स्वयं ही जीवन मुसीबतें सहन कर चुके होते हैं।

**Exp.**—When I asked......feeding the poor. **Imp.** P

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson mari', written by Jim Corbett.

**Cont**—Chamari's heart was full from the milk of kindness. He always wanted to help the poor and needy

**Exp.**—The author asked Chamari why he was so ge in life. How could his wife become extravagant? Ch replied that she always complained of so many things wanted that her husband should be better dressed th man who were working under him. But Chamari's views quite different from those of his wife. He believed th much expenditure on clothes was wasteful. He wished to a part of his income in feeding the poor. Service to the is service to God.

व्याख्या—लेखक ने चमेरी से पूछा कि वह जीवन में इतना अधिक उदार क्यों था ? उसकी पत्नी फिजूल खर्च किस प्रकार करती थी ? चमेरी ने उत्तर दिया कि वह सदा ही बहुत सी चीजों की शिकायत करती थी। वह चाहती थी कि उसका पति उन व्यक्तियों की अपेक्षा अधिक अच्छे कपड़े पहिने जो उसके आधीन कार्य करते थे। परन्तु चमेरी के विचार अपनी पत्नी से बिल्कुल भिन्न थे। वह विश्वास करता था कि कपड़ों पर बहुत अधिक खर्च करना बेकार है। वह अपनी आय का कुछ भाग गरीबों को भोजन कराने में खर्च करना चाहता था। गरीबों को सेवा ही ईश्वर सेवा है।

## Key Question 4 Page 35-36 Para 1

Meanings—Mokameh Ghat—here is a railway junction on the right bank of the Ganga. It is in Bengal यहाँ पर गंगा नदी के दाएं किनारे पर रेलवे जङ्कशन है यह बंगाल में है। when Kaiser wilhelm started his war—when the first world war began. Kaiser Wilhelm was the Emperor of Germany at that time जब प्रथम विश्व युद्ध आरम्भ हुआ केसर विलहेलम जर्मनी के सम्राट थे। cholera—हैजा। stricken down–died and afflicted by disease रोग ग्रस्त होकर ..रना। sufferers—patients रोगी। instilling–filling भरना। confidence—belief विश्वास। sheer will power–complete control exercised over oneself किसी के ऊपर पूर्ण नियन्त्रण। bring through—cure, to make well ठीक करना। there after—after that इसके बाद। moving—going जाते हुए। veranda–बराम्दा। hastily—quickly शीघ्रता से। donned—put on पहने। lit–lighted जलाई। set off—started चल दिया। armed with a stick–taking a stick एक लाठी लेकर। was infested with–had a large number of काफी मात्रा में थे। poisonous —full of poison विषले।

हिन्दी अनुवाद—मुझे मोकामह घाट पर १६ वर्ष हो गए थे जब क जर्मनी में केसर विलहेलम ने अपना युद्ध आरम्भ किया। युद्ध के पश्चात गर्मियों में बंगाल में हैजा फैल गया। ऐसे समय में कोयला गैंग के दो स्त्रियाँ तथा एक पुरुष इस बिमारी से पीड़त हुए और मर गए। चमेरी और मैं बारी-बारी से रोगियों की सेवा करते थे और उनमें विश्वास भर कर केवल इच्छा शक्ति से ही उन्हें ठीक किया। उसके कुछ समय पश्चात मैंने एक रात्रि को अपने बरामदे में किसी को चलते हुए सुना और मेरे पूछने पर कि वह कौन है, अन्धेरे के अन्दर ही एक आवाज आई, "मैं चमेरी की पत्नी हूँ—मैं आपको यह बताने आई हूँ कि उसको हैजा हो गया है। स्त्री को प्रतीक्षा करने के लिए कहकर मैंने जल्दी से कुछ कपड़े पहिने-लालटेन जलाई और एक लाठी लेकर उसके साथ चल दिया क्योंकि मौकामह घ ट पर बहुत अधिक संख्या में जहरीले सांप भी थे।

## Page 36-37 Para 3

Meanings—Loath—hate घृणा करना। dread—fear डर लगना। frightened—afraid डरे हुए। infections—छूत से फैलना। fatalists–we believe that things happen according to fate हम विश्वास करते हैं कि घटनायें भाग्य के अनुसार घटित होती है। squatting—पलोथी मार कर बैठना। string bed—तुलसी की बुनी हुई चारपाई, recognised–पहिचान लया। forgive–excuse क्षमा करना। appearently—seemingly प्रत्यक्ष रूप से। shocked—very sad दुखित। appearance—form रूप। lightly built–having a lean and thin body दुबले-पतले शरीर वाला। sunk deep—gone deep in अन्दर को घुस गई। sockets–holes गड्ढे। whisper—a low soft voice काना फूसी।

हिन्दी अनुवाद—हम भारत में हैजे से घृणा करते हैं तथा डरते हैं पर हम छूत से नहीं डरते हैं सम्भवतः ऐसा इसलिए है कि हम भाग्यवादी हैं। इसलिए मुझे यह देखकर आश्चर्य नहीं हुआ कि चमेरी की सुतली की चारपाई के चारों तरफ बहुत से व्यक्ति पलोथी मारे हुए बैठे थे। कमरे में अन्धेरा था परन्तु लेन्टन की रोशनी में, जो कि मैं लिए हुये था, पहिचान लिया और कहा, 'आप को इस

समय बुलाने के लिए– औरत को क्षमा कर दीजिये'—यह दो बजे का समय था मैंने उसे आज्ञा दी थी कि वह आपको सुबह तक परेशान न करें परन्तु उसने मेरी बात नहीं मानी। चमेरी दस घन्टे पहिले मेरे पास से खूब अच्छे स्वस्थ्य में गया था पर मुझे उसके रूप में परिवर्तन को देखकर आश्चर्य हुआ, जो कि कुछ ही घन्टों में उसमें हो गया था। वह सदैव ही दुबला-पतला व्यक्ति था, वह आकार में सिकुड़ कर आधा प्रतीत हो रहा था, उसकी आंखें अपने गड्ढों में वहुत गहरी अन्दर की ओर घुस गई थी और उसकी वीणा क्षीण हो गई थी यह तो फुसाहट से जरा सी तेज़ थी।

**Explanation**—Chamari had......a whisper. **(Imp.)**
Page 36-37

**Ref.**–These lines are an extract from the lesson, 'Chamari', written by Jim Corbett.

**Cont.**—Unfortunately Chamari had a serious attack of Cholera The author went to see him at 2 a. m. He was sorry to see his changed condition.

**Exp.**—Chamari was hale and healthy during the day. He was in good health only ten hours before. Within this short period his condition was much changed. It made the author very sorry. Chamari was a lean and thin man. But now there was a great change in his form. He appeared to have struck to half of his size. His eyes had sunk deep into their sockets. He could not speak loudly. His voice failed. All this shows the deteriorating condition of the patient of Cholera.

व्याख्या—दिन के समय चमेरी पूरी तरह से स्वस्थ था। केवल दस घन्टे पूर्व उसका स्वास्थ्य बहुत अच्छा था। इस थोड़े से समय में ही उसकी अवस्था में काफी परिवर्तन आ गया था। इससे लेखक को बड़ा दुख हुआ। चमेरी एक दुबला पतला व्यक्ति था परन्तु अब उसके रूप में भारी परिवर्तन आ गया था। वह अपने आकार से आधा दिखाई दे रहा था। उसकी आंखें अन्दर की ओर अपने गड्ढों में गहरी घुस गई थी। वह जोर से नहीं बोल सकता था। उसकी वाणी क्षीण हो गई। यह सब हैजा के मरीज की क्षीण होती हुई दशा को प्रदर्शित करते हैं।

## Key Question 5 Page 37-38

Meanings—Panicking—excessive terror आतंक undoubted faith—firm belief पक्का विश्वास। remedies-cure for diseases औषधियां। command—आज्ञा order। heroically—bravely वीरता पूर्वक। foul—dirty गन्दी। combat—quarrel लड़ना। sustain–maintain बनाए रखना।। a brazier with hot embers–an 'angethi' with burning coal जलते हुये कोयल की एक अंगीठी। rub—massage मलना। powdered—पिसा हुआ। ginger—अदरक। palms—हथेलिये। soles of his feet—उसके पैरों के तलुवे। lasted–continued निरन्तर जारी रहा। desperately contested–fought hard मुश्किल से (निराश पूर्वक) लड़ता रहा। gallant–brave वीर। into coma—a deep state of unconsciousness अत्यधिक बेहोशी की हालत में। pulse–नब्ज। fading–weakening कमजोर पड़ रही थी। hardly perceptible—very difficult to see देखने में कठिनाई होना। rally–recover पुनः ठीक होना। hushed—calm शान्त। watch—देखभाल करना। perfectly—completely पूर्ण रूप से। natural—स्वाभाविक। head of the bed—चारपाई का सिरहाना। leant—bent झुका।

हिन्दी अनुवाद—चमेरी और मैंने हैजे के बहुत से मरीजों (रोगियों) की साथ साथ देख भाल की थी और उसके भय के खतरे (इस बीमारी से उत्पन्न) और मेरी साधारण औषधियों में दृढ़ विश्वास रखने की आवश्यकता को (हम दोनों से) अधिक अच्छी तरह कोई भी नहीं जानता था। वह इस गन्दी बीमारी से वीरता पूर्वक लड़ा और उसने कभी भी आशा नहीं छोड़ी और प्रत्येक चीज लेता रहा जो कि मैंने उसे हैजा से लड़ने तथा उसका स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए उसे दी थी। यद्यपि यह गर्म मौसम था, पर ठंडा हो गया और उसके शरीर में गर्मी पहुंचाने के लिये केवल एक ही उपाय मेरे पास था कि मैं उसकी चारपाई के नीचे जलते हुए कोयले की अंगीठी रख दूं तथा सहायता करने वालों

को प्राप्त करके उसके पैरों के तलुवों तथा हाथों की हथेलियों पर पिसे हुये अदरक की मालिश कर दी जाय। ४८ घण्टे तक (बिमारी के विरुद्ध) युद्ध जारी रहा प्रत्येक क्षण पर मृत्यु से भयानक निराशा जनक लड़ाई लड़ी जा रही थी और तब यह छोटा सा वीर व्यक्ति गम्भीर वेहोशी की हालत में पड़ गया, उसकी नब्ज धीमी पड़ गई और उसका श्वास लेना भी मुश्किल से दिखाई देता था। आधी रात्री से लगाकर ४ वजे के थोड़ा वाद तक वह इस अवस्था में पड़ा रहा और मैं जान गया कि मेरे मित्र को फिर से कभी भी आराम नहीं होगा। शांत व्यक्ति, जो कि इतनी देर से मेरे साथ उसकी देख भाल कर रहे थे, भूमि पर बैठे हुए थे या चारों तरफ खड़े हुए थे जबकि चमेरी अचानक वैठ गया और एक अत्यन्त आवश्यक एवम् पूर्णतयाः स्वाभाविक आवाज में कहा, "महाराज, महाराज। आप कहां हैं।" मैं चारपाई के सिरहाने खड़ा हुआ था और जब मैं आगे की ओर झुका तथा अपना हाथ उसके कन्धे पर रक्खा तो उसने इसे (लेखक के हाथ को) अपने दोनों हाथों में पकड़ लिया और कहा, "महाराज, परमेश्वर मुझे बुला रहे हैं, और मुझे जाना चाहिए।" तब अपने हाथ जोड़कर तथा अपना मस्तक झुका कर उसने कहा, "परमेश्वर, मैं आता हूं।" वह मर गया था जब मैंने उसे चारपाई पर पुनः लिटाया था।

**Exp.**—For forty eight............hardly perceptible.

**(Most Impt.)** Page 37

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'Chamari', written by Jim Corbett.

**Cont.**—Chamari had a severe attack of Cholera. There was n't any hope of his life. He was in a desperate condition and was fighting a losing battle against the disease.

**Exp.**—Chamari was seriously ill. He had been suffering from Cholera for the last forty-eight hours. During this period he faced death many a times. Every minute was terrible for him. He was fighting a losing battle. The meaning is this that there was n't the least hope of his life. Soon after Chamari fell into a state of coma. Now his pulse became weak. It disappeared very oftenand breathing became impossible for him. Now Death was fast approaching to this brave man.

व्याख्या—चमेरी गम्भीर रूप से बीमार था। वह पिछले ४८ घण्टों
से पीड़ित था। इस समय में उसने कितनी ही बार मृत्यु का सामना
प्रत्येक मिनट उसके लिए भयानक थीं। वह एक हार जाने वाला युद्ध ल
था। अर्थ यह है कि उसके जीवन की तनिक भी आशा नहीं थी। शीघ्र
गम्भीर बेहोशी की अवस्था में पड़ गया। अब उसकी नब्ज कमजोर हो
प्राय: गायब हो गयी और उसको श्वांस लेना असम्भव हो गया। अब इ
पुरुष के पास मृत्यु तेजी से आ रही थी।

## Key Question 6 Page 38 Para 2

Meanings—Stranger—अजनबी। sandle wood-
caste marks—तिलक। for head—मस्तक। wasted f
weak body कमजोर शरीर। priest—clergyman पुरो
deeds–work कार्य। slipped off–उतार दिए। sandals–
approached—पहुंचा। bundle—a collection of t
fastened together पोटली। made obeisance–mad
deep bow of respect and homage अत्यधिक सम्मान तथा
प्रकट करने के लिए झुका।

हिन्दी अनुवाद—सम्भवत: सभी जातियों के लगभग सौ व्यक्ति उप
और उन्होंने चमेरी के अन्तिम शब्द सुने और उनमें एक अजनबी था।
मस्तक पर चन्दन का तिलक लगा हुआ था। जब मैंने कमजोर शरी
(चमेरी को) चारपाई पर लिटाया था तो अजनबी ने पूछा था कि मृतक
कौन था और यह बताने पर कि वह चमेरी था, उसने कहा, "मैंने वह पा
है जिसकी बहुत समय से मैं खोज करता हूँ। मैं काशी के बड़े विष्णु मन्दि
पुजारी हूँ। मेरे स्वामी—प्रधान पुरोहित ने, इस आदमी के अच्छे का
विषय में सुनकर, मुझे उसकी तलाश करने तथा मन्दिर में लिवा लाने के
भेजा हैं ताकि वह उसके (चमेरी के) दर्शन कर सके और अब मैं अपने
के पास वापिस जाऊंगा और उन्हें बताऊंगा कि चमेरी मर गया है
उनके सामने (प्रधान पुरोहित के) वे शब्द भी दोहराऊंगा जिनको

मेरी को कहते हुए सुना है। तब पोटली को, जो कि वह ले रहा था, जमीन पर रखकर तथा अपनी खड़ाऊ उतार कर–ब्राह्मण-पुजारी चारपाई के पायताने (चारपाई की पैंद–निचला भाग) कि ओर गया तथा उस मृतक अछूत के प्रति झुक कर सम्मान प्रकट किया।

## Page 39 Para 2-3

Meanings—Funeral—the bnrial अन्त्येष्टि क्रिया। sections—classes वर्ग। turned out—assembled एकत्रित हुए। weighed down with—troubled by परेशान था। disqualification—disabilities असमर्थताएं। heathen—pagon or a person regarded as unenlightened मूर्ति पूजक। belief—faith विश्वास, धर्म। if I am privileged......has gone-If I am fortunate enough to go to heaven यदि मुझे स्वर्ग में जाने का सौभाग्य प्राप्त हो। content—satisfaction सन्तोष।

हिन्दी अनुवाद—मौकामह घाट पर चमेरी की अन्त्येष्टि क्रिया के समान फिर कभी भी नहीं होगी। क्योंकि समाज के सभी वर्गों के मनुष्य ऊंचे नीचे, अमीर तथा गरीब, हन्दू मुसलमान, अछूत तथा इसाई ऐसे व्यक्ति के लिए अपना अन्तिम सम्मान प्रकट करने के लिए एकत्रित हुये, जो मित्र हीन तथा अनेक असमर्थताओं (परिस्थितीयों) से परेशान होकर वहां आया था और जो सब से सम्मानित तथा अनेक व्यक्तियों का प्रेम पात्र होकर इस संसार में गया। हमारे क्रिशचयन धर्म के अनुसार चमेरी मूर्ति उपासक तथा भारत के अछूतों में सबसे नीचा था परन्तु यदि मुझे उस स्थान पर अर्थात स्वर्ग में जाने का सौभाग्य प्राप्त हो, जहां पर कि वह गया है, तो मैं सन्तोष प्रकट करूंगा। 7

**Exp.**—Chamari..........content. **(Imp.)** Last paragraph

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'Chamari', written by Jim Corbett.

**Cont.**—Chamari was a pious soul. He left this world duly respected by all and loved by many people.He was held in high respect for his good deeds.

**Exp.**—According to Christain, Chamari was a pagon, one

who was regarded as unenlightened but he was a great soul belonged to the lowest caste of India. His good deeds m him loveable and respectable among the people of different tions of society.

Jim Corbett thinks that Chamari died a noble death. himself wishes to die such a death. He believes that Cha must have gone to heaven. He will think himself fortu enough, if he ever meets such a fate. For this sake, he w like to become a pagan in life.

व्याख्या—ईसाई धर्म के अनुसार चमेरी मूर्ति उपासक था, जो कि अ समझा जाता था परन्तु उसकी महान आत्मा थी। वह भारत की निम्नतम से सम्बन्धित था। उसके महान कार्यों ने उसे समाज के विभिन्न वर्गों के प्रिय तथा सम्मानित बना दिया था।

जिम कोबर्ट सोचते हैं कि चमेरी ने महान मृत्यु को प्राप्त किया था स्वयम् ऐसी मृत्यु मरना चाहते हैं। वह विश्वास करते हैं कि चमेरी को स्व प्राप्ति हुई होगी। वह तो अपने को काफी भाग्यवान समझेंगे, यदि उसको ऐसा अवसर प्राप्त होता है। इसके लिए वह जीवन में मूर्ति उपासक भी के लिये तैयार होगा।

## Questions and Answers

**Key question I**—Why did Corbett have to put others to finishing the task that Chamari and his wife had begun?

कोबर्ट को उस कार्य पर दूसरे मजदूरों को क्यों लगाना पड़ा, जो कि और उसकी पत्नी ने आरम्भ किया था ?

**Ans.**—Chamari was a chamar by caste. He came to author with his wife and applied for a job. Jim Corbett h contract for providing labourers for the transshipment of and other kinds of goods from the Broad Gauge line to Meter Gauge, and vice-versa, across the ferry at Mokam Ghat. He, therefore, provided Chamari and his wife with w He gave them shovels and baskets too.

Chamari and his wife started work with courage and dustry, but they were very weak. They could not complete in time. So the author had to put others on finishing the t that Chamari and his wife had begun that day.

**Key question 2**—Why did Corbett decide to appoint Chamari as a Head-man ?

लेखक ने चमेरी को जमादार नियुक्त करने का निश्चय क्यों किया ?

**Ans.**—Jim Corbett employed Chamari and his wife as labours at Mokameh Ghat in Bengal, where he had a Railway contract for providing the labourers for coal-loading. For two days Chamari and his wife worked hard at the site, but they could not carry on their heavy duties, since they were very weak.

**Chamari's love for hard work**—On the third day Chamari was ready to start his day's work, though his hands had small swellings caused by rough work that he had been doing for the last two days. Same was the condition of his wife. They tied up their blistered hands in dirty rage and waited for some work to be given for the days.

**Author's views**—Jim Corbett saw Chamari and his wife in this condition. He felt it, took pity on the pair and ordered Chamari to come to his office. He had well recognised the genius of this poor fellow, who could be worthy of carrying on the duties of the headman of the coal-gang.

Moreover the writer thought that neither Chamari nor his wife would be able to earn sufficient money for their living at the job which they had already done for two days. He was in need of a headman to supervise the workers at the site. So he decided to appoint Chamari as the headman of the Coal gang.

Chamari never expected such a position in life. He felt very proud of his new appointment.

**Key question 3**—In what way did Chamari prove to be a conscientious and hard-working man ? Why was he held in great respest by all ?

चमेरी किस रूप में पुण्यात्मा तथा परिश्रमी व्यक्ति था ? उसकी सभी लोग बहुत अधिक इज्जत क्यों करते थे ?

or

Give a brief account of Chamari's way of living what light does it throw on his Character ? **(V. Imp)**

चमेरी के रहने के ढङ्ग का संक्षिप्त विवरण दीजिए । यह उसके चरित्र पर क्या प्रभाव डालता है ?

**Chamari's services at Mokameh Ghat**—Chamari was a poor labourer who came to the author in search of a job. The author employed him and his wife as labourers. Both the husband and wife did their duties bravely and honestly. The author was very much impressed by their sincerity. He appointed Chamari as the headman of the Coal.gang. He had been serving under Jim Corbett for a long time.

**Chamari's way of living**—In the beginning, the poor fellow was appointed on a salary of Rs. 15/–per month but it was gradually increased to Rs. 40/– which was quite a handsome amount in those days.

Chamari did not spend his full salary on himself. He used to spend a part of it in feeding the hungry and the poor. Many poor man were welcomed at his door to share his food. He spent only fifteen rupees on his personal requirements and the rest of the money was spent in helping the poor people of the area. He believed that service to the poor is service to God.

**His behaviour**—For this reason, Chamari was respected by all the sections of community. He commanded great respect among the workers even of superior castes like Brahimins, Chattris and Thakurs. He never offended any one at the s[illegible] All the workers respected and loved Chamari from the core of their hearts.

Chamari was not fond of time dresses. He believed in simple living and high thinking. He was responsible for keeping the individual accounts of every worker, working under him but his honesty was never doubted. He was a successfull head man in the service of Jim Corbett and remained on his post for about twenty years.

**Key question 4**–Why was Chamari striken with cholera? In what way did he appear changed when Corbett went to his room?

चमेरी हैजा से रोगग्रस्त क्यों हो गया था ? जब जिम कोबर्ट उसके कमरे में गया तो वह किस रूप में परिवर्तित दिखाई देता था ?

**Answer**—Please see the summary for the answer of this question-under sub-heading. "Chamari was stricken with cholera".

**Key question 5**—How did Chamari fight his last battle

चमेरी ने अपने जीवन की अन्तिम लड़ाई (मृत्यु से) किस प्रकार लड़ी।

**Answer**—Please see the summary of the lesson under sub-heading, "Chamari's Death".

**Key question 6**—In what way did the Brahmin priest pay homage to Chamari ? Why ? How did Mokehmeh Ghat pay its last respects to Chamari.

ब्राह्मण पुजारी ने चमेरी के प्रति किस प्रकार सम्मान प्रकट किया ? और क्यों ? मोकामह घाट पर चमेरी के लिए अन्तिम सम्मान किस प्रकार किए गए।

**Answer**—Chamari, the head man of the coal-gang, died of cholera after he had fought a losing battle with the fatal disease for about forty-eight hours. He breathed his last in the early hours of the morning At the time of his death, he remembered Parmeshwar-the God.

There was a long number of people, present in Chamari's room when the poor but noble soul of Chamari started its heavenly journey. A large crowed of mourners had gathered in the room. Among them was a Brahmin priest of the great Vishnu temple at Kashi.

**Brahmin priest's homage**—The priest laid his bundle on the ground and slipped off his sandals. He went near the bed and stood besides Chamari's feet. He bowed his head in order to show a deep respect for Chamari. Indeed he was respected by the high-caste-brahmin inspite of his lowly birth.

**Respects shown at Mokameh Ghat**—Chamari was in the service of Jim Corbett for the last twenty years. He was a loveable and respectable employee at the ghat. He worked as a head man of the coal-gang. All the coal-workers had great love for their supervisor. Who too was very kind to them.

A large crowd of people had gathered at his funeral. Men of all communities, high and low, rich and poor, Hindu and Mohammedan, untouchables and christians came to mourn the death of this great and noble man. The writer imagines that there will never be a funeral like Chamari's at Mokameh Ghat.

Jim Corbett also wished to meet such a death.

---

# 6. The Greek Experiment In Self-Government

## स्वायत्त-शासन में ग्रीस वासियों के प्रयोग

**(By H. W. V. Loon)**

**1882-1944**

### Introduction to the author—

Hendrik Willem Van Loon was born in 1882. He was Dutch-born American writer who is chiefly known for his best selling books on historical, scientific-and cultural subjects. A his books are written in simple language and have a light hu our. His famous publications are—'The story of Mankind 'A short History of Discovery', 'Ancient Man', 'America', a 'Man, the Miracle-Maker'.

H. W. Loon also worked as a lecturer in History at ma American universities. He could speak and write ten languag His book. 'The story of Mankind' has won an internatio fame. It went through thirty editions within ten year. T Loon was a reputed writer of his time.

### Introduction to the lesson—

This lesson has been taken from the writer's world-fam book, 'The Story of Mankind', Here Van Loon examines of the earliest democracies in the world. In this chapter, author wants to make us realize our duties in a democr country. Every citizen in a democray is responsible for safety and prosperity of the state. The fate of the country d ends upon the citizens. They are themselves the real rulers.

### Main Points of the lesson

1 The early Greeks, themselves decided their matters public importance.

2 Gradually the villages had grown into cities. Some rich persons began to live in them.

3 These noblemen were tyrants. They exploited the p sections of community. They were the rulers then.

4 Early in the seventh century, the people of Athens wanted to make certain improvements in their form of government.

5 The Athenians took the help of Draco in order to make laws for themselves. But the laws made by him were very strict.

6 Again, they asked Solan to make some good laws for them. Solon gave them laws, which could protect them under all conditions. Indeed, he laid the foundation of democracy in Greece.

**Summary of the lesson in English**

The Greeks had early experiments in democracy. As a matter of fact they laid the foundation of the government of the people for the people and by the people, and we call it democracy today.

**The Villages and Cities of the Early Greeks—**

In the beginning. the Greeks lived in villages. These people kept cows & sheep and ploughed the land. The village-people themselves discussed their matters of public-importance. For this purpose, one of the village was elected chairman. In case of war, a strong man of the village was chosen commander-in-chief. He could be relieved of his post after the war.

But Gradually the villages had developed into cities. There were two classes of people, living in these cities, viz-the rich and the poor. The number of poor people was very large and there was only a very small number of well-to do people. Now the Greeks were not equally rich and equally poor.

**The Rule of Tyrants**—By and by the place of commander-in-chief or the king had been taken by the nobles. These nobles enjoyed many advantages over the common people. They had undue share of farms and property. Unfortunately they began to fight among themselves over the question of king-ship. As a result of their fight the victorious nobleman became the king of the city.

Such a king had great support of his soldiers. He was called Tyrant. During the seventh and six centuries every Greek

city was ruled by such tyrants for sometime. But this rule be-came unbearable after sometimes. Then the Greeks thou to bring about certain reforms in their system of government.

**Early attempts made by Draco**—Athens is the most im-ortant city of Greece. The people of this city wanted to chan the system of government. They asked Draco to make la for them. Draco was a lawyer. He was very much out touch with ordinary life. So the laws made by him were n useful for the public. They were very strict, and people co not follow them.

**Laws made by Solon**—The Athenians then, asked anoth man to make better laws. His name was Solon. Solon w widely experienced man and belonged to a noble family. Af careful study, he gave some very good laws to the Athenians.

These laws aimed at improving the condition of the farme without doing any harm to the nobles. He recommnded t introduction of a jury. It could give a fair chance to ev citizen to express his grievances. Now the judges could not wrong to them.

Most important of all, there was a law that gave the ri to every citizen to take part in the government of the city.

**Early Democracy**—These laws were the early democr in the world. It was not of a great success in the beginn Some people opposed it. But it taught the Greeks to be inde endent. They learnt to depend on themselves for their gen welfare.

## पाठ का सारांश

ग्रीस वासियों (यूनानियों) को प्रजातन्त्र का अनुभव सब से आरम्भ हुआ । वास्तव में जनता के लिये, जनता द्वारा-जनता की सरकार की उन्होंने ही डाली थी और हम इसे आज प्रजातन्त्र कहते हैं ।

प्राचीन ग्रीस वासियों के गांव तथा नगर—आरम्भ में यूनानी लोग ग्रा में रहते थे । ये लोग गाय तथा भेड़ रखते थे तथा भूमि जोतते थे । ग्रा स्वयम् ही जनता के लिये महत्वपूर्ण विषयों का निर्णय करते थे । इस उद्दे लिये गांव का एक बड़ा व्यक्ति चेयरमैन चुन लिया जाता था । युद्ध होने गांव का एक शक्तिशाली व्यक्ति प्रधान सेनापति चुन लिया जाता था और

समाप्ति के पश्चात उसे अपने पद से हटाया भी जा सकता था।

परन्तु धीरे २ गांव शहरों में विकसित हो गये। इन शहरों में मनुष्यों के दो वर्ग रहते थे अमीर तथा निर्धन। गरीव आदमियों की संख्या अधिक थो और केवल कुछ ही थोड़ी संख्या में अमीर व्यक्ति थे। अब यूनानी समान संख्या में धनिक तथा निर्धन नहीं थे।

अत्याचारियों का शासन–धीरे २ प्रधान सेनापति अथवा राजा का स्थान कुलीन व्यक्तियों ने ले लिया। ये कुलीन व्यक्ति साधारण जनता की अपेक्षा अधिक लाभों का आनन्द प्राप्त करते थे। उनके पास खेत तथा धन का अनावश्यक भाग था (अर्थात अधिक था) दुर्भाग्यवश वे आपस में राजा वनने के प्रश्न के ऊपर लड़ने लगे। उनकी लड़ाई के परिणाम स्वरूप विजयी कुलीन व्यक्ति उस शहर का राजा वनता था।

ऐसे राजा को अपने सैनिकों का विशेष वल प्राप्त था वह 'अत्याचारी' कहलाता था। छठी तथा सातवीं शताब्दी के मध्य में यूनान का प्रत्येक नगर कुछ समय के लिये ऐसे अत्याचारी शासकों द्वारा शासित किया गया। तब यूनानियों ने अपनी सरकारी व्यवस्था में कुछ सुधार करने का विचार किया।

ड्रेकों के द्वारा किए गए प्रारम्भिक प्रयास—ऐथन्स ग्रीस का बड़ा, महत्वपूर्ण शहर है। इस शहर के लोग सरकार के रूप को बदलना चाहते थे। उन्होंने ड्रेकों से अपने लिये कानून वनाने को कहा। ड्रेकों वकील था। उसको साधारण जीवन का तनिक भी ज्ञान नहीं था। इसलिये उसके द्वारा वनाये गये कानून जनता के लिये काफी लाभप्रद नहीं हुये। वे बहुत कठोर थे और लोग उनका पालन नहीं कर सकते थे।

सोलन के द्वारा वनाये गये कानून—ऐथन्स वासियों ने, तव दूसरे व्यक्ति से और अधिक अच्छे कानून बनाने के लिये कहा। उसका नाम सोलन था। सोलन एक अत्यन्त अनुभवी व्यक्ति था तथा कुलीन परिवार से सम्वन्धित था। काफी गम्भीर अध्ययन के पश्चात, उसने ऐथन्स वासियों को कुछ कानून बनाकर दिये। इन कानूनों का उद्देश्य कुलीन व्यक्तियों को कोई भी हानि पहुंचाए विना किसानों की दशा में सुधार करना था। उसने एक जूरी (जजों की बैठक) की स्थापना की सिफारिश की। इससे प्रत्येक नागरिक को अपनी शिकायतों को

प्रकट करने का सुन्दर अवसर मिल सकता था। अब न्यायधीश उनके प्रति गलती नहीं कर सकते थे।

सबसे महत्वपूर्ण, वहां पर एक कानून था जो प्रत्येक नागरिक को नगर सरकार में भाग लेने का अधिकार प्रदान करता था।

प्रारम्भक प्रजातन्त्र—ये कानून संसार में प्रारम्भिक जनतन्त्र के प्रतीक शुरू में यह अधिक सफल नहीं हुआ। कुछ लोगों ने इसका विरोध किया। इसने यूनानियों को स्वतन्त्र होना सिखाया। उन्होंने अपने सामान्य कल्याण लिये आत्म निर्भर होना सीख लिया।

**Word Meanings, Hindi Translation & Explanation**

Meanings–In the beginning–(the village comm unities in ancient Greece lasted till about 800 B. ईसा से लगभग ८०० वर्ष पूर्व तक प्राचीन ग्रीस में गांव समाज विद्यमान The Greeks—the native of Greece ग्रीस वासी, यूनानी दक्षिण पूर्वी यूरोप में एक देश है। equally—सामान रूप से। own possessed रखता था। mud huts—house made of मिट्टी के बने छोटे घर। castle–fort किला। discuss–talk a बातचीत करना। matters—subjects मामले। public im tance–सार्वजनिक महत्व। gathered–assembled एकत्रित हो market—place मण्डी। express—to say opinion मत करना। views—ideas दृष्टिकोण। particularly—spec विशेष रूप से। energetic—active and powerful कर्मठ-उ self confident–आत्म विश्वासी। commander in chief– highest officer in the army प्रधान सेनापति। voluntri to demand माँग करना। to deprive him—to remove उसे वञ्चित करना। averted—kept off टल जाना।

हिन्दी अनुवाद—आरम्भ में (ईसा से ८०० वर्ष पूर्व) सभी यूनानी रूप से निर्धन तथा धनिक थे (अर्थात गांव में धनी और निर्धन लोगों की बराबर थी।) प्रत्येक व्यक्ति के पास कुछ गायें तथा भेड़ें थी। उसकी

झोंपड़ी ही उसका किला थी (अर्थात वह अपनी झोंपड़ी में इस प्रकार के आनन्द का अनुभव करता था जैसा कि राजा अपने किले में करता है।) वह अपनी इच्छानुसार आने जाने में स्वतन्त्र था। जब कभी सार्वजनिक महत्व के मामलों पर विचार करना आवश्यक होता था तो सब नागरिक बाजार के स्थान (मण्डियों) में एकत्रित हो जाते थे। गांव का एक बड़ा व्यक्ति चेयर मेन चुन लिया जाता था और उसका कर्त्तव्य यह देखना था कि प्रत्येक को अपने विचार प्रकट करने का अवसर मिले। युद्ध हो जाने पर, एक विशेष रूप से कर्मठ तथा आत्मविश्वासी व्यक्ति प्रधान सेनापति चुन लिया जाता था परन्तु उन्हीं मनुष्यों को, जिन्होंने स्वेच्छापूर्वक इस व्यक्ति को अपना नेता होने का अधिकार दिया था, समान रूप से यह अधिकार भी था कि युद्ध का भय समाप्त होने पर वे उसे उसके पद से अलग कर दे।

## Key Question 2 Page 42-43 Para 1

Meanings—Gradually—slowly and slowly धीरे धीरे, grown—developed विकसित हुए। just plain dishonest—quite dishonest बिल्कुल बेईमान। in dealing–in behaviour व्यवहार में। consisted—composed of मिलना। well-off–rich धनवान। contrary–opposite to it इसके विपरीत। inhabited—dwelled in वसा हुआ।

हिन्दी अनुवाद—परन्तु धीरे धीरे गांव का विकास होकर नगर हो गया। कुछ व्यक्ति कठोर परिश्रम कर चुके थे और दूसरे सुस्त ही रहे। कुछ लोग भाग्यहीन रहे और कुछ अब भी ऐसे थे जो अपने पड़ोसियों से व्यवहार में बहुत ही बेईमान रहे और धन एकत्रित कर लिया। परिणाम स्वरूप नगर में अब ऐसे व्यक्ति नहीं रहे जो समान रूप से धनी थे। इसके विपरीत इसमें (नगर में) धनिक लोगों का एक छोटा वर्ग तथा निर्धन का एक बड़ा वर्ग सम्मिलित था।

**Exp.—But gradually......wealth.** **Imp.** (Page 42)

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'The Greek Experiment in Self-Government', written by H. W. Loon. This lesson is taken from the famous book, 'The Story of Mankind'.

**Cont.**–In this lesson the writer gives a glimpse of the early democracy in Greece. The Greeks already lived in villages and had own system of government.

**Exp.**—By and by the system began to change in those days, Some of the villages had changed into cities. Some people in these villages worked very hard, while the others had been lazy. There were some, who were quite dishonest in their dealings with their fellow citizens. They wanted to become more powerful than the others. These people were successful in accumulating huge wealth. The poor and honest people were quite unlucky. They remained poor in life.

संदर्भ–ये पंक्तियां The Greek Expriment in Self Government नामक पाठ से ली गई हैं—इसके लेखक H. W. Loon हैं। यह पाठ लेखक के प्रसिद्ध पुस्तक 'मानवता की कहानी' से लिया गया है।

प्रसंग—इस पाठ में लेखक ग्रीस में प्रारम्भिक प्रजातन्त्र की झलक प्रदर्शित करता है। यूनानी पहले से ही गांवों में रहते थे और अपनी स्वयं की सरकार रखते थे।

व्याख्या—धीरे धीरे उन दिनों में सरकारी व्यवस्था में परिवर्तन होने लगा कुछ गांव शहरों में वदल गए थे। कुछ लोग इन गांवों में कठिन परिश्रम करते थे, जवकि कुछ दुसरे सुस्त रहते थे। कुछ ऐसे भी थे जोकि अपने साथी नागरिकों से व्यवहार में बिल्कुल वेईमान थे। वे दूसरों की अपेक्षा अधिक शक्तिशाली होना चाहते थे। ये लोग पर्याप्त धन एकत्रित करने में सफल हो गए थे। गरीब और ईमानदार व्यक्ति वहुत ही भाग्यहीन थे। वे जीवन में निर्धन ही रहते थे।

(Key Question 3 Page 43 Para 2)

Meanings—Willingly—easily सरलता पूर्वक। lead–show प्रदर्शित करना। victory—triumph जीत। disappeared from the scene–was no longer there वहां से गायब हो गया। nobles–कुलीन aristocrates। during the course of time –as the years passed जैसे-जैसे वर्ष व्यतीत हुए। had got hold of–had control over नियन्त्रण में कर लिया। an undue share

—a share larger than they deserved अनुचित अधिक भाग। farms—fields खेत। estates—property सम्पत्ति।

हिन्दी अनुवाद—एक अन्य परिवर्तन भी हुआ। पुराने समय का सेनापति, जिसको स्वेच्छापूर्वक प्रधान अथवा राजा के रूप में स्वीकार कर लिया गया था, क्योंकि उसे यह ज्ञान था कि अपने व्यक्तियों को युद्ध में विजयी किस प्रकार बनाया जाता था, वह वहां से गायब हो गया। और उसका स्थान कुलीन व्यक्तियों ने ले लिया—यह धनी व्यक्तियों का एक वर्ग था जिसने समय की गति के साथ साथ खेतों और सम्पत्ति के अनुचित तथा अधिक भाग पर कब्जा कर लिया था।

## Page 43-44 Para 3

Meanings—Advantages–benefits लाभ, the common crowd of free men—the ordinary public साधारण जनता। (a free man is a citizen who is not in slavery or bondage and who has all civil and political rights in a city or state एक स्वतन्त्र व्यक्ति वह नागरिक है जो कि दासता या बन्धन में न हो तथा जिसको एक नगर या राज्य में सब राजनैतिक तथा सामाजिक अधिकार प्राप्त हो। weapons—हथियार। mediterranean–it is a large sea surrounded by Europe, Africa and Asia यूरोप अफ्रीका तथा एशिया से घिरा हुआ एक विशाल समुद्र (भूमध्य सागर) spare time—extra time अतिरिक्त समय। hire–किराये पर लेना। constantly–continuously निरन्तर। victorious–one who gets victory विजयी। assumed—adopted ग्रहण कर ली थी। a sort of king-ship—some of the authority of a king राजा की कुछ प्रभुत्व शक्ति, governed–ruled शासन करते थे, driven away—scattered away हटा दी थी, ambitions—strongly desirous अति लालसा रखने वाला।

हिन्दी अनुवाद—ये कुलीन व्यक्ति साधारण जनता की अपेक्षा अनेक सुवि-

धाओं का उपभोग करते थे। वे सर्वोत्तम हथियारों को खरीद सकते थे जो कि भूमध्य सागर के पूर्वी किनारों पर (स्थित देशों) के बाजारों में मिल जाते थे। उनके पास काफी अतिरिक्त समय था जिसमें वे लड़ने की कला का अभ्यास कर सकते थे। वे मजबूत बने हुए घरों में रहते थे तथा अपनी ओर से युद्ध में लड़ने के लिए सैनिकों को किराये पर रख सकते थे। वे निरन्तर ही आपस में लड़ते रहते थे। वे यह निश्चय करने के लिए लड़ते थे कि उन पर शासन कौन करे। तब विजयी कुलीन व्यक्ति अपने पड़ोसियों के ऊपर एक प्रकार का राजा के समान प्रभुत्व धारण कर लेता था और उस समय तक नगर पर शासन करता था जब तक कि वह बदले में मारा नहीं जाता था या किसी अन्य महत्वाकांक्षी कुलीन व्यक्ति द्वारा अपने पद से हटा दिया जाता था।

**Exp.**—They were constantly......nobleman. **(Imp.)**

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'The Greek Experiment in Self-Government' written by W. H. Loon

**Cont.**—There had been a great change in the cities of ancient Greece. There was a class of noblemen who enjoyed all sorts of facilities in comparison with the common people.

**Exp.**—Unfortunately these noblemen had been fighting among themselves over the question of king-ship. The high and the mighty people wanted to rule over the poor masses mostly living in big cities These noblemen quarrelled off and on and some of them definitely got victory in the fight. The victorious nobleman became some what like king. He started to rule over the city. But his rule also came to an end, when this nobleman was either killed in fight or removed away from this position by some more powerful and ambitious noblemen.

व्याख्या—दुर्भाग्यवश राजा बनने के प्रश्न के ऊपर ये कुलीन व्यक्ति आपस में थे लड़ते रहे। ऊँचे वर्ग के तथा शक्तिशाली लोग अधिकांश गरीब जनता पर शासन करना चाहते थे जो गरीब जनता अधिकांश रूप में इन बड़े नगरों में रहती थी। विजयी कुलीन व्यक्ति कुछ राजा जैसा बन जाता था। नगर के ऊपर शासन करना आरम्भ कर देता था परन्तु उसका शासन भी समाप्त हो जाता था जबकि इस कुलीन व्यक्ति को या तो कोई मार देता था या किसी

ग्रौर अधिक शक्तिशाली या महत्वाकांक्षी कुलीन व्यक्ति द्वारा उसे (कुलीन-शासक) उसके पद से हटा दिया जाता था।

Meanings—By the grace ot his soldiers–with the help of his soldiers अपने सैनिकों की मदद से। tyrant—cruel निर्दयी। (a dictator ruling without legal right and enjoying complete power कोई स्वेच्छाचारी शासक जो बिना कानूनी अधिकार के शासन करता हो और पूर्ण शक्ति सम्पन्न हो।) centuries—शताब्दियां। era—age, period युग। exceedingly—very greatly पर्याप्त रूप में। capable—able योग्य। (many of...... men—all tyrants in ancient Greece were bad or oppressive rulers. Some of them were very gentle too प्राचीन यूनान में सभी कठोर शासक बुरे या पूर्णतया: निरंकुश नहीं थे—उनमें कुछ तो काफी सीधे थे)। in the long run—at last अन्त में। state—दशा। affairs—matters मामले, unbearable—intolerable असहनीय। attempt—efforts प्रयास। reforms–सुधार। grew—developed विकसित हुई। record—written matter अभिलेख। of which the world has record—about which there are written records in the world जिसके विषय में संसार में लिखित विवरण मौजूद हैं।

हिन्दी अनुवाद—ऐसे राजा, अपने सैनिकों की सहायता करने के कारण अत्याचारी शासक कहलाता था। और हमारे इस ईसाई युग से पहले सातवी और छटी शताब्दी में कुछ समय के लिये ग्रीस के प्रत्येक नगर में ऐसे अत्याचारियों का शासन था जिनमें से वहुत से संयोग से, काफी योग्य शासक भी सिद्ध हुए थे। परन्तु अन्त में यह स्थिति असहनीय हो गई तब सुधार के लिये प्रयत्न किए गए और इन सुधारों के परिणाम स्वरूप ही प्रथम प्रजातन्त्रीय सरकार का विकास हुआ जिसका कि संसार में लिखित विवरण है।

Key Question 4 Page 44-45

Meanings—Athens—the most important city in

ancient Greece. It is now the capital of that cou
प्राचीन यूनान का सर्वाधिक महत्वपूर्ण नगर, अब यह उस देश की राजध
to do some house cleaning—to put their affairs i
orderly manner अपने मामलों को व्यवस्थित करना। voice in
government—power in ruling or making the
कानून बनाने या शासन करने की कुछ शक्ति। supposed—tho
समझे जाते थे। their Achaean ancestors—the Ach
came to Greece from the northern region of
Danube river in Europe they came about 14th
ury B. C. ऐकिचन लोग यूरोप में डेन्यूब नदी के उत्तरी भागों से
आए थे। वे लगभग २४ वीं सदी ईसा पूर्व आए थे। draco—an A
nian statesman and lawyer एक ऐथन्स-वासी राजनीति
वकील। provide—give देना। set–collection संग्रह। pr
—defend रक्षा करना। aggressions—attacks आक्रमण
fortunately—unluckily दुर्भाग्य से। code—the bo
laws etc. crime—guilt अपराध। draconian laws-
made dy Draco ड्रेको द्वारा बनाए गए कानून। servere—
कठोर। put into effect—enforced लागू किए जाना।
रस्सी। to hang—to put to gallows फांसी देना। crim
culprit अपराधी। Jurisprudence—laws कानून। a c
offence—any crime that brings death punis
अपराध जिसकी सजा 'मृत्यु दण्ड' हो।

हिन्दी अनुवाद—हमारे ईसाई युग से पूर्व सातवीं सदी के आरम्भ
के लोगों ने कुछ सुधार करने का और स्वतन्त्र नागरिकों की विशाल
सरकार के कार्यों में एक बार फिर भाग लेने की कुछ शक्ति उसी प्रका
निश्चय किया जैसा कि उनके ऐचिक्न पूर्वजों के समय (ऐसा ही
विचार किया जाता है। उन्होंने ड्रेको नाम के एक व्यक्ति को अर्थ
कानूनों का संग्रह बनाने के लिए कहा जो कि अमीरों के आक्रमण से

रक्षा करेगा। ड्रैको ने काम करना आरम्भ कर दिया। दुर्भाग्य से वह तो वकील का व्यवसाय करता था (अर्थात वकील था) और उसका सामान्य जीवन से बहुत ही कम सम्पर्क था। उसकी दृष्टि में तो 'अपराध' ही था और जब उसने अपनी कानून संहिता बनाकर पूर्ण कर ली तो ऐथन्स के लोगों ने देखा कि ड्रैकोनियम कानून (ड्रैको के द्वारा बनाए गए नियम) इतने कठोर थे कि उनका प्रायः लागू नहीं किया जा सकता था। उनके नवीन कानून की व्यवस्था के अनुसार, जिसमें एक सेब की चोरी के लिए भी फांसी का दण्ड था, इन बहुत से अपराधियों को फांसी पर लटकाने के लिए वहां पर काफी लम्बी रस्सी न मिलती (लेखक ने हास्य रूप में रस्सी की लम्बाई की ओर संकेत किया है अर्थात ड्रैकोनियन नियम के अनुसार मामूली अपराधों के लिए भी फांसी का दण्ड था इतने व्यक्तियों को फांसी कैसे देते।)

**Exp.**—Draconian laws.........offence.

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'The Greek Experiment in self Government', written by W. H. V. Reade.

**Cont.**—The greeks were not satisfied with the rule of the noblemen, who assumed a sort of kingship by force. They wanted to bring certain reforms in their system of government.

**Exp.**—In order to have certain reforms in administration, the greeks asked Draco to frame some laws for them. Draco was a lawyer. He gave some laws to the people of ancient Greece. His laws were called the Draconian laws. These laws were so strict that they could not be put into practice. It was almost impossible to obey them. According to these laws, capital punishment was very common. In most ordinary case, death was the minimum punishment. The greeks realized that it was foolish to hang the criminals to death for ordinary crimes like the stealing of an apple. The writer remarks humoursly that the length of the rope would fall short if the Greeks hanged the offenders to death against the laws of Draco.

व्याख्या—शासन में कुछ सुधार करने के लिए यूनानियों ने ड्रैको से अपने लिए कुछ कानून बनाने को कहा। ड्रैको एक वकील था उसने प्राचीन यूनान के लोगों को कुछ कानून बना कर दिए। उसके कानून ड्रैकोनियन कानून कहलाए।

ये कानून इतने कठोर थे कि उनको प्रयोग में नहीं लाया जा सकता था।
पालन करना प्रायः असम्भव था। इन कानूनों के अनुसार मृत्यु दण्ड
साधारण बात थी। अत्यन्त साधारण मामलों में भी मृत्यु दण्ड कम
सजा थी। ग्रीक वासियों ने यह अनुभव किया कि सेव के चुराने जैसे
अपराध के लिए अपराधियों को फांसी पर लटकाना अत्यन्त मूर्खता पूर्ण
लेखक हास्य पूर्वक कहते हैं कि यदि ड्रेको के कानून के अनुसार सभी अप
क फांसी पर लटकाते तो रस्सी की लम्बाई भी छोटी पड़ जाती।

## Key Question 5 Page 45-46 Para 1

Meanings—Humane—kind उदार। sort—kind
Solon–he was an Athenian statesman and law
वह एक एथेन्स वासी था जो कि राजनीतिज्ञ तथा कानून बनाने वाला
forms—kinds प्रकार। bore testimony—bore witne
प्रमाण दिया। principle of moderation—generally a
ted Greek tradition of avoiding all excess or ex
peasant—farmer किसान। prosperity—सम्पन्नता। de
ing—ruining नष्ट करना। against abuse—against
wrong use बुरे व्यवहार के विरुद्ध। salary—pay वेतन।
sion—condition विधान। where by—by which जि
grievance—complaint शिकायत। state–say कहना।
of thirty—a body of thirty persons who decid
rights and wrongs of a case तीस व्यक्तियों का समूह जो
के ठीक या गलत न्याय को जांच करते थे। fellow—citizens

हिन्दी अनुवाद-ऐथन्स वासी ने और अधिक उदार सुधारक की
अन्त में उन्हें कोई ऐसा व्यक्ति मिल गया जो कि इस प्रकार के कार्य
कानून बनाने के कार्य) को किसी भी अन्य व्यक्ति की अपेक्षा अच्छी
कर सकता था। उसका नाम सोलन था। वह एक कुलीन परिवार से
था तथा वह समस्त संसार की यात्रा कर चुका था और उसने बहुत
सरकार के विभिन्न रूपों का अध्ययन किया था इस विषय का सावधा

अध्ययन करने के वाद, सोलन ने ऐथन्स को ऐसी कानूनी संहिता दी जिसने समभाव (समानता-सरलता) के उस आश्चर्य जनक सिद्धान्त को सिद्ध किया, जो यूनानियों के चरित्र का अंग हो गया था। उसने कृषकों की दशा में सुधार करने का प्रयास किया, परन्तु कुलीन की सम्पन्नता को तह किए बिना ही, जो सैनिकों के रूप में राज्य के लिए बहुत अधिक लाभकारी थे—या हो सकते थे। निर्धन वर्गों की उन जजों के अनुचित व्यवहार से रक्षा करने के लिये, जो सदा ही कुलीन वर्ग से चुने जाते थे क्योंकि वे कोई वेतन नहीं पाते थे, सोलन ने एक ऐसा विधान बनाया जिसके द्वारा किसी भी नागरिक को, जिसको कि कोई शिकायत थी, यह अधिकार दिया गया कि वह ऐथन्स वासियों में से अपने साथी नागरिकों की तीस व्यक्तियों की जूरी (जजों का समुदाय) के सामने अपने मुकदमे का वर्णन करें।

**Exp.**—To protect.........Athenians. **(Very Imp.)**

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'The Greek Experiment in self Government', written by W. H. V. Loon.

**Cont.**—Solon was an Athenian statesman and law-giver. He gave to Athens a set of laws that aimed at the improvement in the prevailling system of their government. Laws made by Solon were very good & useful.

**Exp.**—In those days judges were elected from among the nobles. These judges did not get any pay. Since they belonged to the noble class, they did not do justice to the poor people who made complaint against any noble. This sort of thing was most unjust. Solon put an end to this wrong practice. He made a law to protect the poor against the tyranny of the nobles. According to the new law a jury of thirty fellow citizens was set up to hear the grievances of the poor people. Now they need not suffer at the hands of these honorary judges but could demand justice from their fellow citizens who were members of the jury.

व्याख्या—उन दिनों में न्यायाधीश कुलीन व्यक्तियों के मध्य में से चुने जाते थे। ये जज कोई वेतन नहीं पाते थे। क्योंकि वे कुलीन वर्ग से सम्बन्धित थे, इसलिये वे उन गरीब लोगों के प्रति न्याय नहीं करते थे जो कि किसी कुलीन के

विरुद्ध शिकायत करते थे। इस प्रकार के मामले बहुत अन्याय पूर्ण थे। सोलन ने इस गलत प्रथा को समाप्त कर दिया। उसने कुलीन व्यक्तियों के अत्याचार से गरीब व्यक्तियों की शिकायतों को सुनने के लिये तीस नागरिकों की जूरी की स्थापना की। अब उनको इन अवैतनिक न्यायधीश के हाथों कष्ट सहन करने की आवश्यकता नहीं थी बल्कि अपने साथी नागरिकों से न्याय की मांग कर सकते थे जो कि जूरी के सदस्य होते थे।

## Page 46 Para 2

Meanings—Forced–compelled मजबूर किया। average –common साधारण। free man–free citizen स्वतन्त्र नागरिक। personal—व्यक्तिगत। affairs—matters मामले। indoors—inside the house घर में अन्दर। share—part भाग। town council—a body of citizens entrusted with the cares and affairs of a city एक नगर के मामलों का प्रबन्ध करने वाले नागरिकों का समूह। safety—security सुरक्षा। prosperity—success सफलता।

हिन्दी अनुवाद—सर्वाधिक महत्वपूर्ण (कानून) यह था कि सोलन ने प्रत्येक स्वतन्त्र तथा सामान्य नागरिकों को नगर के मामलों में प्रत्यक्ष तथा व्यक्तिगत रुचि लेने के लिये मजबूर किया अब वह और अधिक घर पर नहीं रुक सकता था और यह नहीं कह सकता था–"अरे, मैं तो आजकल बड़ा ही व्यस्त हूँ" अथवा "वर्षा हो रही है और मेरा घर पर रहना ही अधिक अच्छा है।" उससे आशा थी कि वह अपने हिस्से का कार्य करे, नगर सभा में उपस्थित हो और राज्य की सुरक्षा एवम् सफलता के लिए अपनी कुछ जिम्मेदारी को पूरा करे।

## Page 46 Para 3

Meanings—Demos—people जनता। idle talk—useless talk व्यर्थ की बात। spiteful—full of ill will द्वेष पूर्ण। hateful—घृणा पूर्ण। rivals-competitors प्रतिद्वन्दी। to rely—depend निर्भर रहना। for their salvation—for their happiness, safety and prosperity अपनी प्रसन्नता, सुरक्षा तथा खुशहाली के लिये।

हिन्दी अनुवाद--जनता की यह सरकार प्रायः पूर्ण सफल नहीं थी। इसमें व्यर्थ की बहुत अधिक बातें थी। इसमें राजकीय सम्मान पाने के लिये प्रतिद्वन्दियों के मध्य बहुत ही अधिक घृणित तथा द्वेषपूर्ण दृश्य दिखाई देते थे। परन्तु इसने (प्रजातन्त्र ने) यूनान के लोगों को स्वतन्त्र होने तथा अपनी प्रसन्नता, सुरक्षा तथा सम्पन्नता के लिये आत्म निर्भर होने की शिक्षा दी और यह बहुत अच्छी बात थी।

## Questions and Answers

**Key question 1**--What did the early Greeks do when it was necessary to decide matters of public importance ?

प्राचीन काल में यूनान वासी क्या करते थे जबकि कोई सार्वजनिक महत्व के विषय को निश्चित करना आवश्यक होता था ?

**Answer**—In the beginning the Greeks lived happily in the villages. Every man had some cows and sheep. They felt quite comfortable in their mud-houses. Life was perfectly peaceful in those days. The early-greeks enjoyed all sorts of freedom in their villages.

Whenever it was necessary to decide matters of public importance, all the citizens had gathered in the market-place. One of the older man of the village was elected chairman. Every person had the right to express his views about the matter. In case of war, an energetic and self-confident villager was elected as the commander-in-chief. He was the leader of the village-people during war time.

**Key question 2**—What changes came about in Greek society as a result of villages growing into cities ?

ग्रामों का नगरों में विकास हो जाने के परिणाम स्वरूप यूनानियों के समाज में क्या २ परिवर्तन आ गए थे ?

**Answer**–In the beginning, all the greeks were equally poor. They led a happy life in small villages. These villagers were free in many ways and had their own system of government. This system continued in ancient Greece till about 800 B. C.

But gradually the village had grown into a city. Some people had worked hard, while the others led a dishonest life. These dishonest people had gathered wealth and became richer than the others who were unlucky or lazy. Now there existed

two classes of people in these newly-developed towns. One class was of well-to-do persons who enjoyed many advantages, while the other belonged to the poor people, who were greater in number than the rich people of the town.

There had been another change also. The place of the old commander-in chief was taken by the nobles. Some of these influencial nobles began to rule over the large population of the city.

These were the changes which came in Greek society. They are of great importance in the history of demorcracy.

**Key question 3**—Who were the tyrants ? How did the institution of tyrants come into being ?

'अत्याचारी शासक' कौन थे ? निष्ठुर शासकों की संख्या किस प्रकार अस्तित्व में आई ।

**Answer**—Please see the summary of the lesson for the answer of this question.

**Key question 4**—Why did the Athenians ask Draco to provide them with a set of laws ? Why were the laws he made found impracticable ?

ऐथन्स वासियों ने ड्रेको को अपने लिए कानून संहिता बनाने के लिये क्यों कहा ? उसके द्वारा बनाये गये कानून प्रयोग में क्यों नहीं लाए जा सके ?

**Answer**—Please see the summary of the lesson for the answer of this question.

**Key question 5**—What were the reforms brought about by Solan ? In what way was the everage free man expected to do his share for his city ? To what extent was the Greek experiment successful ?

सोलन द्वारा किए गये कौन २ से सुधार थे ? साधारण नागरिक से नगर के मामलों में अपने हिस्से का कार्य करने की किस प्रकार आशा की जाती थी ? यूनानियों के अनुभव किस सीमा तक सफल हुए ?

or

What important reforms were brought about Solan ? How far was early democracy successful in Creek ?

सोलन ने क्या महत्वपूर्ण सुधार किये ? यूनान में सर्वप्रथम प्रजातन्त्र किस प्रकार सफल हुआ ?

**Answer**—The greeks had early democray in the world. They had self government, even they lived in the villages. There was a bit change in their position as a result of villages growing into cities. Now there was the government of the nobles for sometimes during the seventh and sixth centuries before christ.

The people of Athens asked Draco to make some laws for them. His laws could not be put into use because they were very strict. So the Athenians looked about for a more human reformer. At last they found Solan.

**Laws made by Solan**—Solan belonged to a noble family and he had travelled all over the world. He had studied the forms of the governments of many countries. Solan was a widely experienced man. He gave Athens a set of laws which aimed at improving the condition of the poor without harming the rich. These laws improved the condition of the farmers.

Secondly Solan's laws protected the poor from the tyranny of the noble judges. He introduced the system of a jury of thirty fellow citizens. Now the poor could state their grievances before a jury.

Most important of all, Solan gave the right to common citizens to take direct and personal interest in the affairs of the city. Every body took part in the meetings of the town council.

**Success of these laws**—For sometime this early democracy was not quite successful because there were too much useless-talks in the town-councils. Some people opposed it. However, it was successful in the sense that that it taught the Greek people to be independent. They began to realize the importance of freedom, safety and prosperity. Such was the early experiment of the greek in self-Government.

---

# 7. Gandhi And Nehru

## गान्धी तथा नेहरु

**By—Lord Brockway**

### Introduction to the author—

Lord Brockway is a famous British socialist leader who has been a great friend of India also. He was born in 1888. He was a close friend of the many leaders of the Indian Independence Movement. He also came in deep contact with Gandhi and Jawahar Lal Nehru.

Lord Brockway has also worked in the capacitry of the General secretary of the Independent Labour Party in Great Britain. He gave a strong support to India's demand for freedom. He was elected M. P. for many years. He has written some very important books including 'The Indian Crisis Socialism over sixty years and African Socialism.

### Introduction to the lesson—

This lesson is a tribute to Gandhiji and Nehru. Here he brings out the differences in the out look of the two leaders. Inspite of their different views, they had a very close political partnership. Both the leaders worked jointly for the freedom of the country and got success in their mission.

Pt. Jawahar Lal Nehru was very much influenced by Gandhiji. who had the policy of Truth and Ahimsa. When Nehru met Gandhiji for the first time, he was attracted by the wonderful personality of this saint.politician.

### Main Points of the lesson

1 Gandhi and Nehru worked together for India's freedom for more than thirty years. Their names will always be remembered in world-history.

2 Yet, in many ways Gandhi and Nehru are different-Gandhi was a conservative. Nehrn, on the other hand, was a progressive.

3 Inspite of their different views, these two men were quick

close to each other in political partnership. It was due to their common interest in India's freedom,

4 Gandhiji was both saint and politician. Nehru fell under the charm of this great man.

5 Gandhi and Nehru had similar views in many social and political matters. Both the leaders believed in natural equality of all human beings.

6 Gandhi believed in the policy of non-violence. Nehru favoured it, because he knew that in India no other policy was successful.

7 Nehru always appreciated the views of Gandhiji. He had a great influence of Gandhi in his life.

## Summary of the lesson in English

In the present lesson, Lord Brockway brings out the difference between the out looks of the two leaders—Gandhi and Nehru. He also explains the factors which brought them so close together.

**Gandhi and Nehru-two great heroes in history—**

Mahatma Gandhi and Jawahar Lal Nehru are two great heroes in Indian history. They came in contact with each other at the Lucknow session of the Congress in December, 1915. Their close association continued till Gandhiji's death in January, 1948. The story of their lives is a long and heroic story of two great men working together. Gandhiji was one of the world's great figures. He was famous throughout the world. Nehru ji always tried to co-operate Gandhiji. Their names are immortal in the history of India's struggle for freedom. So long as history is written and read, they will be remembered together.

**Their different views**—Yet, in many ways Gandhi and Nehru are opposites.—Gandhi was a conservative. He believed in simple living and high thinking. He was against the machine age, and the new atomic age He always led a simple life.

Nehru, on the other hand, has been a progressive. He took delight in the increasing powers of man. He believed that

scientific power could be used for human-welfare.

**Gandhi's influence on Nehru**—Inspite of their differe philosophies, the two leaders had a very close political partne ship. It was due to their common devotion to the cause India's freedom.

Nehru was greatly influenced by the work that was do by Gandhiji for the freedom of Indian settlers in South Afri Nehru had been keenly watching the social and political phi sophies of Gandhiji. He observed that courageous deeds we being performed in South Africa and that they were very su essful. Nehru had read all about Gandhiji in newspapers. H was greatly influenced by the policy of Gandhi.

**Their common views on social progress**–When Nehr met Gandhiji for the first time, he was attracted by the gr personality of this great man. Gandhi was both saint and p tician. Nehru became a follower of the Mahatma all throu his life. He had a great respect for Gandhi's views on so progress. Gandhiji helped the poor peasants and the un chables of this country. He was political worker. The c aim of his life was to make India a free nation.

Nehru had also similar views on social progress. Both leaders wanted to raise the position of farmers and labourer this country. They believed in Hindu Muslim unity and natural equality of all human beings. Spiritually Gandhi Nehru were one in many ways.

**Their partnership in political field**—There was an torical reason for the political partnership of Gandhi Nehru.. Gandhiji's policy of non-violence was suited to conditions of that period and Nehru liked it very much. they worked together in political field. Nehru believed Mahatma Gandhi would be able to achieve his goal thr the policy of Ahimsa. Gandhi was himself the representati the millions of peasants of India. His life was full of co and sacrifice. Indeed, he could bring about the spiritual r lution in the country.

Nehru appreciated the ideas of Gandhiji. So he w under the leadership of Gandhiji.

## पाठ का हिन्दी में सारांश

वर्तमान पाठ में लेखक (लार्ड ब्राकवे) दो नेताओं—गांधी तथा नेहरू के दृष्टि कोण में अन्तर स्पष्ट करते हैं। यह उन कारणों को भी व्याख्या करता है जो कि उनको एक दूसरे से इतना अधिक सम्पर्क में लाए।

गांधी तथा नेहरू इतिहास के दो महान नायक—महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू भारतीय इतिहास में दो महान वीर पुरुष हैं। वे दिसम्बर १९१५ में कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन में एक दूसरे के सम्पर्क में आए। उनका घनिष्ट सम्बन्ध जनवरी १९४८ में महात्मा गांधी को मृत्यु के समय तक जारी रहा। उनके जीवन की कहानी दो महापुरुषों के मिलकर वीरतापूर्वक कार्य करने की लम्बी कहानी है। गांधी संसार की महान विभूतियों में से थे। वह समस्त संसार में प्रसिद्ध थे। नेहरू जी ने सदा ही गांधी जी को सहयोग देने के प्रयास किये। भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के इतिहास में उनके नाम अमर है। जब तक इतिहास पढ़ा जायेगा तब तक उनका स्मरण साथ साथ किया जायेगा।

उनकी विभिन्न विचार धाराएं—फिर भी अनेक प्रकार से गांधी और नेहरू एक दूसरे के विपरीत है—

गांधी रूढ़ि वादी थे। वह सादा जीवन तथा उच्च विचार में विश्वास करते थे। वह नवीन परमाणु-युग मशीनयुग के विरुद्ध थे। वह सादा ही जीवन व्यतीत करते थे।

इसके विपरीत, नेहरू प्रगति वादी रहे हैं। वह मानव की बढ़ती हुई शक्तियों के कारण प्रसन्नता का अनुभव करते थे। उनका विश्वास था कि वैज्ञानिक शक्तियों का प्रयोग मानव कल्याण के लिये किया जा सकता था।

नेहरू पर गांधी जी का प्रभाव—अपने विभिन्न दार्शनिक विचारों के बावजूद भी दोनों नेताओं में अत्यन्त घनिष्ट राजनैतिक मतैक्य था। इसका मुख्य कारण यह था कि दोनों ही भारत की स्वतन्त्रता चाहते थे।

नेहरु जी उस कार्य से अत्यन्त प्रभावित हुए जो कि दक्षिण अफ्रीका भारत-वासियों की स्वतन्त्रता के लिये गांधी जी ने किया था। नेहरु जी गांधी जी के सामाजिक और राजनैतिक विचारों का उत्सुकता पूर्वक अध्ययन कर रहे थे।

उन्होंने देखा कि दक्षिण अफ्रीका में साहसिक कार्य किये जा रहे थे और अत्यन्त सफल सिद्ध हो रहे थे। नेहरु जी ने गांधी जी के विषय में यह सब समाचार पत्रों में पढ़ा था। वह गांधी जी की नीति से अत्यन्त प्रभावित हुए।

सामाजिक उन्नति के विषय में उनकी समान विचार धाराएं—जब नेहरु गांधी जी से प्रथम बार मिले तो वह इस महान व्यक्ति के शानदार व्यक्तित्व की ओर आकर्षित हो गए। गांधी साधु तथा राजनीतिज्ञ दोनों ही थे। अपने सम्पूर्ण जीवन में नेहरु जी महात्मा के अनुयायी बन गए। वह सामाजिक उन्नति विचारों के प्रति महान श्रद्धा रखते थे। गांधी जी ने इस देश के निर्धन किसानों तथा अछूतों की सहायता की। वह एक निर्भय, श्रेष्ठ तथा महान सामाजिक तथा राजनैतिक कार्य कर्ता थे। उनके जीवन का मुख्य उद्देश्य भारत को एक स्वतन्त्र राष्ट्र बनाना था।

नेहरु जी भी सामाजिक उन्नति के विषय में इसी प्रकार की विचारधारा रखते थे। दोनों ही नेता इस देश के श्रमिकों तथा कृषकों की स्थिति को ऊंचा उठाना चाहते थे। वे हिन्दू मुस्लिम एकता तथा मनुष्यों की स्वाभाविक समानता में विश्वास रखते थे। आध्यात्मिक रूप से गांधी और नेहरु अनेक रूप में समान थे।

राजनैतिक क्षेत्र में उनका मेल—गांधी और नेहरु के राजनैतिक सम्बन्ध का एक ऐतिहासिक कारण था। गांधी जी की अहिंसा की नीति उन कार्यों को करने के लिए पूर्ण रूप से ठीक थी। और नेहरु जी ने भी इसे बहुत पसन्द किया। इसलिए उन्होंने राजनैतिक क्षेत्र में मिलकर कार्य किया। नेहरु विश्वास करते थे कि अहिंसा की नीति के द्वारा गांधी जी अपने उद्देश्य को प्राप्त करने में सफल होंगे। गांधी स्वयं भी भारत के लाखों किसानों के अंग थे। उनका जीवन सादा तथा अहिंसा से पूर्ण था। वास्तव में, वह सच्ची आध्यात्मिक क्रान्ति ला सकते थे।

नेहरु जी ने गांधी जी के विचारों की प्रशंसा की। इसलिए उन्होंने गांधी जी के नेतृत्व में कार्य किया।

**Word-Meanings, Hindi Translation & Explanations.**

Key Question 1 Page 49 para 1

Meanings—Association—company साथ, मेल । for over thirty years—Nehru met Gandhiji for the first time at the Lucknow session of the Congress in 1915. He remained in his contact till Gandhi's death in 1948. This was the period of more than thirty years नेहरु जी गांधी जी सर्वप्रथम काँग्रेस के लखनऊ अधिवेशन में १९१५ में मिले और उनका सम्पर्क गांधी जी की मृत्यु के समय १९४८ तक जारी रहा। यह समय तीस वर्ष से भी अधिक था। an epic in human co-operation—a long and heroic story of two men working together दो व्यक्तियों को मिलकर कार्य करने की लम्बी तथा वीरता पूर्ण कहानी, indissolable—inseparable अविभाज्य । struggle—fight लड़ाई । figures—persons व्यक्ति। coupled–joined जोड़ा जाय, tribute—contribution उपहार । stature—great position महान स्थिति ।

हिन्दी अनुवाद—गांधी तथा नेहरु का तीस वर्षों से भी अधिक का सम्पर्क मानव सहयोग की एक लम्बी तथा वीरतापूर्ण कहानी है। भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के लेखों में उनके नाम अलग नहीं किए जा सकते हैं। गांधी सर्वप्रथम आते हैं, क्योंकि वह न केवल अपने समय की वल्कि सभी युगों में संसार की महान विभूतियों में से एक थे। और उनके नाम के साथ किसी दूसरे नाम का जोड़ा जाना नेहरु जी के महानता के लिए पर्याप्त उपहार है। जब तक इतिहास लिखा या पढ़ा जायेगा, तव तक उनको साथ साथ किया जाएगा।

**Exp.**—Gandhi comes first.........together. **(Imp.)**

Page 49 Para 1

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'Gandhi and Nehru', written by Lord Brockway.

**Cont.**—In this lesson the writer has described the political and social philosophies of the two great leaders—Gandhi

उन्होंने देखा कि दक्षिण अफ्रीका में साहसिक कार्य किये जा रहे थे और अत्यन्त सफल सिद्ध हो रहे थे। नेहरु जी ने गांधी जी के विषय में यह सब कुछ समाचार पत्रों में पढ़ा था। वह गांधी जी की नीति से अत्यन्त प्रभावित हुए।

सामाजिक उन्नति के विषय में उनकी समान विचार धाराएं—जब नेहरु गांधी जी से प्रथम बार मिले तो वह इस महान व्यक्ति के शानदार व्यक्तित्व की ओर आकर्षित हो गए। गांधी साधु तथा राजनीतिज्ञ दोनों ही थे। अपने सम्पूर्ण जीवन में नेहरु जी महात्मा के अनुयायी बन गए। वह सामाजिक उन्नति के विचारों के प्रति महान श्रद्धा रखते थे। गांधी जी ने इस देश के निर्धन किसानों तथा अछूतों की सहायता की। वह एक निर्भय, श्रेष्ठ तथा महान सामाजिक तथा राजनैतिक कार्य कर्ता थे। उनके जीवन का मुख्य उद्देश्य भारत को एक स्वतन्त्र राष्ट्र बनाना था।

नेहरु जी भी सामाजिक उन्नति के विषय में इसी प्रकार की विचारधारा रखते थे। दोनों ही नेता इस देश के श्रमिकों तथा कृषकों की स्थिति को ऊंचा उठाना चाहते थे। वे हिन्दू मुस्लिम एकता तथा मनुष्यों की स्वाभाविक समानता में विश्वास रखते थे। आध्यात्मिक रूप से गांधी और नेहरू अनेक रूप में एक समान थे।"

राजनैतिक क्षेत्र में उनका मेल—गांधी और नेहरु के राजनैतिक मतैक्य का एक ऐतिहासिक कारण था। गांधी जी को अहिंसा की निति उस समय की दशाओं के लिए पूर्ण रूप से ठीक थी। और नेहरु जी ने भी इसे बहुत पसन्द किया। इसलिए उन्होंने राजनैतिक क्षेत्र में मिलकर कार्य किया। नेहरु विश्वास करते थे कि अहिंसा की नीति के द्वारा गांधी जी अपने उद्देश्य को प्राप्त करने में सफल होंगे। गांधी स्वयं भी भारत के लाखों किसानों के प्रतिनिधि थे। उनका जीवन साहस तथा बलिदान से पूर्ण था। वास्तव में, वह भारत में आध्यात्मिक क्रान्ति ला सकते थे।

नेहरु जी ने गांधी जी के विचारों की प्रशंसा की। इसलिए उन्होंने गांधी जी के नेतृत्व में कार्य किया।

## Word-Meanings, Hindi Translation & Explanations.

### Key Question 1 Page 49 para 1

Meanings—Association—company साथ, मेल । for over thirty years—Nehru met Gandhiji for the first time at the Lucknow session of the Congress in 1915. He remained in his contact till Gandhi's death in 1948. This was the period of more than thirty years नेहरु जी गांधी जी सर्वप्रथम कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन में १९१५ में मिले और उनका सम्पर्क गांधी जी की मृत्यु के समय १९४८ तक जारी रहा। यह समय तीस वर्ष से भी अधिक था। an epic in human co-operation—a long and heroic story of two men working together दो व्यक्तियों को मिलकर कार्य करने की लम्बी तथा वीरता पूर्ण कहानी, indissolable—inseparable अविभाज्य । struggle—fight लड़ाई । figures—persons व्यक्ति। coupled–joined जोड़ा जाय, tribute—contribution उपहार । stature—great position महान स्थिति ।

हिन्दी अनुवाद—गांधी तथा नेहरु का तीस वर्षों से भी अधिक का सम्पर्क मानव सहयोग की एक लम्बी तथा वीरतापूर्ण कहानी है। भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के लेखों में उनके नाम अलग नहीं किए जा सकते हैं। गांधी सर्वप्रथम आते हैं, क्योंकि वह न केवल अपने समय की बल्कि सभी युगों में संसार की महान विभूतियों में से एक थे। और उनके नाम के साथ किसी दूसरे नाम का जोड़ा जाना नेहरु जी के महानता के लिए पर्याप्त उपहार है। जब तक इतिहास लिखा या पढ़ा जायेगा, तब तक उनको साथ साथ किया जाएगा।

**Exp.**—Gandhi comes first.........together. **(Imp.)**
Page 49 Para 1

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'Gandhi and Nehru', written by Lord Brockway.

**Cont.**—In this lesson the writer has described the political and social philosophies of the two great leaders—Gandhi

and Nehru. They are immortal heroes of the struggle for India's freedom.

**Exp.**—The names of Gandhi and Nehru cannot be separated in the record of India's struggle for freedom. They worked in close co-operation. The name of Gandhi appears first because he was a great soul. He was one of the greatest world figures of all times. Gandhi was not famous only in his life time but he belonged to all ages. Nehru's name is associated with him and it is quite right to do so. He also comes in line with the great men. The names of Gandhi and Nehru have become immortal in world history. We can never forget them. They will always be remembered together in history.

संदर्भ—ये पंक्तियां Gandhi & Nehru नामक पाठ से ली गई हैं इस पाठ के लेखक Lord Brockway हैं।

प्रसंग—इस पाठ में लेखक ने दो महान नेताओं गांधी तथा नेहरू की राजनैतिक तथा सामाजिक विचारधाराओं का वर्णन किया है। वे भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के अमर वीर पुरुष हैं।

व्याख्या—गांधी और नेहरू के नाम भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के लेखों से अलग नहीं किए जा सकते हैं। उन्होंने पूर्ण सहयोग से कार्य किया। गांधी का नाम पहले आता है क्योंकि वह एक महान आत्मा थे। वह सभी युगों का संसार की महानतम विभूतियों में से एक थे। गांधी जी अपने जीवन काल में ही प्रसिद्ध नहीं थे परन्तु वह सभी युगों से सम्बन्धित थे। नेहरू का नाम उनके साथ लिया जाता है और ऐसा करना बिल्कुल उचित है वह भी महापुरुषों की श्रेणी में आते हैं। गांधी और नेहरू के नाम संसार के इतिहास में अमर हो गए हैं हम उन्हें कभी नहीं भूल सकते हैं। इतिहास में उन्हें सदा साथ साथ याद किया जायेगा।

## Key Question 2 Page 49 Para 2

Meanings—Opposites—of different kinds विपरीत। progressive—improving प्रगतिशील। events—घटनाएं। recognition—acceptance स्वीकृति। conservative—preservative परिवर्तन का विरोधी, रुढ़िवादी। impact—influence प्रभाव। industrial revolution—the revolution that brought

about change in social and economic organisation. It replaced hand tools by machine and power tools ref. to the revolution in England in 18th century क्रान्ति जिसने कि आर्थिक तथा सामाजिक व्यवस्था में परिवर्तन उत्पन्न कर दिया। इस ने हाथ के औजारों को मशीन या शक्ति से चालित औजारों के प्रयोग में परिवर्तित कर दिया—सन्दर्भ १८ वीं सदी की इंगलैण्ड की औद्योगिक क्रान्ति का है। the machine age—the civilization of today in which machines play a very important part वर्तमान सभ्यता जिसमें मशीनों का अत्यन्त महत्व है। the new atomic age—the period (after 1942) marked by the use of atomic energy अणु योग। domestic crafts—cottage industries घरेलू उद्योग धन्धे।

हिन्दी अनुवाद—फिर भी गाँधी और बहुत सी बातों में एक दूसरे से भिन्न हैं—

यद्यपि उसने (गाधी जी ने) सब चीजों से अधिक इतिहास की एक अत्यन्त प्रगतिशील घटना-ब्रिटेन के द्वारा भारत के स्वतन्त्रता के अधिकार की स्वीकृति-को प्रभावित किया। गांधी अच्छे अर्थों में रुढ़िवादी थे। पिछली शताब्दी के दौरान में विज्ञान द्वारा जीवन पर डाले जाने वाले प्रभाव, औद्योगिक क्रांति, मशीन युग तथा अणु युग से गांधी को घृणा थी। गांव का साधारण तथा इस के घरेलू उद्योग धन्धे ही उनके लिये आदर्श था।

### Page 50 Para 1

Meanings—Essentiailly—मूल रूप से। a progressive—a person who favours swift social and political reforms प्रगतिशील। he...history—Nehru does not oppose natural historical developments नेहरू जी स्वाभाविक ऐतिहासिक विकास का विरोध नहीं करते हैं। applied—used प्रयुक्त की गई है। rejoices–takes delight आनन्द लेते हैं। expanding powers of man–the way in which science has empowered

man to control nature. वह तरीका जिसके द्वारा विज्ञान ने मानव को प्रकृति पर नियन्त्रण रखने की शक्ति प्रदान की है। emancipation—freedom मुक्ति। human race—मानव जाति। task—कार्य। aiding—help सहायता। process—system प्रक्रिया।

हिन्दी अनुवाद—इसके विपरीत नेहरु जी मूल रूप से सदा ही प्रगतिशील रहे हैं। वह ऐतिहासिक विकासों का विरोध नहीं करते हैं। वह उस तरीके से घृणा करते हैं जिस रूप में विज्ञान का प्रयोग किया गया है परन्तु वह मनुष्य की निरन्तर बढ़ती हुई शक्तियों को देखकर प्रसन्न होते हैं। वह विश्वास करते हैं कि उन्हें (विज्ञान द्वारा प्रदत्त शक्तियों को) मानव जाति की मुक्ति के लिए प्रयोग किया जा सकता है और वह देखते हैं कि उनका कार्य इस प्रक्रिया (मानव जाति की मुक्ति के कार्य) उनकी सहायता करेगा।

**Exp.**—He does not............this process. **(Most Imp.)**

**Ref.**–These lines have been taken from the lesson 'Gandhi and Nehru' written by Lord Brockway.

**Cont.**—Gandhi and Nehru were the great heroes of struggle for India's freedom. Although they worked together yet they were opposites to each other in many ways. Gandhi was a conservative while Nehru was a progressive.

**Exp.**—Pt. Jawahar Lal Nehru was essentially a progressive in views. He does not oppose natural historical developments, but welcomes these changes in the normal course of events. He likes to have social, political and economic changes in society. Nehru ji does not like the way in which we use powers of science. These days we do n't make the proper use of our scientific knowledge. Had we used it for human-welfare we would have been very happy in the world. But Nehru takes delight in the thoughts of modern man. Scientific powers would make mankind free from hard work. Nehru ji himself feels that he should help mankind in its welfare.

The writer explains the views of Pt. Nehru who has been a progressive. He believed in the great powers of man. He hated the wrong use of scientific knowledge. He himself wanted to make mankind free from the dradgery of life.

व्याख्या—पं० जवाहर लाल नेहरु स्वाभाविक रूप से प्रगतिशील विचार धारा रखते थे। वह इतिहास में घटित होने वाले स्वाभाविक परिवर्तनों का विरोध नहीं करते थे परन्तु घटनाओं के साधारण क्रम के रूप में ही इन परिवर्तनों का स्वागत करते थे। वह समाज में राजनैतिक सामाजिक तथा आर्थिक परिवर्तन चाहते थे। नेहरु जी उस तरीके को पसन्द नहीं करते हैं जिस प्रकार की हम अपनी वैज्ञानिक शक्ति का ठीक प्रकार से प्रयोग नहीं करते हैं। यदि हम मानव कल्याण के लिए इसका प्रयोग करते तो हम संसार में अत्यन्त प्रसन्न हो जाते। परन्तु नेहरू जी आधुनिक व्यक्ति के विचारों में आनन्द का अनुभव करते हैं। विज्ञान की शक्ति मानव को कठिन परिश्रम से मुक्त कर सकेगी। नेहरू जी स्वयं अनुभव करते हैं कि उन्हें कल्याण के कार्य में मानवता की मदद करनी चाहिए।

लेखक पं० नेहरू के दृष्टिकोण की व्याख्या करते हैं जो कि प्रगतिवादी रहे हैं। वह मानव की महान शक्तियों में विश्वास करते थे परन्तु वैज्ञानिक ज्ञान के गल्त प्रयोग से घृणा करते थे। वह तो स्वयं भी मानव की नीरसता को मुक्त करना चाहते थे।

(Key Question 3) Page 50–51. para 2–3

Meanings—Come about—happen घटित होना। fundamentally—basically मूल रूप से। social philosophies—ideas and attitude towards society and social change समाज तथा सामाजिक परिवर्तन के प्रति विचार तथा व्यवहार दर्शन। wedded–united सम्मिलित हुए। political partnership–association in politics राजनीति में मेल। contact—सम्पर्क। of course–undoubtedly निःसन्देह। cause—work कार्य। growing towards manhood–when he became young जब वह युवा हुआ। excitement—enthusiasm उत्साह। admiration—praise प्रशंसा। defiance—disregard अवहेलना। racial—जाति सम्बन्धी। discrimination—difference अन्तर। leadership–नेतृत्व। Natal–a province of the union of South Africa,

on the India ocean नेटाल प्रान्त-साऊथ अफ्रीका में है। Transv -ट्रांसवाल भी एक प्रान्त है। asserting-declaring घोषित कर रहे merely--simply साधारणतया: । resolution—propos प्रस्ताव। dynamic action-forceful work शक्तिशाली कार्य। army of them-a large number of them उनकी एक संख्या। frontier—boundary सीमा। passes—a free tick आज्ञा पत्र। demanded—required मांगते थे। 'Coloured' persons—काले लोग। miners—labours, working in min खानों में काम करने वाले मजदूर। goals-jails जेल। pause—st रुकना। to examine—to test जांच करना। basic belief- विश्वास। formative stage—in the process of mak निर्माण की प्रक्रिया। issue—result परिणाम। resistence-opp sition—विरोध। violent--based on violence हिंसात्म non-violent-अहिंसात्मक। challenging—full of cour साहसिक। deeds—work कार्य। performed—done किये थे। effective—having effect प्रभावशाली। Hero—a br man वीर पुरुष।

हिन्दी अनुवाद—तब यह किस प्रकार घटित हुआ कि ये दो महा जिनके सामाजिक विचारों में मूल रूप में विभिन्नता थी, ऐसे घनिष्ट राज सम्बन्धों में मिल गए।

निःसन्देह उनका सम्पर्क भारत की स्वतंत्रता के कार्य के प्रति उन दो समान भक्ति के कारण आरम्भ हुआ था। युवा पुरुष होने पर नेहरू दक्षिण अफ्रीका में जातीय भेद भाव की अवहेलना के गाँधी जी के कार्यों उत्साह तथा प्रशंसा से पढ़ा। गांधी जी के नेतृत्व में नेटाल तथा ट्रान्सव रहने वाले भारतीय केवल प्रस्तावों तथा भाषणों से ही मानवीय समानता घोषणा नहीं कर रहे थे वल्कि शक्तिशाली कार्यों द्वारा यह घोषणा कर रहे केवल काले लोगों से मांगे जाने वाले आज्ञा पत्रों के बिना ही उनकी (भा की) एक विशाल संख्या सीमा को पार करके एक प्रांत से दूसरे प्रांत

(उन दिनों केवल भारतीयों से ही दक्षिण अफ्रीका में एक प्रांत से दूसरे प्रांत में जाने के लिए आज्ञा पत्र-पास मांगे जाते थे।) खानों में कार्य करने वाले हजारों मजदूरों ने कार्य करना वन्द कर दिया और वन्दी वनाये गये भारतीयों ने जेलो को भर दिया। उन दिनों में नेहरू जी गाँधी जी के सामाजिक दर्शन की जांच किए विना नहीं रह सके—वास्तव में महात्मा के मूल भूत विश्वास उस समय निर्माण की अवस्था में थे। वह इस वात से चिन्तित नहीं थे कि विरोध हिंसात्मक हो अथवा अहिंसात्मक। उन्होंने केवल यह अनुभव किया कि अफ्रीका में चुनौती देने वाले तथा साहसिक कार्य किए जा रहे थे और वे सफल सिद्ध हो रहे थे। उनके लिए (नेहरू के) तो गांधी जी एक महापुरुष हो गए थे।

**Exp.**—Nehru in those............hero to him. **(Imp)**

**Ref.**–These lines have been taken from the lesson, 'Gandhi and Nehru', written by Lord Brockway.

**Cont.**—Pt. Nehru was deeply influenced by the courageous work of Gandhiji that he did in South Africa for the freedom of Indian settlers under the leadership of Gandhiji, they demanded complete freedom.

**Exp.**—Nehru had been keenly watching Gandhiji's activities in South Africa. It was a period when Gandhi came before the people with his wonderful social philosophy. His basic beliefs were in a formative stage at that time. At such times, Nehru did not care to think whether Gandhi's fight with the Britishers was based on non-violence or not. He observed only that great and courageous deeds were being done by the Mahatma in South Africa. He also realized that Gandhi was quite successful in his policy. So Nehru began to worship Gandhiji like a hero. He was very much influenced by the saintly like of Gandhiji.

व्याख्या—नेहरू जी दक्षिण अफ्रीका में किए गए गांधी जी के कार्यो की उत्सुकता पूर्वक जांच करते रहे। यह वह समय था जबकि गांधीं जी अपनी अद्भुत सामाजिक विचारधारा को लेकर जनता के सन्मुख अवतरित हुये। उस समय उनके आधार भूत विश्वास अपने निर्माण काल में ही थे। ऐसे समय पर नेहरू जी ने यह विचार करने की चिन्ता नहीं की, क्या अंग्रेज के विरुरू गांधी

जी की लड़ाई अहिंसा पर आधारित थी या नहीं । उन्होंने तो केवल यह देखा कि दक्षिण अफ्रीका में महात्मा जी के द्वारा महान तथा साहसिक कार्य किए जा रहे थे । उन्होंने यह भी अनुभव किया कि गांधी जी अपनी नितियों में बिल्कुल सफल थे । इसलिए नेहरू जी एक वीर पुरुष के रूप में गांधी की पूजा करने लगे । वह गांधी जी के महात्माओं जैसे जीवन से बहुत अधिक प्रभावित हुए।

Key Question 4 Page 51 Para 2

Meanings—He fell under the charm—he was attracted वह प्रभावित हो गए । magnetism—attracted आकर्षण । sublime—grand शानदार । personality—व्यक्तित्व । saint—a holy man महात्मा । devotion—devotedness भक्ति । unique—matchless अद्वितीय । bound—बांध दिया । despite—inspite of बावजूद । out look—point of view दृष्टि कोण । utter—complete पूर्ण । selflessness—निस्वार्थता । entire—complete पूर्ण । his complete identification—is considering himself as being the same अपने आपको पूर्ण वैसा ही समझना । peasant—farmer किसान । scorned—hated घृणित । reverence—respect सम्मान । of less account—less importance कम महत्व पूर्ण । emancipation—liberation मुक्ति । to fast unto death—मृत्यु के समय तक उपवास करना ।

हिन्दी अनुवाद—जब नेहरू जी अपने वीर पुरुष (गांधी) से मिले तो उस व्यक्ति के शानदार व्यक्तित्व के जादू और आकर्षण वशीभूत हो गए (उनसे प्रभावित हुए) गांधी तो महात्मा और राजनितिज्ञ दोनों ही थे । गांधी के अद्भुत चरित्र के प्रति नेहरू जी की यह व्यक्तिगत भक्ति ही थी । जिसने किसी भी अन्य वस्तु की अपेक्षा उनको उनके सम्पूर्ण जीवन में गांधी से बांधे रक्खा, यद्यपि उनके सामाजिक दृष्टिकोण में अन्तर था । गान्धी की निःस्वार्थता, उनकी पूर्ण निर्भयता, निर्धनतम, कृषकों तथा घृणित अछूतों के जीवन के साथ मेल, उनके जीवन की सरलता, दयालुता तथा सुन्दरता,

ने नेहरू के सम्मान को जीत लिया इसलिए उनके सम्बन्ध में व्यक्तित्व की अपेक्षा दर्शन (विचार धारायें) कम महत्व पूर्ण हो गया था । गान्धी के सामाजिक विचारों का क्या महत्व रह जाता था, जबकि गान्धी तो भारत की स्वतंत्रता के लियें अपनी मृत्यु के समय तक उपवास करने को तैयार रहते थे । (अर्थात गान्धी जी के इस प्रकार के विचारों से परिचित होकर व्यक्ति के लिए उनकी सामाजिक विचारधारा को ज्ञात करना आवश्यक नहीं रह जाता) ।

## Page 51–52 Para 3

Meanings—Sense—view विचार । human values—qualities that were useful or desirable for mankind वे गुण जो मानव के लिए लाभदायक थे मानवीय मूल्य । intellectual—mental मानसिक । gave........expression—put forward his ideas in a different manner अपने विचारों को विभिन्न रूप में प्रस्तुत किया । cruel—निर्दयी । privations—lack of comforts आराम की कमी । passion—zeal उत्साह । achievement—प्राप्ति । mission—जीवन संदेश । humiliated—insulted अपमानित । alien—विदेशी foreign । exploited by economic privilege—made unfair use of by the wealthy and those who enjoyed economic advantage धनिक तथा आर्थिक लाभों का उपभोग करने वाले व्यक्तयों के द्वारा गलत प्रयोग करते थे । race—caste जाति । supreme—highest सर्वोच्च । motive—aim उद्देश्य । spiritually—आध्यात्मिक रूप से । essential—अनिवार्य । conception—thoughts विचार । social advance—सामाजिक उन्नति ।

हिन्दी अनुवाद—नेहरू जी ने यह भी पाया कि मानवीय मूल्यों के प्रति गान्धी जी की विचारधारा वैसी ही थी जैसा कि उनकी स्वयम् की थी यद्यपि गान्धी जी ने अपनें विचारों को विभिन्न रूप में प्रस्तुत किया था । किसानों के प्रति गान्धी जी की भक्ति थी जो कि नेहरू को भी प्रथम भक्ति बन गई थी जब

कि नेहरू ने स्वयम् उन कष्ट पूर्ण अभावों को देखा था जिनमें कृषक रहते थे। हिन्दू-मुस्लिम एकता के लिए गान्धी जी की उत्कण्ठ भावना, जिसकी प्राप्ति समान रूप से नेहरू के जीवन का संदेश हो गई जबकि उन्होंने देखा कि दोनों ही (हिन्दू तथा मुसलमान) किस प्रकार से विदेशियों द्वारा अपमानित किए जाते थे तथा आर्थिक लाभों का उपभोग करने वालों द्वारा शोषित किए जाते थे। सभी व्यक्तियों के लिए, चाहे किसी भी जाति के हों गान्धी जी का स्वाभाविक समानता के लिए दावा भी किसी भी रूप में नेहरू का कम सर्वोच्च उद्देश्य नहीं था। आध्यात्मिक रूप से गान्धी और नेहरू इन मूल भूत सिद्धान्तों में एक थे चाहे सामाजिक उन्नति के मार्ग में उनके विचार कितने भी भिन्न क्यों न रहे हों।

**Exp.**—Spiritually............social advance. Page 52 Para I

**Ref.**–These linee have been taken from the lesson, 'Gandhi and Nehru' written by Lord Brockway.

**Cont**.–The leaders, Gandhi and Nehru had different social philosophies but they worked together for the freedom of the country. They were equally interested in human welfare. Both the leaders were helpful to the common people of the country.

**Exp.**—Gandhi and Nehru had similar views and principles about the common people of their country. They believed in Hindu-Muslim unity and the natural equality of human beings. Inspite of their different ideas about the ways of social progress, they were spiritually united in many ways. They had the same basic principles about India's freedom. We see this unity only because of their common devotion to the cause of India's freedom. As regards their basic principles are concerned there was no great difference between the thoughts of Gandhi followed by Nehru ji. They were very dear to Nehru ji also. Hence, spiritually they are united in the great ideal of human welfare.

व्याख्या—गांधी और नेहरू इस देश की साधारण जनता के प्रति एक दृष्टि कोण तथा विचार रखते थे। वे हिन्दू-मुस्लिम एकता तथा मानव की स्वाभाविक समानता में विश्वास करते थे। सामाजिक उन्नति के रीकों के विषय में अपनी विभिन्न विचारधाराओं के बावजूद भी वे बहुत प्रकार से आध्यात्मिक रूप में बन्धे हुए थे। भारत की स्वतंत्रता के विषय में वे एक समान मूल

सिद्धान्त रखते थे। भारतीय स्वतंत्रता के कार्य के लिए समान रूप से उनकी भक्ति के कारण ही हमें उनमें एकता दिखाई देती है। जहां तक उनके मूल भूत सिद्धान्तों का सम्बन्ध है, तो गाँधी तथा नेहरू के विचारों में कोई महान अन्तर नहीं था। गांधी जी के समस्त आदर्शों का अनुकरण नेहरू जी ने किया था। वे नेहरू जी को अत्यन्त प्रिय थे। आध्यात्मिक रूप से मानव कल्याण के महान आदर्श में वे दोनों ही बन्धे हुए हैं अर्थात एक है।

## Key Question 5 Page 52 Para 3

Meanings—In addition to—apart from it इसके अतिरिक्त। these personal approximations—these ways in which Gandhiji and Nehruji were personally close to each other in their mission and aim वे तरीके जिनमें गांधी और नेहरु अपने उद्देश्य तथा संदेशों में एक दूसरे के घनिष्ट सम्पर्क में थे। was suited to—was fit for उपयुक्त थी। stage—position स्थिति। struggle—war लड़ाई। entirely—completely पूरी तरह से। non-violence—ahimsa अहिंसा। subjective approach–manner of thinking affected personal feelings व्यक्तिगत विचारों से प्रभावित तरीके। the mind and spirit—विचार तथा भावनायें। saintly—holy-pure पवित्र। courage—साहस। voluntary—willingly स्वेच्छा पूर्वक। abandonment—त्याग। material—worldly भौतिक वादी। possessions—property सम्पत्ति। in tune with—accordingly अनुकूल। spiritual revolution—great and sudden change in the moral and ethical out look of the people लोगों के नैतिक तथा धार्मिक दृष्टिकोण में महान तथा अचानक परिवर्तन। precede—पहले होने वाली। appreciated—praised प्रशंसा करता था। loyally–faithfully the man destined by history—Gandhiji गांधी जी के लिये प्रयुक्त हुआ। to lift......knees—to raise India to a higher

level भारत की स्थिति को ऊंचा करना। spirit-moral नैतिक आधार। erect—straight सीधा। conscious equal of all—aware of its own dignity as the equal of all the great nations on earth दुनिया के सभी महान राष्ट्रों के बराबर स्वयं होने के वैभव का ज्ञान होना।

हिन्दी अनुवाद—परन्तु इन व्यक्तिगत निकटताओं के अतिरिक्त गांधी और नेहरु की राजनैनिक साझेदारी का एक ऐतिहासिक कारण भी था। गांधी की विचारधारा संघर्ष की उस दशा के लिये ठीक थी जिसको कि भारत पहुंच गया था और नेहरु जी इस बात को समझते थे। चाहे नेहरु जी गांधी के अहिंसा के सिद्धान्त को पूर्ण स्वीकार न करते परन्तु वह जानते थे कि भारत में कोई अन्य नीति सफल नहीं हो सकती थी। गांधी जी राजनैतिक समस्याओं के प्रति व्यक्तिगत विच रों की विधि (अर्थात राजनैतिक समस्याओं को सुलझाने का गांधी जी के व्यक्तिगत्त विचार, से नेहरु के चाहे कितने ही भिन्न विचार रहे हो, परन्तु वह जानते थे कि महात्मा जी इस विधि में भारत के लाखों किसानों के हृदय तथा मस्तिष्क की भावनाओं को व्यक्त कर रहे थे। गाँधी का पवित्र जीवन उनके जीवन तथा विचारों के ढंग उनके स्वयं के साहस और बलिदान के उदाहरण उनकी समस्त साँसारिक सम्पत्ति का स्वेच्छा पूर्वक त्याग उनके की सत्यता ये सब चीजें भारतीय आत्मा के अनुकूल थी और केवल गांधी ही आध्यात्मिक क्रान्ति को उत्पन्न कर सकते थे, जिसको भारत की राजनैतिक क्रान्ति से पहले होना ही चाहिए था। नेहरु जी ने इसकी प्रशंसा की तथा स्वयं को इतिहास द्वारा पूर्व निर्दिष्ट मानव (अर्थात गांधी जी) की सेवा में अर्पित कर दिया, जिसने भारत की स्थिति को ऊंचा करने तथा संसार के सभी राष्ट्रों के मध्य उसकी समान स्थिति का ज्ञान कराने तथा नैतिक आधार में उसका मस्तक ऊंचा करके खड़ा होने का सन्देश दिया।

**Exp.**—And only Gandhi......equal of all. (V. Imp. Page)

**Ref.**—These are the concluding lines of the lesson, 'Gandhi and Nehru', written by Lord Brockway.

**Cont.**—Gandhi and Nehru were two immortal heroes in the history of India's struggle for freedom. Inspite of their different social out looks, they were politically united in one thread. The mission of their lives was one and the same.

**Exp.**—Gandhiji, all through his life, had been a great friend of the poor and the peasants of this country. His was the saintly life full of courage and sacrifice. The writer thinks that only a man like Gandhi could bring about the spiritual revolution in the counrty. Gandhiji had brought about a revolution in our spiritual and political field. This sort of spiritual awakening was necessary in India.

Nehru was a great admirer of the policies of Gandhiji. His love for Gandhi was so great and deep that he became a life-long follower of the Mahatma. Gandhiji was famous through out the world. He was born to make us free. The mission of his life was to raise India to a higher level. He wanted to make us aware of our own dignity as we are the equal of all the great nations on earth. Nehru devoted himself to the service of such a great man.

व्याख्या—गांधी जी अपने समस्त जीवन में इस देश के निर्धनों तथा कृषकों के महान मित्र रहे हैं। उनका पवित्र जीवन साहस तथा बलिदान से पूर्ण था। लेखक सोचते हैं कि गांधी के समान व्यक्तित्व वाला मनुष्य इस देश में आध्यात्मिक क्रान्ति को ला सकता था। गांधी ने हमारे राजनैतिक तथा आध्यात्मिक जीवन में क्रान्ति उत्पन्न कर दी थी। इस प्रकार का आध्यात्मिक जागरण भारतवर्ष में आवश्यक था।

नेहरु जी गांधी को नितियों के महान प्रशंसक थे। गाँधी के लिए उनका प्रेम इतना गहरा तथा महान था कि वह महात्मा जी के आजीवन शिष्य बन गए। गांधी जी समस्त संसार में प्रसिद्ध थे। उनका जन्म हमें स्वतन्त्र बनाने के लिए हुआ था। उसके जीवन का उद्देश्य भारत की स्थिति को ऊंचा उठाना था। वह हमको अपने स्वयं के वैभव से परिचित कराना चाहते थे कि हम भी संसार के सभी महान राष्ट्रों के समान हैं। नेहरु ने स्वयं को ऐसे महापुरुष की सेवा में अर्पित कर दिया था।

## Questions & Answers

**Key Q. 1**—Why will Gandhi and Nehru always be remembered together ?

गांधी तथा नेहरु को सदा ही साथ-साथ याद क्यों किया जाएगा ?

**Ans.**—The names of Gandhi and Nehru are indisoluble in the record of India's struggle for freedom. They are the great heroes in the history of India. The name of Gandhi comes first because he was one of the world's great personalities. He belonged to all times. He became known to the world for his wonderful social philosophies and the policy of non violence. We, in India, have no other names except Gandhi and Nehru Who worked in close political partnership for a period of more than thirty years.

Nehru was a life-long follower and friend of the Mahatma. His name is always associated with Gandhi because he, too fought and suffered for the freedom of India. So long as history is written and read Gandhi and Nehru will be remembered together.

**Key question 2**—In what way were Gandhi and Nehru opposites ?

गांधी तथा नेहरु किस प्रकार से एक दूसरे से भिन्न थे ?

**Ans.**—We already know that the names of Gandhi and Nehru are closely associated with the history of India's struggle for freedom. The two leaders worked frontly for a period of more than thirty years. Yet, in many ways Gandhi and Nehru were opposites.

**Gandhi was a conservative**—Gandhi, in the real meaning of the world, was a conservative. Though he influenced one of the most progressive events in history—the freedom of India, yet he was essentially conservative in out look. Gandhi was against the all round impact of science on life. He hated the industrial revolution, the machine age and the new atomic age. He believed in simple living and high thinking. He took delight in the simple life of the village and its cottage industries.

**Nehru was a progressive**—Nehru, on the other hand, has always been essentially a progressive. He does not oppose any change that history brings about in the world. He

comes them. But he hates the way in which we use the powers of science. He believed that scientific powers could be utilized for human welfare. Nehru delighted in the increasing powers of man. He himself wanted to make us free from the drudgery of life.

This was the basic difference between the out looks of the two leaders-Gandhi and Nehru.

**Key question-3**—How did Gandhi become a hero to Nehru ?

गांधी जी नेहरु जी के लिए एक वीर पुरुष (नायक) कैसे हो गए थे ?

**Answer**—Inspite of some basic difference between their social philosophies, they worked together for a pretty long time. Gandhi became a hero to Nehru. They were wedded in a close political partnership.

**Their common devotion to freedom**—Gandhi and Nehru came in contact on account of their common views about the freedom of the country. Both the leaders had one and the same mission of their lives i. e. India's freedom from foreign rule. They succeeded in their attempts and became well known all over the world.

**Nehru's views for Gandhiji**—Nehru ji had been keenly watching the political activities of Gandhiji in South Africa. He read their account with great excitement and admiration. He observed how the influence of Gandhiji was ever increasing in South Africa. Under his leadership, the Indians of Natal and Transwal were asking for human equality. They were doing great and challenging deeds in South Africa. Hundreds of Indian labourers stopped their work and they took an active part in all the movements launched by Gandhiji in South Africa.

Nehru was highly impressed by these noble deeds of Gandhiji. He also saw that Gandhi was quite successful in his work. So he began to worship Gandhiji. Thus Gandhi became a hero to him.

**Key question 4**—What was the difference between the views held by Gandhi and Nehru on social progress ? What were the ideals which united them ?

गांधी और नेहरु के सामाजिक उन्नति के विचारों में क्या अन्तर था ; कौन से आदर्श थे जिनमें दोनों एक थे ।

**Answer**—Please see the summary of the lesson for answer of this question under the sub-heading—"Their views on social progress".

**Key question 5**—What were the historical reasons for the political partnership of Gandhi and Nehru ?

गाँधी तथा नेहरु की राजनैतिक साझेदारी के कौन कौन से ऐतिहासिक कारण थे ?

**Answer**—Gandhi and Nehru remained in close contact and worked together for a long time. Nehru was charmed by the grand personality of the Mahatma. Besides the personal qualities of their characters, there were certain political reasons that brought the two leaders to work together.

The policy of Gandhiji was that of non-violence and truth. He revolutionised the whole political field of India. His policy was best suited to the conditions of India. Nehru also believed in this policy. So they came in contact with each other.

Gandhi was able to bring about the spiritual revolution in the country. His was the life full of courage and sacrifice. He had no possessions in the world. His saintly life is an example of great sacrifice. India needed such a man. Nehru understood the policy of Gandhi and appreciated them. He himself devoted to those cause for Gandhiji stood all through his life.

These were the historical reasons for the political partnership of these two leaders. They are the immortal in Indian history.

—o—
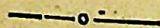
# 8. In A Train

## (रेल गाड़ी में)

**y-J. L. Nehru**

**Introduction to the author—**

Pt. Jawahar Lal Nehru, first prime minister of India, was a man of great understanding. Born in a rich family, he preferred the path of suffering for the freedom of the country. He became a life-long friend and follower of Mahatma Gandhi. Nehru was one of architects of India's freedom, and one of the few great statesmen of the world.

Apart from his political interest, Nehru was a gifted writer with the sensibility of a poet. His writings reveal his versatile genius. He had a fine power of observing the things broadly and comprehensively. He wrote all his great books in jails. 'Letters from a Father to His Daughter,' An Autobiography, Glimpses of World History, and Discovery of India—are some of the well-known books written by Nehru.

Nehru breathed his last on May 27, 1964.

**Introduction to the lesson—**

This is a beautiful essay written by Pt. Nehru. It shows us the poetic style of the writer. It was written in a moving train. Nehru wrote it, while he was travelling from Lahore to Karachi in 1938. Here Nehruji tells us about his habit of writing in moving trains. Later on he began to read in trains and gave up the early habit of writing while he was on a journey.

In this essay Nehruji reflects his response to the 'Call that comes from the stars'. He is also concerned with a more humane and just social order.

### Main points of the lesson

1 Nehru's life was full of various political activities. Yet he tried to find a little time at night to read some books. He used to read in railway trains also.

2 Previously, Nehru used to write also in trains. But he ... up this habit. Now he carries a box full of books with ... on his journey.

3 Nehru took a long journey from Delhi to Karachi. He ... in an intermediate class compartment. The Next day ... reaching Lahore, he changed to a second class compart... because it was very hot there.

4 He had many books with him. Among them there was ... about Edward Wilson who was a great lover of all li... beings.

5 Passing through the sandy desert of Sind, Nehru read ab... the great deeds of Wilson, who fought gallantly against ... misfortunes. He was very much impressed by it.

6 Wilson's whole life was a great challenge to misfortu... He went to the South Pole with Scott and two more co... panions.

7 Life is full of adventures. The Poles have been conque... The high mountains and vast deserts have been conque... Adventure is always there for the adventurous.

8 Inspired by these great deeds, Nehruji hears the clear c... from the stars. He does not want to see the people of h... suffering from slavery.

9 Nehruji hopes to reach his goal of independence one ... He inspires us to have a change in our social and poli... field.

10 We will get success over dark ness as the train rushes ... goal and quickly passes through this great desert.

## Summary of the lesson in English

Pt. Jawahar Lal Nehru's life was busy with various p... tical activities. During the whole day he did not get time ... read books, so he found time to read at nights.

**Reading in Trains**—Nehruji did not get enough t... to read at nights. So most of his reading took place in t... way trains. He often travelled from one corner of the cou... to the other. Though he travelled either in third class or in...

intermediate class compartment, yet he found facility of reading in train. It is almost difficult to read in a crowded compartment but Nehrn ji could do it because the fellow-travellers remained very friendly to him. Moreover, the railway officials also gave him facility in his journeys.

**The habit of writing in Trains**—About twelve years ago. Nehru ji used to write letters, articles in moving trains. But he had given up the habit of writing much in a train because his body had become less flexible now. He could not adjust himself due to the shaking and jolting of a moving train. So he carried with him a box full of books, while he journeyed by train.

**Train Journey from Lahore to Karachi**—Pandit ji took a long journey from Delhi to Karachi. He started from Delhi in an intermediate class compartment. The Next day, the train reached Lahore. It was terrible heat and dust there. The train had to pass through the hot and sandy desert of Sind. So Nehru ji decided to change his compartment. He went into a second class compartment. The train passed through the desert of Sind. Any how he did not feel comfortable even in this compartment, the clouds of dust came into it. He thought of the third class compartment and took a sigh of relief.

**The book about Wilson had a great appeal for Jawaharlal**—On his way from Lahore to Karachi Nehru ji was busy in reading a book about Edward Wilson who was an English explorer. He went to the South Pole with Scott in 1910. He perished with his companions on the return journey from the South Pole in January, 1912. Edward Wilson was also a great lover of birds and animals. This book was presented to Nehru by A. G. Fraser, who had been the principal of Achimota College in west Africa. Nehru liked the book very much because it described of Wilson's brave deeds in the Antarctic region.

**Life is full of challenge and Adventure**—Edward Wilson fought against the force of Nature in the Antarctic regions. He was full of courage and sacrifice. He remained loyal to his comrades through out his long and terrible journey. He had been fighting against all misfortunes.

Nehru ji was impressed by the brave deeds of this explorer, who had sacrificed his life in the Antarctic regions. His life

shows his extra-ordinary courage. Human life is full of da
We hear the call from the stars to do great and good thing
life. Most of us are deaf to that call but they who hea
ennoble the whole human race. Our life is full of challeng
Adventure. Noble men think of life.

"I count life just a stuff

To try the soul's strength on......".

Such a brave man was Edward Wilson who lay down
life in the snowy regions of the Southern Pole.

**Man's conquests in the world**—Man is busy in con
ering the forces of Nature. The Poles have been conque
We have surveyed the long deserts and climbed the peaks
high mountains. Nehru ji hoped that the Everest would
conquered one day. (Now it has been conquered). Man's m
conquests over Nature, have made the world a small place.
hope that in the time to come, man will easily come and g
the unknown places and nothing will remain unconquered.

**Life's Real Adventure**—Apart from the adventure
forests, deserts and mountains, there is the real adventure of
also, i. e. knowing more about human society. We have p
of everything in life, but the people are still starring of hu
Indians also spent their days in slavery. Let us come for
and have a change in our way of living.

This adventure of life is the greatest of all adventures
shall certainly reach our goal one day.

## पाठ का हिन्दी में सारांश

पं० जवाहर लाल नेहरू अपने जीवन में विभिन्न राजनैतिक क्रिया
कारण व्यस्त रहते थे। पूरे दिन में उन्हें पुस्तके पढ़ने के लिए समय नहीं
था इसलिए वह रात्रि को पढ़ने के लिये कुछ समय निकालते थे।

रेलगाड़ी में पढ़ना—नेहरू जी को पढ़ने के लिये रात्रि में भी पर्या
नहीं मिल पाता था इसलिये वह रेलगाड़ी में अपना अधिकांश अध्ययन कर
वह प्रायः देश के एक कोने से दूसरे कोने तक की यात्रा करते रहते थे।
वह तीसरे या ड्योढ़ दर्जे के डिब्बे में यात्रा करते थे, फिर भी उन्हें चलती
में पढ़ने की सुविधा हो जाती थी। एक भीड़ से भरे डिब्बे में पढ़ना प्रायः

है परन्तु नेहरू जी पढ़ लेते थे क्योंकि उनके साथी यात्री उनके साथ बहुत मित्रता पूर्वक व्यवहार करते थे। इसके अतिरिक्त रेलवे अधिकारी भी उनकी यात्राओं में उनको (नेहरु जी को) सुविधा प्रदान करते थे।

गाड़ी में लिखने की आदत—लगभग १२ वर्ष पूर्व (जब से १९३८ में नेहरु जी ने यह पाठ लिखा) नेहरू जी चलती हुई गाड़ियों में पत्र तथा लेख लिखा करते थे। परन्तु उन्होंने गाड़ी में अधिक लिखने की आदत को छोड़ दिया था क्योंकि अब उनका शरीर कम लचीला था। चलती गाड़ी के धक्के तथा हिलने के कारण वे अपना सन्तुलन नही कर पाते थे। इसलिये जब वह गाड़ी से यात्रा करते थे तो अपने पुस्तकों से भरा हुआ एक सन्दूक ले जाते थे।

लाहौर से करांची तक रेल यात्रा—पण्डित जी ने देहली से करांची तक की लम्बी यात्रा की थी। देहली से वह एक मध्यम श्रेणी के डिब्बे में सवार हुए थे। अगले दिन गाड़ी लाहौर पहुंच गई। वहां पर भयानक गर्मी तथा धूल थी। गाड़ी को वहाँ पर सिन्ध के गर्म तथा रेतीले स्थानों में को होकर गुजरना पड़ता था। इसलिए नेहरु जी ने अपना डिब्बा बदलने का निश्चय किया। वह एक द्वितीय श्रेणी के डिब्बे में चले गए। गाड़ी सिन्ध के रेगिस्तान में को गुजरी, किसी भी प्रकार उन्होंने इस डिब्बे में भी आराम का अनुभव नहीं किया। इसमें धूल आ रही थी। उन्होंने तीसरी श्रेणी के डिब्बे के विषय में विचार किया और कुछ आराम की सांस ली।

विल्सन के विषय में लिखी गई पुस्तक नेहरु जी के लिए महान आकर्षक थी—लाहौर से करांची के रास्ते में नेहरु जी एडवर्ड विल्सन, जो कि एक अंग्रेज अन्वेषक था—के विषय में लिखी हुई पुस्तक पढ़ने में व्यस्त थे। वह (विल्सन) १९१० में स्काट के साथ दक्षिणी ध्रुव की ओर गया था। जनवरी १९१२ में दक्षिणी ध्रुव की यात्रा से लौटते समय वह अपने साथियों सहित मर गया था। एडवर्ड विल्सन को पशु पक्षियों से भी बहुत अधिक प्यार था। यह किताब नेहरु जी को ए० जी० फ्रेजर ने भेंट की थी। फ्रेजर पश्चमी अफ्रीका में एचिमोटा कालेज के प्रधानाचार्य रह चुके थे। नेहरु जी ने पुस्तक को बहुत अधिक पसन्द किया क्योंकि इसमें अन्टार्कटिक प्रदेश में किए गए विल्सन के

महान कार्यों का वर्णन किया गया था।

जीवन साहसिक कार्यों तथा चुनौती से परिपूर्ण है—अनटार्कटिक प्रदे
विल्सन ने प्रकृति की शक्तियों के विरुद्ध लड़ाई लड़ी। वह साहस तथा
परिपूर्ण था। अपनी लम्बी तथा भयानक यात्रा के दौरान में वह अपने
के प्रति वफादार रहा। वह समस्त मुसीबतों से लड़ता रहा था।

इन अन्वेषक के महान कार्यों से नेहरु जी बहुत प्रभावित हुए।
अनटार्कटिक प्रदेशों में अपने जीवन का बलिदान कर दिया था। उसका
उसके अपाधागण साहस को प्रदर्शित करता था। मानव जीवन कर्त्तव्यों से
है। हम जीवन में महान तथा सुन्दर कार्य करने की पुकार सितारों से सुनते
हमसे अधिकांश तो उस पुकार के प्रति उदासीन है परन्तु वे जो इसे सुनते
समस्त मानव जाति को श्रेष्ठ बनाते हैं। हमारा जीवन चुनौती तथा साहसिक
कार्यों से भरपूर है। महान पुरुष जीवन के विषय में सोचते हैं—

"मैं तो जीवन को केवल आत्मा की शक्ति की परीक्षा लेने की
समझता हूँ"—ऐसा वीर व्यक्ति एडवर्ड विल्सन था जिसने दक्षिणी ध्रु
बर्फीले प्रदेशों में अपना जीवन समाप्त कर दिया।

संसार में मनुष्य की विजय—मनुष्य प्रकृति की शक्तियों पर विजय
करने में व्यस्त है। ध्रुव प्रदेशों पर विजय प्राप्त कर ली गई है। हमने
रेगिस्तानों का सर्वेक्षण कर लिया है तथा ऊंचे पर्वतों की चोटियों पर च
हैं। नेहरु ने आशा की कि एक दिन ऐवरेस्ट पर भी विजय पा ली जायेगी
इस पर विजय प्राप्त कर ली गई है।) मनुष्य की प्रकृति के ऊपर अनेक
ने इस संसार को एक छोटा सा स्थान बना दिया है। हम आशा करते
आने वाले समय में मनुष्य सुगमता पूर्वक अज्ञात स्थानों पर आ तथा जा
और कुछ भी अजेय नहीं रहेगा।

जीवन का वास्तविक साहसिक कार्य—जंगलों, रेगिस्तानों तथा पर्व
खोजों के अतिरिक्त, जीवन का वास्तविक साहसिक कार्य कुछ और भी
कि—मानव समाज के विषय में और अधिक ज्ञान प्राप्त करना। हमारे
जीवन में प्रत्येक चीज काफी मात्रा में है परन्तु लोग अब भी भूखों मर

भारतीयों ने दासता में भी अपने दिन विताए। हमें आगे बढ़ना चाहिए तथा अपने रहन-सहन के ढंग में परिवर्तन करना चाहिए।

जीवन का यह महा-कार्य सभी साहसिक कार्यों में महानतम है। एक दिन हम अपने उद्देश्य पर अवश्य ही पहुंचेगें।

**Word-Meanings, Hindi Translation & Explanations**

## Key Question 1 Page 56 para 1

Meanings—Prettyful—almost busy प्रायः व्यस्त। various—many अनेक। activities—works कार्य। of a doubtful utility—whose usefulness may be doubted जिनकी उपयोगिता के विषय में सन्देह हो। charmed world—attractive and pleasant atmosphere आकर्षक तथा आनन्ददायी वातावरण। horried—terrible भयानक। consumes—wastes नष्ट कर देती है। eats up–destroys नष्ट करते हैं। under a better dispensation—under a better arrangement और अधिक अच्छी व्यवस्था में। pursuits—act of pursuing प्रवृत्ति। dreary –dull नीरस। (Dreary round–dull and tiresome routine नीरस तथा थका देने वाला दैनिक कार्य) far removed from politics —that has no relation with politics जिसका राजनीति से कोई सम्बन्ध नहीं है। to and fro—इधर-उधर। vast—big विशाल। land—भूमि।

हिन्दी अनुवाद—मित्र मुझसे बहुधा पूछते हैं, "तुम कब पढ़ते हो?" मेरा जीवन बहुत से कार्य से पूर्ण व्यस्त प्रतीत होता है—इनमें से कुछ कार्य लाभप्रद होते हैं जबकि दूसरों का उपयोगिता के विषय में सन्देह हो जाता है। पुस्तकों को अपना मित्र बना लेना अर्थात् पुस्तके पढ़ना तथा उनके आकर्षक तथा आनन्द-दायक वातावरण में रहना सरल नहीं है जबकि राजनीति के भयंकर कार्य हमारी युवावस्था को नष्ट कर देते हैं और हमारे दिनों तथा रात्रियों को व्यर्थ कर देते हैं, जो कि किसी अच्छी व्यवस्था के हो जाने पर, अधिक अच्छे कार्यों में व्यतीत

किए जा सकते थे। फिर भी इस नीरस तथा थका देने वाले दैनिक कार्य के हो हुए भी मैं रात्रि में कुछ ऐसी पुस्तकों के पढ़ने का समय निकाल लेता हूँ जिनक राजनीति से कोई सम्बन्ध नहीं होता है। मैं हमेशा ही इस कार्य में सफल नहीं हो पाता हूँ (अर्थात सदा ही मुझे ऐसा अवसर नहीं मिलता है) परन्तु मेरा अधिकांश अध्ययन गाड़ियों में होता है जबकि मैं इस वशाल देश की भूमि पर इधर उधर यात्रा करता रहता हूँ।

**Exp.**—It is not.........from politics. **(V. Imp.)**

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'In A Train, written by J. L. Nehru.

**Cont.**—In this essay, Nehru ji describes his habit of reading in railway-trains. He used to read much. while he journeyed to and fro in the country.

**Exp.**—Nehru ji could not get enough time to read books because he was always engaged in many works of political importance. Books are our best friends. But it is not easy to become their friends. They can't serve our purpose, if we read them cerelessly. Moreover if we are busy in other works, we cannot realise the values of books, written by great authors. The writer thinks that good reading requires a mind free from all cares. If one is busy in the dull and tiresome work of politics, which is of no real use to the country, he w .stes the energy and time too. Under some better circumstances, we would be able to devote our time for the attainment of something higher in life. The writer thinks that dull and dreary work of politics wastes our time and energy It keeps us always busy in life and we do not get time to read books. he, therefore, tried to find sometime at night to read some book that was not on political subject.

संदर्भ—ये पंक्तियां 'In a Train' शीर्षक पाठ से ली गई हैं—इस पाठ के लेखक जवाहर लाल नेहरु हैं।

प्रसंग—इस निवन्ध में, नेहरु जी रेलगाड़ी में पढ़ने की अपनी आदत का वर्णन करते हैं। वह उस समय काफी पढ़ने के आदी थे जबकि वह देश में इधर उधर यात्रा करते थे।

व्याख्या—नेहरु जी को पुस्तके पढ़ने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता था क्योंकि वह सदा ही राजनैतिक महत्व के बहुत से कार्यों में व्यस्त रहते थे। पुस्तकें हमारी सर्वोत्तम मित्र हैं। परन्तु उनका मित्र बनना सरल नहीं है। यदि हम उन्हें असावधानी से पढ़ते हैं तो वे हमारे उद्देश्य को पूरा नहीं कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त यदि हम किसी अन्य कार्य में व्यस्त हैं तो भी हम महान लेखकों द्वारा लिखी गई पुस्तकों के महत्व का अनुभव नहीं कर सकते हैं लेखक सोचते हैं कि पढ़ने के लिए समस्त चिन्ताओं से मुक्त मस्तिष्क की आवश्यकता है। यदि कोई व्यक्ति राजनीति के नीरस तथा थका देने वाले कार्य में व्यस्त रहता है (जो कि देश के लिए कोई वास्तविक लाभकारी नहीं है), तो वह अपने समय तथा शक्ति को व्यर्थ ही नष्ट करता है। किन्हीं अच्छी परिस्थितियों में हम अपने समय को जीवन में कुछ महान वस्तुओं की प्राप्ति के लिए लगा सकते थे। लेखक का विचार है कि राजनीति का नीरस कार्य हमारी शक्ति तथा समय को बर्बाद करता है। यह हमें सदा ही जीवन में व्यस्त रखता है और हमें पुस्तकें पढ़ने का समय नहीं मिल पाता है। इसलिए वह रात्रि के समय में कुछ समय ऐसी पुस्तकों को पढ़ने के लिए ढूंढते थे जो कि राजनैतिक विषयों पर लिखी हुई नहीं होती थी।

## Page 56–57 Para 2

Meanings—Intermediate class compartment—in olden days there were four classes of compartments on Indian Railways. It is the name of one of these classes ! invriable—constant स्थिर । fellow-travellers —सह-यात्री । courtesy—kindness मेहरबानी । discomforts—difficulties असुविधाएं । insist—persist जोर डालते हैं । fair share—proper share उचित भाग । space—place स्थान । human touch—kind and tender quality कोमल तथा प्रेम पूर्ण गुण । indulge in—allowed himself in लगाया । virtue —quality गुण । involved—implied सम्बद्ध निहित । main—

chief मुख्य । consideration--thought विचार । dire necessity--घोर आवश्यकता । induces-persuades फुसलाती है, luxury --comfort आराम । travel--यात्रा ।

हिन्दी अनुवाद--तीसरी श्रेणी या डयोढ़े दर्जे का डिब्बा पढ़ने या किसी अन्य कार्य को करने के लिए उचित स्थान नहीं है परन्तु सह यात्रियों की स्थिर रहने वाली मित्रता तथा रेलवे अधिकारियों की शिष्टता के कारण उसमें अन्तर कर देती थी (अर्थात नेहरु जी को पढ़ने के अनुकूल परिस्थितियां उपलब्ध हो जाती थी) और मैं इस प्रकार की यात्राओं (तीसरी श्रेणी के डिब्बे में बैठकर) के कष्टों का अनुभव करने का वहाना भी नहीं बना सकता हूँ। दूसरे यात्री तो मेरे लिए अधिक स्थान लेने के वास्ते जोर डालते हैं और बहुत से शिष्टता के अनेक कार्य यात्रा को अत्यन्त सुखद तथा मानवीय गुणों से परिपूर्ण बनाते हैं। मैं कष्टों से (यात्रा के) प्रेम नहीं करता हूँ और न ही उन्हें तलाश करता हूँ। और न मैं तीसरे दर्जे में इसलिए यात्रा करता हूँ कि इसमें कोई अच्छाई या सिद्धान्त निहीत है। मुख्य कारण तो रुपये--आनो तथा पाइयों का है। तीसरी तथा दूसरी श्रेणी के किराए में इतना अधिक अन्तर है कि केवल अत्यन्त गम्भीर आवश्यकता होने पर ही मैं दूसरे श्रेणी के डिब्बे में यात्रा के ऐश्वर्य लेने के लिए तैयार हो सकता हूँ।

## Page 57 Para 3 & 4

Meanings--A great deal--very much काफी । dealing with--related with सम्बन्धित । judge--decide निर्णय करना । point of view--दृष्टि कोण । facility--comfort सुविधा, less flexible--कम लचीला । adjust--balance सन्तुलन बनाए रखना । jolting--sudden jerks झटके । comforting--pleasant आराम दायक ।

हिन्दी अनुवाद--पुराने समय में, १२ वर्ष पूर्व, मैं यात्रा करते समय काफी लिखा करता था, मुख्यतया: कांग्रेस के कार्य से सम्बन्धित पत्र लिखता था। रेल की विभिन्न लाईनों पर बार बार यात्रा करने के अनुभवों के कारण

मैं रेलगाड़ियों में लिखने की सुविधा के दृष्टिकोण के बारे में निश्चय कर सकता था।

मैंने रेलगाड़ी में पर्याप्त रूप में लिखने की आदत को छोड़ दिया है शायद अब मेरा शरीर कम लचीला हो गया है और यह इतनी अच्छी तरह से सन्तुलन नहीं बनाए रख सकता है जितना कि यह पहले चलती हुई गाड़ी के धक्के तथा झटकों का आदी था। परन्तु मैं अपनी यात्राओं में अपने साथ पुस्तकों से भरा हुआ एक सन्दूक रखता हूँ और जितना कि मैं पढ़ सकता हूँ उससे भी अधिक पुस्तकें सदा ही साथ लिए रहता हूँ। अपने चारों ओर पुस्तकें रखकर व्यक्ति को आराम को अनुभव होता है, भले वह उनको न पढ़ सके।

## Key Question 2 Page 57–58

Meanings—Air journeys—travels by air हवाई जहाज की यात्रायें। variety—many kinds अनेक प्रकार। as was my want—as my habit used to be जैसा कि मेरी आदत थी। terrifying–fearful भयानक। accunts–description विवरण। resolve–determination निश्चय। promoted ...luxuries -decided to enjoy the comforts आराम लेने का निश्चय किया। in style—in a fashionable way, moderate—ordinary साधारण। closely shuttered—fully closed पूरी तरह से बन्द। fine dust—thin dust धूल की पतली सी पर्त। streamed in—entered in प्रविष्ट हुए। crevies—holes सुराख। layer—पर्त। breathe—श्वांस लेना। shuddered—trembled कांपने लगा। stand—bear सहन करना। tolerate—bear सहन करना।

हिन्दी अनुवाद—बहुत दूर करांची की यात्रा काफी लम्बी थी। अपनी हवाई जहाज को यात्रा के बाद मुझे यह आधे यूरोप की यात्रा दिखाई दी। इसलिए मेरा सन्दूक विभिन्न प्रकार की पुस्तकों से अच्छी तरह से भरा हुआ था। अपनी आदत के अनुसार मैंने मध्यम श्रेणी के डिब्बे में अपनी यात्रा आरम्भ कर। परन्तु दूसरे दिन, लाहौर में मार्ग की गर्मी तथा गर्द के भयभीत करने वाले विवरण ने मेरे इरादे को कमजोर कर दिया और मैंने दूसरे दर्जे की यात्रा के

ऐश्वर्य को लेने का विचार किया । इस प्रकार साधारण आराम तथा फैशन से यात्रा करते हुए मैंने सिन्ध के रेगिस्तान को पार किया । मैंने ऐसा करके (दूसरी श्रेणी के डिब्बे में बैठकर) ठीक ही किया क्योंकि हमारे पूरी तरह से बन्द डिब्बे में भी विभिन्न प्रकार के छिद्रों में को होकर बारीक धूल के बादल अन्दर आ गए और हमारे ऊपर धूल की एक पर्त के ऊपर दूसरी पर्त जमती चली गई तथा वायु में श्वांस लेना भी कठिन हो गया । मैंने तीसरे डिब्बे की दशा के बारे में विचार किया और काँप उठा । मैं गर्मी तथा अन्य बहुत बातों को सहन कर सकता हूँ परन्तु धूल को सहन करना मेरे लिये बहुत कठिन है।

## Key Question 3 Page 58 para 1

Meanings—Remarkable—peculiar विलक्षण । unusual—extra-ordinary असाधारण । comrade—companion साथी । Scott–Robert Falcon Scott was famous English noval officer and Antarctic explorer. He was the leader of the party to South Pole in 1921 Antarctic regions–areas around the South Pole दक्षिण ध्रुव के चारों ओर का बर्फीला भाग । appeal—attraction आकर्षण । unique-wonderful अद्भुत । monument—memorial स्मारक । affection—love प्रेम ।

हिन्दी अनुवाद—मैंने अपनी लम्बी यात्रा में जिन पुस्तकों को पढ़ा उनमें से एक पुस्तक उस विलक्षण तथा असाधारण व्यक्ति एडवर्ड विल्सन के बारे में थी, जो पशु पक्षियों से प्यार करने वाला तथा अन्टार्कटिक प्रदेशों में स्काट का मृत्यु पर्यन्त साथी रहा था । यह पुस्तक मेरे लिये दुगना आकर्षण रखती थी क्योंकि वह मेरे पास एक दूसरे असाधारण व्यक्ति ने भेजी थी । यह ए० जी० फ्रेजर द्वारा उपहार स्वरूप दी गई पुस्तक थी जो कि बहुत समय तक पश्चिमी अफ्रीका में एकिमोटा कालेज के प्रधानाचार्य रहे थे । वह अफ्रीका में शिक्षा का एक श्रेष्ठ तथा अद्वितीय स्मारक था जो कि उसने प्रेम, सहानुभूति तथा परिश्रम से बनाया था ।

## Page 5c-59 Para 2

Meanings—Sandly—रेतीले। inhospitable--unkind निर्दयी। sped–.vent at a fast speed द्रुत गति से गई। gallant –brave वीर। elements–wind, rain etc. forces of nature वर्षा हवाएं आदि प्रकृति की शक्तियां। co:iquered–won जीत लिया। mighty—शक्तिशाली। forceful ! endurance—power of tolerance सहन शक्ति। endeavour—effort प्रयास। loyalty–faithfulness वफादारी। forgetfulness of self—selfless service निःस्वार्थ सेवा। humour–good nature स्वभाव प्रसन्नचित। in the face of—in front of सामने। concievable—that can be thought विचार करने योग्य। misfortune—calamity विपत्ति। obviously—clearly स्पष्ट रूप से। marked benefit—definite advantage निश्चित लाभ। daring—courage साहस। spirit—soul आत्मा। submit—surrender हार मानना। seeks —finds out ढूंढती है। mount—to go up चढ़ना। the call ......stars—the attraction of things far away and unknown अज्ञात तथा दूरवर्ती वस्तुओं के लिये आकर्षण। deaf—the state of not listening बहरा होना। ennoble our present generation make the generation nobler and better वर्तमान पीढ़ी को श्रेष्ठ तथा अधिक अच्छा बनाते हैं। continual—constant निरन्तर। adventure—साहसिक कार्य। worth–abilities योग्यताएं। I count......strength on—I look on life as a means of testing the soul. These lines are taken from Robert Browning's poem—'In A Balcony'. मैं जीवन को आत्मा का परीक्षण करने का साधन मात्र समझता हूं।

हिन्दी अनुवाद—जैसे ही रेलगाड़ी द्रुत गति से चली तो सिन्ध का रेतीला तथा क्रूर (अहिताकरी) रेगिस्तान गुजर गया। मैंने अन्टारकटिक प्रदेशों तथा प्राकृतिक शक्तियों के विरुद्ध मनुष्य की वीरता पूर्ण लड़ाई, स्वयम् शक्तिशाली

प्रकृति पर विजय प्राप्त करने वाले मानव साहस और प्रायः अविश्वसनीय सहनशीलता के विषय में पढ़ा और महान प्रयास तथा साथियों के प्रति निःस्वार्थ सेवा तथा वफादारी और प्रत्येक विचारणीय। विपत्ति में व्यक्ति के प्रसन्न भाव के विषय में भी पढ़ा, और क्यों? अर्थात मनुष्य इन कार्यों को क्यों करता है? अपने में मौजूद साहस के कारण, उस आत्मा के कारण जो कभी हार नहीं मानती वल्कि सदैव ही अधिकाधिक ऊपर उठाने का प्रयास करती रहती है, उस प्रकार के कारण जो कि अज्ञात वस्तुओं की खोज करने के लिए सितारों की ओर से आती है। हम में से अधिकांश तो उस पुकार को सुन भी नहीं पाते परन्तु यह अच्छी वात है कि कुछ सुनते हैं और वे हमारी वर्तमान पीढ़ी को तथा उच्च बनाते हैं। उनके लिए तो जीवन निरन्तर ही एक चुनौती, एक साहसिक यात्रा तथा अपनी योग्यताओं की परीक्षा लेने की कसौटी है।

"मैं जीवन को आत्मा की शक्ति का परीक्षण करने के लिये केवल साधन मात्र समझता हूं।"

(V. Imp.

Page

21 **Exp.**—Why than...........their worth ?

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'In the Train', written by Pt. Jawahar Lal Nehru.

**Cont.**—During his train-journey from Lahore to Karachi, Nehruji read a book about Edward Wilson, who was a famous English explorer. He faced all misfortunes in the snowland of the South Pole. The writer thinks why a man takes adventurous deeds in life.

**Exp.**—Nehruji feels that sometimes man does noble adventurous deeds in life. He gets an inspiration from within his heart. Man has the noble quality of courage. He is always wishful to do the most courageous deeds in life. His soul never accepts defeat but tries to reach higher and higher in life. We feel a hidden power within our body, and hear a clear call from the sky and the stars i. e. the heavenly bodies. They inspire us to take up even greatest works in life and lead to success. The unknown and unconquered objects of Nature are somewhere far away around us. We feel attracted towards them. Sometimes we have to sacrifice our lives in order to reach their way.

There are some, who do not feel the mighty forces of Nature, Such persons do not hear the call that attracts towards the unknown and unconquered things. They who realise the forces of nature, take up courageous work and make themselves immortal. They go forward in the face of all difficulties. Life is a continuous struggle and a long adventurous journey for such people. They test the strength of soul through it.

व्याख्या—नेहरू जी अनुभव करते हैं कि कभी कभी मनुष्य जीवन में श्रेष्ठ तथा साहसिक कार्य करता है। वह अपने हृदय के अन्तः स्थल से ही ऐसी प्रेरणा प्राप्त करता है। मनुष्य के पास तो साहस का अद्भुत गुण है। वह तो सदा ही सबसे अधिक साहसिक कार्यों को करने का इच्छुक रहता है। उसकी आत्मा कभी भी हार स्वीकार नहीं करती है परन्तु जीवन अ धकाधिक उच्चता को प्राप्त करना चाहती है। हम अपने शरीर के अन्तर्गत एक रहस्यात्मक शक्ति का अनुभव करते हैं और स्वर्गीय आत्माओं आकाश तथा सितारों की तरफ एक स्पष्ट पुकार सुनते हैं। वें तो हमें जीवन में महानतम करने की भी प्रेरणा देते हैं तथा हमें सफलता की ओर ले जाते हैं। प्रकृ त की अज्ञात तथा अजेय वस्तुएं हमारे चारों तरफ कहीं दूर पर है–हम उनकी ओर आकर्षित होते हैं। कभी २ उनके मार्ग पर पहुंचाने के लिए हमें अपना जीवन बलिदान भी करना पड़ता है।

कुछ ऐसे भी हैं जो प्रकृति की शक्तिशाली रूप को नहीं समझते हैं ऐसे व्यक्ति उस पुकार को नहीं सुनते हैं जो कि अज्ञात तथा अजेय की ओर ले जाती हैं। परन्तु जो इसका अनुभव करते हैं, वे साहसिक कार्य करते हैं तथा अपने को अमर बना देते हैं। वे कठिनाईयों के सामने को आगे बढ़ते हैं। ऐसे लोगों के लिए जीवन निरन्तर ही एक चुनौती तथा लम्बी साहसिक यात्रा है। वे इसके द्वारा आत्मा की शक्ति का परीक्षण करते हैं।

## Page 59- 0 Para 2

Meanings—Final rest—last and sternal rest in death मृत्यु को प्राप्त करके अन्तिम तथा स्थाई विश्राम। silence–calm शान्त। immeasurable—very big, beyond measurement अत्यन्त विशाल। expanses—stretches विस्तार। fitting—pro-

per उचित । inscription—something engraved शिला... to strive......not to yield—this is a line from Ten... son's Ulysses, meaning 'to try, to seek but not... accept defeat'. (Ulysses was a great hero with a d... ing spirit).

हिन्दी अनुवाद—ऐसा एक व्यक्ति एडवर्ड विल्सन था और यह अन्त... हुआ कि दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने के पश्चात, वह और उसके साथी उन वि... अनटारकटिक प्रदेशों में अन्तिम तथा स्थाई विश्राम के लिये लेट गए (अर्था... मृत्यु को प्राप्त हुए), जहां पर लम्बे दिन के पश्चात एक लम्बी रात्री होती... तथा सर्वत्र ही शान्ति का साम्राज्य है। वहां वे हिम तथा बर्फ के अनन्त... विशाल विस्तृत क्षेत्रों से घिरे हुए पड़े हैं और उनके ऊपर मानवीय हाथों... (मनुष्य ने) यह उचित ही शिला लेख लगा दिया है—

"प्रयास करना, खोज करना, प्राप्त करना और कभी भी हार स्वीकार न करना।"

## Key Question 4 Page 60 Para 1

Meanings—The Poles—North and South Pol... उत्तरी तथा दक्षिणी ध्रुव। surveyed—सर्वेक्षण किया गया। yielded —submitted आधीन हो गए। everest–the highest peak... the Himalayas ऐवरेस्ट। unvanquished—unconquered अजेय। (Mount Everest has been conquered by Tenzi... and Hillary in 1953, But it remained unconquered while this essay was written) persistent–determined निश्चित। to bow—to come down झुकना। punny—tiny छोटा। that recognised no bounds—that breaks a... barriers or limitations जो कि समस्त सीमाओं तथा बन्धनों को तो... देता है। spirit—soul आत्मा। romance and knightly adv... enture—the brave and noble men who lived in ad...

enturous life in the Middle Ages, were called knights. Their brave deeds are very romantic मध्य युगीन वीरों से सम्बन्धित रोमांच कारी गाथाएं । fight—उड़ान । occurence—happening घटना । funiculars—railways on steep stopes, run by cables ऊंचे पर्वतों के ढ़ालों पर की रेलवे गाड़ियां जो कि केबिलस् से चलती है । luxury hotels—hotels with all kinds of comforts सभी ऐश्वर्यों से पूर्ण होटल । jazz bands—a group of persons, playing a kind of western music called jazz बाजा बजाने वालों की टोली जो कि एक प्रकार परिश्चमी गाना नृत्य करते हैं । stillness–silence खामोशी । mock–joke मजाक उड़ाना । eternal silence—चिर शान्ति । scandle—dishonourable talks बदनामगी की बातें । to play bridge—to play a game, bridge ब्रिज एक प्रकार से ताश का खेल होता है । bored—uninteresting अप्रिय । blase—tired of pleasure आनन्द से थके हुए । feverishy—anxiously उत्सुकता पूर्वक । in vain—uselessly व्यर्थ में ही ।

हिन्दी अनुवाद—ध्रुव प्रदेशों को जीत लिया गया है । रेगिस्तानों का सर्वेक्षण कर लिया गया है तथा ऊंचे पर्वतों ने व्यक्ति के सन्मुख हार मान ली है, यद्यपि ऐवरेस्ट की चोटी अब भी गर्व के साथ अविजित है (जिस समय यह पाठ लिखा गया था, उस समय ऐवरेस्ट शिखर पर विजय नहीं हुई थी, १९५३ में तेनसिह तथा हिलेरी ने इस शिखर पर विजय प्राप्त की थी ।) परन्तु व्यक्ति दृढ़ निश्चय वाला है और ऐवरेस्ट को उसके सामने झुकना पड़ेगा । क्योंकि मनुष्य का छोटा शरीर ऐसा मस्तिष्क लिये हुये हैं जो समस्त सीमाओं तथा बन्धनों को तोड़ देता है, उसकी आत्मा कभी हार नहीं मानती है और फिर क्या शेष रह जाता है । संसार छोटे से छोटा होता जा रहा है और उसमें से वीरता पूर्ण साहसिक कार्य (प्राचीन काल की गौरवशाली गाथायें) अदृश्य होते जा रहे हैं । हमें यह भी ज्ञान है कि ध्रुव प्रदेश की यात्रा कुछ लम्बे समय-से पहले ही एक साधारण घटना हो सकती है और पर्वतों पर ढालूओं के ऊपर लोहे की रस्सी के

आधार पर चलने वाली रेलें होंगी। तथा पर्वतों की चोटी पर ऐश्वर्य पूर्ण होटल है, जहां पर पश्चिमी गीत तथा नृत्य से रात्रि की खामोशी भंग होती है और बर्फीले स्थानों की स्थाई-शान्ति का उपहास उड़ाया जाता है। इन स्थानों पर (होटलों में) नीरस तथा अधेड़ आयु के व्यक्ति ब्रिज खेलते हैं तथा अन्य तरह की बातें भी करते हैं, और उदास तथा आनन्द से थके हुए नवयुवक तथा वृद्ध पुरुष उत्सुकता पूर्वक आनन्द की खोज करते हैं, परन्तु ये सब चीजें वे व्यर्थ में ही करते हैं।

## Page 60–61 Para 2

Meanings—Adventure—साहसिक कार्य। adventurous-cxplorer अन्वेषक। wide—wast विस्तृत। beckons to those-calls to those उनको पुकारता है। the stars hurl......skies-the heavens throw a challange to man स्वर्ग भी व्यक्ति के लिए चुनौती देती है। need one go—is it needed for a man to go क्या व्यक्ति के लिये जाना आवश्यक है ? adventure of life—courageous and gallant deeds of life जीवन के साहसिक तथा वीरता पूर्ण कृत्य। what a mess we have made of—how badly we have spoilt कितनी बुरी तरह से हमने नष्ट कर दिया है। plenty—an enough supply of the good things of life जीवन में अच्छी वस्तुओं की पर्याप्त रूप में प्राप्ति। starve–die of hunger भूखों मरना। misery—sorrow दुख। have our......of old—the existing conditions are worse than those of the past. This state of mankind is much worse than slavery as it existed in olden times वर्तमान दशाएं विगत परिस्थितियों से भी बुरी है। व्यक्ति की यह दशा विगत काल की दासता से भी बुरी है। do our bit—play our part अपना हिस्सा अदा करना चाहिए। worthy—capable योग्य। their great in heritance—the development of the human spirit as a result of human history मानव इतिहास के परिणाम स्वरूप मनुष्य की आत्मा

का विकास । beckon—summon पुकारना ।

हिन्दी अनुवाद—और फिर भी, अन्वेषकों के लिए साहसिक कार्य सदैव ही होते हैं और यह विशाल संसार उनको अब भी पुकारता रहता है जिनमें साहस तथा उत्साह है और आकाश के सितारे भी उन्हें साहसिक कार्य करने की चुनौती देते हैं। क्या किसी को साहसिक कार्यों के लिए ध्रुव प्रदेशों, रेगिस्तानों तथा पर्वतों पर जाने की आवश्यकता होती है, जबकि जीवन में साहसिक कार्य ऐसे लोगों के लिये होते हैं जिन्हें उनके करने की चिन्ता रहती है। हमने अपने इस जीवन को तथा मानव समाज को किस प्रकार नष्ट कर दिया है। हमारे पास प्रयाप्त रूप में अच्छे जीवन के लिए आवश्यक वस्तुएं, आनन्द तथा मानव आत्मा के स्वतन्त्र विकास के अनेक साधन उपलब्ध हैं, फिर भी हम कष्टों में भूख से मरते हैं और हमने अपनी आत्माओं को प्राचीन काल से भी बुरी दासता की परिस्थितियों के नीचे कुचल दिया है। इसका परिवर्तन करने के लिए हमें अपना योग दान देना चाहिए ताकि समस्त मानव (अपने पूर्वजों के समान) इतिहास के परिणाम स्वरूप अपनी आत्मा के विकास के योग्य हो सकें और अपने जीवन को सौन्दर्य आनन्द तथा आत्मिक गुणों से परिपूर्ण बना सकें। जीवन के साहसिक कार्य पुकार रहे हैं और यही सब से महानतम साहस पूर्ण खोज है।

**Exp.**—And yet............skies. **(V.Imp.)** Page 60

**Ref.**—These lines have been take from the lesson, 'In A Train', written by Pt. J. L. Nehru.

**Cont.**—In this lesson Pt. Nehru reflects his response to the 'Call that comes from the stars.' Human life is full of good and great deeds, we should devote our lives to bring a more humane and just social order.

**Exp.**—The adventure of life never comes to an end. We have always many adventures in life, if we are not deaf to the call of the Almighty who persuades us to do good and great things in life. The heaven itself throws a challenge to the man who is full of courage and spirit. The mighty forces of Nature call him to tell the unknown secrets of this wide world. They openly challenge and call us to explore and solve their mystery. It means that human life is full of courageous deeds.

व्याख्या—जीवन के साहसिक तथा वीरता पूर्ण कर्त्तव्य कभी समाप्त नहीं

होते हैं। हम अपने जीवन में बहुत से साहसिक कार्यों को कर सकते हैं, यदि हम सर्वशक्तिमान ईश्वर की पुकार के प्रति उदासीन नहीं है जो कि हमें जीवन में महान तथा श्रेष्ठ कार्य करने के लिए उत्साहित करता है। स्वर्ग भी उस व्यक्ति को चुनोति देता है जो कि उत्साह तथा साहस से परिपूर्ण है। प्रकृति की शक्तिशाली वस्तुयें उसे इस संसार के अज्ञात रहस्यों को बताने के लिए पुकारती है। वे हमें स्पष्ट रूप से चुनौती देती हैं तथा हमें अपने रहस्यों की खोज करने तथा समझने के लिए पुकारती रहती है। इसका अर्थ यह है कि मानव जीवन साहसिक कार्यों से पूर्ण है।

**Exp.**—Let us do...........adventure of all. **(Imp.)**

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'In A Train', written by Pt. Nehru.

**Cont.**—The author explains that the adventure of life is always there for those who try to seek and find it. At present ours is the life full of sufferings and starvation. The writer is sorry for this fallen state of human society.

**Exp.**—We, the people of India, can do a lot of work in order to bring a more humane and just social order. If we do our duty well, we can raise our social status. In this way we may become worthy of having great developments in society as a result of the historical changes. In other words, we can make our lives better than before and bring out several changes in human history. Our life is always full of adventures. They call us to make the life full of beauty and joy. This adventure of life is the greatest of all other adventures.

**Note**—Nehru wrote this essay, when India was not free. He, therefore, tells the people that they have to bring freedom in the country, that is also a great adventure of life.

व्याख्या—हम, भारत के लोग, एक और अधिक प्रिय तथा न्याय पूर्ण ... कार्यों को ठीक प्रकार से करें, तो हम अपनी सामाजिक स्थिति को ऊंचा कर सकते हैं। इस प्रकार ऐतिहासिक परिवर्तन के परिणाम स्वरूप हम समाज में महान परिवर्तन करने के योग्य हो सकते हैं। दूसरे शब्दों में हम अपने जीवन को पहिले की अपेक्षा अधिक अच्छा बना सकते हैं तथा मानव इतिहास में अनेक परिवर्तनों को ला सकते हैं। हमारा जीवन सदा ही साहसिक कार्यों से श्र

है। वे हमें जीवन को सौन्दर्य तथा आनन्द से पूर्ण बनाने के लिए पुकारते हैं। जीवन के साहसिक कार्य सभी खोजों से सर्वाधिक महत्व पूर्ण है।

नोट—नेहरू ने यह निबन्ध लिखा था जब भारत स्वतंत्र नहीं थी। इस लिए वे, लोगों को बताते हैं कि उन्हें देश में स्वतंत्रता लानी है, यह भी जीवन की एक महान खोज है।

## Page 61 Last Para

Meanings—The desert—the sandy region of sind सिन्ध के रेगिस्तान। appointed goal-destination लक्ष्य (गाड़ी का लक्ष्य कराची पहुंचाना था)। stumbling-staggering,. wavering लड़खड़ा रहा है। greet—welcome स्वागत करना।

हिन्दी अनुवाद—रेगिस्तान में सर्वत्र अंधकार है परन्तु गाड़ी अपने लक्ष्य की ओर (कराची की तरफ) तेजी से दौड़ रही है। इसी प्रकार मानवता भी लड़खड़ा रही है क्योंकि रात अंधेरी है और हमारे सामने नहीं दिखाई दे रहा है। शीघ्र ही दिन निकलेगा और रेगिस्तान के स्थान पर हमारा स्वागत करने के लिए नीला-हरा समुन्द्र होगा।

**Exp.**—The desert...........great us. **(Most Imp.)**

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'In A Train' written by J. L. Nehru. These are the concluding lines of this lesson.

**Cont.**—On his way from Lahore to Karachi Nehruji is busy in deep thoughts. The atmosphere is calm and quiet. The train is passing through the vast desert of Sind. It is the time of night.

**Exp.**—It was darkness everywhere in the desert. The train was running at a very fast speed. It had to reach its fixed destination i. e. Karachi. Soon it will pass through the great desert and reach its destination in the morning.

In the same way India will certainly get freedom that is the definite goal before us. At present we are in a great desert of slavery, and the goal is not clearly visible to us. We, therefore, are stumbling in the dark desert of slavery. The writer is hopeful of India's freedom. He feels that we will see the bright light of freedom after the darkness of slavery disappears.

व्याख्या—रेगिस्तान में सर्वत्र अंधेरा था। गाड़ी वहुत तेज गति से
रही थी। इसे अपने निर्धारित लक्ष्य करांची को पहुंचाना था शीघ्र ही यह
रेगिस्तान को पार कर लेगी तथा सुवह तक अपने लक्ष्य पर पहुंच जायेगी।

इसी प्रकार भारत भी स्वतंत्रता को अवश्य ही प्राप्त करेगा, जो कि
सामने निश्चित लक्ष्य है। आजकल हम दासता के महान रेगिस्तान में हैं
लक्ष्य हमें स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देता है। इसलिए हम दासता के
युक्त रेगिस्तान में लड़खड़ा रहे हैं। लेखक भारत की स्वतंत्रता के विषय में
पूर्ण है। वह अनुभव करता है कि दासता का अंधेरा समाप्त हो जाने पर
स्वतंत्रता की तेज चमक को देख सकेंगे।

## Question & Answer

**Key question I**—Why did Jawahar Lal Nehru have do most of his reading in trains? Why did he give up habit of writing much in a train?

जवाहर लाल नेहरू को अपना अधिकांश अध्ययन रेल गाड़ियों में करना पड़ता था? उन्होंने गाड़ी में अधिकांशतः लिखने की आदत को दिया?

**Ans.**—Pt. Jawahar Lal Nehru, our first prime mi was a man of great understanding. He was a learned who had travelled to and fro in the country and abroad.

**Reading in trains**—Nehruji used to do most of his ings in trains because he could not get enough time to books during the normal course of his life. He was too to find time to read some books. His life was busy with ous political activities. Yet even in such a busy life, he to find a little time at night to read some books. At such he was not interested in the books, written on political su But he did not get time to read at night daily. So most reading took place in trains.

**The habit of writing in Trains**–In the beginning ji used to write much in moving trains. He wrote many and articles, while travelling. But he had to give up this of writing in a train because he had become less flexible felt that it was difficult to balance the hand due to the shaking and jolting of moving train. He, therefore,

writing in trains. Now he carried a box full of books, while he was on journeys. Reading gave him a very great pleasure at such times. He felt comfortable to have many books with him. 'Indeed Books are our great friends'.

**Key question 2**—Why did Jawahr Lal travel in second-class from Lahore to Karachi ? Was the journey comfortable ?

जवाहर लाल ने लाहौर से करांची तक दूसरी श्रेणी के डिब्बे में यात्रा क्यों की थी ? क्या यह आराम दायक थी ?

**Ans.**—In 1938, Jawahar Lal had a long journey from Delhi to Karachi. Generally in those days Nehru travelled in an intermediate class compartment. So he started from Delhi, in this compartment. The next day the train reached Lahore.

**Journey from Lahore to Karachi**—At Lahore, Nehru ji heard about the great dust and strong heat of the Sind desert. The train had to pass through this desert. He could not tolerate dust, so he gave up the idea of travelling in the intermediate class compartment of Lahore. The train started from the station. Soon after it reached the Sind Desert.

Now the dust entered in their compartment, though it was fully closed from all sides. Even then it came there through the various other holes and filled the whole compartment. The thin clouds of dust covered the passengers and made the air heavy to breathe. The whole compartment was full of dust.

Nehru ji thought of the third class compartment. Their condition would have been worst of all. Any how the train passed through the long desert.

As a whole it was not a comfortable journey.

**Key question 3**—For what reasons did the book about Edward Wilson have a great appeal for Jawahar Lal.

**Ans.**—Please see the summary of the lesson for the answer of this question under sub-headings–"The book about Edward Wilson had a great appeal for Jawahar Lal" and "Life is full of challenge and Adventure."

**Key question 4**–What kind of adventure will still remain open to man after the deserts and mountains and the two poles have been conquered ?

**Ans.**—The holes have been conquered, the deserts and mountains have been surveyed but there are still many adventures before us. They never come to an end. We, the human beings, have mind and spirit that try to find out the unknown mysteries of nature. Nature has a great force and its mighty elements are calling mankind to tell the wonderful tales of their existence.

Human life is also full of great adventures and the wide world is calling those who have courage and spirit. At present we are starving inspite of plenty and joy in life. What is the reason ? Nehru ji felt that the people of India were living in the dark and dreary atmosphere of slavery. To fight against it is the great adventure of life. Let us come forward and take our part in India's struggle for freedom. We should make the life of our people happy and prosperous and try to bring a more human and just social order in society.

This adventure of life calls us and it is the greatest of all adventure.

——

# 9. The Art of Speaking

## भाषण देने की कला

**By—Harold Nicolson**

**Introduction to the author—**

Harold Nicolson was born in 1886 in Teheran, Iran. His father, Lord carnock worked in the British Embassy at Teheran. Nicolson was educated at Oxford. Like his father, Nicolson also joined the British. Foreign office and served in several British embassies abroad. He also remained a journalist and member of Parliament.

Nicolson is chiefly known for his novels, biographies and historical writings. Some of them are 'sweet waters', 'Public Faces', 'some people'. 'Tennyson' and 'Byron' etc. He has also published several volumes of essays.

**Introduction to the lesson—**

The present lesson. 'The Art of Speaking' has been taken from the spectator of February 2 1945. This essay is a good piece of advice to the young readers who make their initial attemps to deliver speeches before an audiance. The writer gives some suggestions for success in maiden speeches.

Here, the writer tells us about a competition in public speaking. He was invited to become one of the judges of the contest. It was efficiently controlled competition. Such competition are very useful because they help the young people to know the art of speaking.

**Main points of the lesson**

1 A competition in public speaking was organised at kent by the Young Farmer's club. It was an efficiently controlled competition.

2 The chief aim of the competition was to develop the art of speaking among the members of the club. It aimed at teaching the young people to put their ideas into their own words.

3 The three judges of the competition were asked to judge

the three main elements of public speaking viz : conte
style and effectiveness.

4 There was a great difference between the styles of t
junior and the senior members of the club. The juni
members had the school room, manner of speaking, whi
the senior members were free from it.

5 None of the speakers could make good speech, eve
though they were allowed to consult their notes.

6 The author gives some suggestions for the improveme
in the art of public speaking. The gesture of the speak
should be, as far as possible, spontaneous and uncons
ous.

7 The author also gives some definite suggestions for remo-
ving nervousness, while speaking. It is very commo
among speakers. For this, it is necessary to begin we
and think well.

8 Constant practice in making speeches will be very helpfu
to the speakers. It will not cause nervousness in publi
speeches.

### Summary of the lesson in English

In this essay the writer gives a fine description of the a
of public speaking. Indeed, we must all practise this art. Goo
preparations are necessary for good speeches.

**A competition in public speaking**—One after noon o
a saturday, a competition in public speaking was organised
kent by the members of the 'Young Farmers' club. The auth
was invited there to act as one of the judges at the contest.

It was an efficiently organised competition. There were
many as nineteen speakers from the different clubs. There w
a certain time limit, fixed for the speakers. In this way t
competition finished in a little more than two hours.

**Benefits of such competitions**—The main purpose
this competition was to keep the young farmers busy in so
useful work. In this way the young farmers would be able
think well the principles of their daily-life. Apart from th
aims, such competitions provide the young people with
opportunity to express their views before an audience. T
create self-confidence among the speakers. Sometimes the yo
speaker have a feeling of rivalry and develop the best spirit

leadership. They learn to support the demands of their companions. Speakers also realize the importance of words and try to keep them at any cost. They develop in themselves the real desire to know and understand the other people in society.

**Writer's observations and the manner of speaking—** There were three judges of this competition. Besides the writer, there were Sir Edward Hardy and Miss Edith Evans. The function of the judges was to judge a speaker from the points of view of content, style and effectiveness of speech. Harold Nicolson, the writer of this lesson was requested to judge the effectiveness of each speech.

The writer observed that there was much difference between the manners of speaking of the junior and the senior members of the club. The junior members had the class room, manner of speaking. The senior members, on the other hand, were free from this manner. They could speak in a better way in comparison to the junior members of the club. The junior members twisted their fingers in front of them. They fixed their eyes upon single spot. Perhaps they had learnt their speech by heart. The senior members showed some gestures in their speeches.

All the speakers were allowed to consult their notes which they brought with them, but they could not use them properly. Perhaps the notes were not clearly written and the speakers felt ashamed of consulting them.

**Suggestion's for public speaking**—First of all there is the problem of posture. A speaker should not fix his eyes at a single spot. He should face his audience and look towards all the listeners. He should be quite natural in his behaviour. Again the problem of gesture is very difficult. In this connection, the writer says that gestures should be spontaneous and unconscious. Thus natural postures and gestures are necessary for good speakers. They bring effectiveness in speech.

**How to remove nervousness**—Again there is the problem of nervousness in speech. It can be removed, if we follow these methods. First, Try to make as many speeches as you can in the early years of your life. Second, remember how to begin and how to finish a speech. The beginning and the end of speech leaves a impression on the audience. Third, don't cut jokes, if you feel nervous during the speech. And above all, say what you think and think what you say.

## पाठ का सारांश

इस निवन्ध में लेखक जनता में भाषण देने की कला का सुन्दर वर्णन करता है। वास्तव में, हम सब को इस कला का अभ्यास करना चाहिए। अच्छे भाषण के लिये अच्छी तैयार आवश्यक है।

सार्वजनिक भाषण की प्रतियोगिता—एक दिन शनिवार को दोपहर बाद केन्ट में (इंगलैंड के एक नगर का नाम) युवा कृषक कलब के सदस्यों ने सार्वजनिक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। लेखक को इस प्रतियोगिता में एक जज (निरीक्षक) के रूप में कार्य करने के लिए निमन्त्रित किया गया था।

यह एक कुशलता पूर्वक आयोजित प्रतियोगिता थी। वहां पर विभिन्न क्लवस के अधिकाधिक उन्नीस वक्त थे। बोलने वालों के लिए एक निश्चित समय निर्धारित किया गया था। इस प्रकार प्रतियोगिता दो घण्टे से थोड़ा अधिक समय के अन्दर समाप्त भी हो गई थी।

ऐसी प्रतियोगिताओं से लाभ—इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य युवा कृषकों को किसी लाभदायक कार्य में लगाये रखना था। इस प्रकार ये तरुण कृषक अपने दैनिक जीवन के सिद्धान्तों को भली प्रकार सोच सकते थे। इन उद्देश्यों के अतिरिक्त ऐसी प्रतियोगितायें नवयुवकों को श्रोता गण के सम्मुख अपने दृष्टिकोण को भी प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करती हैं। वे बोलने वालों में आत्म विश्वास उत्पन्न करती हैं। कभी २ नवयुवक वक्ताओं में प्रति-स्पर्धा की भावना भी होती है और वे नेतृत्व के सर्वोत्तम गुणों का विकास कर लेते हैं। वे अपने साथियों की मांगों का समर्थन करना सीख लेते हैं वक्ता भाषण के महत्व का भी अनुभव करते हैं तथा अपने शब्दों को प्रत्येक स्थिति में निभाने की कोशिश करते हैं। वे समाज के अन्य व्यक्तियों को जानने तथा उन्हें पूर्ण तरह समझने की वास्तविक इच्छा का विकास भी करते हैं।

लेखक के निरीक्षण तथा वक्ताओं के बोलने का ढंग—इस प्रतियोगिता में तीन निर्णायक थे। लेखक के अतिरिक्त श्रीमान एडवर्ड हार्डी तथा मिस एडि इवान्स भी निर्णायक थी। निर्णायकों का कार्य भाषण की विषय सामग्री, बोलने का ढंग तथा इसके प्रभाव के दृष्टिकोण से वक्ताओं की जांच करना था। इ

पाठ के लेखक, हेरल्ड निकलसन से प्रत्येक भाषण के प्रभाव की जांच करने के लिये कहा गया था।

लेखक ने यह जाँचा कि कल्ब के जूनियर तथा सीनियर सदस्यों के बोलने के ढंगों में काफी अन्तर था। जूनियर सदस्यों के बोलने का ढंग स्कूल की कक्षा के कमरे में बोलने के समान था। इसके विपरीत सीनियर सदस्य इस ढंग से मुक्त थे। कल्ब के जूनियर सदस्यों की तुलना में वे अधिक अच्छे ढंग से बोल सकते थे। वे अपने सामने अपनी उंगलियों को ऐंठते थे। उन्होंने एक ही स्थान पर अपनी आंखें गाड़ दी। शायद उन्होंने अपने भाषणों को जबानी याद कर रक्खा था। सीनियर सदस्य अपने भाषण में कुछ हाव-भाव भी प्रकट करते थे।

सभी वक्ताओं को अपने नोटस देखने की इजाजत थी जो कि वे अपने साथ लाए थे। परन्तु वे उनका ठीक प्रकार से प्रयोग नहीं कर सके। शायद ये नोटस ठीक प्रकार से नहीं लिखे हुये थे और वक्ताओं को उनको देखने में शर्म लगती थी।

सार्वजनिक भाषण के लिये सुझाव—सब से पहिले शरीर की स्थिति की समस्या है। एक वक्ता को किसी एक स्थान पर अपनी आँखें नहीं गाड़ देनी चाहिए। उसे अपने श्रोता गण का सामना करना चाहिये तथा सभी श्रोताओं की ओर देखना चाहिए। उसे अपने व्यवहार में बिल्कुल स्वाभाविक दिखाई देना चाहिए। फिर, हाव भाव की समस्या अत्यन्त कठिन है। इस सम्बन्ध में लेखक कहता है कि हाव भाव-चेष्टाएं—स्वयमेव तथा वास्तविक रूप प्रकट हो (अर्थात वे बनावटी दिखाई न दे) इस प्रकार अच्छे वक्ता के लिए हाव भाव तथा शरीर की स्थिति का स्वाभाविक होना आवश्यक हैं। वे भाषण को प्रभावात्मक बना देती हैं।

घबराहट को कैसे दूर किया जाय—पुनः भाषण में घबराहट की समस्या है। यदि हम इन उपायों का पालन करे तो यह दूर हो सकती है। सर्वप्रथम, अपने जीवन के शुरू के वर्षों में इतने भाषण देने का प्रयास करो जितने अधिक दिये जा सकते हों। द्वितीय, यह याद रक्खो कि भाषण को किसी प्रकार आरम्भ तथा अन्त करना चाहिए। भाषण का अन्त श्रोता पर प्रभाव डालता है। तृतीय, यदि आप भाषण के मध्य में घबड़ाहट का अनुभव करते हैं, तो मजाक याद मत करो और सबसे अधिक महत्व पूर्ण यह है—जो तुम सोचते हो, वही

कहो तथा जो तुम कहते हो उसी को सोचो।

**Word-Meanings, Hindi Translation & Explanations**

Key Question 1 Page 65 para 1

Meanings—A greeable--pleasant आनन्द दायक। judging—examining निरीक्षण करते हुये। competition–contest प्रतियोगिता। several—many अनेक। kent—a country or district in England इंगलैण्ड के एक जिले या गाव का नाम। sound—appear प्रकट होना। a chily and most agricultural ordeal—depressing and painful experience in rural atmosphere ग्रामीण वातावरण के कष्टदायक तथा रुचिहीन अनुभव। contest--प्रतियोगिता। urbane—smooth and polished in manner सभ्य तथा सुन्दर ढंग का। disposed comfortably–settled and arranged in comfort, at ease आरामदायक तथा सरलता से प्रवन्ध करना। auditorium–a place where audience assemble सभा भवन।

हिन्दी अनुवाद—मैंने पिछले शनिवार को दोपहर बाद का आनन्द दायक समय केन्ट में युवा कृषकों के बहुत से कलब के होने वाली एक प्रतियोगिता का निर्णय करने में व्यतीत किया। यह कार्य ग्रामीण वातावरण में दुखद और नीरस दिखाई दे सकता है। परन्तु जिस प्रतियोगिता में मुझे निर्णय करने को बुलाया गया था, वह अशिष्ट न होकर शिष्ट थी। युवा कृषक रविवार को पहने जाने वाले सूट पहने हुये थे और वे सभा भवन में आराम से वैठे हुये थे। जब प्रतियोगिता समाप्त हुई। हम केन्टीन में गए और हमें चाय तथा बिस्कुट केक आदि दी गई।

Page 65 para 2

Meanings—Seldom—not often कदाचित। witness—see देखना। ceremony–function उत्सव। efficiently–wisely कुशलता पूर्वक। firmly–compactly दृढ़ता से। controlled arranged प्रवन्धित। restricted–limited सीमित थे। gong

bell घण्टा । taut agony—pain caused by nervousness and tense emotion घबराहट से उत्पन्न कष्ट । expression—भाव । flit—run दौड़ना । neatly—completely पूरी तरह से । before being counted out—befoie his or her alloted time अपने निश्चित समय से पहले ही । firm—strong दृढ़ । proceedings —programme कार्य क्रम । lasted—continued जारी रही । reflect upon—think over विचार करना । the house of common—लोक सभा (इंगलैण्ड की) । acquire—get प्राप्त करना । enforcement—introduction of something किसी चीज को लागू करना । method of concision—भाषण को छोटा करने के उपाय ।

हिन्दी अनुवाद—वास्तव में यह एक सार्वजनिक भाषण प्रतियोगिता थी । और मैंने किसी अन्य उत्सव को इससे अधिक कुशलता एवं दृढ़ता पूर्वक संचालित किया हुआ बहुत ही कम देखा है । वहाँ पर विभिन्न क्लव्स के अधिकाधिक १६ वक्ता थे । छोटी आयु के प्रतियोगियों को पांच मिनट से अधिक बोलने की आज्ञा नहीं थी तथा बड़ी आयु वाले वक्ताओं के लिए सात मिनट का समय सीमित था । उनका समय समाप्त होने से एक मिनट पहले एक घन्टा धीरे से बजता था, जिससे बोलने वाले के मुख पर घबड़ाहट तथा तीव्र भावना से उत्पन्न कष्ट की लहर दौड़ जाती थी । परन्तु प्रत्येक स्थिति में पुरुष या महिला वक्ता दूसरे घण्टा बजने से पहले (अर्थात अपना समय समाप्त होने से पहले ही) भाषण को समाप्त कर लेता था । इस अच्छे प्रवन्ध की विधियों के लिए धन्यवाद है कि समस्त कार्य क्रम दो घन्टे से थोड़ा अधिक समय तक ही चला । मैं उन लाभों पर अवश्य ही विचार करूंगा, जो कि भाषणों को संक्षिप्त करने की इन विधियों के लागू कर देने से लोक सभा को हो सकते हैं ।

**Exp.**—Thanks to these........concision. **(Imp.)**

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'The Art of Speaking' written by Harold Nicolson.

**Cont.**—There was a competition in public speaking. It was organised by the Young Farmer's clubs in kent. The author

was invited to act as one of the judges of the competition. It was a well organised function.

**Exp.**—The writer was much impressed by the fine arrangements of the competition. The whole competition ended in a little more than two hours. Every speaker finished his or her speech within the alloted time.

The writer thinks that such arrangement may be very advantageous to the House of Commons also. There, the members have no time limit and go on speaking for a long time. In this way the whole proceedings of the House of Commons take a very long time. He advises that these members should make brief speeches, so that the valuable time may be saved. Time is an important factor in human life. It should not be wasted at any cost.

**सन्दर्भ**—ये पंक्तियां 'The Art of Speaking' नामक पाठ से उद्धृत है—इसके लेखक Harold Nicolson हैं।

**प्रसंग**—एक सार्वजनिक भाषण की प्रतियोगिता थी। इसका आयोजन केन्ट के युवा-कृषक संघ के सदस्यों द्वारा किया गया था। लेखक को इस प्रतियोगिता में एक निर्णायक के रूप में कार्य करने के लिए बुलाया गया था। इस प्रतियोगिता का प्रबन्ध बड़े सुन्दर ढंग से किया गया था।

**व्याख्या**—लेखक प्रतियोगिता के सुन्दर प्रबन्ध से बहुत अधिक प्रभावित हुआ। सम्पूर्ण प्रतियोगिता दो घन्टे से थोड़ा अधिक समय में ही समाप्त हो गई थी। प्रत्येक पुरुष अथवा महिला वक्ता ने अपने भाषण को निश्चित समय में ही समाप्त कर दिया था।

लेखक विचार करते हैं कि ऐसे प्रबन्ध लोक सभा के लिए बहुत अधिक लाभकारी हो सकते हैं। वहां पर सदस्य किसी निश्चित समय का ध्यान नहीं रखते हैं और काफी समय तक अपने भाषण जारी रखते हैं। इस प्रकार लोक सभा के सम्पूर्ण कार्यक्रम काफी लम्बा समय ले लेते हैं। लेखक राय देते हैं कि इन सदस्यों को संक्षिप्त भाषण देने चाहिए ताकि बहुमूल्य समय को बचाया जा सके। मानव जीवन में समय का अत्यन्त महत्व है। इसको किसी भी दशा में नष्ट नहीं करना चाहिए।

## Key Question 2 Page 66 para 1

Meanings—Purpose—aim उद्देश्य । primarily–chiefly मुख्य रूप से । central function—important work महत्व पूर्ण कार्य । weather—season मौसम । not amenable to—not suitable to उचित न हो । admirable—worthy of praise प्रशंसनीय । inspire—infuses प्रेरित करता है । stimulate—inspire प्रेरणा देना । they are aware—they have knowledge उन्हें ज्ञात है । manual–physical शारीरिक । occupation–work कार्य । creates—introduces उत्पन्न करता है । self-confidence —आत्म विश्वास । introduce–produce उत्पन्न करता है, element of emulation—the spirit of trying to become equal to others प्रतिस्पर्धा (दूसरों के समान बनाने का भाव) । the ordinary dig and scrub—dull day to-day routine नीरस दैनिक कार्य क्रम । antidote—विष हरण औषधि । malady—disease बीमारी । mass-slogans—सामूहिक रूप से नारे ।

हिन्दी अनुवाद—ऐसी प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य युवा कृषक संघों के सदस्यों को कुछ ऐसे महत्व पूर्ण कार्य में लगाना है । जबकि घर के बाहर होने वाली (बाह्य) प्रतियोगिता के लिए मौसम ठीक नहीं होता है । परन्तु कुछ अन्य तथा प्रशंसनीय उद्देश्य भी हैं जो कि ऐसी प्रतियोगिताओं के संगठन कर्ताओं को प्रेरित करते हैं तथा इनको प्रोत्साहित करते हैं । वह यह जानते हैं कि कम से कम आयु वाले कृषक (और जिन्होंने इस प्रतियोगिता में भाग लिया था, उनमें से कुछ बहुत ही कम आयु के थे) को भी अपने शारीरिक कार्य में निहीत सिद्धांतों को सोचने के विषय में वाध्य करके लाभ पहुंचाना चाहिए । उनको यह भी ज्ञात है कि अपने साथियों के साथ सार्वजनिक प्रतियोगिताओं में बोलने से आत्म विश्वास उत्पन्न होता है तथा अपने जीवन के नीरस दैनिक कार्य क्रम के अतिरिक्त क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा की भावना का भी जन्म होता है और उन्हें यह भी ज्ञान है कि हमारे द्वारा सामूहिक रूप से नारे लगाने की आधुनिक बीमारी की एक मात्र विष हारक औषधि यह है कि युवा पुरुषों को अपने विचारों को अपने शब्दों में

व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें ।

व्याख्या—सार्वजनिक भाषण की प्रतियोगिताएं युवा कृषकों के लिए अत्यन्त लाभकारी हैं । प्रतियोगिताओं के प्रबन्धक इनके महत्व को भली प्रकार समझते हैं । वे कृषकों में आत्म विश्वास तथा आत्म निर्भरता के भावों का संचार करते हैं । वे उन्हें दैनिक जीवन के नीरस कार्य क्रम से भी दूर रखते हैं तथा युवा पुरुषों को काफी रुचि प्रदान करते हैं ।

आजकल हमारा प्रदर्शन केवल सामूहिक नारों से ही होता है । तथा हमारे सामने कोई ठोस उद्देश्य नहीं है । समाज के प्रजातन्त्रीय ढांचे में युवा पुरुषों के साथ यह एक वड़ी बीमारी है । हमारा यह कर्तव्य है कि हम सामूहिक नारों की प्रवृत्ति पर रोक लगावें । यदि हमें उचित प्रकार से अपने विचारों को व्यक्त करने का ज्ञान हो, तो हम समाज की भलाई के लिए अवश्य ही कार्य कर सकेंगे। सार्वजनिक भाषण की कला हमें अपने विचारों को अपने शब्दों में व्यक्त करना सिखा सकती हैं । प्रतियोगिता के प्रवन्धकों को इस बात का पूर्ण ज्ञान है ।

**Exp.**—They are aware also......own words. **V. Imp.**

**Ref.**—These lines occur in the chapter, 'The Art of Speaking', written by Harold Nicolson.

**Cont.**—The writer thinks that competition in public speaking are very useful in the life of young people. These competitions make them self-confident and responsible persons in life.

**Exp.**—The competitions in public speaking are very beneficial to the young farmers. The organisers of these competitions fully understand their importance. They inculcate a spirit of self-confidence and self-reliance among the farmers. They also keep them away from their dull day today routine and provide a great interest to young people.

At present we are guided by mass slogans and have nothing solid aim before us. It is a great disease with the young people in a democratic set up of society. It is our duty to stop this evil tendency of mass slogans. If we know how to express our ideas in the right way, we concertainly work well for the good of society. The art of public speaking can teach us to express our ideas in our own words. The organisers of the competition know it very well.

## Page 66–67 para 2

Meanings—Conversation—talks बातचीत। contant–satisfied संतुष्ट। personal convictions–personal beliefs व्यक्तिगत विचार। phrases—parts of a sentence वाक्यांश। engaged—busied लगा दिया जाता है। employs—uses प्रयोग करता है। means—methods उपाय। induced—inspired प्रेरित किया जाना। persuade—फुसलाना। defend—support समर्थन करना। words......care–words are related to each other closely and in a complex manner. They have a life and vitality of their own. शब्द सजीव होते हैं। उनके बोलने में सावधानी की आवश्यकता है। confusion—disorder अव्यवस्था। seethes–to be agitated उत्तेजित होना। pessimists—one who looks at the worst side of things निराशावादी। despair–hopelessness निराशा। value–importance महत्व। passionate desire—strong desire तीव्र इच्छा। talking against each other—speaking on the pros and cons of the subject विषय के पक्ष तथा विपक्ष में भाषण करना। compe-tent—योग्य, निपुण। thoughtful—विचार वान। alert—active सक्रिय।

हिन्दी अनुवाद–कोई भी लड़का या लड़की जो निजी बातचीत में व्यक्तिगत विचारों के रूप में उन वाक्यांशों को दोहरा कर, जो उसने किसी अन्य व्यक्ति से सुने हों, बिल्कुल सन्तुष्ट रहता है, शीघ्र ही यह ज्ञात कर लेता है कि सार्व-जनिक भाषण करते समय यह अधिक अच्छा रहता है कि वह अपने द्वारा प्रयुक्त शब्दों के बारे में निश्चित तथा उनको सत्यता से परिचित हो और ऐसे साधनों [illegible] ऐसी प्रतियोगिताओं द्वारा युवा पुरुषों को न केवल अपने साथियों को फुसलाने तथा उनकी मांगों का समर्थन करने के लिये प्रेरित किया जाता है, बल्कि वे यह भी अनुभव करते हैं कि शब्द सजीव होते हैं और उनका सावधानी से प्रयोग करना आवश्यक है। हमारे चारों तरफ विचार तथा भावों की जा

व्यस्तता हमें उते जत कए हुए है तथा निराशावादी का मास्तिष्क अनन्त निराशाओं से भर देती है, उसमें कम से कम आशा और महत्व का यह तत्व है युवा पुरुषों में ज्ञान प्राप्त करने तथा समझाने की अति तीव्र इच्छा (यह युवा इन प्रतियोगिताओं का लाभ है) कोई भी व्यक्ति, जिसने शनिवार के दिन युवा किसानों को एक दूसरे के विरुद्ध भाषण देते हुए सुना होगा—वहां से निराशा पूर्ण भावों को लेकर नहीं गया होगा—इसके विपरित युवा कृषक निपुर्ण विचार वान तथा चुस्त भी थे।

**Exp.**—And by such means.........and care. **Imp.**

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'The Art of speaking', written by Harold Nicolson.

**Cont.**—The competition in public speaking help the young farmers in many ways. They learn to develop their abilities in the best way. They keep them engaged in their off-season.

**Exp.**—The keen competition in public speaking teaches the young men to be certain and sincere about the words, they use in their speeches. They learn to support the demands of their fellows in the right way. By giving speeches, they can defend the right demand of their fellow-workers. Apart from it, they come to know the importance of words in life and try to keep them. Words are related to each other, similar to the way in which the various parts of living things are related to each other. It is very necessary to use them in the proper contexts, otherwise they lose their original meanings. We also learn the correct use of words through these competitions, because we get many chances to express our views in our own words.

व्याख्या—सार्वजनिक भाषण की प्रतियोगिताएं नवयुवकों को अपने उन शब्दों को, जिनको वे अपने भाषण में प्रयोग करते हैं, सत्यता तथा वास्तविकता का ज्ञान कराती है। वे अपने साथियों की मांगों का ठीक रूप में समर्थन करना सीख लेते हैं। भाषण देकर वे अपने साथी कार्य कर्त्ताओं की उचित मांगों का समर्थन कर लेते हैं। इसके अतिरिक्त वे जीवन शब्दों (वाणी के महत्व को जान लेते हैं) तथा उन्हें निभाने की कोशिश करते हैं शब्द एक दूसरे से उसी प्रकार

सम्बन्धित है जैसे कि जीवित वस्तुओं के भिन्न २ अंग एक दूसरे से जुड़े हुये होते हैं। उनको ठीक प्रसंग में प्रयोग करना आवश्यक है अन्यथा वे अपना मूल अर्थ खो देते हैं। इन प्रतियोगिताओं के द्वारा हम शब्दों का ठीक प्रयोग करना सीखते हैं क्योंकि हमें अपने विचारों को प्रकट करने का प्रयाप्त अवसर मिलता हैं।

## Key Question 3 Page 67 para 2

Meanings—Respectively—क्रमशः। concentrate-to think intensely ध्यान पूर्वक विचार करना। content, style and effectiveness—matter, manner and the impression विषय सामग्री, ढंग तथा प्रभाव। task—work कार्य। decide-judgc निर्णय करना। sense—subject matter विषय सामग्री। elowtion—oratory व्याख्यान। at a loss—in difficulty कठिनाई में, हैरान हो जाना। estimate-अनुमान लगाना। audfence-श्रोतागण।

हिन्दी अनुवाद—इस विशेष प्रतियोगिता के तीन निर्णायकों (सर् एडवर्ड हार्डी, मिस एडिथ ईवन्स और में स्वयम् (लेखक) से सार्वजनिक भाषण के तीन मुख्य तत्व विषय सामग्री शैली तथा प्रभाव पर क्रमशः ध्यान केन्द्रित करने के लिए कहा गया था। सर् एडवर्ड का कार्य निर्णय करना था कि अनेक वक्ताओं में से किसने सबसे अच्छी बात कही, मिस ईवन्स ने भाषण में निपुणता प्राप्त कर रक्खा थी—अर्थात वह विशेषज्ञ थी) उसने युवा कृषकों को जोर से गहरा श्वांस लेने की अत्यन्त महत्व पूर्ण राय दी जबकि किसी शब्द अथवा वाक्यांश को याद करने में कठिनाई पड़ रही हो और मेरा कार्य श्रोतागणों पर प्रत्येक भाषण के प्रभाव को जाँचना था।

## Key Question 4 Page 68 Para 1

Meanings—Obliged—compelled बाधित किया गया। reconsider—पुनः विचार करना। technique—art कला। examine-judge जांचना। fresh angle-new idea नवीन दृष्टिकोण। demeanour—the outward bearing आचरण। posture—शरीर को स्थिति। gesture—signs हाव भाव संकेत। ease—rest

विश्राम । observe—see देखना । twisting–ऐंठना । immutably —unchangeably स्थिरता से । spot–place स्थान । forehead —मस्तक । frown—anger क्रोध । concentration—ध्यान केन्द्रित होना । desperately–hopelessly निराशा से । piece–part भाग awkwardly—roughly भद्दे ढंग से । dared—had courage साहस रखते थे । raise—lift उठाना । arm—भुजा । lean—bend झुकना । impressively—effectively प्रभावात्मक ढंग से ।

हिन्दी अनुवाद—इस प्रकार मुझे सार्वजनिक भाषण की कला को इसके सरलतम रूप में पुनः विचार करने तथा भाषण में आचरण, शरीर की स्थिति, हाव भाव सत्यता तथा विश्राम के पहलुओं को नवीन दृष्टिकोण से जांचने के लिये बाध्य होना पड़ा था । यह देखना रोचक था कि जूनियर सदस्यों का ढंग अब भी स्कूल की कक्षा में बोलने के समान था, वे अपने सामने उंगलियों को ऐंठते थे, स्थिरता से अपनी आंखें एक स्थान पर गडा देते थे और जब वे इस रटे हुए भाषण के भाग को याद करने के लिए वीरता तथा क्रोध पूर्ण संघर्ष करते थे तब उनके युवा चेहरों पर या मस्तकों पर ध्यान के केन्द्रीकरण की इच्छा से थोड़ा सा क्रोध दिखाई देता था । इसके विपरीत सीनियर सदस्य अपने को क्लास रूम के समान बोलने के ढंग से पहिले से ही मुक्त किए हुए थे और थोड़ी सी कमी के होते हुए भी वे इस योग्य थे—अपने श्रोताओं के एक तरफ से दूसरी तरफ को मुड़ना और हाव भाव के लिये कुछ क्षणों पर एक हाथ उठाने का साहस करते थे । जब वे कोई महत्व पूर्ण बात कहते थे तो प्रभावात्मक ढंग से आगे की ओर झुकते थे ।

## Page 68–69 Para 2

Meanings–Elementary–preliminary प्रारम्भिक । tenets —rules नयम । clarity—clearness स्पष्टता । in the trepidation of the moment—in their fear and nervousness at the time डर तथा घवडाहट के समय में । squint down—to look or glance with half shut eyes आधी खुली आंखों से देखना । points संकेत । suggested—सुझाव दिया ।

हिन्दी अनुवाद—ऐसा प्रतीत होता था कि उनमें से कोई भी वक्ता अपने तथा नोट्स के बीच सम्बन्ध की साधारण समस्या को अपने अथवा अपने श्रोता गणों के सन्तोष के अनुसार नहीं सुलझा सकता था। प्रतियोगिता के नियमों के अनुकूल उन्हें अपने साथ केवल ऐसे नोट्स लाने की अनुमति थी जो पोस्ट कार्ड के केवल एक ओर ही लिखे जा सकते थे। मैंने यह भी देखा कि उनमें से बहुत से अपने नोट्स को सफलता पूर्वक लिखने में सफल नहीं हुए थे, जिसके कारण भय और घबडाहट के समय वे उसे तेजी से नहीं पढ़ सके जो कुछ कि उन्होंने लिखा था। इसके अतिरिक्त उन्हें इस साधारण बात का भी ज्ञान नहीं था कि नोट्स को पढ़ते समय यह ठीक होता है, कि उन्हें खुले रूप में पढ़े क्योंकि डेस्क पर रक्खे हुए नोट्स को अर्ध खुले नेत्रों से देखने का अर्थ यह हो सकता है कि न तो आप उन्हें देख सकते हैं और न ही आपकी बात सुनाई देती है। परन्तु सार्वजनिक भाषण के लिए कुछ अन्य तथा महत्व पूर्ण बातें हैं जिनका सुझाव मुझे इस प्रतियोगिता से हुआ।

### Key Question 5 Page 69-70 para 1

Meanings—For instance—for example उदाहरण के लिये। inexpert–one who is not expert अकुशल। is apt to -has a habit of आदत रखता है। monotony–उदासीनता। expression—appearance हाव-भाव। mesmeric trance—semi consciousness like that of hypnotism बेहोशी जैसी अवस्था। extreme—end किनारा। impression—प्रभाव। oratorical case—calm and confident manner of speaking बोलने का शान्त तथा विश्वसनीय ढंग। panic restlessness–uneasy and disturbed state of mind caused by fear डर के कारण मस्तिष्क की हैरान अवस्था। inconvenient—असुविधा जनक। trouser—पजामा। comforting—आराम पहुंचाने वाली। crude casualness —clumsy and unsuccessful attempts to give the appearance of being informal बनावट न दिखाने का असफल तथा भद्दा प्रयास करना। an excellent compromise–a golden

mean or a good way out एक सुन्दर उपाय । negligently—carelessly लापरवाही से । to slip lightly—धीरे से डाल लेना। insoluble—beyond solution हल के बिना । spontaneous—स्वाभाविक धारा प्रवाही । unconscious—natural, not formal वास्तविक । bound to be come stilted—sure to become stiff and unnatural in speech or behaviour भाषण व व्यवहार में अस्वाभाविक तथा भद्दा अवश्य होना ।

हिन्दी अनुवाद—उदाहरण के लए वहां पर (प्रतियोगिता में) शरीर की स्थिति की समस्या थी । बोलने वाले को कहां पर देखना चाहिए ? उ। (श्रोताओं का) किस प्रकार सामना करना चाहिए । उसे अपने हाथों से क्या करना चाहिए। उसे अपने हाथों से क्या करना चाहिए । अनुभव होन वक्ता को आदत कि एक स्थान पर आँखें गाड़ देनी की हो जाती है और ऐसे उदासीन हाव भाव प्रकट करने की आदत बन जाती है जैसा कि मेसमेरिजम के कारण बेहोशों की अवस्था हो जाती है । दूसरी तरफ वह वक्ता है, जो बोलने के शान्ति पूर्ण तथा आत्म विश्वास पूर्ण ढंग का प्रभाव उत्पन्न करने के लिये डर को वजह से मस्तिष्क की व्याकुलता की दशा में निरन्तर ही दायें और बायें को घूमता है । हाथों की समस्या और भी कठिन है । हाथों को स्थाई रूप से कोट या पजामे की जेब में रखना वक्ता के लिये आराम दायक हो सकता है परन्तु कुछ श्रोता गणों को यह आत्म विश्वास प्रदर्शित करने का बुरा उपाय जान पड़ता है । एक सुन्दर समाधान यह है कि दायें हाथ में असावधानी पूर्वक कुछ नोटस या कागजों का एक बण्डल पकड़े और बाएं हाथ की उंगलियों, अंगूठा नहीं, को धीरे से कोट को बाईं ओर की जेब में डाल ले । (परन्तु पजामें को जेब में न डालना अधिक अच्छा है) हाव-भाव की समस्या प्रायः समाधान होने की योग्य नहीं है और शायद ऐसी समस्या है जिसके विषय में आरम्भ में भाषण देना सीखने वालों को चिन्ता नहीं करना चाहिए क्योंकि जब तक उसके हाव भाव स्वाभाविक तथा वास्तविक नहीं है, तो वे अवश्य ही बनावटी प्रतीत होगें ।

**Exp.**—The problem of gestures......stilted. (V. Imp. Page 70 Para ...)

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'The Art of Speaking', written by Harold Nicolson.

**Cont.**—The writer judged the young speakers of the Farmers, clubs from many points of view. He carefully noticed the effectiveness of different speeches. He offered certain suggestion regarding the problems of gestures and postures in speech.

**Exp.**-The writer feels that the problem of gesture is beyond the solution of ordinary speakers. An inexpert speaker can't make suitable gestures in his speech. They are very important, since they also convey the heart-felt feelings of the speakers. So we, should. be cautious in showing gestures. The beginners needn't be very careful, regarding the problem of gestures in public speaking, Gestures in speech should be spontaneous and unconscious. There should n't be any deliberate attempt on the part of speakers to make gestures. If a speaker does so, he is sure to become unnatural in his manner of speaking.

व्याख्या—लेखक अनुभव करते हैं कि हाव भाव प्रकट करने की समस्या का समाधान साधारण वक्ता नहीं कर सकते हैं। एक कम अनुभव वाला वक्ता अपने भाषण में उचित हाव भाव प्रकट नहीं कर सकता है। इनका अत्यन्त महत्व है क्योंकि वे भी वक्ता के हृदय की भावों की व्याख्या करते हैं। इसलिये हमें हाव भाव प्रदर्शित करने में सावधानी का परिचय देना चाहिए। सार्वजनिक भाषण में साधारण वक्ताओं को हाव-भाव की समस्या के विषय में सावधान होने की आवश्यकता नहीं है। भाषण में हाव भाव स्वयमेव प्रकट होने वाले स्वाभाविक हों। उनको बनाने के लिये वक्ता की ओर से कोई जान बूझकर प्रयास नहीं होना चाहिए। यदि कोई वक्ता ऐसा करता है तो उसके बोलने के ढंग में अवश्य ही कृत्रिमता आ जावेगी।

## Key Question 6 Page 70 Last Para

Meanings—Get over—win over विजय प्राप्त करना। nervousness—घबड़ाहट। who...the plat form—left agricultural work to speak on the stage before an audience श्रोता गण के सन्मुख मंच पर खड़े होकर बोलने के लिये कृषि के कार्य को छोड़ दिया। assure—to make sure विश्वास दिलाना। precepts—principles सिद्धान्त। fade—vanish गायब होना। the middle......itself–the middle of the speech will come

effortlessly and spontaneously भाषण का मध्य भाग स्वयमेव ही विना प्रयास किये आ जायेगा । jokes—fun मजाक । hilarity—merriment आनन्द । accord well–suits well ठीक प्रकट होना। the faltering voice—speaking in a broken way टूट-टूट कर बोलना, विचलाना । the knocking knee–when the knees strike one against the other (it is a clear sign of nervousness) जब घुटने एक दूसरे से टकराते हैं (यह घबराहट का स्पष्ट चिह्न है) ।

हिन्दी अनुवाद—और फिर घबराहट का भी प्रश्न है ? मैं उन युवा कृषकों को घबराहट के विषय में क्या राय दे सकता हूँ जो कि कृषि कार्य को छोड़कर मंच पर (बोलने के लिये) आ गये हैं । यह विश्वास करके कुछ सहायता नहीं मिलेगी कि किसी भी मनुष्य ने अच्छा भाषण नहीं दिया, जब तक कि वह भाषण देने में घबराया न हो (अर्थात विना घबराहट के किसी ने आज तक अच्छा भाषण नहीं दिया) । मुझे यह भी यकीन नहीं है कि यह सच है । मेरा विचार है कि पालन करने के लिये चार सिद्धान्त है । प्रथम, यदि आप तीस वर्ष तक एक सप्ताह में तीन वार सार्वजनिक भाषण दें तो तुम्हें अन्त में ज्ञात होगा कि आपकी घबराहट समाप्त होने लगी है । द्वितीय, कि यदि तुम यह याद करते हो कि किस प्रकार से भाषण आरम्भ किया जाय और अधिक महत्व पूर्ण यह कि किस प्रकार समाप्त करें तो भाषण का मध्य भाग स्वयमेव ही प्रकट हो जायेगा । तृतीय, जब घबराहट उत्पन्न हो तो उस समय हंसी करना खतरनाक है । मजाक करना रुक-रुक कर बोलना और घुटनों के आपस में टकराने से बिल्कुल अनुकूल नहीं होता है (अर्थात घबराहट के समय जबकि वक्ता कांप रहा हो या बोलने में कठिनाई का अनुभव कर रहा हो तो उस समय मजाक करना अनुचित है) और सबसे अधिक अच्छा नियम यह है जो सोचते हो, उसी को कहो तथा जो बात कहते हो उसी को सोचे) ।

V. I

**Exp.**—Third, that,...........you say. Page 70 Last line

**Ref.**—These are the concluding lines of the lesson 'The Art of Speaking', written by Harold Nicolson.

**Cont.**–The writer offers certain suggestions for removing nervousness in speech. Nervousness is very common among speakers.

**Exp.**—Nicolson gives some hints to remove nervousness. One of the rules is not to make jokes, whenever the speaker feels nervous during his speech. If a speaker cuts jokes at such moments, he will have a difficult time. His audience will laugh at him, because nervousness is easily visible by the faltering voice or the staggering knees.

Again the writer suggests a very important rule. It will help us in making good speeches. A speaker should be quite clear in his words and thoughts. He should think only those words which he has thought. It will make a successful speech.

व्याख्या—निकलसन महोदय भाषण देने में घबराहट को दूर करने के लिए कुछ सिद्धान्तों की ओर संकेत करते हैं। एक नियम यह है कि जब कभी भी वक्ता भाषण के मध्य में घबराहट का अनुभव करें, तो वह मजाक न करें। यदि कोई वक्ता ऐसे क्षणों में मजाक करता है तो उसको कठिन समय का सामना करना पड़ता है। उसके श्रोता गण उस पर हंसेगे क्योंकि घबराहट घुटनों के लड़खड़ाने तथा आवाज के विचलने से आसानी से मालूम हो जाती है।

पुनः लेखक एक महत्वपूर्ण नियम का सुझाव देते हैं। यह अच्छे भाषण देने में हमारी मदद करेगा। एक वक्ता को अपने शब्दों तथा विचारों में पूर्णतया: स्पष्ट होना चाहिए। उसको केवल वही विचार करने चाहिये जो कुछ वह कहना चाहता है और उसे केवल उन्हीं शब्दों को कहना चाहिये जो कि उसने सोचे हों। इससे भाषण करने में सफलता प्राप्त होगी।

## Questions & Answers

**Key question I**—What were the rules of the competition in public speaking held by the Young Farmer's club ?

युवा कृषकों के क्लब के द्वारा आयोजित सार्वजनिक भाषण प्रतियोगिता के क्या नियम थे ?

**Ans.**—There was a competition in public speaking at kent. It was organised by the members of the Young Farmers' clubs. Harold Nicolson, the writer of this lesson was invited there to act as one of the judges of this competition. Besides

the writer, there were two more judges. It was an efficiently organised competition in public speaking.

There were certain rules in the competition. First of all a time limit was fixed for all the speakers. The junior competitors were not allowed to speak for more than five minutes but the seniors were given a time of seven minutes. And each speaker had to finish his or her speech within the time alotted to them.

Again, a minute before the fixed time of each speaker, a bell rang gently. It was a warning to finish the speech well in time. In this way the function ended within the prescribed time.

All the young farmers were dressed in their Sunday suits. After the competition, a light tea party was arranged for all the persons.

**Key question 2**—What are the benefits of competition in public speaking ? (Imp.)

सार्वजनिक भाषण प्रतियोगिता के क्या लाभ है ?

Ans.—Once the author was invited to act as a judge in a public competition. It was held by the Young Farmers clubs in Kent. It was an efficiently organised function and the author was very much impressed to see the fine arrangements of the function. There are many advantages of such competitions.

First of all, the purpose of such competitions was to keep the young farmers busy during the off season. These competitions keep the farmers engaged at a time, while the weather is not amenable to agricultural work.

Second, these competitions force the young farmers to think the principles of their daily work i. e. the farming. They discuss problems related to agriculture and other mother.

The farmers are encouraged to develop a spirit of self confidence and self reliance. They provide them with a lot of interest. Sometimes these competitions introduce an element of rivalry among the young farmers.

The competitions in public speaking teach us to express our views in our own words. We also learn to be certain and sincere about the words. Words are related to each other closely and in a complex manner, similar to the way in which the various parts of the body are related to each other. We, there

fore, should learn the correct method of using the various words.

Apart from these advantages, these competitions teach the young farmers to support the demand of their fellow-workers. They create in them the strong desire to know and understand the other persons of society.

These are some of the benefiits of competitions in public speaking.

**Key question 3**—What were the three judges asked respectively to concentrate upon ?

तीन निर्णायकों को क्रमशः किन वस्तुओं पर ध्यान केन्द्रित करने के लिये कहा गया था ?

**Ans.**—One after noon on a Saturday, a competition in public speaking was held at kent. It was organised by the members of the Young Farmers' clubs.

There were three judges in this particular competitions. They were Sir Edward Hardy, Miss Edith Evans and Harold Nicolson (the author of this lesson). All the three judges were asked respectively to concentrate upon the main elements of public speaking, namely, content, style and effectiveness. Theirs was the work to judge-what impression it leaves on the audience.

Sir Edward's task was to decide the subject matter of the speech. Miss Evans was 'an expert' in the art of speaking. She had to judge the styles of speeches. She also gave the farmers some excellent advice regarding the art of speaking. Harold Nicolson, the writer of this lesson, had to estimate the effectiveness of each speech upon the audience.

**Key question 4**—What are Nicolson's observations on ease in public speaking ? What is the advice on the use of notes ?

सार्वजनिक भाषण की कला को सुगम बनाने के लिये निकलसन के क्या विचार हैं ? नोटस के प्रयोग करने के सम्बन्ध में क्या राय है ?

**Ans.**—Please see the summary of the lesson for the answer of this question under sub-heading "writer's' observations and the manner of speaking."

**Key question 5**–What suggestions does Nicolson give after regarding the problems of posture and gesture in public speaking ?

सार्वजनिक भाषण में शरीर की स्थिति तथा हाव भाव के सम्बन्ध में निकलसन् क्या सुझाव देते हैं ?

**Ans.**––Please see the summary of this lesson for the answer of this question under sub-heading-'suggestions for public speaking.'

**Key question 6**––How can we remove our nervousness on the platform ? What four hints does Nicolson give ?

हम अपनी घबराहट को (भाषण में) कैसे दूर कर सकते हैं ? निकलसन कौन से चार तरीके बताते हैं ?

**Ans.**–There are many problems in the art of public speaking that a young reader faces in the beginning. There are the problems of postures and gestures. And there is the question of nervousness also. The beginner should try his best to overcome his or her nervousness. Speaker should have the courage to face the audience. All his gestures and postures must be spontaneous and unconscious.

**Four hints to remove nervousness**–Nicolson gives four hints to remove nervousness in speech. First, make three speeches in every week for thirty years. It means, enough practice in public speaking is necessary for this purpose second, remember how to begin, and above all, how to end your speech. A good beginning and a good end make the speeches successful. Third, it is dangerous to cut jokes during the speech. Do not make jokes while you feel nervous. Fourth, be sure of what you speak or think. Say what you think and think what you say.

There are the four percepts that can make your speeches highly effective. One should practise the art of speaking in the light of the suggestions given by the author.

# 10. An Open air School

## 'खुली वायु में स्कूल'

**By—C. F. Andrews**

### Introduction to the author—

C. F. Andrews was a great friend of India and her people. He passed the most part of his life in this country and became a followed of Gandhiji. He also worked in a close association with Gurudev Rabindra Nath Tagore at Shanti Niketan. C. F. Andrews was also a great educationist, who was engaged in various educational and humanitarian activities. He tried to raise the standards of the Indians, living in East and South Africa.

As a writer C. F. Andrews is chiefly known for his good writings on social reform. Among his main works are—Mahatma Gandhi At work', 'To The Students'. He also wrote on the problems of Indian education.

### Introduction to the lesson—

The present lesson has been taken from the writer's book, 'To The Students'. Here the author describes the beauty of Shanti Niketan—a model school that was started by the poet Tagore. He wanted to change his dreams into reality. This institution is at present known as the Vishwa Bharti University. It is situated about 150 kms. away from Calcutta. The institution is famous through out the world for its novel system of education.

### Main points of the lesson

1 The beauty and the peace of Shanti Niketan has charmed the writer so much that he wants to visit the place again and again. The poet has, himself, named it, 'The Darling of our Hearts'.

2 There are some stories about the establishment of Maharishi, Devendra Nath Tagore, the father of the poet meditated upon God at this place.

3 It is an ideal school. The students are self guided by the routine of the Ashram. It runs from early morning at o'clock till late at night at 10 o'clock.

4 The routine of the Ashram is based on natural phenomena. The students guided by their nature, and they develop themselves according to their own taste where no external force is exerted.

## Summary of the lesson in English

'Shantiniketan' is a world-famous institution which is chiefly known for its system of education There the children learn to develop themselves in the best way.

**The beauty of the Ashram**—C. F. Andrews the writer of the lesson was so much charmed by the place and the environment of this Ashram that he had a keen desire to visit the place again and again. The mango-groves and the long sal trees add the beauty of their place. The peace and the beauty previl, everywhere. The beauty of the place increases at sun rise and sun set. One who has visited the place can never forget the moon lit nights and dark purple evenings.

Our Gurudeva—Ravindra Nath Tagore has correctly given its name "Darling of Our Hearts". The beauty of the place can only be felt. It becomes very difficult to describe it in words. The whole atmosphere and the total sum of the beautiful place is actually praise worthy, simply to be felt and not be described.

**The stories about Shanti Niketan**—These are famous stories about the esteblishment of Shanti Niketan.

1 Maharishi Devendra Nath Tagore, the father of Gurudeva Rabindra Nath Tagore, merely devoted himself to the meditation of God during his last days. He visited many places. Once he came to this place at the time of sun set and sat under their shade of two chattim-trees, for meditation. He remained rapt in prayer throughout the whole night. Even at the sun rise the Maharishi was seated and enjoying the flowing joy of love of God. He said in himself 'This is the place of my rest and the end of my pilgrimage'. Gurudeva Ravindra Nath Tagore started here an 'Open air School' in memory of his father.

2 The another story is also told about Shantiniketan. A leader of a docoits, once came to this place thinking that Maharishi had burried a hidden treasure there. But the place and the beauty of the place together with the heavenly radiance of the Maharishi filled the heart of even a murderer with peace and kindness that he fell to the feet of Maharishi. Hence it became the place of peace 'Shanti Niketan'.

**The Routine of the Ashram**—The daily routine of Ashram starts from the early morning long before sun rise. All the boy students wake at the call of birds, at 4 o'clock. Prabhat Pheri round the Ashram, singing of hymns is made. These hymns give peace to all minds.

After natural call, each student takes his Asan and sits down for meditation. Later on, all the students sing together their hymn to God, standing in a row, before the school work begins.

**First-half of the School Hours**—The fisst half of the school work continues till half past ten. The students are not taught in the class rooms. Open air classes are held. The education is not imparted with the help of books. The students too, do not have a heap of books The discussions are made. The students feel enthusiasm in putting questions. The teachers remove their difficulties with the help of the answers of the other students. A teacher is simply a guide, who mostly avoid to give the direct answers, but removes even the individual difficulty with discussion among the students.

**Second half of the School hours**—When the morning work is over, the students bathe and go to their meal. After having a little rest, the second half of the school begins. It starts at two o'clock, In the 2nd half the students are busy in their manual craft work. They choose one craft according to their own taste and temperament. They may take wood work, spining and weaving, mechanical work. Thus the students trained themselves in the profession which suits to their soul and mind. They may become musicions, painters, draftsmen, engineers or any type of skilled persons. There is hardly any book work in the 2nd half of the school hours. The school is over at 4 o'clock,

**After School Hours**–After the school hours the students go to the open fields and they play different games. The foot-ball is the main game for the students

They return from the play grounds at sun set and sit down once more for meditation for a short-time in silence.

At night, fairy tales are told, dramas are staged and songs of Gurudeva are recited. Different school gathering are held.

At nine or ten o'clock they go to their bed. Once again pheries of Ashsam are made with evening hymns.

Hence there can be no question in saying that it is an ideal and unique university of the world.

## पाठ का हिन्दी में सारांश

'शान्ति निकेतन' संसार की प्रसिद्ध संस्था है जहां एक आदर्श शिक्षा दी जाती है। स्वयं बच्चे अपना सर्वांगीण विकास उत्तम ढंग से करना सीखते हैं।

आश्रम की स्मृति—श्री सी० एफ० ऐड्रूज जो इस पाठ के लेखक हैं यहां के सौन्दर्य और वातावरण की शान्ति से इतने प्रभावित हुए हैं कि उनका हृदय इस स्थान को बार २ देखने के लिए व्याकुल रहता था।

इस स्थान की सुन्दरता को यहां के लम्बे २ शाल वृक्ष एवं आम्रों की कुंजें बहुत कुछ बढ़ा देती है। पूरे वातावरण पर शान्ति का साम्राज्य रहता है। सूर्योदय एवं सूर्य के अस्त होने पर सुन्दरता और बढ़ जाती है। यदि किसी ने भी इस स्थान का भ्रमण किया है तो वह यहां की चांदनी रात तथा सुन्दर सायंकाल को कभी नहीं भुला सकता है।

शान्ति निकेतन के सम्बन्ध में किम्बदन्तिया—शान्ति निकेतन के सम्बन्ध में दो मुख्य किम्वदन्तियां प्रचलित हैं।

गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के पिताजी महाऋषि देवेन्द्र नाथ टैगोर ने अपने जीवन के अन्तिम दिन ईश भजन एवं तीर्थ यात्रा में ही बिताए। एक दिन संध्या के समय किसी प्रकार वह इस स्थान पर आ गए। यहां के शान्त वातावरण को देख कर स्वतः ईश भजन के लिए दो वृक्षों की छाया के नीचे बैठ गए। यहां की शान्ति और स्थान के सौन्दर्य में उनका मन ईश भजन

इस प्रकार व्यस्त रहा कि वह पूरी रात ईश भजन ही करते रहे। प्रातः सूर्य निकलने पर भी वह ईश भजन पर ही बैठे रहे और रात के आनन्द का अनुभव करते रहे।

अन्त में उन्होंने स्वयं कहा, 'यह स्थान यही तीर्थ यात्रा का अन्तिम स्थान होगा।' गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर ने अपने पिता की स्मृति में यहां यह विश्व विद्यालय स्थापित किया।

२ दूसरी किम्वदन्ति इस प्रकार है—एक डाकुओं का सरदार इस खोज में इस स्थान पर आया कि महाऋषि ने अपना धन (खजानों) इस स्थान पर छुपा दिया है। परन्तु इस स्थान की शान्ती और सुन्दरता तथा महाऋषि के देवी प्रभा से वह इतना प्रभावित हुआ, उसका हृदय शान्ति और दया का भंडार हो गया वहां महाऋषि के पैरों पर गिर पड़ा। अतः यह स्थान आततताईयों के भी हृदय को शान्त देने वाला 'शान्ति निकेतन' प्रसिद्ध हो गया।

आश्रम की दिनचर्या—विद्यार्थियों के कार्य कलाप प्रातःकाल चार बजे से ही प्रारम्भ हो जाते हैं। आश्रम की प्रभात फेरी ईश भजनों के साथ की जाती है। यह भजन प्रत्येक मस्तिष्क में शान्ति का संचार करते हैं।

नित्य क्रम से निवृति होकर वालक अपने आसन पर बैठ कर मौन ईश पाठ करते हैं। तत्पश्चात स्कूल प्रारम्भ होने के पूर्व वे एक पंक्ति में खड़े होकर सामूहिक ईश प्रार्थना करते हैं।

(अ) पाठशाला का प्रथम कार्य क्रम—पाठशाला का प्रथम कार्य क्रम साढ़े दस बजे तक रहता है। विद्यार्थियों को कक्षा में शिक्षा नही दी जाती है। खुले मैदान में उनकी कक्षाएं लगती हैं। उन्हें 'ज्ञान' पुस्तक की सहायता से नहीं दिया जाता है। विद्यार्थियों के पास भी वहुत सी पुस्तकें नहीं होती हैं। अधिकतर ज्ञान, भाषण और वाद विवाद के आधार पर दिया जाता है। विद्यार्थियों के हृदय में ज्ञानार्जन के लिए प्रश्नों के पूछने का उत्साह होता है। अध्यापक बालकों की कठिनाइयों को भी सीधे उत्तर देकर नहीं दूर करते हैं। वरन् वह भी वाद विवाद द्वारा बालकों के मध्यम से ही अन्य बालकों की कठिनाई को दूर करता है।

(ब) पाठशाला का द्वितीयार्ध कार्य क्रम—प्रथम कार्य क्रम समाप्त होने के पश्चात् विद्यार्थी नहाते हैं। अपना भोजन करते हैं। थोड़ी देर आराम करने के पश्चात् पाठशाला का द्वितीयार्ध कार्य क्रम प्रारम्भ हो जाता है। यह लगभग २ बजे प्रारम्भ होता है। इसमें पुस्तक अध्यापन नहीं होता है। वरन् बालक अपने मन और रुचि के अनुसार कोई हस्त कला चुन लेता है और इस बीच में यही कार्य करता है। इस प्रकार वह स्वयं ही अपनी प्रवृति के अनुसार गायक, पेन्टर, ड्राफ्ट मैन, इन्जीनियर तथा अन्य किसी व्यवसाय को अपनाकर अपने को उसके लिए दक्ष वनाता है।

(स) पाठशाला समय के पश्चात्—चार बजे सायं पाठशाला का द्वितीयार्ध समाप्त हो जाता है। सभी बालक खेल के मैदान में विभिन्न खेल खेलने को बड़े विस्तृत मैदान में जाते हैं। बालकों के लए मुख्य खेल 'फुटबाल' है।

खेल के मैदान से वे सूर्य अस्त पर वापिस आते हैं। तत्पश्चात् पुनः पुनः बार ईश भजन थोड़े समय के लिए करते हैं।

रात को विभिन्न सांस्कृतिक कार्य क्रम होते हैं। कहानियों, ड्रामा, गुरुदेव के भजनों का गायन किया जाता है। विभिन्न स्कूल सभाएं होती हैं।

रात में नौ या दस बजे वह सोने को जाते हैं। सोने से पूर्व आश्रम की फेरी पुनः की जाती है जिसमें सायं काल के भजनों का उच्चारण होता है।

अतः इस प्रकार की आदर्श उत्तम शिक्षा और अनूठी विश्व विद्यालय के होने में संसार कोई प्रश्न नहीं उठा सकता है।

## Word-Meanings, Hindi Translation & Explanations

### Key Question 1 Page 73 para 1

Meanings—Confession—acceptance स्वीकृत। moment—क्षण। inmost heart—inner heart आन्तरिक भावना। inextinguishable–that cann't be extinguished जिसे दबाया न जा सके। longing—desire इच्छा। beneath—under नीचे। mango-groves—आम्र कुञ्ज। the spirit of peace—शान्ति के भाव। (Shantiniketan means abode of peace शान्ति निकेतन

का अर्थ शान्ति पूर्ण स्थान है), reigns—rules शासित करती है। supreme—highest सर्वोच्च। purple evenings—when the evening comes, the sky becomes of red and blue colour गहरे नीले लाल (धूमिल) रंग की सन्ध्याएं। stoop down—come down नीचे आना। whisper—murmer चुप चाप कहना।

हिन्दी अनुवाद—सी० ऐफ० ऐंड्र ज ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा है कि यदि वर्तमान क्षण में मैं अपनी आन्तरिक भावनाओं का वर्णन करूं कि शान्ति निकेतन के सम्बन्ध में मेरी हार्दिक इच्छाएं क्या हैं तो तुम अनुभव करोगे कि शान्ति निकेतन की स्मृति ने मेरे हृदय में ऐसी गहरी छाप छोड़ रक्खी है कि मैं वहां के शाल वृक्षों, आम्र कुंजों, बच्चों के गाने, खेल कार्य कलाप को देखने के लिए बार २ व्याकुल हो जाता हूँ। वहां शान्ति और सौन्दर्य का साम्राज्य है। खुला वस्तृत आकाश, वहां के प्रभात और संध्या चांदनी रात और धूमिल संध्या को सुन्दरता तथा तारों का एक २ करके उदय होना आकाश का ऐसा प्रतीत होना कि वह मानव के कानों में बड़ी खामोशी से भेद की बात बताने को प्रस्तुत है, आदि, बातें चिर स्मरणीय है।

**Exp.**—The spirit of peace......mortal men. **V. Imp.**

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'An Open Air School', written by C. F. Andrews.

**Cont.**—In this lesson, the writer describes the quiet atmosphere of Shanti Niketan, which is a model school founded by Gurudeva Rabindra Nath Tage. Tagore founded this institution in order to change his ideas into reality.

**Exp.**—C. F. Andrews memorizes some of the beauties of Shanti Niketan which compell him to visit the place again and again.

The peace and beauty prevails all over Shanti Niketan, We find an open natural environment there. The sky at the time of sun-rise and sun-set is very beautiful. The beauty of moon lit-night and purple evening is very charming. The sky with the stars comming out one after another, seems to come down to say the secrets of the nature in the ears of human beings. The whole enveironment gives an eternal peace to man kind.

सन्दर्भ—ये पंक्तियाँ 'An Open Air School से ली गई हैं। इसके लेखक C. F. Andrews हैं।

प्रसंग—इस पाठ में लेखक ने शान्ति निकेतन के शान्त वातावरण का वर्णन किया है, जो कि गुरुदेव रविन्द्र नाथ टैगोर द्वारा स्थापित एक आदर्श विद्यालय है। टैगोर ने अपने विचारों को वास्तविकता में बदलने के लिए इस स्कूल की स्थापना की थी।

व्याख्या—सी० एफ० ऐड्रूज विद्यार्थियों के समक्ष 'शान्ति निकेतन' की उन कुछ सुन्दरताओं का वर्णन करते हैं जिनके कारण उनका मन उन्हें 'शान्ति निकेतन' देखने के लिए बार २ विवश करता है।

शान्ति और सौन्दर्य का साम्राज्य पूरे 'शान्ति निकेतन' पर छाया रहता है। सम्पूर्ण शान्ति निकेतन में एक खुला, विस्तृत प्राकृतिक वातावरण पाते हैं। आकाश सूर्योदय तथा सूर्यास्त के समय बड़ा सुन्दर लगता है। चांदनी रात एवं धूमिल संध्या की सुन्दरता जादू का प्रभाव रखती है। आकाश जिसमें एक २ करके तारे निकलते दिखाई देते हैं, झुका हुआ प्रतीत होता है मानो वह मानव जाति को प्रकृति के भेद का संदेश दे रहा है।

## Page 73 para 2

Meanings—Picture—to draw the picture in words शब्दों में चित्र खींचना। 'the darling of hearts'–most dear to the heart, which gives peace to the hearts जो हृदय को सबसे प्रिय हो, हृदय को शान्ति देता हो, शान्ति का घर हो अर्थात 'शान्ति निकेतन'। worthy—fit योग्य। 'Gurudeva'–Rabindra Nath Tagore रवीन्द्र नाथ टैगोर। old and young—every body having no consideration of age, प्रत्येक व्यक्ति, आयु का ध्यान न रखते हुए चाहे बुड्ढा हो चाहे जवान हो। inner beauty–the beauty of this place can not be described in words, it can simply be felt इस स्थान के सौन्दर्य को केवल हृदय से अनुभव ही किया जा सकता है, शब्दों में वर्णन नहीं हो सकता है।

हिन्दी अनुवाद—शान्ति निकेतन की सुन्दरता का वर्णन शब्दों में नहीं किया जा सकता है। गुरुदेव 'रवीन्द्र नाथ टगोर' ने अपने शब्दों में 'शांति निकेतन' कहा है (अर्थात इस स्थान के वातावरण तथा यहां की सुन्दरता हृदय में सबसे अधिक शांति प्रदान करती है और हृदय को सबसे अधिक प्रिय है) और इसका यह नाम सार्थक है वास्तव में 'शांति निकेतन' है। जिस किसी ने भी शांति निकेतन के दर्शन किये हैं, चाहे वह बुड्ढा हो चाहे जवान हो, उसने इस स्थान को अपने हृदय में स्थान दिया है, वह उसका वर्णन शब्दों में करने में असमर्थ रहता है।

## Key Question 2 Page 74 Para 1

Meanings–Legands–old stories किम्व दन्तियां। creepers—plants having long and tender stems and creep on walls or trees बेलें। meditated–thought deeply ध्यान मग्न हो। splendour—magestic beauty पूर्ण सौन्दर्य। rapt—remained busy व्यस्त रहे। wakeful night—the night when he remained waking रात का जागरण। end of my pilgrimage–the goal which he was trying to find out मेरे जीवन यात्रा का अन्तिम ध्यय (उद्देश्य)।

हिन्दी अनुवाद—शांति निकेतन के सम्बन्ध में कहानियां कही जाती हैं जो एक दिन बंगालियों के लिये किम्ब दन्तियां हो जायेंगी गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर के पिता जी देवेन्द्र नाथ टैगोर बहुत वर्ष पूर्व एक दिन इस स्थान पर आए जब सूर्यास्त हो रहा था। वह दो चाटिम् वृक्षों की छाया में बैठ गये इन वृक्षों को पत्तों ने ढक रक्खा था। इन बेलों पर सफेद फूल खिले हुए थे। वह भगवत भजन में व्यस्त हो गये। रात हो गई। चांदनी का प्रकाश हो गया। चाँदनी पूर्ण सौंदर्य के साथ फैली रही। सम्पूर्ण समय वह ध्यान मग्न अवस्था में ईश्वर भजन करते रहे। रजित प्रभात में सूर्योदय के समय भी महाऋषि उसी प्रकार ईश्वर भजन में बैठे रहे। उनका हृदय रात्रि के चेतन अवस्था में हर्ष पूर्ण उल्लास का अनुभव कर रहा था। उन्होंने अपने मन में अनुभव किया ''यही

स्थान उनकी जीवन यात्रा का उद्देश्य है और यहीं उन्हें शांति प्राप्त हुई। यहां वह कई वर्षो तक रहे। इस स्थान का नाम उन्होंने शांति निकेतन अर्थात् 'शांति गृह' रक्खा।

2 **Exp.**—At the time..........pilgrimage. **Imp.** Page 74

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'An Open Air School' written by C. F. Andrews.

**Cont.**—Davendra Nath Tagore the father of Dr. Ravindra Nath Tagore came to a place which appealed him most. He sat there and busied himself in deep meditation. He had no idea of time and place.

**Exp.**—The whole night was over and Maharishi Davendra Nath Tagore remained busy in deep thinking. Even at time of sun rise in golden sky. Maharishi was sitting in deep thinking. He was enjoying the peace and the joy of love of God which he felt during the night when he remained waking although in deep meditation.

Maharishi was never so happy and he fouud no where such peace. Hence he realized in himself that it was the goal of his life. He passed his many years on this place. He called it Shanti Niketan–the place which was full of peace. |

व्याख्या—महाऋषि सम्पूर्ण रात ध्यान मग्न अवस्था में ईश्वर भजन करते रहे। जब स्वर्णिम आकाश में सूर्योदय हुआ तो भी महाऋषि उसी ध्यान मग्न अवस्था में बैठे हुये रात्रि के ईश्वर प्रेम और हृदय की शांति का अनुभव कर रहे थे। उन्होंने अपने हृदय में कहा "यही मेरे जीवन का उद्देश्य है। इसी स्थान पर मुझे शांति प्राप्त हुई है।"

वह इस स्थान पर कई वर्षो तक रहे और इनका नाम 'शांति निकेतन' अर्थात 'शांति गृह' रक्खा।

## Page 74–75 Para 2–3

**Meanings**—Runs—is told कही जाती है। robber band—a group of docoits डाकुओं का गिरोह। heavenly radiance—spiritual light दैवी आत्म प्रकाश। fell at his feet—bowed

down to आत्म समर्पण किया । asked forgiveness—begged pardon क्षमा याचना की । disciple—pupil शिष्य । inner—meaning–the real sense of understanding वास्तविक अर्थ । resiting place of saints—the places where the Maharishies make their Ashram वह स्थान जहां महाऋषि अपने आश्रम स्थापित करते हैं । hollowed by the presence of immortal joy–full of peace and eternel ever lasting happiness अमर शांति अटूट दैवी आनन्द से परिपूर्ण ।

हिन्दी अनुवाद—इस सम्बन्ध में द्वितीय किम्ब दन्ती यह है कि एक बार एक डाकुओं का सरदार इस स्थान पर यह समझकर आया कि किसी साधू ने यहां अपना छुपा हुआ खजाना गाड़ रक्खा है ।

परन्तु इस स्थान के शांत वातावरण, और महाऋषि के द्विय आत्म प्रकाश पूर्ण चेहरे को देखा उसका हृदय स्वयम् द्रवी भूत हो गया । उसने आत्म समर्पण किया और महाऋषि के पैरों पर पड़कर क्षमा याचना की और महाऋषि का शिष्य हो गया ।

यह कहानियां शां त निकेतन के वास्तविक अर्थ पर प्रकाश डालती हैं । यह हमें इस बात का स्मरण कराती हैं कि महाऋषियों के आश्रम वास्तव में उन्हीं स्थानों पर होते हैं जो ईश्वरीय प्रेम, अमर शांति, तथा अटूट आनन्द से परिपूर्ण होते हैं ।

## Key Question 3 Page 75 Para 1

Meanings—To Bring Home–to make you understand समझाना । inner beauty–the beauty that is hidden behind it and can only be felt and realized but can not be described वह सौंदर्य जो अन्तरात्मा से समझा जा सकता है परन्तु शब्दों से उसका वर्णन नहीं हो सकता है । am-loki groves—a number of mango trees at one place आम्र कुंज । choristers—a number of persons who sing in chorus वह

सभी व्यक्ति (सम्पूर्ण टोली) जो एक साथ गीत गाते हैं । hymns—song in the prayer of God ईश भजन । reverence—respect आदर सम्मान । soul—आत्मा ।

हिन्दी अनुवाद—यदि मैं तुम्हें आश्रम के एक दिन के विद्यार्थियों के कार्य कर्ताओं को बताना प्रारम्भ करूं जिससे सम्भवतः तुम सब से अच्छी तरह समझ सकते हो कि आश्रम की सुन्दरता का शब्दों में वर्णन नहीं हो सकता है वरन उसका हृदय में ही अनुभव किया जा सकता है । प्रातः काल बडे तडके सूर्य के उदय होने से बहुत पूर्व आम कुंजों की चिड़ियों के जागने के साथ ही शांति निकेतन के विद्यार्थी जाग जाते हैं । प्रभात फेरी वाली टोली आश्रम की फेरी करती हैं और ईश्वर भजन का उच्चारण करती हुई जाती हैं । तुम उनकी आवाज को कभी दूर कभी निकट आती हुई सुन सकते हो ; वह ध्वनि समाप्त हुई सी दिखाई देती है जब टोली आश्रम के दूसरे भाग में निकल जाती है। प्रभात की शांति के उस ध्वनि की मधुरता में वह आनन्द और वह श्रद्धा होती है कि प्रत्येक आत्मा को शांति प्राप्त होती है ।

## Page 75–76 Para 2–3

Meanings—Square of carpet—the fixed place for each student for prayer on the floor of carpet प्रत्येक विद्यार्थी का पूजा का निश्चत स्थान । to meditate—to devote in deep thinking ध्यान मग्न होना । goes on—continues जारी रहता है । is carried on—given शिक्षा दी जाती है । conversation—discussions वाद विवाद । open out—to point out बताना । living education–education in which boys are keen observer, quick to understand and ready to answer, learning through discussion समीप शिक्षा ।

हिन्दी अनुवाद—थोडे अवकाश के बाद प्रत्येक बालक खुले मैदान में अपने निश्चित स्थान पर आसन ग्रहण करता है । वह स्थान पर अकेले ही ईश्वर ध्यान में ध्यान मग्न होते हैं तत्पश्चात् पाठशाला प्रारम्भ होने से पूर्व पेड़ों के साथ वे एक पंक्ति में खड़े होकर एक साथ ईश प्रार्थना करते हैं ।

पाठशाला कार्य लगभग साढ़े दस बजे तक चलता है। यहां कक्षा कक्ष नहीं होते हैं। खुले मैदान में पेड़ों के साये में विद्यार्थी अध्यापकों के साथ बैठते हैं। बड़ी २ कक्षायें नहीं होती है। आठ या दस विद्यार्थी अध्यापक को घेर कर बैठते हैं। वे अध्यापक से प्रश्न पूछते हैं। पुस्तकों का बहुत कम प्रयोग होता है। यहां उसी प्रकार से शिक्षा दी जाती है जैसी शिक्षा एथेंस में प्लेटो देता था। इस शिक्षा का अधिक भाग वाद विवाद द्वारा पूरा किया जाता है। बालक शीघ्र ही अपनी कठिनाई को अध्यापकों के समक्ष प्रश्न रूप में प्रस्तुत करना सीख लेते हैं। अध्यापक बालकों के प्रश्नों में विशेष रुचि लेते हैं। ऐसी जीवित-शिक्षा अरुचिकर कभी भी नहीं हो सकती है।

**Exp.**—Very few books......can never be dull. **Imp.**

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'An Open Air School' written by C. F. Andrews.

**Cont.**—The system of Education at 'Shanti Niketan' is an ideal and unique. It is different from that type of system which is generally adopted in other institutions.

**Exp.**—In 'Shanti Niketan' the students are not taught in class rooms with the help of books. But they sit in batches of eight or ten students round the teacher in the open air. Hardly some books are used. Discussions are made The students put questions to the teacher regarding their difficulties. These difficulties of the students are removed with the help of the students themselves The teacher remains as a guide only. Preleminary discussions on certain topics are made by question and answer method, similar methods of Education were adopted in Athens by plato. After a little practice the students become habitual to point out their own difficulties before the teachers and they put question to the teachers to remove these difficulties. The teachers are also very interested to know the difficulties of the students. They remove their difficulties in the same method—'question & answer'-conversation method. In this system of Education, the boys are themselves keen observer, really to understand and answer the question. Hence it is a living education. It is always interesting and it can never be dull.

व्याख्या—'शान्ति निकेतन' में विद्यार्थी 'कक्षा कक्ष' में नहीं पढ़ाए जाते हैं, वरन आठ या दस विद्यार्थी अध्यापक के साथ बैठते हैं। पुस्तकों का बहुत कम प्रयोग किया जाता है। वाद, विवाद एवं प्रश्नोत्तर विधि से अध्यापक बालकों का संरक्षण करते हैं। बालक अपनी कठिनाईयां अध्यापक के समक्ष प्रस्तुत करते है और अध्यापक बालकों की कठिनाईयां उन्हीं के द्वारा प्रश्नोत्तर विधि से दूर करते हैं। ऐसी शिक्षा की विधि प्लेटो द्वारा ऐथेंस में अपनाई गई थी।

थोड़े अभ्यास के बाद ही बालक स्वयं अपनी कठिनाईयों को अध्यापक के समक्ष प्रस्तुत कर देते हैं। अध्यापक बालकों की कठिनाईयों को सुनने और दूर करने में विशेष रुचि लेते हैं।

यह प्रश्नोत्तर विधि द्वारा शिक्षा देने की विधि समीप शिक्षा है और यह कभी भी अरुचिकर नहीं हो सकती है।

## Key Question 3 Page 76 Para 4

Meanings—Chiefly—mainly मुख्यता। with the hand—skillful manual labour हस्त कला। with the mind—mental work बुद्धि विकसित कार्य, practised–done regularly अभ्यास किया जाता है। natural taste—inclination, interest according to the bent of mind झुकाव, रुचि के अनुसार। prefer–think better अधिक महत्व देना, अधिक पसन्द करना। painter—artist कलाकार, पैन्टर।

हिन्दी अनुवाद—जब प्रातः के स्कूल का कार्य समाप्त हो जाता है, विद्यार्थी भोजन करने जाते हैं। दो बजे पुनः दोपहर के पश्चात स्कूल प्रारम्भ होता है। इस समय मुख्यतः स्कूल में 'हस्त कला' का कार्य होता है। जिसमें बुद्ध एवं हस्त कला दोनों का समावेश होता है। हस्त कला के अभ्यास में बालकों की अपने रुचि एवं झुकाव का शीघ्र ही प्रदर्शन हो जाता है। कोई हस्त कला कार्य अपनाता है और कोई मशीनें सम्बन्धी कार्य तथा कुछ कताई बुनाई में रुचि लेते हैं। इस प्रकार कोई अच्छे ड्राफ्ट मैन, कुछ पेन्टर तथा कोई ... बन जाते हैं।

## Key Question 3 Page 76 para 5, 6, 7

Meanings—Fairy stories–story meant for small children अपसराओं की कहानियां । recited—sung गाये जाते हैं। to retire—to go to sleep सोने को जाना । freer life—life to develop one self according to his own taste or inclination अधिक स्वतन्त्रता जिसके द्वारा अपना विकास अपनी रुचि और झुकाव के अनुसार किया जा सके।

हिन्दी अनुवाद—दोपहर बाद बहुत थोड़ा कार्य होता है। स्कूल चार बजे समाप्त हो जाता है। तब अधिकतर बालक फुटबाल के खुले मैदान में चले जाते हैं। शान्ति निकेतन के विद्यार्थी खेल कूद में हर स्थान पर प्रसिद्ध हैं। सायं काल सूर्यास्त के समय वे खेल के मैदान से वापिस आते हैं और एक बार पुनः शान्ति पूर्वक अपने स्थान पर बैठकर ईश्वर के ध्यान में मग्न हो जाते हैं।

रात के समय छोटी २ कहानियां कही जाती हैं। छोटे २ ड्रामा खेले जाते हैं। गुरुदेव के गीत गायें जाते हैं तथा भिन्न २ स्कूल में मीटिंग होती हैं।

रात्रि में लगभग ९ बजे सभी विद्यार्थी हर्षोल्लास पूर्ण अपने बिस्तर पर सो जाते हैं। फेरी करने वाली पार्टी एक बार फिर आश्रम के चारों ओर चक्कर करती है जिसमें पिछले सायं काल के भजन गाती है। इन विद्यार्थियों के हर्षोल्लास पर कोई प्रश्न नहीं हो सकता है। उनके चेहरे ही उनकी खुशी एवं स्वतन्त्रता को बताते हैं। भारत में बालकों के अपने झुकाव तथा प्रवृत्ति के अनुसार इससे अधिक स्वतन्त्रता पूर्वक विकास का और कहीं अवसर तथा स्थान नहीं है जितना शान्ति निकेतन में है।

**Exp.**—Their faces.........Shanti Niketan Page 77 Para 7

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'An Open Air School' written by Sir C. F. Andrews.

**Cont.**—The life of the students at Shanti Niketan is very happy. They are given every chance of their own development according to their own taste and inclination. There is no external force from outside. The teachers are their guide to help them in their best development.

**Exp.**—We can read from the faces of the students that they are very happy and enjoy a free life. There is every chance for their free development according to their own inclination. We can say very well that it is the institution where the best chances for the development of one self are given, in India there is no better institution than Shanti Niketan.

व्याख्या—हम शान्ति निकेतन के विद्यार्थियों के चेहरे को देखकर ही उनकी खुशी, हर्षोल्लास का पता लगा सकते हैं। उन्हें अपने विकास का अपनी प्रवृत्ति के अनुसार पूरा अवसर मिलता है। वह अपने झुकाव के अनुसार ही अपने व्यक्तित्व को बना सकते हैं। भारत में इससे अच्छी संस्था और कोई नहीं है जहां इससे अधिक बालक के विकास के अवसर पर अपनी रुचि एवं झुकाव के अनुसार मिल सकते हों।

## Questions & Answers

**Key question 1**—Why did Ravindra Nath Tagore Call Shanti Niketan "The Darling of our Hearts" ?

गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर ने 'शान्ति निकेतन' को हृदय की प्रियसी क्यों कहा ?'

**Ans.**—'Darling of our hearts' means that which is most dear to our hearts. The thing which gives the utmost pleasure to our hearts, which gives a great peace to our hearts is darling. Shanti Niketan gives utmost peace to our hearts. Hence Dr. Ravindra Nath Tagore called Shati Niketan 'The Darling of our hearts'. The author was very much impressed by the peace and beauty of the ashram. Seeing its wonderful atmosphere he felt peace within his heart. He was delighed to see the ashram so he wishes to go there again and again. Everybody, who has visited the ashram, old and young alike, have felt its inner beauty. So the poet had rightly called it 'The Darling of our Hearts.

**Key question 2**—What are the stories told about Shanti Niketan ?

शान्ति निकेतन के विषय में कौन कौन सी कहानियां कही जाती हैं ?

**Ans.**—Please see the summary of the lesson for the ...

wer of this question under sub-heading—'The Stories about Shanti Niketan.

**Key question 3**—What happens in the ashram in the course of a day ? Why does Andrews claim that there is no freer life in India than the life of the children at Shanti Niketan ?

आश्रम में पूरे दिन में क्या होता है ? एन्ड्रूज यह क्यों सोचते हैं कि शांति निकेतन में रहने वाले बालकों की जीवन की तुलना में भारतवर्ष में इतना अधिक स्वतंत्रत जीवन अन्य स्थानों पर नहीं है ?

**Ans.**—Shanti Niketan is a model school. It was established by Rabindra Nath Tagore. Tagore founded this school in order to change his ideas into reality. The poet, Tagore dreamt of peace and happiness in the world. He wanted to bring his ideas into practical shape. Shanti Niketan is also a reflection of the supreme thougths of the poet. The school has a nevel system of education.

**The Routine in the Ashram**—The school starts from the early morning when the boys get up and the childern go round the ashram singing their morning hymns. Then the boys sit in the fields to meditate upon God. Till about half-past ten, the work of the school goes on. We have no class rooms there. The boys sit with their teachers in the open air under the trees & discuss their problem, very few books are used as a part of education.

When the morning work is over the students bathe and go to their meal. After having a little rest, the second-half of the school begins. It starts at two O' clock. Now the students mainly take the practical work such as carpentry and mechanical work. In the evening, when the school is over at four o' clock, the boys play different games. As night comes, fairy stories are told and short dramas are recited.

**Free life at the Ashram**--C. F. Andrews claims that there is no free life in India than the life of children at Shanti Niketan, because every possible chance is given to a student at Shanti Niketan to develop his personality according to his own taste and inclination. There is no external force upon a student. A teacher is simply a guide to help him in developing the boys' individuality and personality according to his temperament.

———

# 11. The Gandhian Out-Look

## 'गाँधी जी का दृष्टिकोण'

**Dr. S. Radha Krishanan**

**Introduction to the author—**

Dr. Radha Krishanan has been our president of India from 1962 to 1967. He has occupied many important academic post, where in he showed his great ability and distinction. He had been Professor of Eastern Religions and Ethics at Oxford University. He was Vice-Chancellor of Hindu University at Banaras.

He was born in 1888 He is a great philosopher, who has specialized in Indian philosophy. He has interpreted the Indian philosophy to the world. He has a marked, thoughtful and forceful expression. He is one of the greatest orators in English. He has made a number of publications. Some of them are Indian Philosophy, Hindu views of life, Philosophy of Upanishads, Future of Civilization etc.

**Introduction to the lesson—**

This lesson is an extract from a speech which was delivered by him on January 1953. We find here a brilliant exposition of Gandhiji's love for humanity in this lesson.

Dr. Radha Krishnan made this speech on January 9, 1953 at a seminar. This seminar wes held regarding the contributions of Gandhian out-look and techniques to solve the tensions between nations. In this lesson Dr. Radha Krishanan has given a clear notion that Gandhiji was a great lover of humanity. He was religious minded in real sense and in practice.

**Main points of the lesson**

1 Gandhiji was religious minded in real sense. All religions are based on truth and love. Gandhiji put these two ideas before the world practically. He never told a lie during his whole life. He gave his life for their cause of humanity. He was murdered simply because he could not differenciate between Hindu and Muslims.

2 Gandhiji was internationlist first, afterward he was Nationalist. He had a love for humanity. He could not differenciate between caste and creed. He stood in the way when there was great friction between the Hindus to the Muslims.

3 Gandhiji had full confidence that cruel means are not only the method to obtain political freedom. The best way of obtaining political freedom is the 'Non Violent Method. He put the idea in practice in the case of Indian freedom'.

4 Gandhiji wanted to fight against the evil and against the evil doer. He always tried to understand. under what circumstances a particutar person did commit certain evil. By eliminating such circumstances the evil can be removed.

5 Gandhiji, himself respected all religions and wanted every body to understand the other religions and to respect them

6 Gandhiji helped to remove the confusion which is existing in the world to day. He created the feeling of brotherhood between different caste and creed. He did not want to divide them into minor compartment.

7 His ideals and philosophy are a great help to remove the conflicts which is still existing in the different people of the world.

8 Universal brother-hood can only be established if we practise to do what we say, as Gandhiji did in his life.

**Summary of the lesson in English**

**'The Religion of Gandhiji' or Gandhiji as a Religious person'—**

Gandhiji was a great religious man. But his religion was not based on narrow ideas and limited out look. He saw that all religions are based on truth and love. It is the priest or so called the certain limited persons who give limitations to them and make differences between persons having different religions. He pointed out this mistake many a time. They never pratise what they say,' Gandhiji acted upon these basic principles of love and truth. He was always pure in his deeds and actions. He never told a lie. He had a great love for the humanity. Gandhiji made us to understand that even at present

when the world can not be said loyal, the ideas of truth and love can best be practised if we wish to be religious minded.

**'An Approach to Internationalism through Nationalism—**

Gandhi practised to adopt non violent method for obtaining political freedom for Indians. He knew well that history tells us that all political freedoms have been achieved by violence, deceit and cunning manners. But he had a great love for humanity. He did not want to practise such cunning and violent method for this love. He took up India's cause for this purpose. He wanted to show and actually made it clear to the world that if this 'ideal of non violence' could be adopted in the case of India for achieving her freedom, why not the principle can be made true in the case of all the countries of the world. Hence his Nationalism was a means to Internationalism.

**Elements of Universalism**—Gandhiji loved truth and humanity. These two elements are the bases of all the religions of the world. The founders of all the religions felt about these elements and they preached it and acted upon them. It were the followers who poluted them. Gandhiji thought that truth is the essence of all the religions. Hence every body should be true to his action. He thought every man a great religious man who acted upon these principles. The same principle of love the base of all the religions is underlying the custitution of India.

**Help of Gandhian out-look to remove the world confusion—**

At present we are not clear in our deeds and actions. It is quite different what we do that what we suggest or rather boast to do. There is a vast difference between our saying and doing. Hence there is a great confusion among the world. This can only be removed if we love and have sympathy with all the people of the world Gandhi never wanted to devide them into minor compartments of Hindu, Muslims or christians. If this confusion if to be removed, we must be loyal to the human race realising the fact that the father of everyone is God.

**The Pole of the philosophy and the ideals of Gandhiji in making International Society—**

The different nations are proud of their natural resources, scientific achievements and intellectual inventions. Such pride among the nations create a hatred for other nations. They become jealous of other nations. Even after the best efforts of United Nations Organisation, there is a great conflict among them. These conflicts can only be removed if Gandhiji's ideals are owned by all nations. Gandhiji wanted to make the world as a state and all the nations its provinces.

**Practice of Universal Brother-hood—**

It is necessary to fill the ideas among the young generations, that only God is the father of all human beings. The differences are created among them when they establish their existence in the world. From the very beginings the children should be taught to learn not to differentiate between his own brother and his neighbour fellow. The very feeling will change the whole socity. Although it is difficult to bring such a change in a year or two. But the psosperity of the world can only be seen by having the feeling of Universal Brotherhood.

**Necessity of World Organization and resources to be adopted for its formation—**

It is human nature rather a human weakness which compells a person to become superior to other. The quarrel arises from this very weakness. Small disputes among the individuals are decided in courts by the Judges The wrong doers are punished and peace and order is maintained. But if we think of those Risies who have left the world and have devoted themselves for the good of the mankind, we never require any police or any external force to maintain law and order for them. Here is the difference of theory and practice. In present set up, we boast much on the stage, pretend to be the great reformers. The enternal discipline is required in the societies which will come by the self control of the individuals The speeches will not bring reforms in the societies. But only the practical shape of an individual in the real sense of worthy son of God will develop the feeling of Brotherhood among the different nations. Thus all the nations combined together will make the world a state. Such was the desire of Gandhiji and ideals are the basic principles for making the world a state.

## पाठ का सारांश

गांधी जी की धार्मिक भावना—गांधी जी बड़े धार्मिक पुरुष थे। उनका धर्म सँकीर्ण भावनाओं तक सीमित नहीं था और न धार्मिक विचार में संकुचित दृष्टिकोण था। उन्होंने सभी धर्मों के मुख्य सिद्धान्तों को सच्चाई और प्रेम से ओत प्रोत पाया है। यह केवल उन सिद्धांतों के चलाने वाले महन्तों में संकीर्णता कर लेती है जो विभिन्न धर्मों में अन्तर पैदा कर देते हैं। इस कमी का अनुभव करते हुए कई बार समाज के समक्ष इस संकीर्णता का सँकेत किया। यह व्यक्ति कभी भी उन सिद्धान्तों पर स्वयं चलने का अभ्यास नहीं करते हैं जिनका वह दूसरों को उपदेश देते हैं। गांधी जी ने स्वयं सत्य और प्रेम के सिद्धान्त को अपना कर उसके अनुसार कार्य स्वयं किया। उन्होंने सदैव सत्य ही बोला और सत्य ही कार्य किया। यदि कोई आग्रह भी किया तो सत्याग्रह ही किया। सत्य को सदैव दूसरों के समक्ष रखने तथा लाने का प्रयत्न किया। उनके हृदय में मानव जाति के प्रति बड़ा प्रेम था। गांधी ने हमें बता दिया कि इस युग में भी जब संसार में प्राय: सत्य भावना का लोप सा है, सत्य और प्रेम के व्रत का पूर्ण रूपेण पालन किया जा सकता है, यदि हमारे मन में धार्मिक वृत्ति है।

राष्ट्रीयता द्वारा अन्तर्राष्ट्रीयता की प्राप्ति—गांधी जी ने भारत की राजनैतिक स्वतन्त्रता प्राप्त करने के लिए अहिंसा के सिद्धान्त को अपनाया। वह भली प्रकार जानते थे कि इतिहास में जितनी राजनैतिक स्वतन्त्रताएं प्राप्त हुई हैं सभी हिंसा धोके बाजी, तथा चाल बाजी के सिद्धान्तों पर आधारित थी। परन्तु उनके हृदय में मानव जाति के प्रति एक बड़ा प्रेम था। अतैव वह इस प्रेम के कारण ही हिंसा के सिद्धान्त को अपनाना नहीं चाहते थे। मानव प्रेम की भावना को सार्थक करने के लिए ही भारत की राजनैतिक स्वतन्त्रता के लिए इस सिद्धान्त को अपनाया गया। वह सँसार को बता देना चाहते थे और वास्तव में संसार के समक्ष यह उदाहरण उपस्थित कर दिया कि यदि भारत की राजनैतिक स्वतन्त्रता अहिंसा द्वारा प्राप्त की जा सकती है तो यह सिद्धान्त संसार के अन्य देशों के लिए क्यों नहीं सत्य हो सकता है। अत: उनकी राष्ट्रीयता की भावना अन्तर्राष्ट्रीय भावना से ओत प्रोत तथा उसकी प्राप्ति का साधन थी।

गांधी जी में विश्व आत्मा—गांधी जी सत्य और मानवता से प्रेम करते थे। यह दो मूल सिद्धान्त ही प्रत्येक धर्म की आधार शिला है। प्रत्येक धर्म के प्रवर्तकों ने इनका अनुभव किया और इन्हीं का उपदेश दिया। और उन्हीं का पालन किया। यह इन धर्मों के पुजारी तथा मानने वाले थे जिन्होंने उनमें बुराईयां पैदा कर दी। इस वास्तविकता को गांधी जी ने प्रत्येक धर्म में पाया। अतः साधारणतः प्रत्येक धर्म के मानने वाले को मन और कर्म दोनों में सत्य होना चाहिए। वह हर धर्म के मानने वाले उस व्यक्ति को बड़ा धार्मिक व्यक्ति मानते थे जो अपने कथनी और करनी में समान होता था। यही सत्य और प्रेम का सिद्धान्त भारत के विधान की आधार शिला है।

गांधी विचारधारा का विश्व के विवाद को दूर करने में सहयोग—वर्तमान युग में हम अपनी भावनाओं और कृत्यों में स्पष्ट नहीं है। जो हम करते हैं वह हमारे कहने से बिल्कुल भिन्न होता है। अतैव संसार में एक बड़ा विवाद फैला हुआ है। यह केवल प्रेम और विश्व सहायता से ही दूर हो सकता है। गांधी जी कभी भी मानव समाज को हिन्दु मुस्लिम तथा ईसाई भावना की संकीर्णता में नहीं बांटना चाहते थे। यदि इस विवाद को दूर करना है तो हम मानव जाति के प्रति आदर और प्रेम रक्खे और अनुभव करें कि हम सबका एक परमात्मा ही परमपिता है।

'गांधी विचार तथा गांधी दर्शन का विश्व समाज निर्माण में योग—

संसार के विभिन्न राष्ट्र इस बात का गर्व करते हैं कि उनके पास प्राकृतिक साधनों का भंडार है, उन्होंने वैज्ञानिक एवं बौद्धिक आविष्कार किए हैं। यह गर्व ही एक राष्ट्र में दूसरे राष्ट्र के प्रति ईर्षा एवं घृणा की भावना उत्पन्न करती है। वे दूसरे राष्ट्र से ईर्षा (बैर) करने लगते हैं। यू० एन० ओ० के भरसक प्रयत्न के पश्चात् भी विभिन्न राष्ट्रों में अपवाद फैला हुआ है। यः अपवाद केवल गांधी दर्शन एवं गांधी सिद्धान्त को अपनाने से ही दूर हो सकता है। गांधी समस्त राष्ट्रों को राज्य तथा विश्व को उन राज्यों का राष्ट्र बनाना चाहते थे।

विश्व बंधुत्व का अभ्यास—यह आवश्यक है कि प्रत्येक राष्ट्र नवयुवकों को

इस भावना से ओत प्रोत किया जाए कि मानव जाति का ईश्वर ही केवल एक मात्र पिता है। आपसी भेद भाव केवल उस समय होते हैं जब वे संसार में अपना स्थित्व स्थापित करते हैं। प्रारम्भ से ही बच्चों को सिखाया जाए कि उन्हें अपने भाई और अपने पड़ोसी साथी में कोई भेद भाव नहीं करना चाहिए। यह विचार ही पूरे समाज में परिवर्तन ला देगें। यद्यपि यह भावना एक या दो वर्ष में लानी कठिन है, परन्तु संसार को खुशी और सम्पन्नता केवल विश्व बंधुत्व भावना से प्राप्त हो सकती है।

विश्व-राष्ट्र की आवश्यकता है तथा उसके निर्माण के उपाय—यह मानव प्रवृति है अथवा यह मानव की कमी है जो उसे विवश करती है कि वह अपने को दूसरे अधिक महत्व पूर्ण समझता है। इसी कमजोरी के कारण झगड़े उत्पन्न होते हैं। मनुष्यों के आपसी विवादों का निर्णय न्यायालयों में जजों द्वारा किए जाते हैं। नियम भंग करने वाले तथा गलत कार्य करने वाले को दंडित किया जाता है। और शान्ति स्थापित की जाती है। परन्तु यदि हम ऋषियों और मुनियों के जीवन पर विचार करें जो संसार को छोड़कर पहाड़ों की गुफाओं में मानव जाति के हित के लिए रहते हैं तो उनके अपवादों के लिए कभी पुलिस अथवा बाहरी दबाव की आवश्यकता नहीं पड़ती है। वर्तमान युग में हम मंच पर भाषण अधिक देते हैं अथवा वे बड़े सुधारक होने का दावा करते हैं।

समाज में अन्तर्रात्मा से अनुशासित होने की आवश्यकता है। यह व्यक्ति के आन्तरिक अनुशासित होने से ही आ सकता है। केवल भाषण सुधार नहीं ला सकते हैं। वास्तव में प्रत्येक व्यक्ति का अपनी कृतियों से यह प्रदर्शित करना है कि वह एक ईश्वर की सन्तान है, विश्व बन्धुत्व की भावना विभिन्न राष्ट्रों में पैदा करेगी। इस प्रकार सभी राष्ट्र मिलकर विश्व राष्ट्र को निर्माण करेंगे। गांधी जी की ऐसी इच्छा थी। और उनके यह आदर्श ही विश्व राष्ट्र निर्माण के आधार भूत सिद्धान्त है।

**Word-Meanings, Hindi Translation & Explanations**

Key Questions 1 Page 79 para 1

Meanings—Essentially—necessarily, in fact

में। authentically religious man--with a commanding tone it can be said that he was really a religious man, वास्तविक धार्मिक व्यक्ति। group loyality—loyal to a particular group केवल एक विशेष समुदाय ( जाति अथवा धर्म ) के प्रति निष्ठावान। universal man—a man who thinks all men kind equal and has the same regard and love for every individual वह व्यक्ति जो विश्व बंधुत्व की भावना रखता है। सभी संसार के व्यक्तियों के प्रति समान प्रेम तथा समान भावना रखने वाला व्यक्ति। realized in practice—acted according to अनुकूल व्यवहार एवं कार्य किया। theoritical—what they say, what were their principles जो वे कहते हैं अथवा जो उनके सिद्धान्त है, सैद्धान्तिक। implications—झंझटें। compassion—pity दया। distinguishes—differentiates भेद भाव पैदा करता है। prophetic nature—a person who can fore see in future भविष्य दृष्टि। implements—enforce लागू करता है। deed—action कर्म।

हिन्दी अनुवाद—गांधी जी मूल रूप से धार्मिक व्यक्ति थे। एक धार्मिक व्यक्ति, यदि वह वास्तव में धार्मिक है, किसी विशेष समुदाय से ऊपर उठकर एक विश्व प्रसिद्ध व्यक्ति बन जाता है। गांधी जी के बारे में मुख्य बात यह है कि उन्होंने धर्म की सैद्धान्तक बातों का जो कि हमारे साथ धार्मिक उत्पत्ति के आरम्भ से रही है, व्यवहारिक रूप में अनुभव किया है। 'हिन्दू अभय और अहिंसा, निर्भय होने तथा प्रेम', के विषय में विचार करते हैं, बौद्ध ज्ञान, प्रेम अथवा दया-परजन तथा करुणा को विचारते हैं, ईसाई सत्य और स्वतंत्रता के बारे में और स्वतंत्रता के बारे में बात करते हैं जब क मुसलमान हमें संसार में एक ईश्वर एक परिवार के बारे में बताते हैं। परन्तु भविष्य द्रश्य गांधी जी जैसे व्यक्ति में अन्य व्यक्ति की अपेक्षा यह अन्तर है कि वह इन आदर्शों को व्यवहारिक रूप में पालन करते हैं और उन्हीं के लिये जीवित रहते हैं। हम उनके बारे में

बात करते हैं। हम ज्ञान रखते हैं। परन्तु कर्म नहीं करते हैं जो इस ज्ञान से उत्पन्न होते हैं।

**Exp.**—Gandhiji was...........religions. **(Imp.)** Page

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'The Gandhian out-look', written by S. Radha Krishnan.

**Cont.**—In this lesson the author tells us the ideals and philosophy of Gandhiji, who gave his life for the fulfilment of his ideals. Indeed he was a great prophet whom we worship and admire in life.

**Exp.**—In fact Gandhiji was a religious man in real sense. A man can only be called a religious man if he is not loyal only particular to group of persons-caste or creed, but he is above all such groups and acts according to those principles which are the basis of all the religions. One who has the feeling of universal brotherhood, is in fact a religious man. Gandhiji felt the spirit of the religion and he acted according to it. He also knew the implications of those religions which unnecessarily indulge the particular groups of people. He avoided such implications.

संदर्भ—ये पंक्तियाँ 'The Gandhian outlook' शीर्षक पाठ से ली गई हैं। इस पाठ के लेखक सर्वपल्ली राधाकृष्णनन् हैं।

प्रसंग—इस पाठ में लेखक गांधी जी के आदर्श तथा दर्शन के विषय में बताते हैं। गांधी ने अपने आदर्शों की पूर्ति के लिये अपना जीवन अर्पित कर दिया था। वास्तव में वह एक भविष्य द्रष्टा थे जिनकी हम प्रशंसा करते हैं तथा पूजा करते हैं।

व्याख्या—वास्तव में गांधी जी सच्चे धार्मिक व्यक्ति थे। धार्मिक व्यक्ति वही व्यक्ति होता है जो एक विशेष धर्म, जाति अपना कर एक समुदाय को संकीर्ण के प्रति ही आदर अपनाकर नहीं रखता है, वरन वह इन सभी समुदायों के ऊपर उठकर उन सिद्धान्तों को अपना कर उनके अनुसार कार्य करता है जो सभी धर्मों के मूल सिद्धान्त हैं। ऐसा धार्मिक व्यक्ति विश्व की आत्मा बन जाता है। गांधी जी ने इसका अनुभव किया और उसके अनुसार कार्य किया वह प्रत्येक धर्म की संकीर्णता एवं जटिलता के सम्बन्ध में भली प्रकार जानते थे जो प्रत्येक धर्म

के कार्य को प्रारम्भ में इनमें जकड़ कर संकीर्ण बना देती है। गांधी जी ने इन संकीर्णताओं (झंझटों) से बचने का प्रयत्न किया।

## Page 79–80 Para 2

Meanings—Concerned—related सम्बन्धित। contribution—help सहायता। narrow loyalties—respect for small groups छोटे २ समुदायों के प्रति सीमित निष्ठा। artifices—cunnings धोके बाजी। to incarnate–to embody शरीर धारण करना। time of conduct—any kind of action किसी प्रकार का कार्य। tasted—made fasts व्रत किये। ransacked his brain—thought deeply ध्यान मग्न होकर विचार किया। to proceed—to go on futher, to move forward आगे चलाना। universal man—विश्व आत्मा। internationalist—a man having international importance अन्तर्राष्ट्रीय महत्व का व्यक्ति।

हिन्दी अनुवाद—जहां तक गांधी जी के योगदान का सम्बन्ध है उन्होंने हमें बताया है कि इस संसार में भी जहां छोटे २ वर्गों में संकीर्ण निष्ठा और मक्कारियां पाई जाती हैं, "सत्य और प्रेम के आदर्शों को" मूर्तिमान (अपने में धारण) किया जा सकता है। जब वह किसी कार्य को करते थे अथवा किसी सिद्धान्त को अपनाते थे तो कई बार अपने मन में प्रश्न करते थे, सोचते थे, व्रत रखते थे और ईश्वर से प्रार्थना करते थे। उस समय तक ध्यान मग्न रहते थे जब तक वह इस बात के कहने के योग्य नहीं हो जाते थे कि "यही कार्य करने की विधि है"। जहाँ तक धार्मिक व्यक्ति होने का सम्बन्ध है वह विश्वात्मा थे और उनका व्यक्तित्व अन्तराष्ट्रीय महत्व रखता था।

## Key Question 2 Page 80–81 Para 1

Meanings—To demonstrate—to put an example to show उदाहरण स्वरूप प्रदर्शित करने के लिये। weapons–हथियार। employing–using प्रयोग कर रहे थे। small compass—limitted area सीमित क्षेत्र। extended—eniarged विस्तृत किया जा

सकता था। validity—correctness सत्यता। argued—made his arguements बहस की। non violent mothods—the ways in which measures of blood shed adopted हिंसात्मक पद्धति। sanctified—approved स्वीकृत किए गए। by history—in the past which history tells us पिछले समय में अपनाए गये जिनका इतिहास साक्षी है। violent—blood shed हिंसात्मक। deciet—cheating धोके बाजी। cunning—memness in showing cleverness मक्कारी। objectives–fulfil ments ध्यय। nerrow patrotism—love for his own country which does not go beyond nationalism केवल अपने राष्ट्र का प्रेम जो अन्तर्राष्ट्रीयता तक नहीं पहुंचता है। out look—दृष्टि कोण। attitude—views विचार। means—way, method मार्ग, साधन

हिन्दी अनुवाद—भारत का उदाहरण उन्होंने इसलिये लिया कि वह संसार को दिखा सके कि जिस हथियार (अहिंसा) का प्रयोग वह अपने सीमित क्षेत्र में कर रहे थे उसका प्रयोग संसार के विस्तृत क्षेत्र में क्यों नहीं हो सकता था। यदि मैं भारत में 'अहिंसा' की सत्यता को मनवा सकता हूँ तो इसका प्रयोग संसार में भी भली प्रकार किया जा सकता था। इसी आधार को लेकर वह बहस करते थे कि राजनैतिक स्वतंत्रता अहिंसा द्वारा प्राप्त की जा सकती थी। वह संसार के समक्ष यह प्रदर्शित करना चाहते थे कि पिछले युग में, जिसका इतिहास साक्षी है, जो हथियार अहिंसा, धोके बाजी तथा मक्कारी के प्रयोग (स्वीकृति) किये गये थे केवल वह ही राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त करने का तरीका नहीं है। अहिंसात्मक ढंग से राजनैनिक स्वतंत्रता प्राप्त करना शेष संसार के लिये एक शिक्षा (उदाहरण) होगी। अतः उन्होंने भारत का उदाहरण केवल इसलिये नहीं लिया कि वह सीमित देश प्रेम की भावना रखते थे, इसलिये नहीं लिया क्योंकि वह भारतीय थे, वरन यह उदाहरण इसलिये लिया कि वह मानवता के प्रति अगाध प्रेम रखते थे और मानव के समक्ष एक दूसरा दृष्टिकोण, एक दूसरा विचार रख सके कि मानव समस्याओं को किस प्रकार मानवता से

सुलझाया जा सके। इस विचार को ध्यान में रखते हुए गांधी जी सर्वप्रथम अंत-राष्ट्रीय थे और बाद में सीमित राष्ट्र भक्त कहे जा सकते हैं। उनकी राष्ट्रीयता की भावना अंतराष्ट्रीयता तक पहुंचने का एक मार्ग (साधन) थी।

**Exp. 2**—He argued............of the world. Page 80 Para 1

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'The Gandhian Outlook' written by S. Radha Krishanan..

**Cont.**—Gandhiji used the method (weapon) of non-violence in achieving the political freedom of India. He held the openion, that if this weapon was true for India, it could safely be used for the whole world as well.

**Exp.**—Gandhiji held an openion and he made open discussions before common people of the world that independence could be achieved by the non-violent methods. Gandhiji wished to prove that the olden methods used for obtaining indepen·dence for a particular country, in which violent measures of blood shed, cunning practices, and cheatings were adopted as the history tells us, are not only methods only by which the political independence can be achieved by non-violence also. And if the independence is achieved by non-violence, it would put an example before the world to teach a lesson to them that they should also copy it and follow the same method.

व्याख्या—गांधी जी ने जनता के समक्ष बहस की कि राजनैतिक स्वतंत्रता अहिंसा द्वारा प्राप्त की जा सकती है। वह संसार को यह सिद्ध करना चाहते थे कि, जैसा इतिहास साक्षी है, प्राचीन काल में स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिये जो खून खरावे के तरीके, धोके बाजी तथा चाल बाजी से कार्य लिया गया है, केवल यही स्वतंत्रता प्राप्त करने का तरीका न ीं हैं। स्वतंत्रता अहिंसा द्वारा प्राप्त की जा सकती है और अहिंसा द्वारा स्वतंत्रता प्राप्त करना संसार के लिए एक शिक्षा होगी "जिसको संसार भविष्य में अपनाए"।

## Key Question 3 Page 81 para 2

Meanings—Attitude–behaviour व्यवहार। universalism–feeling of world brotherh-ood विश्व बंधुत्व की भावना। off spring—संतान। divinity—God ईश्वर। estranged—

breaking the love of friendship मित्रता के बंधन को तोड़ना। enable—to make able योग्य बनाना। evil doer—पापी। opponent—enemy शत्रु। motive—purposes उद्देश्य। strife—struggle संघर्ष। civil strife—quarrels between the groups of people within a country आंतरिक संघर्ष। eliminated—diminished कम कर दिए।

हिन्दी अनुवाद—उनका समस्त दृष्टिकोण विश्व बधुत्व की भावना लिए हुए था। यदि, हमारा अंग्रेजों से झगड़ा है तो हमें किसी एक अंग्रेज व्यक्ति से घृणा नहीं करनी चाहिए क्योंकि अंग्रेज तथा भारतीय दोनों ही एक ईश्वर की सन्तान है।

यदि कुछ समय के लिये हमारे प्रेम पूर्ण वन्धन समाप्त हो जाते हैं तो हमें यह अनुभव करना चाहिए कि यद्यपि हमारे मध्य मदभेद है, फिर भी हम भाई भाई हैं। यह भावना हमें पापी से प्रेम करना सिखायेगी जवकि गांधी जी के नियमानुसार हम पाप से तो घृणा करेंगे ही। गांधी जी का समस्त आचरण अपने शत्रुओं को समझना था। वह यह जानना चाहते थे कि किसी अपराध को करने में उसका (शत्रु) क्या उद्देश्य था। इस प्रकार उन्होंने यह अनुभव किया कि सभी संघर्षों को यहां तक कि अंतरिक संघर्षों को भी कुछ न कुछ सीमा तक कम किया जा सकता है।

**Exp.**—Gandhiji whole attitude...........eliminated. Imp.

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'The Gandhian Outlook' written by S. Radha Krishanan.

**Cont.**—Gandhiji preached that we should hate the evil and not the evil doer. This will always help us to love even our rivals and we will have the feeling of universel brotherhood.

**Exp.**—Gandhiji always tried to understand his rivals. He tried to find out the circumstances under which the wrong steps were taken up by his rivals, to harm him. When we try to understand the reason of doing wrong actions by a particular persons, we will not directly hate the person, but we will try to avoid those circumstances which made the rival to act like

wise. In this way the disputes, among the people, even the disputes among the groups of people within the country will be minimized.

व्याख्या—गांधी जी ने सदैव अपने प्रतिद्विन्दी को समझाने का प्रयत्न किया। उन्होंने यह जानने का प्रयत्न किया कि किस कारणों से उनके प्रतिद्विन्दी ने इस प्रकार का व्यवहार किया। उन्होंने यह जानने का प्रयत्न किया कि पाप करने में उसका क्या उद्देश्य था। यदि हम इसी प्रकार दूसरों के सम्बन्ध में सोचें और अनुभव करें तो हम साधारण झगड़े, यहां तक देश के आन्तरिक वाद विवाद को बहुत कम कर सकते हैं।

## Page 8 Para 3

Meanings—Valid—right ठीक। supreme–best उत्तम। exclusive–total, sole सम्पूर्ण। monopoly of truth–only possessers of the true knowledge संपूर्ण सच्चा ज्ञान जानने वाले एक मात्र। spiritual pride—pride of the spirit आत्मीय अभिमान। humble—polite, gentle नम्र। stand point–the things which he followed जिस बात का विश्वास करते तथा चलते थे। essence–main element मूल तत्व। both in mind and spirit–not by sentiment, heartly after careful thinking हृदय से सोच समझकर। embodies—own, possesses प्राप्त करता है। expression—प्रकट करना। sentiment—feeling —भावना।

हिन्दी अनुवाद—उनका यही प्रेम का दृष्टिकोण है जिससे वह यह अनुभव कर सकें कि दूसरे धर्मों को भी उतना ही सच्चा समझना चाहिए जितना अपने धर्म को महत्व दिया जाता है। यह विश्वास कि एक व्यक्ति का धर्म ही सर्वोत्तम है और वह ही पूर्ण सत्यता का एक मात्र जानकार है, गाँधी जी को एक आध्यात्मिक गर्व प्रतीत होता था। यदि वह हमको विनम्र बनाना चाहते थें और दूसरे धर्मों को समझने तथा सम्मान करने के लिए कहते थे जैसा कि वह स्वयं करते थे, तो यह इस कारण से था कि उनका यह पक्का दृष्टिकोण था कि

सत्यता ही सभी धर्मों का सार है। वह यह चाहते थे कि प्रत्येक व्यक्ति मस्तिष्क तथा हृदय से इस सिद्धान्त का आचरण करें और वह विश्वास करते थे कि जो कोई ऐसा कर सकेगा वह अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त करेगा। यदि हमारे देश के संविधान में इस सिद्धान्त को सत्कार किया गया है तो यह मुख्यतः गांधी जी की शिक्षा के कारण ही है—यह उनके दूसरे धर्मों तथा व्यक्तियों को समझने के लिये उनके प्रेम की भावनाओं की व्याख्या ही है।

## Key Question 4 Page 82 Para 1

Meanings—Confusion—disorder अव्यवस्था। goals—aim लक्ष्य। creats—produces उत्पन्न करता है। sympathize- सहानुभूति प्रदर्शित करना। minor compartments–small groups छोटे २ समूह। boer—the boer were the descendents of dutch colonists in South Africa. They form a racial group in the political life of that country. They have also been responsible for injustice and cruelity towards the non whites ये दक्षिण अफ्रीका में उच्च लोगों के वंशज हैं जिन्होंने इस देश के राजनैतिक जीवन को बहुत प्रभावित किया है। यह अश्वेतों से घृणा करते थे तथा उनके प्रति निर्दयता का व्यवहार करते थे। our primary loyality—our first duty हमारा प्रथम कर्तव्य।

हिन्दी अनुवाद – यदि हम संसार में आज कल इतनी अधिक अनिश्चितता इतना अधिक भय और इतनी अधिक अव्यवस्था देखते हैं तो इसका यह कारण है कि हमारा लक्ष्य स्पष्ट नहीं है। हमने मानव मस्तिष्क को ऐसी कोई वस्तु नहीं दी है जो कि उसकी भूख को शांत कर सके यह भूख सत्यता का अनुसरण करने तथा विश्व बन्धुत्व की भावना को उत्पन्न करने वाली वस्तुओं के लिए है अर्थात् व्यक्ति सत्यता तथा विश्व बन्धुत्व की भावना की ओर अग्रसर होना चाहता है परन्तु उनके लिये अनुकूल परिस्थितियां नहीं हैं। गांधी जी चाहते थे कि हम दूसरे व्यक्तियों को प्रेम करें तथा उनके प्रति सहानुभूति पूर्ण बन जाएं वह नहीं चाहते थे कि मानव गति विभिन्न समुदायों में विभक्त हो जाए और

कहने लगे–तुम हिन्दु हो, तुम मुस्लमान हो, तुम उस समुदाय को मानने वाले हो जो भारतीयों से घृणा करती है (अर्थात् बोर हो) अथवा तुम दक्षिण अफ्रीका के वासी हो। यदि हम संसार में वास्तविक मानवीय एकता चाहते हैं तो हमें अपने धर्म के प्रति अधिक गम्भीरता पूर्ण विचार करना चाहिए। हमारा प्रथम कर्त्तव्य मानव जाती के प्रति होना चाहिए।

4

**Exp.**—If we want......race. **V. Imp.** Page 82 Para 2

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'The Gandhian Out look' written by S. Radha Krishnan.

**Cont.**—Gandhiji had the feeling of universal brotherhood. He wanted to saturate the minds of all the individuals with the same feelings. He did not like to divide the humanity into different groups of Hindus, Muslims etc.

**Exp.**–Gandhiji was a great worshiper of universal brotherhood. He taught his people that if they wanted to unite the persons of all nations and all religions to bring the feeling of universal brotherhood, it is their fore most duty to be faithful to every individual of every race and they should not be confused by the limitation of a particular religion which are not actually the bindings of the religion but have been forced upon by so called priests of popes. We should avoid such confusion and think over such limitation more seriously.

व्याख्या–गाँधी जी विश्व बन्धुत्व की भावना के बड़े पुजारी थे उन्होंने अपने लोगों को शिक्षा दी कि यदि वे संसार की मानव जाति-सभी राष्ट्रों तथा सभी धर्मों के व्यक्तियों की एकता चाहते हैं यह उनका प्रथम कर्तव्य है कि वे मानव जाति के प्रत्येक व्यक्ति के प्रति निष्ठावान हों। अपने धर्म की संकीर्णताओं में न फंस जाएं जो वास्तव में धर्म की संकीर्णतायें नहीं हैं वरन् धर्म के ठेकेदार पुजारियों ने बना रक्खी हैं। इन पर उन्हें अच्छी तरह विचार करके उनसे बचना चाहिए।

## Key Question 5 Page 82-83, Para 1

Meanings—Lacking—wanting कमी। advanced nations--progressive countries उन्नत शील देश। decade—a time of ten years शताब्दी । abundance--enough पर्याप्त।

natural resources—raw material, which we get from nature प्राकृतिक साधन। intellectual penetration–intensity of mind मस्तिष्क की तीव्रता। leadership—नेतृत्व।

हिन्दी अनुवाद—यही सामान्य मानवता की भावना आजकल नहीं पाई जाती है। यदि एक या दो शताब्दी पिछली के उन्नति शील राष्ट्रों की ओर देखें तो हमें ज्ञात होगा कि इन देशों में प्राकृतिक साधनों की अधिकता थी, महान मस्तिष्क वाले व्यक्ति थे तथा आश्चर्यजनक वैज्ञानिक उपलब्धियों और अनुशासन तथा नेतृत्व की भावनाएं विद्यमान थी। यह गुण पर्याप्त नहीं है। कुछ महान तथा मानव के लिए विश्व की भावना उत्पन्न करने वाली वस्त्र की आवश्यकता है। जब तक हम अपने युवा पुरुष तथा स्त्रियों को विश्व नागरिकता का प्रशिक्षण प्रदान नहीं करते हैं तथा उनको यह नहीं समझाते हैं कि राष्ट्रीय भक्ति (अन्त-राष्ट्रीयता के समक्ष) नीची है, जैसे कि आजकल हम राष्ट्र के सम्मुख पारिवारिक भक्ति को कम महत्व देते हैं, तब तक संसार से संकट दूर नहीं हो सकते। हम संयुक्त राष्ट्र संघ की बात करते हैं यह सामाजिक व्यवस्था की बढ़ती हुई एकता का प्रतीक है। दुर्भाग्य से वर्तमान समय में यह संघर्षों का दृश्य बना हुआ है परन्तु भावी संसार के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए इसे अब भी संघर्ष से बचाया जा सकता है अर्थात् अन्तर्राष्ट्रीय समाज की स्थापना हो सकेगी यदि गांधी जी के आदर्श तथा दर्शनों को अपनाया जाए।

**Exp**—It is a symbols......could be adopted.

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'The Gandhian Out look', written by S. Radha Krishnan.

**Cont.**—Gandhiji preached that unless the inter civic sense is not developed in the individuals and they are not taught to give less importance on their own nation in comparison of the cause of internation, the conflict of the world will continue.

**Exp.**—The U. N. A. has been organized simply because the people realized that they should be more sympathetic to the other nations. The strong nations should not unnecessarily interfere into the matters of weak Nations. This international sympathy and unity of different Nations came into the front.

U. N. A. But still it is our misfortune that they do not plead the cause of weak Nations whole heartedly. There remains still, the interest of strong Nations behind the cause of weak Nation. That is the reason that conflicts are still arising. These can only be avoided if 'The Gandhian Out Look' and his philosophy is made the guiding factor for all the nations'. If 'the Gandhian out look' is owned by all the nations, we will have definitely the international Society of the world.

व्याख्या—यू० एन० ए० केवल इसीलिए स्थापित हुआ और यह इस बात का प्रतीक है कि समस्त राष्ट्रों में एकता की भावना बढ़ रही है। विभिन्न राष्ट्र चाहते हैं कि कमजोर राष्ट्रों को मजबूत राष्ट्र अधिक न दबाएं। यह हमारा दुर्भाग्य है कि अब भी विभिन्न राष्ट्रों में इस भावना का समावेश पूर्णतया नहीं हुआ है। यदि वे कमजोर राष्ट्रों के सम्बन्ध में कुछ कहते हैं तो उसके पीछे कुछ का स्वार्थ छुपा रहता है। यह भावना तब ही आ सकती है जब गाँधी विचार धारा तथा उसके साधनों का प्रतिपादन किया जाए। यदि गांधी विचार धारा को अपनाया जाता है तो निश्चय ही विश्व समाज स्थापित हो जाएगा।

## Page 83 para 2

Meanings—Merely—only केवल। executive authority—administrative power प्रशासन करने वाली शक्ति प्रशासक। visualised—saw देखा। rivalries—enimity प्रतिद्विन्दता। set aside—kept away, removed हटा दी जाती।

हिन्दी अनुवाद—यदि गांधी जी को अधिक समय जीवित रहने का अवसर प्राप्त होता, तब वह निश्चित ही एक ऐसे विश्व राष्ट्र निर्माण करने की ओर अग्रसर होते जिसके समस्त राष्ट्र विभिन्न शाखाएं (राज्य) होते। वह ऐसे विश्व राष्ट्र को एक प्रशासक शक्ति भी देते हैं जो फौजी शक्ति न होकर साधारण पुलिस शक्ति ही होती तो नगर के प्रबन्ध और अनुशासन की देख रेख करती है। उनकी दृष्टि उस विश्व राष्ट्र पर थी जसमें विभिन्न राष्ट्रों की प्रतिद्विन्दता को उसी प्रकार दूर कर दिया जाता जिस प्रकार एक राष्ट्र के निर्माण में विभिन्न व्यक्तियों की प्रतिद्विन्दता का ध्यान नहीं रक्खा जाता है।

## Key Question 6 Page 84

Meanings–World order–विश्व व्यवस्था। to be evolved —developed विकसित होता। good—betterment भलाई। future generations—आगामी पीढ़ी। declare right—claim to be correct ठीक होने का दावा करना। transform—change bring about—make लाना। role–duty कर्तव्य। self denial —refusal of one's own desire अपनी इच्छाओं का त्याग करना। medium–माध्यम।

हिन्दी अनुवाद—यदि सम्पन्न विश्व. व्यवस्था ऐसी हो जाए जिससे आगामी पीढ़ी की भलाई हो सके तो हम यह दावा कर सकते हैं कि हम विश्व बन्धुत्व भावना पर विश्वास करते हैं। हम एक दूसरे का आदर करेंगे चाहे वह व्यक्ति हो अथवा राष्ट्र हो। हम आलोचना की दो विधियों का प्रयोग नहीं करेंगे अपने लिए किसी और विधि का और दूसरों के लिए किसी दूसरी विधि का सबसे आवश्यक वात यह है कि एक परिवार एक ईश्वर आदि के इन सैद्धान्तिक विश्वासों को वास्तविकता में वरदान चाहिए। मैं यह अनुभव करता हूं कि यह परिवर्तन हम एक रात्रि में नहीं कर सकते हैं। परन्तु चाहे धीरे २ हो, इस परिवर्तन को लाना आवश्यक है। हमें समाज में यह परिवर्तन सद्भावना तथा विवेक से लाना होगा। और सदा ही यह दृष्टिकोण रखना होगा कि दूसरों को शिक्षित करने का सर्वोत्तम उपाय अपनी इच्छाओं का त्याग करना ही है।

Imp.

**Exp.**—If a happier......to others.

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, "The Gandhian Out Look', written by S. Radha Krishnan.

**Cont.**—Here the author tells us that Gandhiji's philosophy can transform the whole society into one family—into practical reality. If Gandhi had lived longer, he would have worked to bring about unity in the whole world.

**Exp.**—We must feel the importance of universal brotherhood because that is the only means to bring about happier world-order in society it will lead to unity. We must learn

to respect each individual or nation and try to bring peace and harmony in the world. In this way we will be able to work for the good of the future generations. We should be clear in views that we will not follow different methods of criticism. If the people are inspired by the spirit of universal brother.hood, they will definitely bring about great changes in their way of living, the society will develop into peaceful and harmonious atmosphere.

व्याख्या---हमें विश्व बन्धुत्व के महत्व को समझना चाहिए क्योंकि यही एक मात्र साधन है जिसके द्वारा समाज में उचित व्यवस्था को लाया जा सकता है और यह भावना हमें एकता की ओर ले जावेगी। हमें प्रत्येक व्यक्ति अथवा राष्ट्र का सम्मान करना सीखना चाहिये तथा संसार में मेल तथा शांति लाने के प्रयास करने चाहिये। इस प्रकार से हम भावी पीढ़ियों की भलाई के लिये कार्य कर सकेंगे हमें अपने दृष्टिकोण में स्पष्ट होना चाहिये कि हम आलोचना के विभिन्न तरीकों को नहीं अपनाएगें। यदि लोग विश्व बन्धुत्व की भावना से प्रेरित होंगें तो वे अपने रहन-सहन के स्तर में अवश्य ही महान परिवर्तन ला सकेंगे, समाज का विकास शांति तथा सहयोग पूर्ण वातावरण में हो जाएगा।

## Key Question 7 Page 84 85 last para

Meanings—Pre-historic age—इतिहास से पूर्व का युग। dictates--orders आज्ञाये। followed his own dictates-- did as he thougnt fit and proper ऐसा ही किया जो कि उसने ठीक तथा उचित समझा। sole--complete, only एक मात्र। evolved-विकसित हुई। the rule of low-principle according to which all persons are equal before the law वे सिद्धान्त जिनके अनुसार कानून के समक्ष सभी व्यक्ति बराबर है। redressed-re-adjusted दुबारा ठीक करना। community-here it means society, bother-care चिन्ता करना। demilitarize ourselves-disband and remove all our armed forces अपनी समस्त सेना की शक्ति को कम या समाप्त कर देना। internal order-peace

and calm within the country राज्य के अन्तर्गत शांति तथा सुरक्षा । creed—religion धर्म । solution—means हल । disputes-quarrels झगड़े । incumbent upon us—necessary for us हमारे लिये आवश्यक । complex—difficult जटिल । add-say more और अधिक कहना । means must be as pure as the end itself—our aims should be noble and good, the methods we employ to attain these aims, should be equally good हमारे उद्देश्य महान तथा श्रेष्ठ हो और उनकी प्राप्ति के लिये हम जिन साधनों को अपनाएं—वे भी समान रूप से उत्तम होने चाहिए ।

हिन्दी अनुवाद—निःसन्देह यदि हम इतिहास से पूर्व (आदि काल) के समय पर दृष्टिपात करें तो हमें ज्ञात होगा कि प्रत्येक व्यक्ति केवल वही कार्य करता था जिन्हें कि वह उपयुक्त समझता था—क्या सही है अथवा क्या गलत है—इस बात का निर्णय करने वाला भी वह स्वयं ही था । धीरे धीरे समाज तथा सामाजिक रिश्तों का विकास हुआ तथा हमने अपने आपको कानून व्यवस्था के प्रति समर्पित कर दिया, अब तो न्यायालय है न्यायाधीश है तथा इसी प्रकार की अन्य बातों द्वारा समाज में गलत कार्य के प्रति सुधार की मांग की जाती है। फिर कुछ ऐसे भी व्यक्ति हैं जो कि अपने आपको इन नियमों से भी ऊपर रखते हैं, सन्यासी जिनकी न तो इच्छाएं हैं न कुछ सम्पत्ति तथा जो दूर पर्वतों पर जा सकते तथा तपस्या में बैठ सकते हैं । उन्हें इन राष्ट्रीय सरकार तथा विश्व सरकारों के बारे में चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है । परन्तु साधारण व्यक्ति के लिये जो साधू बनना चाहते हैं परन्तु इस बात में पूर्ण नहीं है, उनके लिये हमें जहां तक राष्ट्रों का सम्बन्ध हैं, विश्व संगठन, विश्व पुलिस, विश्व न्यायालय, विश्व बैंक तथा अन्य इसी प्रकार की वस्तुओं की आवश्यकता है। हमें सिद्धान्तों को व्यवहार में लाना है तथा अपनी सैन्य शक्ति को समाप्त करना है तथा केवल आंतरिक शांति को बनाए रखने के लिये पुलिस को रखनी है। यह सब तभी सम्भव हैं कि यदि ऐसे लोग हों जो अहिंसा को अपना धर्म समझें। हमने देखा है कि हमारे झगड़ों को सेना की शक्ति हल नहीं कर सकती है।

इसलिये हमारे लिए यह आवश्यक है कि ऐसे साधन तलाश करें जिसके द्वारा जटिल समस्याओं का स्थाई आधार से सही हल किया जा सके इस सम्बन्ध में मैं तो केवल यही और कहूंगा कि केवल गांधी जी इस बात के इच्छुक थे कि हमारे साधन उतने ही शुद्ध एवं श्रेष्ठ हो जितना (उच्च तथा श्रेष्ठ) हमारा उद्देश्य हो।

**Exp.**—Again we have...........world governments.

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'The Gandian Outlook', written by Dr. Radha Krishanan.

**Cont.**—The writer tells us the history of evolution. In the pre-historic ages there were no rules in society. Each member of the community followed his own rules. Gradually community life came into existence and we took the shelter of the rule of law.

**Exp.**—There are still some persons in the society who are above all these man-made laws. They are the sanyasis, who have no desires in life. 'They have no possessions with them. These persons lead a saintly life and go to the far off mountains to meditate upon God. They are above the ordinary human beings who require rules and regulations for the normal course of their lives. But the sanyasis don't bother about the forms of government of the rule of low. They do n't require any government to settle the course of their life. It is needed only for an ordinary person.

व्याख्या—कुछ लोग समाज में अब भी ऐसें हैं जो कि इन मानव निर्मित सभी कानूनों से ऊपर हैं। वे सन्यासी हैं जो कि जीवन में कोई इच्छाएं नहीं रखते हैं। उनके पास कोई सम्पत्ति नहीं होती है। ये लोग महात्माई जीवन व्यतीत करते हैं तथा ईश्वर के प्रति ध्यानावस्थित होने के लिये दूर कहीं पर्वतों पर चले जाते हैं। वे साधारण मनुष्यों से ऊपर होते हैं जिन्हें (साधारण व्यक्ति) अपने दैनिक जीवन के प्रवाह के लिए कानून तथा नियमों कीं आवश्यकता होती है। परन्तु सन्यासी तो सरकार के स्वरूप तथा कानून का सत्ता के विषय में चिन्ता नहीं करता है। उन्हें अपने जीवन को सुव्यवस्थित करने के लिये किसी कानून की आवश्यकता नहीं होती है। यह तो केवल साधारण व्यक्ति के लिए ही आवश्यक है।

**Exp.**—We have seen..........end itself. V. Imp.

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'The Gandhian Out Look', written by Dr. Radha Krishanan.

**Cont.**—The writer explains that world brother-hood and unity can be established only, if we have a powerful world organisation. And non-violence is the best method to attain this ideal.

**Exp.**—Dr. Radha Krishanan believes that the principle of non-violence is the only method to attain a happy world order. We can not settle our quarrels through military force. Hence it is necessary for us to find out such means which may be helpful in the peaceful settlement of all our disputes between two nations or individuals. Our goals or aims should be noble and good, and the method which we employ to reach them should be equally good. Gandhiji was the only person who was anxious to fulfil this ideal. If we follow his method, we can be happy in life.

व्याख्या—डा० राधा कृष्णन विश्वास करते हैं कि अहिंसा का सिद्धान्त संसार में सुन्दर व्यवस्था को लाने के लिये सर्वोत्तम है। इसलिए हमारे लिये यह आवश्यक है कि हम ऐसे साधनों की खोज करें जो कि दो राष्ट्रों तथा दो व्यक्तियों के झगड़ोंको शांति पूर्ण निबटाने में हमारी मदद करें। हमारा उद्देश्य श्रेष्ठ तथा महान है तथा उनकी प्राप्ति के लिये जिन साधनों को हम काम में लाए—वे भी समान रूप से महान होने चाहिए। गाँधी जी केवल एक ऐसे महा पुरुष थे जो कि इस आदर्श को पूर्ण करने के लिये उत्सुक थे। अगर हम उनके मार्ग का अनुसरण करे तो हम जीवन में प्रसन्नचित हो सकते हैं।

## Questions & Answers

**Key question 1**—In what way was Gandhiji essentially a religious man ?

किस रूप में गांधी जी मूलतः धार्मिक व्यक्ति थे ?

**Ans.**—Gandhiji was essentially a religious man. A true religious man rises above all particular groups and he becomes a universal man. In this sense Gandhi was really a religious man because his life was full of love for humanity. He believed

in the immortal policy of Truth and Ahimsa. He had no religion of his own save the religion of love, truth and Ahimsa.

Moreover Gandhi was a practical idealist. He put all his ideas into reality. He never cared for personal considerations. In fact, Gandhi believed in the religion of faith and spirit of the heart. Hindus talk about Abhya and Ahimsa. Buddhists talk about wisdom and love, christains talk about freedom and truth and Muslims speak to us of one God and one family on earth. But Gandhiji tried to mix up the feelings of all religions. He rose above from all loyalties to the cast, class and country. He lived all through his life for the fulfilment of his ideas.

His greatest contribution is to make us understand that it is possible for us to incarnate the great ideals of truth and love. So we can call him, essentially a great religious man.

**Key question 2**—*In what way was Gandhiji's nationalism a means to internationalism ?*

गांधी जी ने राष्ट्रीयता द्वारा अन्तर्राष्ट्रीयता की प्राप्ति किस प्रकार से की ?

**Ans.**—Gandhi was a great man whom the world respect and love for his great ideals of truth and non-violence. He was essentially a religious man and he adoped non-violence method for obtaining political freedom for India. And he becamc successful in his actions. He did whatever he thought Gandhi never preached those principles which he himself could not follow in life.

Gandhiji knew it well that all political freedom have been achieved by violence, deceit and cunning means. But his ideas were different from those of the other rules. Gandhiji took up the cause of India not because he was confined to a narrow patriotic feeling. He loved India not because he was born in this country. But he had an intense love for humanity. Gandhi ji wanted that we may follow a different principles for the liberation of mankind. His way was that of truth and Ahinsa. He was full of love, universal brotherhood, has no religion of its own. According to the new ideal set forth in the constitution, the government of the country will definitely express its sentiments of love and understanding for the different religions. We shall love and respect other people and their religions.

If the constitution of our country embodies, that principle, it is largely due to the teachings of Gandhiji.

**Key question 3**—How can the Gandhian out look help to remove the confusion that exists in the wo ld today ?

गांधी जी की विचार धारा उस संघर्ष को किस प्रकार से दूर कर सकती है जो कि आजकल संसार में विद्यमान है ?

**Ans.**—Please see the summary of the lesson for the answer of this question under sub-heading. 'Help of Gandhian out look to remove the world-confusion'.

**Key question 4**—In what way could Gandhiji's philosophy and ideals be adopted in the international society of the future ? What weae Gandhiji's views on a world state ?

गांधी जी के आदर्श तथा दर्शन को भावी विश्व समाज के निर्माण में किस प्रकार से अपनाया जा सकता था ? 'विश्व-राज्य' के विषय में गाँधी जी का क्या दृष्टिकोण था ?

or

What was the Gandhian out look in matters of international society and world state ?

विश्व सरकार तथा विश्व समाज की स्थापना के लिए गांधी जी का क्या दृष्टिकोण था ।

**Ans.**—Gandhiji was a great saint who revolutionised the whole politics of the world. Gandhiji never wanted to practise cunning and violent means for the fulfilment of his ideals. He showed to the world that is 'the ideal of non-violence' could be adopted for India's freedom, it would be of great help to the whole world. Hence his nationalism was a means to internationalism.

**Key question 5**—What were the elements of universalism in Gandhiji's out look ? What principles of Gandhiji are embodied in the constitution of our country ?

गांधी जी के दृष्टिकोण में 'विश्वात्मा' के क्या तत्व थे ? हमारे देश के संविधान में गाँधी जी के किन सिद्धान्तों को साक्षात किया गया है ?

**The elements of universalism in Gandhi's out look**

Gandhiji's whole life was one of universalism. He loved truth and humanity. He believed that all human beings are offsprings of the same divinity. Gandhiji's love for truth and

humanity are the basis of all the religions of the world. The founders of different religions have felt and practised these ideals in life. But we have poluted them. Gandhiji thought that truth is the essence of all the religions. Hence everybody should be true to his actions.

These principles are embodied in our constitution also. According to the constitution of free India, all the religions of the country have been given 'due regard' and India has been declared a 'Secular State'. There is no difference between man and man in the eyes of law. Everybody has an equal right in the information of the government of the country. He taught us to follow the principles of truth and non-violence.

**Gandhiji's ideals and philosophy**—Today the different nations are proud of their natural resources, scientific achievements and intellectual inventions. Such pride among the nations create a feeling of hatred for other nations. Gandhiji taught us to love all the nations of the world. He was against the use of force for the settlement of our disputes His philosophy was based on the noble qualities of truth and Ahmisa His philosophy and ideals could be adopted in the international society of today. For this purpose, Gandhiji wanted to train the young men of the country, in world-citizenship. All the conflicts among the nations can be easily removed if Gandhiji's ideals are owned by all nations.

**The formation of word state**—If Gandhiji had lived a little longer, he would have worked to build a world state, It would have been a complete world state of which the different nations were merely branches. He wished that only a kind of police-force would be required for the establishment of internal peace. So we would no longer need military force in an atmosphere of world-state. He visualised such a world state in which all rivalries among nations would have been set aside. In this way we will be able to build a strong-world-state.

**Key question 6**—How can we practise universal brother hood ?

'विश्व बन्धुत्त्व की भावना' को हम किस प्रकार से व्यवहार में ला सकते हैं ?

**Ans.**—Ple se see the summary of the lesson for the answer of this question under the sub-heading, 'Practice of the universal brother hood'.

**Key question 7**—Why does Dr. Radha Krishnan consider a world organisation to be a necessity ? Why does the non-violent approach offer us the best means towards this goal ?

डा० राधा कृष्णन विश्व-संगठन को क्या आवश्यक समझते हैं ? इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अहिंसा का पालन सर्वोत्तम साधन क्यों हैं ?

**Ans.**—In the past ages, we were quite free and had no rules or regulation in the society. Gradually community life came into existence and we began to follow many rules. Now there are law courts, the judges and so on by means of which we can complain against the wrong doers. But the quarrel arises because of human nature. Men wish to become superior to other. It is the human weakness in men. Now the small disputes between two individuals are decided in courts by the judges. So the eternal discipline is required in the present day society.

As far nations are concerned, we require a world-organisation for the peaceful settlement of disputes among nations. We have to put all our ideas into practice. Then only, we can bring about peace in the world.

**Non-violent approach**—The author thinks that non-violent approach offers us the best means to have a powerful world-organisation. We have already seen that military powers have done no good to mankind. Therefore, it is necessary for us to find out the best means for the attaintment of our goal.

Gandhiji taught us the principle of non-violence. He was against the use of force for the settlement of disputes among nations. He believed that our goals should be noble and great. The policy of Ahimsa can offer the best solution to all over problems. It will help us in the formation of a powerful world organisation.

———

# 12. Down The Mine

## खान में नीचे

### George Orwell

**Introduction to the author—**

George Orwell was born in India in 1903. He received his education at Eton. He served for five years in Burma in the Indian Imperial Police. He returned to England in 1928. After it he worked as a school teacher, in a book-shop, in the Home Gaurds Services in World War II. Later on he worked in the B. B. C. and became a journalist also. He was a regular contributor of political and literary commentary. He breathed his last in 1950.

As an author, George Orwell became famous with the publication of the novel, 'Animal Farm'. His another famous novel is 'Nineteen Eighty Four'.

**Introduction to the lesson—**

George Orwell was a master of the lucid and simple style of English prose. He believed that good prose should be like a window-plane. In 'Down the Mine', Orwell gives an ideal of his prose-style. This essay is a beautiful piece of descriptive writing. Here Orwell's style is very clear and easy to follow.

In this essay, George Orwell describes in simple and clear language the importance of coal in life. He also describes that happens down the mine. The miners and the coal-workers have to do great physical labour in order to bring out coal from the mine.

**Main points of the lesson**

1 The process of bringing out the coal from the mines is very difficult. When the 'fillers' are at work down the mine, visitors are generally not allowed to see the coal-mines.

2 The job of the 'filler' is almost super-human. They have to dig the coal from underneath the rocks. It is a dreadful work that the 'fillers' do down the mine.

3 The workers have to work in excessive heat. In some mines, the heat is suffocating. But the fillers work as though they were made of iron.

4 The miners have to take up extra manual labour as a part of their day's work. Sometimes they have to move about five mile's distance from the pit bottom to the coal face.

5 We use much coal in our day to-day life. It is all the more needed during the time of war. But we are not aware of the facts about coal. We do not know what coal-getting involves.

6 There is a world down the coal-mine. We are very much indebted to the miners, living in that world. Had they not helped us, we would have done nothing even in the day-light world.

7 Previously conditions in coal mines were worse than they are now. The women had to work down the mine with the harness round their waists. They crawled on their hands and feet for dragging the tubs of coal.

8 All of us really owe much to the coal workers. It is because of the workers that superior persons can remain superior.

### Summary of the lesson in English

Coal is very important in our day-to-day life. All machines are directly or indirectly dependent upon coal. We use coal in many ways.

**The process of extracting coal from mine**—The actual process of bringing out coal from mines is well worth-watching. Generally the visitors are not allowed to go down a coal mine while the miners are at work. If you get a chance to go at such times, you will see that the machines roar and the air is black with coal dust. At those times the place is like a hell. There are-heat, noise, confusion, darkness and dangers in a coal mine. There is no light down a coal mine except the electric torches and the dim light of Devy's Lamps. There the miners work in a filthy atmosphere.

**The job of the coal miners**–The 'fillers' work very hard down the coal-mine. They make a narrow gallary by cutting hard rocks and dig out coal from underneath the coal layers. There is the toughest work inside the mines. It is a tremendous and almost the super-human work that the miners do. There the workers remain kneeling all the time and it is very difficult for the workers to shovell in this position.

There is excessive heat also down the mines. Sometimes the heat is suffocating. The whole body of workers is covered under coal dust. But the fillers look and work as though they were made of iron. They really look like iron statues under the coal dust, which covers them from head to foot. These workers carry on their job for. seven and a half hours without a break. Actually they hardly get fifteen minute's time 'off' to take their food during the change of shift.

**Extra physical work of the coal workers—**These coal-workers have to take up extra physical labour as a part of their day's work. Sometimes they have to crawl a distance of about five miles from the pit bottom to the ledge of coal. There they remain kneeling and keep their heads up to save them from the beams and girders. There is always this frightful business of crawling to and fro in the mine and it is besides their normal work of digging coal. It is merely their extra work which is required along with their work of cutting coal. This hard work continues for seven and half hours daily. An ordinary man is unable to do such hard work Such a work would kill an ordinary person in a few weeks.

**The world of coal workers down the mine**–Down the mine there is the world of the coal miners but most of the people would not like to hear about it. Ye tit is absolutely counter-part of our world above. Practically coal is used in every activity of our lives. It is needed in peace and as well as war times. But we do not know how people geat coal. We simply know that we need coal-that arrives from the sources of nature. We never remember that many hundred feet below the road, there are the miners working in a coal-world. Their lamp-llt world down the mine is very necessary for the progress of our day-light world.

**Former conditions in coal-mines**–Only sometimes back the mines were worse than they are now. Formerly, the women had to work in mines with harness round their waist and a chain between their legs. They crawled on their hands and feet in order to drag tubs of coal. They used to do this kind of work even when they were pregnant. But their condition is some what improved these days. It is very sad indeed, that we do not like to think of the hard work of the miners because we are busy in life.

Men think themselves superior and intellectual in comparison to the ordinary workers. We forget that it is only because of labourers' and miner's hard work that superior persons can remain superior. You and I......all of us really owe much to the poor coal-miners who work down the mines under hard circumstances. Full of coal dust they are driving their shovels down the mine.

## पाठ का सारांश

कोयला हमारे दैनिक जीवन में अत्यन्त महत्व पूर्ण वस्तु है। सभी मशीनें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोयले पर निर्भर हैं। हम कोयले का प्रयोग अनेक प्रकार से करते हैं।

खान से कोयला निकालने की क्रिया––खानों से कोयला बाहर निकालने की वास्तविक क्रिया अच्छी तरह गौर करने काबिल है। प्रायः दर्शकों को (अन्य व्यक्तियों को) खान के अन्दर जाने की उस समय इजाजत नहीं मिलती है, जब कि वहां पर श्रमिक अपने कार्य में लगे होते हैं। यदि तुम्हें ऐसे समय पर वहां जाने का अवसर मिल जाता है, तो तुम देखोगे कि वहां पर मशीनों का शोर होता रहता है तथा वायु कोयले की धूल से काली रहती है। उस समय यह स्थान नर्क के समान होता है। कोयले की खान में बहुत तेज गर्मी, गड़गड़ाहट, अव्यवस्थित अन्धेरा तथा खतरा बना रहता है। कोयलों की खान में विद्युत-टार्च तथा डेवी के सेफ्टी लैम्प की धीमी रोशनी के अतिरिक्त और कोई प्रकाश भी नहीं होता है। वहां पर खान में कार्य करने वाले लोग गन्दे वातावरण में कार्य करते हैं।

कोयलों की खान में कार्य करने वाले श्रमिकों का कार्य––कोयला की खान के अन्दर श्रमिक अत्यन्त कड़ा परिश्रम करते हैं। कठोर चट्टानों को काट कर वे एक संकुचित सी गैलरी बना लेते हैं तथा कोयले की सतह के नीचे से कोयला खोद कर निकालते हैं। यह प्रायः भयानक तथा मनुष्य की समर्थता से बाहर (दैविक का कार्य है)। खान के अन्दर उनका कार्य अत्यन्त ही सख्त होता है। वहाँ पर श्रमिकों को पूरे समय झुके रहना पड़ता है तथा इस स्थिति में मजदूरों के लिये फावड़ा चलाना अत्यन्त कठिन होता है।

खान में नीचे बहुत तेज गर्मी भी पड़ती है। कभी कभी यह दम घोंटने

वाली होती है । श्रमिकों का सम्पूर्ण शरीर कोयले की धूल से ढका रहता है परन्तु श्रमिक तो कार्य करते रहते हैं, और ऐसे प्रतीत होते हैं कि मानों वे लोहे के बुत जैसे दिखाई देते हैं क्योंकि कोयले की धूल उन्हें एड़ी से चोटी तक ढके हुए होती है । ये श्रमिक अपने काम को बिना अवकाश के साढ़े सात घण्टे तक जारी रखते हैं । वास्तव में उन्हें मुश्किल से १५ मिन्ट का समय खाली मिलता है जब क शिफ्ट बदलने के समय पर वे अपना खाना खा सकते हैं ।

कोयला-श्रमिकों का अतिरिक्त शारीरिक कार्य--इन मजदूरों को अपने दैनिक कार्य के भाग के रूप में ही अतिरिक्त शारीरिक कार्य भी करना पड़ता है । कभी कभी उन्हें खान की गहराई से कोयला खोदने की जगह तक जाने के लिये ५ मील तक का फासला झुक कर चलते हुए ही पार करना होता है । वहां पर वे झुके रहते हैं और अपने सरों को ऊंचा रखते हैं ताकि शहतीरों तथा गार्डर से अपने को बचा सकें । खान में इधर उधर झुक कर चलने का यह भयानक कार्य सदा ही करना पड़ता है और यह मजदूरों को अपना कोयला खोदने के साधारण कार्य के अतिरिक्त करना पड़ता है । यह तो उनका बिल्कुल अतिरिक्त कार्य है जिसकी कोयला खोदने के काय के साथ साथ ही आवश्यकता पड़ती है । यह कठिन कार्य प्रतिदिन साढ़े सात घण्टे तक जारी रहता है । एक साधारण व्यक्ति इतना अधिक कठिन कार्य करने में असमर्थ रहता है । ऐसा कार्य तो किसी साधारण की कुछ ही सप्ताह में जान ले सकता है ।

खान के नीचे कोयला-श्रमिकों की दुनियां—खान के नीचे कोयला श्रमिकों की अपनी एक दुनियां है और अधिकांश मनुष्य तो इसके विषय में सुनना भी पसन्द नहीं करते हैं । परन्तु यह हमारी ऊपरी दुनियां का एक पूर्णांत या आवश्यक तथा सहायक अंग है । वास्तव में हमारे जीवन के प्रत्येक कार्य में कोयले का प्रयोग होता है । इसको शांति अथवा युद्ध दोनों ही समय पर आवश्यकता होती है । परन्तु हमें यह ज्ञात नहीं है कि लोग कोयला कैसे प्राप्त करते हैं । हम तो केवल यह जानते हैं कि 'हमे कोयला की आवश्यकता है जो कि प्राकृतिक साधनों से प्राप्त होता है । हम कभी यह याद नहीं रखते हैं कि सड़क के सैकड़ों फुट नीचे खान में काम करने वाले रहते हैं जो कि कोयला की दुनियां में कार्य करते हैं । खान के नीचे उनकी लैम्प के प्रकाश से प्रकाशित दुनियां ही हमारी इस

दिन की रोशनी से जगमगाती हुई दुनिया के लिये आवश्यक है। (अर्थात दुनियां के लिये कोयला अत्यन्त आवश्यक है)।

कोयले की खानों की पहिले समय में दशा—केवल कुछ समय पूर्व ही खाने इससे भी खराब थी जितनी कि वे आजकल है। पहिले, स्त्रियां अपनी कमर मे पट्टियां (जीन) कसे हुए तथा अपने टांगों में जंजीर बांधे हये खानों में कार्य करती थी। कोयले के टब्स (तसलों) को खींचने के लिये वे अपने हाथों तथा घुटनों के बल सरकती थी। वे इस प्रकार का कार्य अपने गर्भवती रहने के काल में भी किया करती थी परन्तु आजकल उनकी दशाओं में सुधार हो गया है। यह वास्तव में बड़े दुख की बात है कि हम अपने व्यस्त जीवन के कारण खान में कार्य करने वाले श्रमिकों के कठिन कार्य के विषय में विचार करना भी पसन्द नहीं करते हैं।

मनुष्य स्वयम् को साधारण श्रमिक की तुलना में अधिक ऊंचा तथा बुद्धिमान समझता है। हम यह भूल जाते हैं कि यह केवल श्रमिकों तथा खान में कार्य करने वाले मजदूरों के कठिन कार्य से ही ऐसा है कि ऊंचे लोग ऊंचे ही बने रह सकते हैं। तुम और मैं .... हम सब बेचारे कोयला श्रमिकों के अत्यन्त ऋणी है जो कि खान के नीचे कठिन परिस्थितियों में कार्य करते हैं कोयले की धूल से सने हुए वे खान के नीचे अपने फावड़े चला रहे हैं।

**Word-Meanings Hindi Translation and explanation**

### Key Question 1 Page 89 Para 1

Meanings—Founded–established आधारित-है। realizes—feels अनुभव करना। actual—real वास्तविक। process—course प्रक्रिया। extracted—drawn out निकाला जाता है। willing—wished इच्छुक।

हिन्दी अनुवाद—हमारी सभ्यता, जितना कि व्यक्ति सोचता है, उस से भी अधिक कोयले पर निर्भर है। यह इतनी अधिक निर्भर है कि व्यक्ति इसके विषय में सोचना भी बन्द कर देता है। मशीने जो हमें जीवित रखती है तथा मशीने जो दूसरी मशीनों को बनाती है वे सब प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में कोयले पर निर्भर है। इसलिये यदि तुम्हें अवसर मिलता हैं और तुम कष्ट उठाने के इच्छुक

हो तो वह समस्त क्रिया गौर से देखने काबिल है जिस प्रकार से कि कोयला बाहर निकाला जाता है।

Page 89–90 Para 2

Meanings—Coal face—the place where coal is actually being cut वह स्थान जहां पर कोयला वास्तव में काटा जाता है। fillers–they are the coal miners who cut the coal at the coal face and shovel it on to the tubs of coal on rails वे श्रमिक जो कोयले की खान के अन्दर कोयला काटते हैं और इसे फावड़ों से भरते हैं। nuisancs–anything offensive बाधा-उत्पत्ति। impression—idea विचार। totally—completely पूर्णतया:। hell—नरक। imagines—think कल्पना करना। confusion—disorder अव्यवस्था-कोलाहल। foul air—गन्दी हवा dirty air। unbearably–that can not be borne जिसको सहन न किया जा सके। cramped space—limited space सीमित स्थान। feeble –weak कमजोर। beams–rays किरण। davy lamps–miner's safety lamp invented by Sir Humphry Davy डेवी का अभय द्वीप। scarcely—hardly मुश्किल से। penetrate–to pierce प्रविष्ट होना, छेदना।

हिन्दी अनुवाद–जब तुम कोयला की खान में नीचे जाते हो तो उस स्थान पर जाने का प्रयास करना अच्छा है जहां पर कि कोयला खोदा जाता है और श्रमिक कार्य में लगे होते हैं। यह सरल नहीं हैं, क्योंकि जबकि खान में कार्य हो रहा होता है, आगुन्तक एक बाधा उत्पन्न करते हैं और उन्हें प्रोत्साहन नहीं दिया जाता है। परन्तु यदि तुम किसी अन्य समय पर जाओ, तो यह सम्भव है कि तुम बिल्कुल गलत धारणा बनाकर आओ। उदाहरण के तौर पर, रविवार के दिन खान प्रायः शांति पूर्ण प्रतीत होती है। वहां जाने का तो वह समय है जबकि मशीने शोर करती हैं तथा वायु कोयले की धूल से काली हुई रहती हैं और जब आप वास्तव में यह देख सकते हैं कि खान में कार्य करने वाले मजदूर क्या कार्य करते हैं। उस समय यह स्थान नरक के समान होता है अथवा मेरे

विचार से नरक का जो चित्र वह किसी भी रूप में वहां दिखाई देता है अधिकांश वस्तुयें जिनकी कोई नरक में कल्पना करता है वे वहां पर (खान में) हैं-गर्मी, शोर, कोलाहल, अंधेरा गन्दी हवा और इतना सीमित स्थान की शरीर को पूर्णतया: हिलाने-डुलाने में भी कठिनाई प्रतीत हो। आग के अतिरिक्त प्रत्येक वस्तु क्योंकि वहां पर नीचे डैवी के अभय दीप तथा विद्यूत टार्च की धीमी रोशनी के अतिरिक्त और कोई रोशनी नहीं होती है तथा यह प्रकाश कोयले के धूल में मुश्किल से ही प्रवेश कर पाता है (इसलिये वहां पर प्रत्येक वस्तु काली ही दिखाई देती है)।

**Exp.**—Most of things............coal dust. Page 89-90

**Ref.**–These lines have been taken from the lesson, 'Down the Mine', written by George Orwell.

**Cont.**—In this lesson the author tells us in simple language how coal is extracted from the coal-mines. The miners have so work very hard to get coal from the coal face. This whole process is worth-watching.

**Exp.**–Here the author gives a clear picture of coal-mines. They are just like hell. There are heat-noise-confusion, darkness foul air and limited space down the mine. With all these things it presents the picture of the hell. We imagine all such conditions in hell. So all our imaginations about hell become real when we have a chance to go down the mine. There is no light or fire in a coal mine except the very dim light of Devy lamps and electric torch. The air is always black with dust. The dim rays of the light cannot penetrate even the clouds of coal dust as a result of which there is complete darkness down the mine. Hence it really appears like a hell.

सन्दर्भ—ये पंक्तियां 'डाउन दी माईन' शीर्षक पाठ से ली गई हैं इसके लेखक जार्ज ओरवल हैं।

प्रसंग—इस पाठ में लेखक सरल भाषा में यह बताते हैं कि कोयला की खानों से कोयला बाहर कैसे नकाला जाता है। खान में कार्य करने वाले मजदूरों को कोयले की चट्टानों से कोयला प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ता है। यह सम्पूर्ण क्रिया देखने काबिल है।

व्याख्या—यहां पर लेखक कोयले की खान का स्पष्ट चित्र खींचते हैं। वे हो

बिल्कुल नरक के समान है। खान के नीचे गर्मी-शोर-कोलाहल, अन्धेरा गन्दी हवा तथा सीमित स्थान रहता है। इन सब चीजों के साथ यह नरक का सा दृश्य उपस्थित करती है। नरक में भी हम इन सभी दशाओं की कल्पना करते हैं। इसलिए हमारे समस्त कल्पनाएं वास्तविक प्रतीत होती हैं जबकि हमें खान के अन्दर जाने का अवसर प्राप्त होता है। डैवी के अभय दीप तथा विद्युत टार्च की रोशनी के अतिरिक्त खान के अन्दर कोई प्रकाश भी नहीं होता है। ये रोशनी की धुंधली किरणों कोयले की धूल तक में प्रविष्ट नहीं हो पाती है जिसके परिणाम स्वरूप खान में पूर्ण अन्धकार दिखाई देता है। इसलिए वह वास्तव में नरक समान दिखाई देती है।

## Key Question 2 Page 90 para 1

Meanings—Job--work कार्य । crawl--to walk on hand or feet रेंगना। pit props–support used to prevent the earth from caving in the shafts of coal mine कोयला की खान में मिट्टी (खान की दीवारों से गिरने वाली) गिरने से रोकने के लिए कुछ आधार.। shiny--चमकदार। smooth–clean साफ। underneath--beneath नीचे। gallery--a long narrow passage in a coal mine कोयला की खान बनाया हुआ एक लम्बा तथा संकरा मार्ग। ledge of coal कोयला की पर्त जिसके ऊपर मिट्टी या चट्टान होती है। probably--possible सम्भवत।

हिन्दी अनुवाद—अन्त में जब तुम वहां पहुंच जाते हो, और वहां पहुंचना तो स्वयं एक कठिन कार्य है, तो तुम खान के भीतर बनाए गए आधारों की अन्तिम पंक्ति तक पहुंचने के लिए रेंग कर चलते हो और अपने सामने एक तीन या चार फुट ऊंची चमकदार कालो दीवार देखते हो। यह कोयला खोदने का स्थान है। सिर के ऊपर एक साफ छत होती है कि चट्टान में से कोयला काटकर बनी हुई होती है, नीचे फिर एक चट्टान होती है। इसलिए वह गैलरी, जिसमें कि तुम होते हैं, केवल इतनी ही ऊंची होती है जितनी कि कोयले की चट्टान वाली दीवार होती है—सम्भवतः यह एक से ज्यादा चौड़ी नहीं होती है।

## Page 90 & 91 Pora 2

Meanings—A pang of envy—a strong feeling of envy अत्याधिक तेज ईर्ष्या की भावना । thoughness—hardness कठोरता । dreadful–fearful भयानक । super-human–beyond human-powers मनुष्य की शक्ति से परे का कार्य । monstrous quantities—enormous amounts अत्याधिक मात्रा । doubles or trebles—makes it twice or thrice इसे दुगना या तिगुना बना देता है । kneeling—bending झुके रहना । tremendous-great महान । shovelling—बेलचा चलाना । compartively—in comparison to तुलनात्मक रूप में । thigh—जान्घ । strain–exertion जोर । belly muscles—पेट की मांसपेशियां । varies—differs भिन्न २ होती है । suffocating—choking दम घोटने वाली । stuffs us—fills us भर जाती है । nostrils—नाक के नथने । eyelids—पलकें । hammered iron–iron shaped by hammer blows हथाड़े से पीटा गया लोहा । statues—idols बुत । coat–layer पर्त । cling—चिपट जाती है । spectacle—scene दृश्य । bowed–bend झुके हुए । sooty—full of soot कालिमा से भरा हुआ । stupendous—amazing आश्चर्य जनक । theoritically without a break—the rules allow no time for rest ये नियम आराम के लिए कोई समय प्रदान नहीं करते हैं । time 'off'—time away from work खाली समय । snatch a quarter of an hour—take fifteen minutes 'off' hastly जल्दी से १५ मिनट का समय खाली मिल जाता है । shift—rotation चक्र-पारी । a hunk of bread-a clumsy piece of bread रोटी का मोटा टुकड़ा । dripping-shorba—शोरबा ।

हिन्दी अनुवाद—मजदूरों के कठोर कार्य के प्रति ईर्ष्या की भावना किए बिना (असन्तोष प्रकट किए बिना) उसको (खान में कार्य करने वाले श्रमिकों को) काम करते हुए देखना असम्भव है । जो कार्य वे करते हैं, वह बहुत ही भयानक

है तथा साधारण व्यक्ति के दृष्टिकोण से वह एक दैविक कार्य है क्योंकि वे केवल बहुत अधिक मात्रा में कोयला ही नहीं उठाते हैं बल्कि वे ऐसी स्थिति में कार्य करते हैं जिनसे उनका कार्य दुगना या तिगुना हो जाता है। उन्हें पूरे समय झुके रहना पड़ता है—वे बिना छत से टकराए मुश्किल से अपने घुटने सीधे करके खड़े रह सकते हैं—और तुम स्वयं यह कोशिश करके अर्थात यह कार्य देख सकते हो कि इस कार्य में कितना कठिन प्रयत्न करना पड़ता है। जब तुम खड़े हुए होते हो तो उस समय फावड़े से कोयला उठाना सरल होता हे क्योंकि तुम फावड़े को उठाने में घुटने तथा जान्घों का प्रयोग कर सकते हो। झुके हुए रहने पर सारा जोर तुम्हारी भुजाओं तथा पेट की मांसपेशियों पर पड़ता है और अन्य दशाओं में कार्य करना अधिक सरल नहीं होता है, वहां पर गर्मी पड़ती है—यह बदलती रहती है पर कुछ खानों में तो यह दम घोटने वाली होती है—और कोयले की धूल तुम्हारे गले तथा नाक के नथनों को भर देती है तथा तुम्हारी पलकों पर भी इकट्ठी हो जाती। परन्तु कोयला भरने वाले ऐसे कार्य करते हैं तथा दिखाई देते हैं मानो कि वे लोहे के बने हुए हैं। वास्तव में वे लोहे के समान दिखाई देते हैं—लोहे की बनी हुई मूर्तियां कोयले की धूल के नीचे दिखाई देती है जो कि (धूल) उन्हें सर से पांव तक ढके हुए होती है। जब तुमने एक बार ऐसा देखा हो, तो तुम कभी भी इस दृश्य को नहीं भूल सकते हो। झुके हुए व्यक्ति घुटनों के बल झुकी हुई आकृतियां, चारों तरफ से कालिमा से ढ़के हुए (मजदूर) आश्चर्य जनक शक्ति तथा गति से अपने फावड़ों से कोयला खोदते रहते हैं। वे साढ़े सात घन्टे तक बिना रुके हुए कार्य करते हैं क्योंकि वहां पर कोई खाली समय नहीं मिलता है। वास्तव में शिफ्ट के बदलने के समय १५ मिनट का समय बड़ी मुश्किल से उन्हें वह खाना खाने के लिए मिल पाता है—भोजन एक रोटी का टुकड़ा, शोरुबा तथा एक ठंडी चाय की बोतल जो कि वे अपने साथ लेकर आए हुए होते हैं।

**Exp.**—They really do look......force and speed. **(Imp.)**

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'Down the Mine', written by George Orwell.

**Cont.**—The coal miners have to take up very hard work

down the mine. It is really a dreadful job that they do there.

**Exp.**—There is suffocating heat down the mine. The coal dust fully covers the miner's bodies. The workers full of coal dust look like iron-statues. One, who sees them in such circumstance, can never forget the scene down the mine. There the miners are doing the hard work of cutting and filling the coal and driving their huge shovels with full force and speed. They are the kneeling and sooty figures who work speedily down the mine. It is really a pathetic scene to see the coal-miners at work. They work with amazing force and great speed.

व्याख्या—खान में नीचे दम घोटने वाली गर्मी होती है। कोयले की धूल पूरे तरह से खान में कार्य करने वाले मजदूरों के शरीरों को ढके हुए होती है। कोयले की धूल से सने हुए श्रमिक लोहे की तस्वीरों के समान दिखाई देते हैं। जो कोई भी उन्हें इन परिस्थितियों में देखता है, वह कभी खान के अन्दर के दृश्य को भूल नहीं पाता है। वहां पर श्रमिक कोयला काटने तथा भरने के कठिन कार्य को कर रहे हैं तथा पूर्ण शक्ति तथा तेज गति से अपने फावड़ों को चला रहे हैं। वे झुके हुए कालिमा से सनी हुई मूर्तियां हैं जो कि खान में नीचे तेजी से कार्य करते हैं, कोयला मजदूरों को कार्य करते हुए देखना वास्तव में अत्यन्त ही करुणा जनक दृश्य है। वे तो आश्चर्य जनक शक्ति तथा महान गति से कार्य करते हैं।

## Key Question 3 Page 91-92-93 Para 1

Meanings—Vaguelly—अस्पष्ट रूप से। stepping out—coming out बाहर निकलते हुये। cage—an enclosed structure made of wires, bars etc. in which coal-miners are carried from the top of the coal mine to the pit bottom and back खान के अन्दर मजदूरों के ले जाने वाला पिञ्जड़ा, झूला। the pit bottom–the bottom level of the coal mine where the shafts begin कोयले की खान का निचला भाग। fairly—largely पर्याप्त रूप से। bear no relation—cannot be

compared to तुलना नहीं की जा सकती है। ground-land भूमि। to bend double—to bend the body sharply at the waist शरीर को दुहरा कर लेना, झुका लेना। beam--शहतीर। girders—beams made of iron गार्डर। dodge—to trick to start aside एक तरफ हटा देना या धोखा देना। crick in the neck —a painful twist of muscles in the neck गर्दन में लचका हो जाना। exaggerating--बढ़ा चढ़ा कर कहना। agony—pain कष्ट। emphasise--stress जोर देना। frightful—hateful घृणित। crawling to and fro-moving a head and back on hands and knees घुटनों तथा हाथों के बल आगे पीछे की ओर चलना। merely an extra—a painful work over and above the normal task of the day दैनिक साधारण कार्य के अतिरिक्त कष्ट पूर्ण कार्य। sandwiched in between--put or squeezed in between बीच में फंस जाना। savage—wild भयानक। perform on a flying trapeze-swing and do tricks on a short horizontal bar, hung at a height by two ropes like circus performance ऊंचे बन्धी हुई लोहे की नली पर लटक कर कार्य करना जैसे कि सरकस में दिखाया जाता है। the Grand National—the famous annual horse race in England इंगलैंड में होने वाली प्रसिद्ध वार्षिक घुड़ दौड़। a manual labourer—शारीरिक कार्य करने वाला मजदूर। at a pinch-in an emergency if necessary आवश्यकता के समय पर। a tenth rate farm hand—a thoroughly in competent farm labour खेत पर कार्य करने वाले अयोग्य या बहुत कम जानकर श्रमिक। conceivable —thoughtful विचार वान। effort-work कार्य।

हिन्दी अनुवाद-खान के अन्दर जाने से पहले मैंने यह अस्पष्ट रूप से कल्पना कर रक्खी थी खान में कार्य करने वाले मजदूर पिञ्जडे में से उतर कर केवल कुछ गज की दूरी पर कोयला की चट्टानों से कोयला काटने का कार्य आरम्भ

कर देते हैं। यदि खान के नीचे मे कोयला काटने के स्थान तक का फासला एक मील का हो, जो कि सम्भवतः एक औसत दूरी है, तो वह वहां पर सामान्यतः तीन मील जैसी दूरी होती है और कुछ खानों में तो यह दूरी पांच मील तक की बताई जाती हैं परन्तु इन फासलों का जमीन के ऊपर फासले से कोई सम्बन्ध नहीं है। क्योंकि चाहे वह दूरी एक मील की हो अथवा तीन मील की हो—वहां पर कोई मूल्य सड़क के समान कोई ऐसा स्थान नहीं होता है जहां पर मनुष्य सीधी स्थिति में खड़ा हो सके। तुम्हें वहाँ पर केवल दुगना ही नहीं झुकना पडता परन्तु अपने सर को सम्पूर्ण समय ऊंचा उठाए रखना पड़ता है ताकि तुम शहतीरों तथा गार्डर को देख सको तथा उनसे बचकर अलग हट सको जबकि वे आते हैं (खान के अन्दर बहुत से शहतीर तथा गार्डर इधर से उधर मशीनों द्वारा चलते रहते हैं) इसलिये तुम्हारी गर्दन में स्थायी रूप से लचका (झुकाव) आ जाता है। परन्तु यह घुटनों तथा जान्घों के दर्द के सामने कुछ भी नहीं है। आधा मील चल लेने के पश्चात यह एक असहनीय कष्ट हो जाता है—मैं यह वर्णन अतिशयोक्ति पूर्ण ढग से नहीं कर रहा हूँ। परन्तु मैं यह बात समझाना चाहता हु कि वहाँ पर इधर उधर झुक कर चलने का अत्यन्त भयानक कार्य है जो कि किसी भी साधारण व्यक्ति के लिये यह स्वयं सम्पूर्ण दिन का कठिन कार्य है और वहां तो यह खान में कार्य करने वाले मजदूरों के दिन के कार्य का भी भाग नहीं है यह तो केवल एक उनका अतिरिक्त कार्य है। खान का श्रमिक अपनी यात्रा इधर उधर करता है तथा कठिन कार्य करते हुए साढ़े सात घण्टे तक इसी अवस्था में फंसा रहता है। खान में कार्य करने वालों का कार्य मेरी शक्ति से उसी प्रकार परे है जैसा कि दूर रस्सियों पर लटके हुए लोहे के डंडे पर (सरकस की तरह से) कोई कार्य करना या इंगलैण्ड में होने वाली प्रसिद्ध वार्षिक घुड़ दौड़ को जीतना। मैं शारीरक परिश्रम करने वाला मजदूर नहीं हूं तथा ईश्वर की कृपा से मैं कभी ऐसा बनूंगा भी नहीं परन्तु कुछ इस प्रकार के शारीरिक कार्य हैं कि यदि मुझे करने पड़ जाय तो मैं उन्हें कर सकता हूं। आवश्यकता के समय मैं सड़क पर झाडू लगाने वाला महतर या अयोग्य माली अथवा खेत पर काम करने वाले कम जानकार मजदूर के कार्य को भी कर सकता हूं परन्तु किसी भी विचार से प्रयत्न प्रशिक्षण प्राप्त करने पर भी

मैं कोयले की खान में कार्य करने वाला श्रमिक बनना सहन नहीं कर सकूंगा। वह कार्य तो मुझे कुछ हीं सप्ताह में मार डालेगा।

**Exp.**—But what I want.........an extra. **(Imp.)** Page 92

**Ref.**–These lines have been taken from the lesson, 'Down the Mine', written by George Orwell.

**Cont.**—The workers in a coal mine have to keep themselves kneeling all the while so as to save them from the beams and girders, that move over their heads. For this they have to keep their heads up also. In this way they have a constant crick in their necks.

**Exp.**—The miners feel an unbearable pain down a coal mine. It is not an exaggeration to describe the strange position of the coal miners. There is always the fearful work of moving ahead and back on hands and knees. It is beyond the capacity of an ordinary person. More over, it is painful to note that this frightful business of crawling is not regarded as a part of the miner's daily work. They have to remain in this position in order to do their usual task. These are the painful tasks over and above the normal work of the day. Besides their main work of cutting and filling the coal, it is an extra work that is required of a coal miner. Thus theirs is the hardest work down the mine.

व्याख्या—कोयला की खान के नीचे श्रमिकों को अत्यधिक कष्ट का अनुभव होता है। कोयला की खान में कार्य करने वाले श्रमिकों की इस अद्भुत स्थिति का वर्णन करना अतिशयोक्ति पूर्ण नहीं हैं। यहां पर हाथों तथा पैरों के बल रेंग कर चलने का भयानक कार्य सदैव ही करना पड़ता है। यह साधारण मनुष्य की योग्यता से परे का कार्य है। इसके अतिरिक्त यह जानकर बड़ा दुख होगा कि झुक कर चलने का यह भयानक कार्य श्रमिकों के दैनिक कार्य का भाग नहीं समझा जाता है। उन्हें अपना दैनिक कार्य करने के लिये इस स्थिति में भी रहना पड़ता है—यह तो प्रतिदिन के साधारण कार्य के अतिरिक्त कष्ट कारक कार्य है। कोयला काटने तथा भरने के अपने मुख्य कार्य के अलावा कोयले की खान के मजदूरों को यह अतिरिक्त कार्य (झुक कर चलने का) करने की भी आवश्यकता होती है। इस प्रकार खान के नीचे उनका कार्य कठिनतम है।

**Exp.**—The miner's job.........Grand National. Page 92
(V. Imp.)

**Ref.**–These lines have been taken from the lesson, 'Down the Mine', written by Geroge Orwell.

**Cont.**—The writer has explained that the coal miners have to work an extra work of crawling in a coal-mine. They have to perform their hard duties for about seven and half hours daily.

**Exp.**—The author is disgusted to see the coal-miner's at work. Theirs is the work beyond the capacity of an ordinary man. Such a hard work is very difficult for the author too. It is as difficult as to swing and do tricks on a short horizontal bar that is hung at a height by two ropes. It appears him a similar work to those of circus performers. The work appears him as difficult as to win the famous annual horse race in England.

**Note**—In this horse race, known as the Grand National, the horses have to jump over several high obstacles before the finish. It is very difficult to win that race. So the writer compares the work of a minor to that horse-race.

व्याख्या—लेखक कोयले के खान में काम करते हुये श्रमिकों को देखकर निराश हो जाता है। उनका कार्य तो साधारण मनुष्य की योग्यता से परे का है। इस प्रकार का कठिन कार्य तो लेखक के लिये भी बड़ी मुश्किल है। यह तो उतना ही कठिन है जितना कि लोहे की छड़ पर लटक कर तमाशा दिखाना कठिन होता है, जो कि दो रस्सियों की मदद से ऊपर टांग दी जाती है। उसको तो यह सरकस का तमाशा दिखाने वालों के कार्य के समान प्रतीत होता है। यह कार्य तो इंगलैण्ड में होने वाली प्रसिद्ध वार्षिक घुड़ दौड़ को जीतने के समान कठिन प्रतीत होता है।

नोट—इस घुड़ दौड़ में, जिसको 'शानदार नेशनल दौड़' कहकर पुकारते हैं, दौड़ समाप्त करने से पहले घोड़ों को कितने ही ऊंची २ रुकावटों के ऊपर को कूदना पड़ता है। इस दौड़ को जीतना बड़ा कठिन है—अतः लेखक खान के श्रमिक के कार्य की तुलना घुड़ दौड़ से करता है।

## Key Question 5 Para 93–94 Para 1

Meanings—Watching—looking at देखते हुये । momentarily—for a moment एक क्षण के लिये । what different universe people in habit—there is a vast difference in our lives and the coal miners हमारे जीवन तथा खानों में काम करने वाले लोगों के जीवन में काफी अन्तर है । a sort of world apart —a distant and different world altogether पूर्णतया: एक दूसरी तथा कहीं दूर बसने वाली दुनिया । *yet it is world above* —the coal mine and our *civilization are inter dependent. Both worlds are necessary for the progress of* civilization कोयले की खान तथा हमारी सभ्यता एक दूसरे पर निर्भर है । दोनों दुनिया–हमारी सभ्यता के लिये आवश्यक है । eating an ice—eating ice-cream आईस क्रीम खाना । the Atlantic—the ocean touhing the American continents to the west and Europe and Africa to the east अन्ध महासागर । baking a loaf—cooking a loof of bread by dry heat रोटी पकाना । the arts of peace—human activities in times of peace शांति के समय पर मानवीय क्रियाएं । involves—includes सम्मिलित किये हुये हैं । all the more–even more और भी अधिक । fort night—a period of two weaks, leather jerkins—short close fiting jackets of leather चमड़े की बनी हुई, जाकिट या जरकिन । stout sacks–strong bags मजबूत बोरे । tar —तारकोल । stuff—material सामग्री । mysteriously—secretly गुप्त रूप से । manna–something unexpectedly supplied, food provided by God अमृत । hacking at the coal—striking heavy blows at the ledge of coal कोयले को तेजी से जोर से खोद रहे हैं । lamp lit world—there is no light in a coal mine except that of Davy Lamps.

Miners depend completely on this dim light लैम्प के प्रकाश से प्रकाशित दुनिया।

हिन्दी अनुवाद—कोयले की खान में कार्य करते हुये मजदूरों को देखकर तुम एक क्षण के लिये यह अनुभव करते हो कि हमारे जीवन तथा खान में काम करने वाले लोगों के जीवन में कितना अन्तर है। खान के नीचे जहां पर कोयला खोदा जाता है एक प्रकार की दुनिया है जिसके विषय में बिना सुने हुये मनुष्य सरलता पूर्वक अपना सम्पूर्ण जीवन व्यतीत कर सकता है। सम्भवतः अधिकांश लोग तो उसके विषय में सुनना भी पसन्द नहीं करेंगे परन्तु खान में कार्य करने वाले की यह दुनिया हमारी इस ऊपरी दुनिया का एक आवश्यक सहायक भाग है। वास्तव में प्रत्येक कार्य जो हम करते हैं—आईस क्रीम खाने से अटलान्टिक महासागर पार करने तक तथा एक रोटी का टुकडा पकाने से उपन्यास लिखने तक हमें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोयला के प्रयोग की आवश्यकता होती है। शांतिकाल में अनेक कलाओं (ललित कलाओं) के विकास के लिये कोयले की आवश्यकता पडती है—यदि युद्ध फैल जाता है तो कोयले की और अधिक जरूरत पडती है। परन्तु हमें, इसके विषय में पूर्ण ज्ञान भी नहीं होता है, हम सब तो केवल यह जानते हैं कि हमें कोयला चाहिये, परन्तु हम बहुत कम ही अथवा कभी भी यह ध्यान नहीं करते हैं कि कोयला कैसे प्राप्त होता है। यहां पर मैं बैठा हुआ हूं और अपनी कोयले की आराम दायक आग (अंगीठी) के सामने बैठा हुआ लिख रहा हूं। यह अप्रैल का मास है—फिर भी मुझे आग की जरूरत है। १५ दिन में एक बार दरवाजे के सामने कोयले की गाडी आती है और लैदर, जाकेट पहिने हुये कुछ मजदूर कोयले को बड़े बोरों में घर के अन्दर डाल जाते हैं, और इसमें से कोल तार की गन्ध आती रहती है। ऐसा बहुत ही कम होता है जब क मैं यह निश्चित मानसिक प्रयत्न करता हूं कि मैं इस कोयले को बहुत दूर खानों में होने वाले कार्य से सम्बन्धित करूं। यह कोयला है—कोई ऐसी वस्तु जिसे मुझे अवश्य ही प्राप्त करनी है—कोई काला पदार्थ जो कि रहस्यात्मक रूप से कहीं गुप्त जगह से आता है जैसे कि भगवान का भेजा हुआ अमृतफल हो हमको तो केवल इसका कुछ मूल्य देना पडता है। तुम सरलता पूर्वक इंगलैण्ड के उत्तर में कार चला सकते हो

परन्तु एक बार भी यह याद नहीं करते हो कि जिस सडक पर तुम हो उसके सैकडों फीट नीचे कोयले की खान के श्रमिक तेजी से कोयला खोदने का कार्य कर रहे हैं। फिर भी एक अर्थ में–यह कोयले की खान में कार्य करने वाले श्रमिक ही है—जो कि तुम्हारी कार को चला रहे हैं अर्थात इनके परिश्रम के कारण ही हम लोग उन्नतिशील कार्य कर पाते हैं।) उनकी नीचे लैम्प के प्रकाश से प्रकाशित दुनिया ऊपर के दिन के प्रकाश से प्रकाशित संसार के लिये उतनी ही आवश्यक है, जितना कि फूलों के लिये जड की आवश्यकता होती है।

**Exp.**—Down thers where............world above, **Imp.**

**Ref.**–These lines have been taken from the lesson, 'Down the Mine', written by George Orwell.

**Cont.**–Here the writer explains the importance of coal in our day-to-day life. We are very much indebted to the miners who take up hard work of cutting and digging coal down the mine.

**Exp.**—There is a vast difference between the place in life, out look and surroundings of the average citizen and the coal miner. These miners live in a differcnt world of their own. Theirs is the dark world down the mine where they work hard and spend most part of their life. But people do not know about this world Most of us pass the whole period of our lives without any knowledge of the hard life of a coal miner, Actually we are so busy that we do n't like to hear the sad experiences of coal miners. But our civilization and the coal miners are independent to each other.

व्याख्या—एक साधारण नागरिक तथा कोयला की खान में करने वाले श्रमिक के जीवन में स्थान, दृष्टिकोण तथा वातावरण के सम्बन्ध में महान अन्तर है। ये मजदूर अलग से ही अपनी एक दुनिया में रहते हैं। उनकी काली दुनिया खान के नीचे है। जहां पर वे परिश्रम करते हैं तथा अपने जीवन का अधिकांश भाग व्यतीत करते हैं। परन्तु लोगों को इस दुनिया के विषय में ज्ञान नहीं है। बहुत से व्यक्ति तो अपना समस्त जीवन गुजार देते हैं परन्तु उन्हें कोयले की खान के मजदूर के कठिन जीवन का तनिक भी ज्ञान नहीं होता है। वास्तव में हम इतने अधिक व्यस्त है कि हम कोयले की खान में कार्य करने वाले मजदूरों के जीवन के विषय में सुनना भी पसन्द नहीं करते हैं। परन्तु

हमारी सभ्यता तथा कोयले की खान एक दूसरे पर बहुत अधिक निर्भर है।

**Exp.**—Yet in a sense............the flower. Imp.

**Ref.**–These lines have been taken from the lesson, 'Down the Mine', written by George Orwell.

**Cont.**– Coal is very necessary for our civilization. It is needed in peace as well as in war times. Without coal we can not progress in the world.

**Exp.**—The author says that we never know about the hard fate of coal workers. We lead a comfortable life, driving a car on the road of North England, but never think that the miners are working in mines hundreds of feet below the road. Actually the miners drive our cars on the road. They provide us with money and comforts through their hard labours down the mine. The poor miners work for the rich and the mill owners, they help us in making our life easy and comfor able.

These dark mines are a part and parcel of our lives. We connot progress without them. The lamp-lit world of the miners is as necessary to the outer-world above as root is to the flower.

व्याख्या—लेखक कहता है कि हम कोयले की खान के मजदूरों के भाग्य के विषय में तनिक भी नहीं जानते हैं। इंगलैंड के उत्तर में सड़क पर कार चलाते हुये हम तो आराम दायक जीवन व्यतीत करते हैं परन्तु यह कभी नहीं सोचते कि सड़क के सैंकड़ों फीट नीचे श्रमिक खानों में कार्य कर रहे हैं। वास्तव में यह मजदूर ही सड़कों पर हमारी कारों को चलाते हैं। खानों के नीचे अपने कठिन कार्य को करके ही लोग हमें धन तथा आराम प्रदान करते हैं। गरीब मजदूर मिल-मालिकों तथा अमीरों के लिए कार्य करते हैं वे हमारे जीवन को सरल तथा आराम दायक बनाने में हमारी मदद करते हैं।

ये काली खाने हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग है। हम उनके बिना उन्नति नहीं कर सकते हैं। खान में कार्य करने वालों की लैम्प के धीमे प्रकाश से प्रकाशित दुनिया ऊपर की बाहरी दुनिया के लिये इतनी आवश्यक है जितनी कि फूल के लिये जड़ आवश्यक होती है।

## Key Question 5 Page 94-95

Meanings—Underground—down the mine जमीन के

नीचे अर्थात खान में । with the harness round their waist—women workers in the mine had to wear special harness in order to drag tub of coal कोयले के टबों के घसीटने के लिये खान में कार्य करने वाली स्त्रियां एक प्रकार की जीन (पेटियां) कमर पर कसें रहती थी । on all fours—on hands and knees हाथों तथा घुटनों के बल । dragging—घसीटती हुई । pregnant—गर्भवती । to and fro–here and there इधर उधर । fancy–imagine कल्पना, dep ive–keep away बचाए रखना, वन्चित रहना । manual work –physical work शारीरिक कार्य । oblivious of its existance –forgetful of the fact that all types of manual work is needed for our civilization हम इस वास्तविकता को भूले हैं कि सभ्यता के लिये प्रत्येक प्रकार के शारीरिक कार्य की आवश्यकता है । can stand—can bear सहन कर सकते हैं । exaggeratedly owful–extremely dreadful अत्याधिक भयानक । vitally–chiefly मुख्य रूप । remote from our experience—far away from and apparently connected with our day to-day life हमारे दैनिक जीवन से अत्यन्त दूर तथा प्रायः असम्बन्धित है । veins—धमनियां । humilating—insulting अपमान जनक । status—position स्थिति । a superior person—a person who thinks himself above the common level because of his high place, education or work in life एक व्यक्ति जो अपने कार्य शिक्षा उच्च स्थान के कारण अपने को दूसरे व्यक्तियों की अपेक्षा अच्छा समझता है । it brought home to you—you realize तुम यह अनुभव कर पाते हो । sweat their guts out—work extremely hard अत्यधिक कठिन परिश्रम करते हैं । comparatively–in comparison to तुलनात्मक कठिन परिश्रम रूप से । decency—beauty सौन्दर्य । drudges—hard labour कठिन श्रम । blackened—made black काली कार देता था । steel स्टील—लोहा ।

हिन्दी अनुवाद—इस बात को अधिक समय नहीं हुआ है, जबकि खानों की दशाएं आज से भी अधिक खराब थी। अब भी कुछ थोड़ी बहुत बूढ़ी औरतें जीवित हैं जिन्होंने अपनी जवानी में भूमि के नीचे (खान में) कार्य किया है जो कि अपने कमर तथा सीने पर घोड़े की तरह से साज (पेटियां आदि) कैसे रहती थी तथा उनके पैरों के बीच एक जंज़ीर बन्धी होती थी वे अपने हाथ तथा पैरों के बल रेंगती हुई कोयले के टबों (तसलों) को खींचती थी। वे अपनी गर्भावस्था में भी इस प्रकार का कार्य करती थी और यदि अब भी गर्भवती स्त्रियों द्वारा बिना इधर उधर खींचे हुये कोयला नहीं निकाला जा सकता है तो यह मेरा अनुमान है कि कोयले से वन्चित होने के बजाय हम उन्हें यह कार्य करते रहने देते। परन्तु निःसन्देह हम अधिकांश समय में तो यह भूले होते हैं कि वे यह कार्य कर रही होगी। यही बात अन्य सभी प्रकार के शारीरिक कार्यों में है। यह हमें जीवित रखता है तथा हम तो इसके अस्तित्व (शारीरिक कार्य की आवश्यकता के विषय में) को भी भूल जाते हैं। किसी भी अन्य मजदूर की अपेक्षा, शायद खान में कार्य करने वाले मजदूर का शारीरिक कार्य अधिक महत्व पूर्ण है। केवल इसलिए नहीं कि उसका कार्य अधिक भयानक है परन्तु इसलिए भी कि यह अत्यन्त आवश्यक है तथा फिर भी यह हमारे दैनिक जीवन के अनुभवों से इतना दूर तथा प्रायः ओझल है तथा इतना अदृश्य है कि हम इसे ऐसे भूल जाते हैं जैसे कि हम अपनी धमनियों में प्रवाहित होने वाले खून को भूल जाते हैं। एक प्रकार से कोयले की खान में कार्य करने वाले मज़दूरों को देखना भी अपमान जनक है। यह तुम्हारे मन में एक क्षणिक सन्देह उत्पन्न कर देता है कि तुम्हारी इस स्थिति के विषय में तुम अन्य व्यक्ति के मुकाबले पर अधिक बुद्धिमान तथा अधिक ऊंचे व्यक्ति हो। क्योंकि तुम्हारी समझ में कम से कम उस समय, जबकि तुम उन्हें (मजदूरों को) काम करते हुये देखते हो यह आ जाता है कि मजदूरों के कठिन परिश्रम तथा पसीना बाहने के द्वारा ही यह सम्भव है कि ऊंचे लोग जीवन में उच्च ही बने रहते हैं। तुम और मैं हम सब वास्तव में अपने जीवन के पूर्ण सौन्दर्य के लिए तुलनात्मक रूप से खान में कार्य करने वाले गरीब मजदूरों के कठिन कार्य के ऋणी हैं जो आंखों तक काले हैं कोयले के धूल जिनके नशों में भरी हुई है और जो मजदूर अपनी स्टील की बनी अर्थात् अत्यन्त

कठोर पेट की मांस पेशियों के सहारे फावड़ों को चला रहे हैं।

**Exp.**—For it is brought.........muscles of steel. **V. Imp.**

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'Down the Mine', written by George Orwell.

**Cont.**—Here the author tells us about the important work of the coal-workers. They are the real founders of our civilization. It is because of them that we remain superior in life.

**Exp.**—Generally people do not like to hear of the hard life of a coal-worker. If we see the coal-miners at work, we come to understand the hard and strenuous work that the miners do down the mine. It makes us understand that it is because of the labourer's hard work that we enjoy superiority in life. Everyone of us is greatly indebted to the miner's hard work. These poor miner's take up this kind of work and keep up prosperous in life. Full of coal and with black eyes, they are hacking at the coal down the mine. They are moving their shovels with full speed & force. Theirs is the most important work which the poor miners are doing with great interest. They deserve the gratitude of whole human race,

व्याख्या—प्राय: लोग कोयला की खान में कार्य करने वाले मजदूर के कठिन जीवन के विषय में सुनना चाहते हैं। यदि हम इन मजदूरों को कार्य करते हुये देखें तो हम उस कड़े तथा उत्साह पूर्ण कार्य को पूरी तरह से समझ जाते हैं जो कि खान की नीचे मजदूर करते हैं। यह हमें यह भी ज्ञान करा देता है कि मजदूरों के कठिन कार्य के कारण ही हम जीवन में 'उच्चता' को प्राप्त करते हैं तथा ऊंचे रह सकते हैं। हम से प्रत्येक व्यक्ति इन खान के मजदूरों के कार्य के लिये बहुत अधिक ऋणी है। ये गरीब मजदूर इस प्रकार कार्य करते हैं तथा हमें जीवन में प्रसन्न रखते हैं। कोयले की धूल से सने हुए, काली काली आंखों वाले ये मजदूर खान के नीचे से कोयले को खोद रहे हैं। वे अपने फावड़ों को पूरी शक्ति तथा तेज गति से चला रहे हैं।

उनका कार्य सबसे अधिक महत्व पूर्ण है जिसको कि गरीब मजदूर पूरी रुचि से कर रहे हैं। समस्त मानव जाति उनकी ऋणी है।

## Question & Answer

**Key question I—Why is she process by which coal is**

extracted well worth watching ? In what, way is a coal mine like hall ?

खान से कोयला निकालने की क्रिया गौर से देखने काबिल क्यों है ? कोयले की खान किस रूप में नरक समान है ?

**Ans.**—Coal is very important in our day-today life. In fact our civilization is founded on coal, but we do not know it completely. It is direcily useful in our daily life For this reason, we must be in the knowledge of the actual process by which coal is extracted from the mines. The whole process is well-worth watching. It gives a glimpse of the miner's hard life and we come to know how much labour coal-getting involves on the part of the miners.

Generally the visitors are not allowed to go down a mine, praticularly while the miners are at work. If you get a chance to go at such times you will see that the machines are roaring and the time when you can actually see what happens down the mine.

A coal-mine is like a hell. There are heat, noise, confusion, darkness and dangers in a coal mine. There is no light except Davy's Lamb or electric torches. We imagine all such things in hell. We, there fore, think a coal-mine like hell.

**Key question 2**–Why is the of the fillers considered almost supper-human ?

जो कार्य कोयला भरने वाले मजदूर करते हैं, वह प्रायः दैविक (मनुष्य की शक्ति से बाहर का) क्यों समझा जाता है।

**Ans.**–Please see the summary of the lesson for the answer of this question—"The job of the coal-miners".

**Key question 3**–What extra physical effort has the coal-miner to put in as part of his day's work ?

**Ans.**–It is very difficult to watch the coal-miners at work. No body is allowed to go down the mine, when the work is going on there. Any how, if you get a chance to go at such times. you watch the miners at work. They are busy in cutting coal from the shining black-coal-face Overhead, there is the smooth ceiling made by the rock from which the coal has been cut. There is only a very narrow little gallary in which the workers carry on their day's work.

These coal miners have to take up extra-physical labour as a part of their day's work. It is of crawling down the mine. Sometimes they have to crawl a distance of about five miles from the pit-bottom to the coal face There they remain kneeling and keep their heads up in order to save them from the beams and girders. They can't stand up right because of the heavy beams that are moved by the machines to and fro down the mine. There is always this frightful business of crawling to and fro in the mine and it is besides their normal work of digging coal

Indeed, it is merely the extra physical labour which is required along with their normal work of cutting coal. They are not paid for it. It is necessary to perfrom their normal duty of digging coal.

The coal-miners do this kind of frightful work for about seven and half hours daily. It is, indeed, a difficult task that the miners do down the mine.

**Key question 4**—What does our world owe to the coal-miners ? Why is it necessary for us to remember the part he plays in our lives ?

हमारी दुनिया कोयले की खान के मजदूरों की किस प्रकार ऋणी है ? हमारे लिये क्यों आवश्यक है कि हम अपने जीवन इनमें श्रमिकों के कार्य को याद करें ?

**Ans.**–Coal is very necessary in our life. We can't do progress without coal. Our world owes much to the coal-miners.

**Importance of coal**–Coal is needed almost in every activity of our daily life. All the heavy machines are run by coal and they are directly or indirectly independent on it. Practically everything, that we do in life, involves the use of coal, directly or indirectly. It is needed in peace as well as war times. But we do n't know how we get it and what strenuous labour it requires. We simply know as much-that we 'must have coal'.

The miners live in a world of their own. Theirs is the world down the mine where there is no light except that of Davy's lamps. The air is black with coal dust and there is noise and confusion in the world of the miners. They had a very hard life down the mine. But this world of theirs is very important for the progress of civilization. It is absolutely counter part of the world above. In a sense, the miners are real founder of the civilized world above. Hence the world is very much indebted to them.

**The work of miner**—It is really very unfortunate that we forget the part that the miner plays in our life. He cuts and digs out the most important 'stuff' that we need in life. The miner works for the well being of the superior persons in this world. All our activities are governed by the use of coal. If there had been no coal in the world, we would not have progressed so rapidly. Coal is necessary to us as the root is to the flower. It is, therefore, very necessarry to remember the part that the coal miner plays in our life.

**Key question 5**–How were former conditions in coal mines worse than they are now ? In what way are all of us obliged to manual workers ?

कोयले की खानों में पहिले की दशाएं वर्तमान दशाओं से किस प्रकार बुरी थी ? हम सब किस प्रकार से शारीरिक कार्य करने वाले मजदूरों के ऋणी है ?

**Ans.**—Formerly the conditions in coal mines were very bad. They are far from satisfactory even at present. Previously the miners had to take up the hardest and frightful work down the mine. Their life was always in danger. There are still a very few old women who have worked down the mine and they can fully tell you the sad experiences of their lives down the mine. Only sometimes back the women worked down the mine with harness round their waists and chain between their feet. They dragged the coal tubs in that position. Their condition was like that of the chained animals or horses which carry on heavy luggages and draws vehicles. These women used to do this kind of work even when they were pregnant.

Indeed, manual work is very important in our life. We are very much indebted to all types of hard work But it is very sad indeed, that we do n't like to think of the poor lot of the miners

Men think themselves superior and intellectual in comparison to the ordinary workers. We forget that it is only because of the labourer's hard work that superior person can remain superior in life. In fact you and I—all of us are really owe much to the hard work that the labourers are doing under ground. Full of coal-dust, black and sooty figures from head to feet, these workers are busy in shovelling coal with their full force. They are speedily doing their work down the mine.

———

# 13. Making Writing Simple

## लिखना (लेख) सरल बनाना

**By J. B. Priestley**

**Introduction to the author—**

John Boynton Priestley was born in 1894. His fame chiefly rests as a dramatist, novelist essayist, humorist critic and broad caster. Priestley also served with the British Army in France, during the First World War. After it he joined the Cambridge University and began to take part in journalistic and literary activities. He is chiefly known as a great journalist of England.

Some of his important books are–The Good companions. Angel Pavement, novels, Eden and Laburnum Grove are plays. Literature and Western Man, English Humour, are important collection of essays. His another important collection of essays is 'I for one' which soon earned him a considerable repution.

**Introduction to the lesson—**

The present lesson, 'Making Writing Simple' is a plea for simplicity in writing. The contents of the lesson are quite clear from its heading. According to the author literature should speak 'the language of the people'. We should be clear out in our thoughts and expression. Moreover there should not be any barrier between the author and the public.

This essays has many good suggestions for the readers.

**Main point of the lesson**

1. A young critic found fault with the writer that his writing seemed to him too simple. But the author did not agree with his views. He thinks simplicity as a virtue in his writing.
2. Priestly believes that a genuine author is he who tries to please the mob. He begins his writing with some simple thoughts.
3. The writer aims deliberately at simplicity in writing. He prefers a wide channel of communication. He tries to make his writings too easy for the reader.
4. He has achieved this simplicity in writing after constant effort. He has been trying it for many years.

5 This habit of simplicity in writing is also a great source of delight to the readers. It gives a sort of mental pleasure to the readers.

## Summary of the lesson in English

'Making Writing Simple' is a plea for simplicity in writing. It is a good habit with any author, if he tries to make his writings simple and understandable to the common readers.

**Priestley's simple writings**—Once a young critic told the writer that his writings were very simple. His talks were much more complicated than his writing. But the author replied him that he (author) considered it a virtue in his writing. The young critic wanted literature to be difficult but the writer believed that literature should speak the language of the people. According to the author, a genuine writer should try to please his mob as much as he can. He should not use bombastic words in his writings. Generally the writers do not care for simplicity, poet like Donne and Hopkins are well known for difficult words in their writings.

**Priestly aims at simplicity in writing—**

The author aims at simplicity in writing so that he may make himself understand even to the common people. His aim is not to fill the minds of his readers with vague ideas. He is considered one of 'the intellectuals' of society but he does not think himself different from the masses. He does not believe that his thoughts and feelings are quite different from the others. He prefers a wide channel of communication. He, therefore, aims at simplicity in his writing.

**Simplicity is the result of hard labour—**

The writer has been trying to achieve simplicity in writing for many years. He does not claim to have perfect simplicity even now. The author does not want to attract those critics who try to find out the mysteries of the complicated writings. He is always simple in his thoughts and words. Simplicity in writing is the result of hard labour. It does not come all of a sudden One has to practise even for this art.

**The habit of simplification**—The habit of simplification has its own delight. Once the author had to pay a brithday tribute to Mr. C. G. Jung. He did in thirteen minutes only. He was delighted to see that his listeners had followed him quite

well. So, the writer thinks that habit of simplification in writing gives a job to the listeners as well as to the speakers or the writers. It is a delightful habit.

## पाठ का सारांश

'लिखना सरल बनाना' पाठ लेख में सरलता लाने के लिए एक दलील है। यह किसी भी लेखक की वहुत अच्छी आदत हो जाती है, यदि वह अपने लेख को सरल तथा साधारण पाठकों के पढ़ने काविल बना दे।

प्रिस्टले के सरल लेख—एक वार एक युवा आलोचक ने लेखक को वताया कि उसके लेख वड़े ही सरल थे। उसके लेखों की अपेक्षा उसकी बातें कहीं अधिक जटिल प्रतीत होती थी। परन्तु लेखक ने उसे उत्तर दिया, कि वह (लेखक स्वयं) इसे अपने लेख का गुण समझता है। युवा आलोचक 'साहित्य का कठिन होना' ही अच्छा समझता था परन्तु लेखक का विश्वास था कि साहित्य साधारण जनता की भाषा में ही लिखा होना चाहए। लेखक के अनुसार एक सच्चे लेखक को अपने पाठकों को अधिकाधिक प्रसन्न करने का प्रयास करना चाहिए। उसे अपने लेखों में कठिन शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। प्रायः लेखक अपने लेखों में सरलता लाने की ओर ध्यान नहीं देते हैं। डोन तथा हापकिन जैसे अपने लेखों में जटिल शब्दों के प्रयोग के लिए पूर्णतयाः परिचित हैं।

लेख की सरलता में प्रिस्टले (लेखक) का उद्देश्य—लेखक का अपने लेखों में सरलता लाने का उद्देश्य है ताकि वह अपने भावों को साधारण लोगों को भी समझा सके। उसका उद्देश्य अपने पाठकों के मस्तिष्क को अस्पष्ट विचारों से भर देना नहीं है। उसे तो समाज का एक 'विद्वान' पुरुष समझा जाता है परन्तु वह अपने आपको साधारण लोगों से अलग नहीं समझता है। वह यह विश्वास नहीं करता है कि उसके भाव तथा विचार दूसरों से बिल्कुल भिन्न हैं। वह तो अधिकांश रूप से विचारों के आदान प्रदान में विश्वास करता है। इसलिए उसका उद्देश्य लेख में सरलता लाना है।

सरलता कठिन परिश्रम का परिणाम है—लेखक पिछले बहुत से वर्षों से अपने लेखों में सरलता लाने का प्रयास कर रहे हैं। परन्तु अब भी वह पूर्ण सरलता का दावा नहीं करता है। लेखक उन आलोचकों को आकर्षित करना

चाहता है जो कि कठिन लेखों के रहस्य की खोज करने में लगे रहते हैं। वह तो सदा ही अपने विचारों तथा शब्दों में सरल रहा है। लेख में सरलता कठिन परिश्रम के परिणाम स्वरूप आती है। यह अचानक ही नहीं आ जाती है। किसी को भी इसके लिए प्रयास करना पड़ता है।

सरलता की आदत—सरलता की आदत में बहुत आनन्द निहीत है। एक बार लेखक को मि० सी० जी० जंग के जन्म दवस पर उप ार स्वरूप भाषण देना था। उसने यह कार्य केवल तेरह मिनट में कर दिया। उसको यह देखकर बहुत प्रसन्नता हुई कि उसके श्रोताओं ने उसे भली भांति समझ लिया था। इसलिए लेखक सोचते हैं कि लिखने में सरलता की आदत श्रोता तथा वक्ता या लेखक सभी को आनन्द प्रदान करती है। यह एक प्रसन्नता दायक आदत है।

**Word-Meanings, Hindi Translation and explanation**

### Key Question 1 Page 100 Para 1

Meaning—Youngish critic—a young critic एक युवा आलोचक। personality—व्यक्तित्व। his values—the standards of his taste and moral attitudes उसकी रुचि तथा नैतिक व्यवहार के स्तर। stared—gazed घूर कर देखा। complicated—complex जटिल। subtle—artful, mysterious सूक्ष्म-विलक्षण, virtue—quality गुण।

हिन्दी अनुवाद—एक नवयुवक आलोचक ने लम्बी वार्ता के पश्चात जो कि वफादार साथी था तथा जिसके व्यक्तित्व (गुणों का नहीं) का मैं सम्मान करता हूँ मुझे घूर कर देखा और तब धीरे से कहा, 'मैं तुम्हें नहीं समझ पाता हूँ। तुम्हारी बात तुम्हारे लेखों की अपेक्षा बहुत अधिक जटिल तथा विलक्षण है।' और मैंने उत्तर दिया, 'परन्तु मैंने अपने लेखों को सरल बनाने का प्रयास करने में वर्षों बिता दिए हैं। जो तुम्हें दोष दिखाई देता है, मैं तो उसे एक गुण मानता हूँ।'

### Para 2 Page 100

Meanings—Revealed—came into light स्पष्ट हुई। the

gulf between his generation and mine—the great difference of out look between them उन दोनों के दृष्टिकोण में महान अन्तर था । he and his lot—he and the people of his age group वह तथा उसकी समान आयु वाले अन्य लोग । matured —attained young age युवावस्था को प्राप्त किया । in the early thirties—between 1930 and 1935 १९३० तथा १९३५ के बीच का समय । revolt—revolution क्रान्ति । antics—old, grotesque पुराना या विलक्षण । to share......crowd—to share their ideas or feelings with the common people साधारण लोगों के साथ अपने विचार मिलाना । a password to their secret society—the only way of belonging to the limited and narrow circle अपने सीमित तथा संकुचित दायरे से सम्बन्धित होने का एक मात्र साधन । toil—work hard परिश्रम करना । sweat —perspire पसीना आ जाना । solemnity–seriousness गम्भीरता, poets like political cardinats—poets who give the impression of being qualified to pronounce a political judgment ऐसे कवि जो यह छाप छोड़ते हैं कि वे राजनैतिक निर्णय देने में भी चतुर एवं योग्य हैं । specialists—expert विशेषज्ञ । summoned—called बुलाए गए । consultation—advice सलाह । beside—by the side of bed चारपाई के पास ।

हिन्दी अनुवाद—हमें स्पष्ट हुआ कि उसकी और मेरी विचार धारा में महान अन्तर था । वह तथा उसकी आयु के अन्य लोग, जो कि १९३० तथा १९३५ के मध्य में युवावस्था को प्राप्त कर चुके हैं, यह चाहते थे कि साहित्य कठिन हो । उन्होंने अपने युग की सामूहिक रूप से सूचना देने की पुरानी (हास्य पूर्ण) पद्धति के विरुद्ध विद्रोह किया । वे सामान्य लोगों की भीड़ के साथ किसी भी कार्य में भाग नहीं लेना चाहते थे । वे लेख, जिनको समझने में कठिनाई होती थी, वे गुप्त समाज के संकुचित तथा सीमित दायरे से अपने आपको (पाठकों को) सम्बन्धित करने के लिए एक मात्र साधन थे । उनके लिए एक अच्छा लेखक वह

होता था जो कि अपने पाठकों से (पढ़ने व समझने का) परिश्रम कराता था तथा उनका पसीना निकलवा देता था। वे अत्यधिक चतुराई तथा गम्भीरता की प्रशंसा करते थे। वे उन कवियों की प्रशंसा करते थे जो अपने को राजनैतिक निर्णय देने में भी कुशल समझते थे। वे ऐसे आलोचकों की प्रशंसा करते थे जो कि साहित्य में इस प्रकार आते थे जैसे कि राजा की चारपाई के पास सलाह के लिए विशेषज्ञ डाक्टरों को बुलाया जाता है।

**Exp.**—A good writer......beside. **Imp.**

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'Making Writing Simple', written by J. B. Priestley.

**Cont**—In this lesson the writer expresses his views on the art of writing. He believes in making his writings simple. Once the writer had a long talk with a young critic who believed that literature should be difficult.

**Exp.**—The writer says that there were some critics in the early thirties, who wanted literature to be difficult. Their views were different from those to the aged people like author. These critics thought that difficult style was the essence of good writings. They considered him to be a great writer who made his readers to toil and sweet in order to make his meaning clear They liked subtle and serious writings. These young critics praised only those poets who gave the impression of being qualified to pronounce even political judgements. In other words they liked only those poets or critics who were supposed to be fully qualified for literary or creative activies. These poets or critics are like doctors who are considered 'specialists' and called for the treatment of certain diseases.

संदर्भ—यह पंक्तियां Making Writing Simple शीर्षक पाठ से ली गई हैं। इसके लेखक 'लिखने की कला' के प्रति अपना दृष्टिकोण व्यक्त करते हैं। वह अपने लेखों को सरल बनाने में विश्वास करते थे। एक बार लेखक ने एक ऐसे नवयुवक आलोचक से बहुत देर तक बात की, जिसका विश्वास था कि साहित्य कठिन होना चाहिए।

व्याख्या—लेखक कहते हैं कि १९३० तथा १९३५ के मध्य में कुछ आलोचक थे जो कि यह चाहते थे कि साहित्य कठिन हो। उनका दृष्टिकोण लेखक के

समान वृद्ध पुरुषों के दृष्टिकोण से भिन्न था। ये आलोचक यह विचार करते थे कि कठिन शैली ही अच्छे लेख का मूल तत्व है। वे उसे ही अच्छा लेखक समझते थे जो कि अपने पाठकों से अपना अर्थ स्पष्ट करने के लिये अधिक परिश्रम कराए तथा उनका पसीना निकलवा दें। उन्हें गम्भीर तथा सूक्ष्म वर्णन वाले लेख पसन्द थे। ये युवा आलोचक केवल उन्हीं कवियों की प्रशंसा करते थे जो कि इस बात की भी छाप छोड़ते थे कि वे राजनैतिक विषयों पर भी निर्णय देने में योग्य हैं। दूसरों शब्दों में, वे केवल उन्हीं आलोचकों तथा कवियों की प्रशंसा करते थे जो कि साहित्यिक तथा सृजनात्मक क्रिया कलापों के लिये पूर्ण योग्य थे। ये कवि या आलोचक उन चिकित्सकों के समान है जो कि 'विशेषज्ञ' समझे जाते हैं तथा जिन्हें खास बीमारियों के इलाज के लिये बुलाया जाता है।

## Page 100 & 101 Para 3

Meanings—Genuine—real वास्तविक । as distinct from hacks—as different from persons paid to do hard and uninteresting work as writers उन व्यक्तियों से भिन्न जो लेखकों जैसे नीरस तथा कठिन कार्य को करने के लिये धन कमाते हैं। mob—masses भीड़। proceed—go ahead आगे बढ़ना। to complicate—to make difficult जटिल बना देना। account —वर्णन। if only to—wishing to इच्छा करते हुए। vague—difficult ideal क्लिष्ट विचार। Donne and Hopkins—John Donne (1571-1 71) and Gerard Manley Hopkins (1844-1889) both these British poets are well known for the difficulty and complexity of expression! Some thing twisted tormented, esotesic, in their own secret natures—strange, complex and confused elements in their character which are not known or shown to others अपने चरित्र में अद्भुत, जटिल तथा अव्यवस्थित तत्वों को रखना जो कि दूसरों का ज्ञात नहीं थी। there was no pose—

there was no hypocricy or pretence in them इनमें कुछ चालाकी तथा बनावट नहीं थी। their elders went wrong about them—older persons judged them wrongly वृद्ध व्यक्तियों ने उन्हें गलत समझा। nerrowness—संकुचित भावना। arrogance—pride गर्व। insincerity—unfaithfulness बेवफाई। hide from the crowd behind a thicket of briers—separate himself from the common people behind the thorny hedge of difficult words and expression कठिन शब्दों रूपी कांटेदार झाड़ी के पीछे सामान्य लोगों से भिन्न होने के लिये अपने आपको छुपा लेना। terrified—afraid डरे हुए। massage--the present age dominated by common people सामान्य लोगों से अधिकृत यह वर्तमान युग। threatening—खतरा रखते हुए। decent values—worth while customs लाभदायक रीति रिवाज।

हिन्दी अनुवाद—एक वास्तविक लेखक, कलाकार तथा अन्य विख्यात व्यक्ति जो जनता को प्रसन्न करना चाहता था, उसने कुछ सरल विचारों तथा भाव प्रकाशनों से आरम्भ किया था तथा उनको जटिल करने की दिशा में आगे बढ़ः, यदि वह मूर्खों से दूर रहना चाहता था। कठिनता आवश्यक समझी गई इसलिए जोर डोन हापकिन्स के अस्पष्ट विचार प्रसिद्ध हो गए। साहित्य को इनके त्रिषय में अद्‌भुत, ज टल व अस्पष्ट विचारों का उत्तर देना पड़ा। इन सब में (उनके कठिन वर्णन में) कुछ दिखावा नहीं था तथा यहां उनके बड़े लोग उन्हें गलत समझने लगे।/उनकी संकीर्णता तथा गर्व के प्रति अन्याय पूर्ण न होने के दोष लगाये जा सकते थे परन्तु वें बेवफाई से दूर थे। वे इस विश्वास के प्रति पूर्ण सच्चे थे कि सच्चे कलाकार को चाहिए कि वह स्वयं को साधारण लोगों से दूर करने के लिये कठिन शब्दों की कांटोंदार झाड़ी के पीछे छिप जावें। वे सामान्य जनता से भयभीत हो गए थे जो कि इस जन युग में उनको ऐसी प्रतीत हुई कि मानों वह उनके जोवन के सुन्दर रीति रिवाजों को खतरा बनी हुई थी। /

**Exp.**—The could be...........decent values. **V. Imp.**

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'Making Writing Simple', written by J. B. Priestle.

**Cont.**—The writer has already described the attitude of the authors at present. They began to take delight in difficult language. In this way they keep themselves away from the mob.

**Exp.**–Some geniune writers expressed themselves in difficult words according to the tendency of their age. Although they can be blamed for not being unjust to narrowness and arrogance. Yet they were never insincere in their expressions. They believed in this fact that a turu artist must keep himself away from the common crowd. And they could do it by hiding themselves behind the thorny bush of difficult words i. e. by writing difficult language that may prove itself beyond the approach of laymen. Perhaps these writers became disgusted people. They thought that this Massage would destory all the decent values of life.

व्याख्या—कुछ सच्चे लड़कों ने अपने युग की विचार धारा के अनुसार अपने भावों को बड़े कठिन शब्दों में व्यक्त किया। यद्यपि उनको संकीर्णता तथा गर्व के प्रति अन्याय पूर्ण न होने के लिये दोषी ठहराया जा सकता है, फिर भी वे अपने भाव प्रकाशन में झूठे नहीं थे। वे इस सत्य में विश्वास करते थे कि एक सच्चे कलाकार को चाहिए कि वह स्वयं को सामान्य भीड़ से दूर रक्खे। और वे ऐसा इस प्रकार कर सकते थे कि अपने आप को मुश्किल शब्दों की कांटोंदार झाड़ी के पीछे छिपा ले–अर्थात ऐसी मुश्किल भाषा, जो कि साधारण व्यक्तियों की समझ से बाहर हो–लिखकर ऐसा कर सकते थे। उन्होंने यह सोचा कि यह जन युग जीवन के समस्त सौन्दर्य पूर्ण गुणों को भी नष्ट कर देगी। वे सामान्य जनता से उदासीन हो गये थे।

## Key Question 2 Page 101–102 Para 1

Meanings—Impressionable years–youth युवा काल। (this is the age at which one is capable of being influenced easily युवा काल का ऐसा समय होता है जबकि व्यक्ति पर स

लता से किसी चीज की छाप पड़ सकती है) । and art......introver-sion–the writer does not think that it is the function of an artist or a writer to look at himself alone. He should also pay attention to the people or external objects around him लेखक यह नहीं सोचते हैं कि कलाकार या लेखक का कर्म केवल स्वयम् का निरिक्षण करना ही है । उसे अपने चारों तरफ अन्य लोगों तथा बाहरी वस्तुओं की ओर भी ध्यान देना चाहिए । critical fall-acy—false idea common among critics of art & litt. कला या साहित्य के आलोचकों में प्रचलित सामान्य, झूठा विचार । 'an intellectual'—a person of highly devoloped reason-ing power—having wide reading and good culture विद्वान पुरुष । chaps—lads युवा बच्चे । a glass wall—a light barrier शीशे की दीवार । pubs—public house आम जगह । a wide channel of communication–a smooth and easy way of sharing and exchanging views विचारों के आदान प्रदान का स्पष्ट तथा सरल मार्ग । deliberately—knowingly जान बूझ कर । complexity—कठिनता । subject in hand—the topic that the writer is writing about कोई विषय जिसके ऊपर लेखक लिख रहा हो । at a pinch—if need be यदि आवश्यकता हो । bar parlour–room in an inner public house where drinks are served to customers सराय का एक कमरा जहां पर ग्राहकों को शराब इत्यादि मिल जाती है । (and the time came—such a time came in his life when Priestley's broad-cast speeches were heard by large crowds even at bar parlours.)

हिन्दी अनुवाद—परन्तु मैं १६ वीं शताब्दी में पैदा हुआ था और १६१४ से ठीक पहिले ही मेरे जीवन का युवा काल था । सही या गलत, मैं भीड़ से नहीं डरता हूँ और मेरे लिये कला "आत्म पर्यवेक्षण" की पर्यायवाची नहीं है

अर्थात मैं स्वयं अपने लिए नहीं लिखता हूँ (मैं तो इसे अपने इस युग में प्रचलित गलत धारणा मानता हूँ।) क्योंकि मैं एक 'विद्वान पुरुष' कहलाया जाता हूँ और मैं तो ठीक उतना ही अधिक विद्वान हूँ जितना कि ये नवयुवक हैं। मैं यह अनुभव नही करता हूँ कि मेरे तथा मेरे समीपस्थ कारखानों में, दुकानों में तथा सामान्य जगहों पर कार्य करने वाले लोगों के बीच में कोई शीशे में दीवार है। मैं यह विश्वास नहीं करता हूँ कि मेरे विचार तथा भावनाएं उनसे बिल्कुल भिन्न हैं। इसलिए मैं विचार के आदान प्रदान के लिये स्पष्ट तथा विस्तृत साधनों को अच्छा समझता हूँ। जान बूझ कर अपने लेखों में जटिलता के स्थान पर सरलता लाना ही मेरा उद्देश्य है। चाहे किसी भी विषय पर लिख रहा हूँ, मैं कोई ऐसी चीज लिखना चाहता हूँ जिसको आवश्यकता पड़ने पर मैं सराय के शराब पीने वाले कमरों में भी जोर से पढ़ सकूं (और एक समय वह आया जब कि मुझे हजारों सराय, होटलों के कमरों में सुना जाने लगा तथा समझा जाने लगा)।

**Exp.**—And art to me...........theirs. Page 101–102

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'Making Writing Simple', written by J. B. Prisetley.

**Cont.**—Priestley favours for simplicity in writing. His views are quite different from those critics who try to solve the mysteries of literature or art.

**Exp.**—The writer thinks that it is not the sole function of the artist or writer to look at himself alone. There is a vast world around him. 'Art for self expression' seems a false idea to the writer. Again Priestley thinks that he is regarded as one of the intellectuals' of society but he does not think himself different from the common people. He tries to mix up with the common people in the factories, shops or public houses. There is not any barrier between him and the common people. His thoughts and feelings are not different from the masses.

व्याख्या—लेखक सोचता है कि लेखक या कलाकार का एक मात्र उद्देश्य यह नहीं है कि वह स्वयं का निरीक्षण करें। उसके चारों तरफ विशाल दुनियां है। उसके अपने चारों तरफ बाह्य वस्तुओं तथा सामान्य लोगों पर भी अपने

ध्यान को आकर्षित करना चाहिए। "आत्म-अभिव्यक्ति के लिये कला" लेखक को एक झूठा विचार प्रतीत होता है। पुनः परीस्टले यह सोचते हैं कि उन्हें समाज का एक विद्वान पुरुष समझा जाता है परन्तु वह स्वयं को सामान्य जनता से अलग नहीं समझते हैं। वह फैक्ट्री, दुकान तथा सामान्य स्थानों पर कार्य करने वाले साधारण लोगों के साथ मिलकर रहना चाहते हैं। उसके तथा सामान्य जनता के बीच में कोई रुकावट नहीं है। उसके विचार तथा भावनायें जन समुदाय से भिन्न नहीं है।

**Exp.**—I prefer therefore......bar-parlours. **V. Imp.**

Page 102 Para 1

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, Making writing Simple', writtien by J. B. Priestley.

**Cont.**—The author does not think himself different from the common people. He wants to express the views of the commoners in his writings and speeches.

**Exp.**—J. B. Priestley believes in a smooth and easy way of sharing and exchanging views with the common people. He therefore, makes deliberate attempts for simplicity in writing. He avoids complexity. He wants to write only those things that may be understood by the common people even at a bar-parlour. He knows the wonderful art of making every subject lively and simple in writing. This is the reason, success came to him. A large number of people began to hear him in many bar parlours.

**Note**—During World War II, Priestley became the most popular broad casters over B. B. C. His speeches were heard by a large crowds. Sometimes the ordinary people gathered in bar-parlours and listened to his speeches or read his articles. So, he refers his views in this connection.

**व्याख्या**—जे॰ बी॰ प्रीस्टले साधारण जनता के साथ विचारों के आदान प्रदान की स्पष्ट तथा सरल रीति में विश्वास करते हैं। इसलिये वह जान बूझ कर ऐसे प्रयास करते हैं कि लेख में सरलता आए वह जटिलता को दूर करते हैं। वह केवल उन चीजों को लिखना चाहते हैं जिसको कि सराय के कमरों में साधारण लोग भी समझ सकें। वह प्रत्येक विषय को लिखने में सरल तथा

सजीव बनाने की आश्चर्य जनक कला को जानता है। यही कारण है कि उन्हें सफलता मिली। बहुत से लोग उन्हें सराय, हाटलों के शराब पीने के कमरों तक में सुनने लगे थे।

नोट—द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान में प्रीस्टले बी० बी० सी० का अत्यन्त प्रसिद्ध सूचना प्रसारण करने वाला व्यक्ति था। भारी संख्या में लोग उसके भाषणों को सुनते थे। कभी कभी लोग (साधारण श्रेणी के मनुष्य) सराय के शराब मिलने वाले कमरों में एकत्रित हो जाते थे और उसके भाषण सुनते थे या लेख पढ़ते थे। अतः इस सम्बन्ध में वह अपने विचार व्यक्त करता है।

## Page 102 Para 2

Meanings—Subtle—artful mysterious सूक्ष्म। profound—deep गहन। toiling—hard work कठिन कार्य। altogether too obvious—far too clear and plain बहुत अधिक स्पष्ट। cleverest—wisest बुद्धिमान्। to beat their brains against—to try very hard to understand समझने के लिए बहुत ही अधिक प्रयास करना। knooty-difficult complex जटिल। cenebral activity—an effort of the brain मस्तिष्क का प्रयास।

हिन्दी अनुवाद—मैं गहन तथा सूक्ष्म (अपने लेखों में) बनने का बहाना नहीं करता हूँ परन्तु जब मैं कार्य में लगा होता हूँ तो मैं उससे भी सरल प्रतीत होने का प्रयत्न करता हूँ जितना कि मैं हूँ (अर्थात जितने सरल मेरे लेख हैं-उनसे भी अधिक सरल लिखने का प्रयास करता हूँ)। शायद मैं पाठक के लिये बहुत अधिक सरल बना देता हूँ तथा स्वयं अत्याधिक परिश्रम करता हूँ तथा पसीना बहाता हूँ। निःसन्देह मैं सबसे अधिक बुद्धिमान लोगों के लिए भी स्पष्ट हूँ जो कि किसी अत्यन्त ही गम्भीर एवम् जटिल समस्या को समझने के अधिकाधिक प्रयास करते हैं। परन्तु मैं साहित्य के इस दृष्टिकोण से प्रभावित नहीं हूँ कि साहित्य 'मस्तिष्क के प्रयास' के लिये है।

## Key Question 3 Page 102-103 Para 1

Meanings—Contemporary—living in the same

period समकालीन । would be better occupied—would be making better use of their time अपने समय का अच्छी प्रकार से उपयोग करेंगे । chess—शतरन्ज । breaking down cyphers—trying to find the key to secret writing, solving difficult puzzles कठिन समस्याओं का हल करना । they are no customers of mine–Priestley says that he is no like the shop keeper who wishes to please all i. e. he does not like to have such critics among his readers वह अपने पाठकों में इस प्रकार के आलोचक नहीं रखना चाहता है । display–show दिखाना । goods—here it means writings यहां पर इसका अर्थ 'लेख' है । to catch their eye—to attract their attention ध्यान आकर्षित करना । The Time–leading London newspaper एक लन्दन का प्रसिद्ध समाचार पत्र । . that is......voice—that sounds soft, pleasing and convincing जो कि कोमल आनन्ददायक तथा विश्वासनीय प्रतीत हो । deliberately—knowingly जान बूझकर । puzzled—surprised आश्चर्य चकित करती थी । cannot help wanting—cannot avoid seeing तालाश करने को समाप्त नहीं कर सकते हैं ।

हिन्दी अनुवाद—कुछ समकालीन आलोचक गुप्त लेखों की कठिनताओं का पता लगाने में अपने समय का ठीक उपयोग कर सकते है । मैं अपने पाठकों में ऐसे आलोचकों को पसन्द नहीं करता हूँ और मैं उनको आकर्षित करने के लिए अपने लेख नहीं लिखता हूँ । परन्तु कोई भी व्यक्ति जो कि मेरे द्वारा प्रयत्न की गई सरलता को पसन्द करता है उसे स्वयं भी इसी प्रकार की सरलता की कोशिश करनी चाहिए, यदि वह 'दी टाईम्स' (समाचार पत्र) के अगले पत्र में यह प्रकट करना चाहता है । अब मैं इस कार्य को पहले की अपेक्षा सरल समझता हूँ । ऐसा इसलिये है कि मैंने अपने कठिन परिश्रम वाले पिछले अनेक वर्षों में इसी उद्देश्य को (लिखना सरल बनाने का कार्य) दृष्टि में रक्खा है । अब भी मैं ऐसे गद्य लिखने का दावा नहीं करता हूँ जो कि कोमल आनन्ददायक तथा विश्वासनीय प्रतीत हों परन्तु मैं इस प्रकार के लिखने का सबसे अधिक प्रयत्न करता हूँ

और इस कार्य को करने के बिल्कुल जान बूझकर अनेक वर्षों से प्रयत्न कर रहा तथा यही बात है जो कि मेरे मित्रों को (आलोचकों को) हैरान कर देती है जो कि किसी भिन्न वस्तु को तलाश करने में असमर्थ रहते हैं।

**Exp.**—Some contemporary......their eye. **(V. Imp.)**
Page 102

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson, 'Making Writing Simple', written by J B. Priestley.

**Cont.**—Here the author expresses his views on simplicity in writing. It is a very good habit, if any author acquires it in the early years.

**Exp.**—*The author says that some critics would be making better use of their time in trying to find out the key of secret writing. They think in their business to solve the difficult puzzles. But the author does not write his articles for such critics. He says that he is not like the shop keeper who wishes to please all his customers. Hence he can not please to such critics among his readers. He does not set forth his ideas in writing in order to attract their attention. He is fond of writing only simple things that may be useful to the common public.*

व्याख्या—लेखक कहते हैं कि कुछ आलोचक लेखों के रहस्य पूर्ण अर्थ को ज्ञात करने के लिए अपने समय को ठीक प्रकार से बिता रहे होंगे। वे जटिल समस्याओं को सुलझाना ही अपना कार्य समझते हैं। परन्तु लेखक ऐसे आलोचकों के लिए अपने लेख नहीं लिखता है। वह कहता है कि वह उस दुकानदार की भांति नहीं है जो कि सभी ग्राहकों को खुश करना चाहता है। इसलिए अपने पाठकों में वह ऐसे आलोचकों को पसन्द नहीं करता है। वह उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए लिखित रूप में अपने विचार प्रस्तुत नहीं करता है। वह तो केवल सरल चीजें लिखने का शौकीन है जो कि सामान्य जनता के लिए लाभकारी सिद्ध हो सके।

## Key Question 4 Page 103 Last Para

Meanings—Simplification—making simple सरल बनाना। triumphs—succeeds सफलता पाती है। pay a birth day tribute–praise some one on his birth day जन्म दिन

के समय किसी की प्रशंसा करना । on the air—over the wireless, over B. B. C., C. G. Jung—Carl Gustav Jung (1875-1961) a famous Swiss psychologist । massive admiration—great admiration महान प्रशंसा । what the fuss was about—why C. G. Jung was the object of so much talk and discussion सी० जी० जंग के बारे में इतनी अधिक बातचीत क्यों होती थी । backed by first class evidence–supported by excellent testimony or proofs अत्यन्त अच्छे प्रमाणों द्वारा समर्थन किया हुआ । tough—rough भारी । task—work कार्य । honey in the rock—hard won and unexpected pleasure अत्यन्त परिश्रम से प्राप्त आनन्द । delight—priestley published his essays under the title Delight.

हिन्दी अनुवाद—यह सरलता की आदत अपनी स्वयं की सफलताएं ... है। इस प्रकार मुझे सी० जी० जंग के लिए उनके जन्म दिन पर कुछ ... के शब्द बी० बी० सी० पर बोलने के लिए कहा गया । उनके कार्य तथा ...त्व का मैं भी अात्याधिक प्रशंसक रहा हूँ। केवल साढ़े तरह मिनट में ... विषय में बताना कि साधारण श्रोता यह समझे कि यह सब बात जंग के ... में थी एक कठिन कार्य था । मेरे मित्रों ने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता। ... वैज्ञानिकों ने कहा कि यह नहीं हो सकता अर्थात ऐसा होना असम्भव है ... परन्तु मैं तर्क सहित दावा कर सकता हूँ कि मैंने सर्वोत्तम प्रमाणों सहित ... कार्य कर दिया। यह थोड़ा सा कठिन कार्य था, परन्तु जब मैं उसके ... भाग पर आया तो मैंने देखा कि यह मेरे लिए अत्यन्त परिश्रम प्राप्त ... ही आनन्द था यह मेरे निवन्ध संग्रह 'डिलाईट' के लिए भी एक महान ... था ।

## Questions and Answers

**Key question 1**—What was the fault of the young c... found with Priestley's writing ? Why ?

नवयुवक आलोचक ने प्रीस्टले के लेख में कौन से दोष पाए ? और क्यों ...

**Ans.**—Once the author had a long talk with a young tic. At the end of their conersation the young man told the hor that he (young man) did not like Priestley's writings. He d to Priestley, "I do n't understand you. Your talk is much re complicated, subtle than your writing. Your writing always ms to me too simple". But the author replied that he had nt years in trying to make his writing simple. What the ng critic saw a fault, the author regarded it as a virtue in s writing.

The author realized the vast difference in outlook between e young and the old. The author belonged to the older gene- tion, while the young critic matured in the early thirties *i. e.* tween 1930 and 1935. The young people of this period wanted erature to be difficult and did not believe in Mass communi- tion. They admired only subtle and serious writings. That why the young critic found a fault with Priestley's writing.

**Key question 2**—Why does Priestley aim deliberately at mplicity in writing ?

प्रीस्टले का उद्देश्य जान बूजकर अपने लेख में सरलता लाना क्यों है ?

**Ans.**—J. B. Priestley, the writer of this chapter was a opular broad-caster and provocative commentator on the B. B. . during the First World War. He has been one of the most lked about authors in England. He won reputation for his mplicity in writing.

**His aim at simplicity**—Priestley aims at simplicity so hat he may make himself understand even to the common eople. He did not want to fill the minds of his readers with ague ideas. The author felt that he was regarded one of 'the ntellectuals' of society but he was not away from the common eople. There was n't any glass wall or barrier between him nd the lay men in the factories, shops and public pieces.

The author felt that his thoughts and feelings were not ifferent from theirs i. e. the common people. He believed him- elf as one of the commoners in London. He, therefore, prefe- red a wide channel of communication. Hence Priestley advo- ated for simplicity in writing, More over he did not believe hat literature should be difficult and beyond the approach of e common people. His belief was that Literature should speak e language of common people.

**Key question 3**—Is it easy to achieve the kind of simplicity Priestley attempts in his writing ?

जिस प्रकार की सरलता को प्रीस्टले अपने लेख में लाने का प्रयास करते क्या उसे प्राप्त करना सरल है ?

**Ans.**–Please see the summary of the lesson for the answer of this question under sub-headings 'Priestley's simple writing and 'simplicity is the result of hard labour'.

**Key question 4**—In what way can this habit (the habit of simplification in writing) be a source of delight ?

किस प्रकार से यह आदत (लिखना सरल बनाने की आदत) आनन्द प्रदान करने का साधन बन सकती है ?

**Ans.**—The author feels that the habit of simplification has its own delight. It becomes a source of delight, if the writings are supported by ample proofs too.

Once Priestley was asked to pay a birth-day tribute, on the air (wireless messages at the B. B. C ), to Mr. C. G. Jung. Mr. Jung was a famous Swiss psychologist who advanced the study of psychology greatly by applying it to national myths, legends etc. The author had a great respect for this psychologist. Only thirteen-and half minute's time was allowed to the author to explain the great psychologist in such a way as to make the common people understand with his life history. It was difficult to explain Jung in this short time. But Priestley did it so and gave ample proofs too in support of his arguments. Later on, he felt the success of his attempt. He came to know that it gave a great delight to all the listeners.

Priestley believed that the habit of simplification in writing or speaking is definitely a source of great delight.

—

# 14. Water

## जल

**By—C. V. Raman**

### Introduction to the author—

Shri Chandrasekhara Venkata Raman is the greatest living scientist of India. He was born in 1888. He has devoted whole of his life to the cause of science. He has also done a lote of work for the promotion of research in India. He is well known throughout the world for his remarkable discovery of the 'Raman effect', for which he was awarded the Nobel Prize in Physics in 1930. Before this time, he was elected a fellow of the Royal Society of London in 1924.

Shri C. V. Raman was also honoured with the title of the 'Bharat Ratna'. Besides his scientific interest, Raman is a greatest patriot and lover of nature and the art. He has in many ways preserved the traditions of the ancient rishis of India. His style of writing English has a great charm and wit. We are greatly indebted to this great scientist.

### Introduction to the lesson—

In this chapter, Shri C. V. Raman has reflected his views on the sources and uses of water. It shows the writer's genuine concern for the welfare of the country, hence the chapter deals with the flow of water in our country. The writer has prerented scientific knowledge in a simple, lucid and non-technical manner. Water is very important in our everyday life and it is a popular science at its best. Water is a unique power of maintaining animal and plant-life.

### Main points of the lesson

1 Water is the commonest of all liquids. It has played an important role in shaping the course of the earth's history. It is the most wonderful thing on our earth.

2 Water increases the beauty of the country side. The rain-fed tanks are a cheering sight when they are full. These tanks play a vital role in South Indian agriculture.

3 One of the most important facts about water is that it

carries silt with it. Swiftly flowing water can carry fairly large and heavy particles. This silt changes the colour of water.

4 The flow of water has played a great part in the geological processes by which the soil on the earth's surface has been formed. But sudden bursts of heavy rains are the principal factor in causing soil-erosoin. So it is necessary to take preventive measures against soil erosion.

5 Water is an essential thing for living beings. Every animal and every plant contains a substantial proportion of free combined water in its body. The conservation and utilization of water is thus fundamental for human welfare.

6 The collection and utilization of rain water is of great importance. Most of the water of rivers and streams run to waste. It is a great national problem.

7 Afforestation is of great importance in our country. We need a systematic planting of suitable trees in every possible areas. Such plantations are a source of national wealth.

8 The measures to control the movement of water are necessary in India. It will lead to the development of hydroelectric power. The investigation of the nature and properties of water is of great scientific importance.

## Summary of the lesson

Water is the commonest of all liquids but it is most valuable for us. Life is impossible without water. It is necessary for all life in the world.

**Water as the life giving substance**—Plain water is the commonest of all liquids. Man has ever been anxious to find out the divine Amrita, but the true elixir is water that lies near to our hands. There is a vast difference between the Libyan desert and the valley of the Nile river and it is mainly due to the miracles of water. Water turns the desert into the greenest, most fertile and densely populated areas. Geologists tell us that the entire soil of the Nile valley is the creation of the river itself, because it brought down as the finest silt in its flooded

waters. Egypt, in fact, was made by its river. Its civilization is sustained by the life giving water. Thus this common substance is the most wonderful thing on the face of our earth.

**Water makes the country side beautiful—**

Water increases the beauty of our villages. A little stream trickling over the rocks or a little pond by the way side present a beautiful look. The rained tanks are a cheering sight in the villages. These tanks play a vital role in South Indian agriculture For example, In Mysore, much rice is grown under them. They look specially very beautiful at sun-rise or sun-sets. Such scenes give delight to the soul.

**Water carries silt**—One of the important facts about water is that is carries silt which changes its colour. The colour differs with the nature of the earth. Swiftly flowing water can carry fairly large and heavy particles. Some of the finest particles remain floating within the water and thus, they are carried to great distances. When the silt-mixed water goes to sea, the silt is separated. In this way the colour of the sea water changes. The silt goes down the bottom of sea,

**Water causes soil erosion**–Soil erosion takes place due to the flow of water. Although it is helpful in the formation of earth, yet it is harmful too. Sometimes it washes away the soil which is the foundation of all agriculture. Soil erosion has its disastrous effects on the life of the country. It is a great problem in many parts of India and it should be checked. Soil erosion takes place in successive steps. It does not seem harmful in its early stages later on it forms deep ditches and makes agriculture impossible. Sudden bursts of heavy rain are the principal factor that causes soil erosion. In this way large quantities of precious soil can be washed away. Hence it is necessary to check soil erosion. It can be successfully checked by terracing of the land, constructing of bonds and planting of many types of vegetation beside the bank. The flow of the water should be checked at the earliest stage, otherwise it becomes beyond control

**Conservation and utilization of water—**

Water is the basis of all life, Every living being contains

some free or combined water in its body. Water is necessary for every kind of physhological activity. It is necessary for animal life. Thus the conservation and utilization of water is fundamental for human welfare. The chief source of the water is rain or snowfall.

Much of the Indian agriculture depends on seasonal rain fall. It is therefore, all the more necessary to conserve and keep the water where it is wanted. This collection and utilization of this water is of great importance in country which has only a seasonal rainfall. Much water flows down into the streams and rivers and reaches the sea. In this way precious water goes to waste. If we take up step to check this loss, large areas of thirsty land can be turned into green fields.

**Afforestation and water**—Afforestation is very important for our country. At present we need a systematic planting of suitable trees in every possible areas. The development of forest is one of the most urgent needs of India. Forests are national wealth. They conserve the rain fall of the country from flowing away to waste. They also provide us fuel and many kinds of other useful materials.

If we take up necessary steps to control the movement of water and conserve it, we can have a new life in our country side. If internal water ways are developed, we will be able to have the cheapest form of internal transport in a country. With the help of water, we can develop the hydro—electric power. Electricity will bring a great change in our village.

In fact, water is very precious in our life. It has wonderful properties. Life depends on water.

## पाठ का सारांश

जल सबसे साधारण द्रव है परन्तु यह हमारे लिये सर्वाधिक मूल्यवान है। बिना पानी के जीवन असम्भव है। संसार में समस्त जीवधारियों के लिये जल आवश्यक है।

जल जीवन प्रदान करने वाले पदार्थ के रूप में—सादा पानी सब द्रवों में सबसे अधिक साधारण है। मनुष्य सदा से ही दिव्य अमृत को पाने का इच्छुक रहा है, परन्तु सच्चा अमृत तो जल है जो कि हमारे हाथों के आस पास ही

रहता है। लीवियन् रेगिस्तान तथा नील नदी की घाटी में काफी अन्तर है और यह मुख्य रूप से जल के चमत्कार के कारण ही ऐसा है। पानी रेगिस्तान को अधिकाधिक हरे, सबसे अधिक उपजाऊ तथा घने बसे हुए क्षेत्रों में बदल देता है। भूगर्भ शास्त्र वेत्ता हमें बताते हैं कि नील घाटी की सम्पूर्ण मिट्टी तथा भूमि का निर्माण नदी के कारण ही हुआ है क्योंकि यह बाढ़ के जल अपने साथ सर्वोत्तम मिट्टी लाती है। वास्तव में मिश्र की उन्नति इस प्रदेश की नदी के कारण ही हुई थी। इसकी सभ्यता जीवन प्रदान करने वाले जल के कारण सुरक्षित है। इस प्रकार यह साधारण जल पृथ्वी पर अत्यन्त आश्चर्य जनक वस्तु है।

जल ग्राम क्षेत्र को सुन्दरता प्रदान करता है—जल हमारे गांवों के सौन्दर्य में वृद्धि करता है। पत्थरों के बीच बहता हुआ स्रोत या सड़क के किनारे का तालाब बड़े सुन्दर लगते हैं। वर्षा के जल से भरे हुए तालाब गांवों में प्रसन्नता दायी दृश्य उपस्थित करते हैं। दक्षिण भारत में खेती के कार्य में यह तालाब अत्यन्त महत्व पूर्ण है। उदाहरण के लिये, मैसूर में उनके नीचे बहुत अधिक चावल उत्पन्न किया जाता है। वे विशेष रूप से सूर्योदय तथा सूर्यास्त के समय बहुत सुन्दर दिखाई देते हैं। ऐसे दृश्य आत्मा को शांति प्रदान करते हैं।

पानी अपनी धारा के साथ मिट्टी ले जाता है—पानी के विषय में एक मुख्य बात यह है कि यह मिट्टी को बहा कर ले जाता है जो कि इसका रंग बदल देता है। यह रंग पृथ्वी के स्वरूप के साथ साथ बदलता रहता है। तेजी से बहता हुआ जल बहुत अधिक मात्रा में बड़े २ कण ले जाता है। इनमें से कुछ सूक्ष्म कण पानी के अन्दर तैरते रहते हैं और इस प्रकार वे बहुत दूर तक बह कर चले जाते हैं। जबकि बालू के कणों से मिला हुआ जल समुद्र में जाता है, तो यह रेत अलग हो जाती है। इस प्रकार समुद्र के जल का रंग बदल जाता है। ये रेत के कण समुद्र की तह में बैठ जाते हैं।

पानी से भूमि का कटाव होता है—जल प्रवाह के कारण ही भूमि कटाव होता है। यद्यपि यह पृथ्वी के निर्माण में सहायक है, फिर भी यह हानिकारक

है। कभी कभी यह उस मिट्टी को बहा देता है जिस पर कि समस्त कृषि आधारित होती है। भूमि कटाव के कारण हमारे देश के जीवन पर दुखद प्रभाव पड़ता है। भारत के अधिकांश भागों में यह एक महान समस्या है और इसे रोकना चाहिए। भूमि कटाव धीरे २ (एक के वाद एक स्थान पर) होता है। अपनी प्रारम्भिक अवस्था में यह हानिकारक प्रतीत नहीं होता है। बाद में यह गहरे गड्ढे बना देता है तथा कृषि कार्य असम्भव हो जाता है। अचानक भारी वर्षा हो जाने के कारण ही मुख्य रूप से भूमि कटाव होने लगता है। इस प्रकार बहुमूल्य भूमि को समतल करने के, बान्ध बनाने से तथा किनारे के पास अनेक प्रकार की बनस्पतियां उगाने से इसको सफलता पूर्वक रोका जा सकता है। जल प्रवाह को प्रारम्भ में ही रोकना चाहिए, अन्यथा यह काबु से बाहर हो जाता है।

जल का संरक्षण तथा उपयोग—समस्त जीवन का आधार जल है। प्रत्येक जीवधारी के शरीर में कुछ मात्रा में कुल या मिश्रित रूप से जल होता है। प्रत्येक प्रकार की शरीर विज्ञान सम्बन्धी प्रतिक्रियाओं के लिये जल की आवश्यकता होती है। यह पशुओं के जीवन के लिये भी आवश्यक है। इसलिये मानव कल्याण के लिये जल का सरंक्षण तथा उपयोग आवश्यक है। जल के मुख्य स्त्रोत (प्राप्ति के साधन) वर्षा या बर्फ ही होते हैं।

अधिकांश रूप से भारत की कृषि मौसमी वर्षाओं पर निर्भर है। इसलिये पानी का सरंक्षण तथा आवश्यक स्थानों पर इसको प्राप्त करना और भी अधिक आवश्यक है। जल का इक्ट्ठा करना तथा उपयोग में लाना उस देश में अत्यन्त महत्व पूर्ण कार्य है, जहां तक कि केवल मौसमी वर्षा ही हो पाती है। अधिकांश जल नदियों द्वारा बहकर समुद्र में पहुंच जाता है। इस प्रकार बहुमूल्य जल व्यर्थ हो जाता है। यदि हम इस नुकसान को रोकने के लिये कदम उठाएं, तो प्यासी भूमि के काफी क्षेत्रों को हरे भरे मैदानों में बदला जा सकत है।

वृक्षारोपण तथा जल—हमारे देश के लिये वृक्षारोपण अत्यन्त आवश्यक है। आजकल हम प्रत्येक क्षेत्रों में व्यवस्थित रूप से उपयुक्त वृक्षों को लगाने की

आवश्यकता का अनुभव करते हैं। वनों का विकास करना भारतवर्ष के लिये अत्यन्त आवश्यक है। वन राष्ट्रीय सम्पत्ति है। वे देश के वर्षा के जल का संरक्षण करते हैं और इसे व्यर्थ ही बहने से बचाते हैं। वे हमें इन्धन तथा अन्य बहुत प्रकार के पदार्थ भी प्रदान करते हैं।

यदि हम जल के प्रवाह को रोकने तथा इसे सरंक्षण करने के लिये आवश्यक कदम उठाए तो हम अपने ग्रामों में नवीन जीवन ला सकते हैं। अगर आंतरिक (देश के अन्दर ही) जल द्वारा यातायात के साधनों को अपना सकेगें। पानी की सहायता से हम जल विद्युत शक्ति का विकास कर सकते हैं। बिजली से हमारे गांवों में भारी परिवर्तन आ जावेगा।

वास्तव में, हमारे जीवन में जल अत्यन्त मूल्यवान है। इसमें आश्चर्य जनक गुण हैं। जीवन पानी पर आधारित है।

### Word Meanings, Hindi Translation and explanation

### Key Question 1 Page 107–108 Para 1

Meanings—Through the ages—for thousands of years युगों २ से। has sought in vain for–has searched without success बिना सफलता के खोज करने का प्रयास किया है। imaginary– unreal काल्पनिक। elixir of life–a drink that increases–life दीर्घ आयु करने वाला पेय पदार्थ। draught–घूंट। confer—bestow न्योछावर कर देना। immortality—अमरता। the divine Amrita—Amrita has the power to grant immortality अमृत में 'अमर' कर देने की शक्ति है। libyan desert –a large desert in north Eastern [illegible] अफ्रीका के उत्तर पूर्व में एक बड़ा रेगिस्तान। valley of th[illegible]he Nile is a river in Eastern Africa. It flo[illegible] Egypt into the Mediterranean sea. Its len[illegible]000 kilo-metres. Its valley is the vast [illegible] अमृत [illegible]red by it पूर्वी अफ्रीका में मिश्र में को होकर [illegible] बढ़ाने [illegible]की

घाटी विस्तृत भूमि है जो कि इस नदी के जल से सिंचित होती है। blowing sand—sand rising like the waves of the ocean due to strong winds तेज हवा से उड़कर इक्ट्ठा होने वाला रेत। speck—spot बिन्दु, स्थान। densely populated—heavily inhabited अधिक बसा हुआ। teeming with life—full of life जीवन से परिपूर्ण। Mediterranean–a large sea surrounded by Europe, Africa & Asia भूमध्य सागर। source—स्रोत। Geologist—भूगर्भ शास्त्र वेत्ता। finest silt—earthly material composed of fine particles of soil or sand deposited by water जल में मिश्रित रेत या मिट्टी के महीन कण। the highlands of Abyssinia—Abyssinia, now called Ethopia, is a country in north–eastern Africa, South of Egypt. The Blue Nile rises in the hilly regions of Abyssinia अबीसीनिया, जिसे अब यूथोपियों कहते हैं, उत्तरी-पूर्वी अफ्रीका का (मिश्र के दक्षिण में स्थित) एक देश हैं। इस देश के पहाड़ी क्षेत्रों से नीला नील (नील नदी की एक शाखा) निकलती है। remote–far away दूर। laid down through the ages in the through—deposited for thousands of years along the river Nile नील नदी के किनारे पर हजारों वर्षो से जमी हुई है। sustained—maintained जीवित रक्खे रही।

हिन्दी अनुवाद—युगों २ से मनुष्य ने जीवन वर्धक पेय पदार्थ अमृत को व्यर्थ में ही खोज करने का प्रयास किया है जिसकी एक घूंट हमें अमर बना सकती है। परन्तु जी[illegible] त[illegible]ने वाली वास्तविक औषधि (अमृत) ता हमारे पास ही है क्योंकि [illegible] वहकर समुद्र [illegible] अत्यन्त साधारण है सादा जल। मुझे एक दिन याद है जब [illegible]। यदि हम इस[illegible]ड़ा था जो कि लीबियां रेगिस्तान को मिश्र में नील नदी [illegible] के काफी क्षेत्रों को ह[illegible]ती है। एक तरफ बालू का ढ़ेर उठना दिखाई दे रहा [illegible] वृक्षारोपण तथा जल—हमारे [illegible]याली या कोई भी जीव धारी नहीं दिखा। आजकल हम प्रत्येक क्षेत्रों में [illegible]श्व में एक सब से हरा भरा, सब से

धिक उपजाऊ तथा सबसे अधिक बसा हुआ क्षेत्र था जो कि जीवधारियों तथा नस्पतियों से पूर्ण था। यह आश्चर्य जनक अन्तर किस कारण से था। क्यों, ो अपने उद्गम से दो हजार मील दूर भूमध्य सागर तक बहती थी। भूगर्भ ास्त्र वेत्ता हमें अबीसीनिया के पठार से तथा मध्य अफ्रीका से सर्वोत्तम मिट्टी ाती है तथा यह मिट्टी नील नदी के किनारे पर हजारों वर्षों से जमी हुई है। हाँ से (मिश्र से) यह समुद्र में बहती है। मिश्र वास्तव में अपनी इस नदी के ारा निर्मित है (अर्थात मिश्र की उन्नति केवल नील नदी के द्वारा हो हुई है)। सकी प्राचीन सभ्यता का निर्माण तथा संरक्षण जीवन दायक जल के कारण ुआ। जो निरन्तर ही नियमत रूप से प्रति वर्ष बहता रहता है।

**Exp.**—Man has through.........water.

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson 'water' written by C. V. Raman who is a great Indian scientist.

**Cont.**—In this lesson the author has described the wonderful properties of water. It is the commonest of all liquids, but it plays a vital role in shaping the course of life.

**Exp.**—Here the author says that man has always been anxious to get the holy water—the divine Amrita which has the power of increasing the span of human life. According to hindu mythology the divine Amrita can confer immortality on us. But the real nector of life is quite close to us i. e. the water. Water is very useful for all life in the world. It is the commonest of all liquids. Plain water is mostly found everywhere. It is very essential for us. Man has remai... ...ccessful in finding out the imaginary elixir or th... water is commonly available. It is the real Nec...

सन्दर्भ—ये पंक्तियां Water शीर्षक ... इसके लेखक C. V. Raman हैं जो कि एक महान ...

प्रसंग—इस पाठ में लेखक ने जल के ... वर्णन किया है यह सभी द्रवों में अत्यन्त साधारण है ... निर्माण में अत्यन्त महत्व शाली है।

व्याख्या—यहां पर लेखक कहते हैं ... अमृत को प्राप्त करने का सदा से ही इच्छुक रहा है ... बढ़ाने की

है। कभी कभी यह उस मिट्टी को बहा देता है जिस पर कि समस्त कृषि आधारित होती है। भूमि कटाव के कारण हमारे देश के जीवन पर दुखद प्रभाव पड़ता है। भारत के अधिकांश भागों में यह एक महान समस्या है और इसे रोकना चाहिए। भूमि कटाव धीरे २ (एक के बाद एक स्थान पर) होता है। अपनी प्रारम्भिक अवस्था में यह हानिकारक प्रतीत नहीं होता है। बाद में यह गहरे गड्ढे बना देता है तथा कृषि कार्य असम्भव हो जाता है। अचानक भारी वर्षा हो जाने के कारण ही मुख्य रूप से भूमि कटाव होने लगता है। इस प्रकार बहुमूल्य भूमि को समतल करने के, बान्ध बनाने से तथा किनारे के पास अनेक प्रकार की वनस्पतियां उगाने से इसको सफलता पूर्वक रोका जा सकता है। जल प्रवाह को प्रारम्भ में ही रोकना चाहिए, अन्यथा यह काबु से बाहर हो जाता है।

जल का संरक्षण तथा उपयोग—समस्त जीवन का आधार जल है। प्रत्येक जीवधारी के शरीर में कुछ मात्रा में कुल या मिश्रित रूप से जल होता है। प्रत्येक प्रकार की शरीर विज्ञान सम्बन्धी प्रतिक्रियाओं के लिये जल की आवश्यकता होती है। यह पशुओं के जीवन के लिये भी आवश्यक है। इसलिये मानव कल्याण के लिये जल का संरक्षण तथा उपयोग आवश्यक है। जल के मुख्य स्त्रोत (प्राप्ति के साधन) वर्षा या बर्फ ही होते हैं।

अधिकांश रूप से भारत की कृषि मौसमी वर्षाओं पर निर्भर है। इसलिये पानी का संरक्षण तथा आवश्यक स्थानों पर इसको प्राप्त करना और भी अधिक आवश्यक है। जल का इक्ट्ठा करना तथा उपयोग में लाना उस देश में अत्यन्त महत्व पूर्ण कार्य है, जहां तक कि केवल मौसमी वर्षा ही हो पाती है। अधिकांश जल नदियों द्वारा बहकर समुद्र में पहुंच जाता है। इस प्रकार बहुमूल्य जल व्यर्थ हो जाता है। यदि हम इस नुकसान को रोकने के लिये कदम उठाएं, तो प्यासी भूमि के काफी क्षेत्रों को हरे भरे मैदानों में बदला जा सकत है।

वृक्षारोपण तथा जल—हमारे देश के लिये वृक्षारोपण अत्यन्त आवश्यक है। आजकल हम प्रत्येक क्षेत्रों में व्यवस्थित रूप से उपयुक्त वृक्षों को लगाने की

आवश्यकता का अनुभव करते हैं। वनों का विकास करना भारतवर्ष के लिये अत्यन्त आवश्यक है। बन राष्ट्रीय सम्पत्ति है। वे देश के वर्षा के जल का सरंक्षण करते हैं और इसे व्यर्थ ही बहने से बचाते हैं। वे हमें इन्धन तथा अन्य बहुत प्रकार के पदार्थ भी प्रदान करते हैं।

यदि हम जल के प्रवाह को रोकने तथा इसे सरंक्षण करने के लिये आवश्यक कदम उठाए तो हम अपने ग्रामों में नवीन जीवन ला सकते हैं। अगर आंतरिक (देश के अन्दर ही) जल द्वारा यातायात के साधनों को अपना सकेगें। पानी की सहायता से हम जल विद्युत शक्ति का विकास कर सकते हैं। बिजली से हमारे गांवों में भारी परिवर्तन आ जावेगा।

वास्तव में, हमारे जीवन में जल अत्यन्त मूल्यवान है। इसमें आश्चर्य जनक गुण हैं। जीवन पानी पर आधारित है।

**Word Meanings, Hindi Translation and explanation**

Key Question 1 Page 107–108 Para 1

Meanings—Through the ages—for thousands of years युगों २ से। has sought in vain for–has searched without success बिना सफलता के खोज करने का प्रयास किया है। imaginary– unreal काल्पनिक। elixir of life–a drink that increases–life दीर्घ आयु करने वाला पेय पदार्थ। draught–घूंट। confer—bestow न्योछावर कर देना। immortality—अमरता। the divine Amrita—Amrita has the power to grant immortality अमृत में 'अमर' कर देने की शक्ति है। libyan desert –a large desert in north Eastern [illegible] अफ्रीका के उत्तर पूर्व में एक बड़ा रेगिस्तान। valley of th[illegible] he Nile is a river in Eastern Africa. It flo[illegible] Egypt into the Mediterranean sea. Its len[illegible] 000 kilo-metres. Its valley is the vast[illegible] अमृत [illegible]red by it पूर्वी अफ्रीका में मिश्र में को होकर [illegible] बढ़ाने [illegible]की

घाटी विस्तृत भूमि है जो कि इस नदी के जल से सिंचित होती है। blowing sand—sand rising like the waves of the ocean due to strong winds तेज हवा से उड़कर इक्ट्ठा होने वाला रेत। speck--spot विन्दु, स्थान। densely populated—heavily inhabited अधिक बसा हुआ। teeming with life—full of life जीवन से परिपूर्ण। Mediterranean–a large sea surrounded by Europe, Africa & Asia भूमध्य सागर। source—स्रोत। Geologist—भूगर्भ शास्त्र वेत्ता। finest silt—earthly material composed of fine particles of soil or sand deposited by water जल में मिश्रित रेत या मिट्टी के महीन कण। the highlands of Abyssinia—Abyssinia, now called Ethopia, is a country in north–eastern Africa, South of Egypt. The Blue Nile rises in the hilly regions of Abyssinia अबीसीनिया, जिसे अब यूथोपियों कहते हैं, उत्तरी-पूर्वी अफ्रीका का (मिश्र के दक्षिण में स्थित) एक देश है। इस देश के पहाड़ी क्षेत्रों से नीला नील (नील नदी की एक शाखा) निकलती है। remote–far away दूर। laid down through the ages in the through—deposited for thousands of years along the river Nile नील नदी के किनारे पर हजारों वर्षों से जमी हुई है। sustained—maintained जीवित रक्खे रही।

हिन्दी अनुवाद—युगों २ से मनुष्य ने जीवन वर्धक पेय पदार्थ अमृत को व्यर्थ में ही खोज करने का प्रयास किया है जिसकी एक घूंट हमें अमर बना सकती है। परन्तु जी ... त ... ने वाली वास्तविक औषधि (अमृत) ता हमारे पास ही है क्योंकि बहकर समुद्र ... में अत्यन्त साधारण है सादा जल। मुझे एक दिन याद है जब ... । यदि हम इस ... ड़ा था जो कि लीवियां रेगिस्तान को मिश्र में नील नदी ... के काफी क्षेत्रों को ह... ती है। एक तरफ बालू का ढ़ेर उठना दिखाई दे रहा ... वृक्षारोपण तथा जल—हमारे ... याली या कोई भी जीव धारी नहीं दिखा; आजकल हम प्रत्येक क्षेत्रों में ... श्व में एक सब से हरा भरा, सब से

धिक उपजाऊ तथा सबसे अधिक बसा हुआ क्षेत्र था जो कि जीवधारियों तथा नस्पतियों से पूर्ण था। यह आश्चर्य जनक अन्तर किस कारण से था। क्यों, ो अपने उद्गम से दो हजार मील दूर भूमध्य सागर तक बहती थी। भूगर्भ ास्त्र वेत्ता हमें अबीसीनिया के पठार से तथा मध्य अफ्रीका से सर्वोत्तम मिट्टी ाती है तथा यह मिट्टी नील नदी के किनारे पर हजारों वर्षों से जमी हुई है। हाँ से (मिश्र से) यह समुद्र में बहती है। मिश्र वास्तव में अपनी इस नदी के ारा निर्मित है (अर्थात मिश्र की उन्नति केवल नील नदी के द्वारा ही हुई है)। सकी प्राचीन सभ्यता का निर्माण तथा संरक्षण जीवन दायक जल के कारण हुआ। जो निरन्तर ही निय मत रूप से प्रति वर्ष बहता रहता है।

**Exp.**—Man has through.........water.

**Ref.**—These lines have been taken from the lesson 'water' written by C. V. Raman who is a great Indian scientist.

**Cont.**—In this lesson the author has described the wonderful properties of water. It is the commonest of all liquids, but it plays a vital role in shaping the course of life.

**Exp.**—Here the author says that man has always been anxious to get the holy water—the divine Amrita which has the power of increasing the span of human life. According to hindu mythology the divine Amrita can confer immortality on us. But the real nector of life is quite close to us i. e. the water. Water is very useful for all life in the world. It is the commonest of all liquids. Plain water is mostly found everywhere. It is very essential for us. Man has remain[illegible]ccessful in finding out the imaginary elixir or th[illegible] water is commonly available. It is the real Nec[illegible]

सन्दर्भ—ये पंक्तियां Water शीर्षक[illegible] इसके लेखक C. V. Raman हैं जो कि एक महान[illegible]

प्रसंग—इस पाठ में लेखक ने जल के[illegible] वर्णन किया है यह सभी द्रवों में अत्यन्त साधारण है[illegible] निर्माण में अत्यन्त महत्व शाली है।

व्याख्या—यहां पर लेखक कहते हैं [illegible] अमृत को प्राप्त करने का सदा से ही इच्छुक रहा है ज[illegible] बढ़ाने की

शक्ति रखता है । हिन्दू शास्त्रों के अनुसार दिव्य अमृत हमें प्रदान कर सकता है परन्तु जीवन का वास्तविक अमृत, जल तो हमारे विल्कुल समीप है । जल जीवन में समस्त जीव धारियों के लिए आवश्यक है । यह सभी द्रवों में अत्यन्त साधारण हैं । सादा जल अधिकांश रूप में हर स्थान पर पाया जाता है । यह हमारे लिए अत्यन्त आवश्यक है । मनुष्य काल्पनिक जीवन वर्द्धक औषधि अथवा अमृत को प्राप्त करने में तो असफल रहा है परन्तु पानी हर जगह प्राप्य है । यही जीवन का वास्तविक अमृत है ।

## Page 108 Para 2

Meanings—To emphasise—to stress जोर डालना। take for granted—accept स्वीकार करना । substance पदार्थ, potent–powerful शक्तिशाली । vast–big महान । significance importance महत्व । shaping—forming निर्माण करना । the course of the earth's history—the onward progress of the earth and the life in it पृथ्वी पर तथा इसके जीवन के विकास की कहानी । the drama...surface—many events in the history of life on earth पृथ्वी पर जीवन के निर्माण की बहुत सी घटनाएं । planet—ग्रह ।

हिन्दी अनुवाद—मैंने यह उदाहरण दिया है तथा बहुत से अन्य उदाहरण इस बात पर जोर डा... लिए दे सकता हूँ कि यह साधारण पदार्थ, जिसको कि हम अपने जीव वत रक्खे रहीं । इस पृथ्वी पर अत्यन्त शक्तिशाली तथा आश्चर्यजनक वस्—युगों २ से मनुष्य जीवन निर्माण के इतिहास को कायम रखने के लिए म करने का प्रयास किया है है तथा पृथ्वी पर जीवन के इतिहास की घटनाओं के जी... ती... ाने वाली महत्व पूर्ण भाग लिया है ।

**Exp** कि बहकर समुद्र में अत्यन् ...net.

**Ref.** ... है । यदि हम इस ...ड़ा था ...aken from the lesson, 'Water' written by के काफी क्षेत्रों को ह... ती है ।

**Con** ...s emphasised the importance of water in s...रण तथा जल—हमारे ...याद the earth's history, Water is the most essen... हम प्रत्येक क्षेत्रों में ...c.

**Exp.**—There are many examples that can be given to prove the importance of water in life. We have been using it since time immemorial. It has been very helpful in the process of formation of all life in the world. It is necessary for plant and animal too. Water will always be needed in the development of life on earth. No life is possible without water. It is the most powerful and the most wonderful thing on our earth. It plays an important role in the exciting events in the history of life on earth.

व्याख्या—कितने ही उदाहरणों द्वारा जीवन में जल के महत्व को प्रकट किया जा सकता है। हम इसका प्रयोग अनादि काल से कर रहे हैं। संसार में सभी प्रकार के जीवन निर्माण के लिए यह अत्यन्त ही सहायक रहा है। यह पौधों तथा पशुओं के जीवन के लिये भी आवश्यक है। पृथ्वी पर जीवन के विकास में सदा ही जल की आवश्यकता होगी। जल के बिना कोई जीवन सम्भव नहीं है। यह हमारी पृथ्वी पर अत्यन्त शक्ति शाली तथा आश्चर्यजनक वस्तु है। पृथ्वी पर जीवन के इतिहास की महत्व पूर्ण घटनाओं में जल का अत्यन्त ही महान योगदान है।

## Key Question 2 Para 108-109 Para 1

Meanings—Adds—increases बढ़ाता है। country-side —village area ग्रामीण क्षेत्र। trickling—flowing बहता हुआ। pond—tank तालाब। quench—[illegible] । rainfed—full of rain water वर्षा के जल से पूर्ण [illegible] nance—सुरक्षा। cheering—delightful प्रसन्न[illegible] —scene दृश्य। shallow—having little dep[illegible] [illegible]ent—clear स्पष्ट silt laden—full of silt [illegible] । vital— great विशाल। the bottom ar[illegible] —the bottom of the tank is not [illegible] [illegible]ाई नहीं देती है। landscape—the portion [illegible] environs भूमि का भाग जो कि एक दृष्टि में दिखा[illegible] [illegible]cast—the sky is dark and cloudy आका[illegible]

हिन्दी अनुवाद—ऐसी कोई वस्तु नहीं है जो कि गांव के सौन्दर्य को इतना अधिक बढ़ाए जितना कि जल। चाहे वह चट्टानों के ऊपर बहता हुआ छोटा सा स्रोत हो या सड़क के किनारे का तालाब हो जहां पर शाम को पशु अपनी प्यास बुझाते हैं। ये वर्षा के जल से बने तालाब दक्षिण भारत में अधिकतर है खेद है कि इनकी रक्षा पर ध्यान नहीं दिया जाता है। ये वास्तव में प्रसन्तता दायी दृश्य होते है जबकि वे जल से परिपूर्ण हों। वास्तव में वे बहुत अधिक छिछले हैं परन्तु दिखाई नहीं देते क्योंकि उन जल में मिट्टी भरी रहती है तथा उनके जल से प्रकाश वापिस लौट आती है इसलिए उनकी तली दिखाई नहीं पड़ती है। दक्षिण भारत की खेती में इन तालावों का विशिष्ट महत्व है। उदाहरणार्थ, मैसूर में इन तालावों में काफी चावल उत्पन्न किया जाता है। इनमें से कुछ तालाब आश्चर्यजनक रूप से बड़े हैं और उनको सूर्योदय अथवा सूर्यास्त के समय देखने पर अत्यन्त सुन्दर दृश्य दिखाई देता है किसी भू-भाग में जल की तुलना मानव के चेहरे में आंखों से की जा सकती है। यह मनुष्य की मानसिक दशा को प्रदर्शित करता है उसे प्रसन्नता होती है जबकि सूर्य चमकता है तथा वह उदास न तथा खिन्न प्रतीत होता है जबकि आकाश में बादल छाई हों।

**Exp.**—Water in......overcast. (Imp.) Page 109 Para 1

**Ref.**–These lines have been taken from the lesson, 'Water' written by C. V. Raman.

**Cont.**—H... author says that water adds the beauty of our villages ...ent beautiful scenes that delight our soul.

**Exp.**... water makes the land fertile and beautiful t... ...dscape looks as beautiful as eyes in a huma... ...writer imagines the beauty of water in landsc... ...htful scene that feasts to our eyes. Again th... ...flects our gay or gloomy moods at differ... ...ns to see the rained tanks at the time... ...sense of joy in his heart. But when th... ...h clouds, it reflects the gloomy mood of... ...-rise and sun-set on the ponds in the vill... ...scenes. They make us happy and cheerful ...

व्याख्या—जल की उपस्थिति भूमि को उपजाऊ तथा सुन्दर भी बना देती है। किसी भूमि क्षेत्र पर जल इतना ही सुन्दर प्रतीत होता है जितना कि चेहरे पर आंखें सुन्दर लगती हैं। यहां पर लेखक भूमि के कुछ भाग पर पानी के सौन्दर्य की कल्पना करता है। यह सुन्दर दृश्य उपस्थित करता है जो कि हमारी आंखों को आकर्षित करता है। पुनः जल की उपस्थिति भिन्न २ समयों पर हमारे प्रसन्न तथा उदासीन भावों को प्रदर्शित करती है। यदि हम सूर्योदय के समय पर वर्षा के जल से परिपूर्ण तालावों को देखते हैं तो वह अपने हृदय में एक सुख की भावना का अनुभव करता है। परन्तु, जब आकाश में बादल छाए हुये हो, तो यह मनुष्य की उदासीनता को प्रदर्शित करते हैं। गांवों में तालावों पर सूर्योदय और सूर्यास्त के दृश्य सुन्दर प्रतीत होते रहते हैं। वे हमें जीवन में प्रसन्नता प्रदान करते हैं।

## Key Question 3 Page 109-110

Meanings—Remarkable—important महत्व पूर्ण। silt—sediment deposited by running water बहते हुये जल में एकत्रित मिट्टी या रेत। finciy divided soil in suspension—particles of soil dispersed through water but not dis-soloved in it रेत के कण जो जल में रहते हैं परन्तु इसमें घुल नहीं पाते। varies—differs भिन्न २ होते हैं। nature—essential quali-ties प्रकृति। catchment area-land from which rain fall flows into a river or tank वह भूमि [illegible] वर्षा का जल बह कर नदी या तालाब में गिरता है। vivid—[illegible] fresh inflow [illegible] बहता हुआ जल। —a fresh supply of water [illegible]। inspite particles—कण। floating—s[illegible] fact that of their greater density—i[illegible]l volume their weight is greater tha[illegible] आयतन से of water इस वास्तविकता के बा[illegible]धिक। in-उनका भार अधिक है। extreme[illegible] हुये। solid credily–in an unbelieving[illegible]

हिन्दी अनुवाद—ऐसी कोई वस्तु नहीं है जो कि गांव के सौन्दर्य को इतना अधिक वढ़ाए जितना कि जल। चाहे यह चट्टानों के ऊपर बहता हुआ छोटा सा स्रोत हो या सड़क के किनारे का तालाब हो जहां पर शाम को पशु अपनी प्यास बुझाते हैं। ये बर्षा के जल से बने तालाव दक्षिण भारत में अधिकतर है खेद है कि इनकी रक्षा पर ध्यान नहीं दिया जाता है। ये वास्तव में प्रसन्नता दायी दृश्य होते हैं जबकि वे जल से परिपूर्ण हों। वास्तव में वे बहुत अधिक छिछले हैं परन्तु दिखाई नहीं देते क्योंकि उन जल में मिट्टी भरी रहती है तथा उनके जल से प्रकाश वापिस लौट आती है इसलिए उनकी तली दिखाई नहीं पड़ती है। दक्षिण भारत की खेती में इन तालावों का विशिष्ट महत्व है। उदाहरणार्थ, मैसूर में इन तालावों में काफी चावल उत्पन्न किया जाता है। इनमें से कुछ तालाब आश्चर्यजनक रूप से बड़े हैं और उनको सूर्योदय अथवा सूर्यास्त के समय देखने पर अत्यन्त सुन्दर दृश्य दिखाई देता है किसी भू-भाग में जल की तुलना मानव के चेहरे में आंखों से की जा सकती है। यह मनुष्य की मानसिक दशा को प्रदर्शित करता है उसे प्रसन्नता होती है जबकि सूर्य चमकता है तथा वह उदास न तथा खिन्न प्रतीत होता है जबकि आकाश में बादल छाई हों।

**Exp.**—Water in......overcast. **(Imp.)** Page 109 Para 1

**Ref.**–These lines have been taken from the lesson, 'Water' written by C. V. Raman.

**Cont.**—[illegible] author says that water adds the beauty of our villages [illegible]ent beautiful scenes that delight our soul.

**Exp.** [illegible] water makes the land fertile and beautiful t[illegible]ndscape looks as beautiful as eyes in a huma[illegible] writer imagines the beauty of water in landsc[illegible]htful scene that feasts to our eyes. Again th[illegible]flects our gay or gloomy moods at differ[illegible]ns to see the rained tanks at the time [illegible] sense of joy in his heart. But when th[illegible]th clouds, it reflects the gloomy mood of [illegible]-rise and sun-set on the ponds in the vill[illegible] scenes. They make us happy and cheerful [illegible]

व्याख्या—जल की उपस्थिति भूमि को उपजाऊ तथा सुन्दर भी बना देती है। किसी भूमि क्षेत्र पर जल इतना ही सुन्दर प्रतीत होता है जितना कि चेहरे पर आंखें सुन्दर लगती हैं। यहां पर लेखक भूमि के कुछ भाग पर पानी के सौन्दर्य की कल्पना करता है। यह सुन्दर दृश्य उपस्थित करता है जो कि हमारी आंखों को आकर्षित करता है। पुनः जल की उपस्थिति भिन्न २ समयों पर हमारे प्रसन्न तथा उदासीन भावों को प्रदर्शित करती है। यदि हम सूर्योदय के समय पर वर्षा के जल से परिपूर्ण तालाबों को देखते हैं तो वह अपने हृदय में एक सुख की भावना का अनुभव करता है। परन्तु, जब आकाश में बादल छाए हुये हो, तो यह मनुष्य की उदासीनता को प्रदर्शित करते हैं। गांवों में तालाबों पर सूर्योदय और सूर्यास्त के दृश्य सुन्दर प्रतीत होते रहते हैं। वे हमें जीवन में प्रसन्नता प्रदान करते हैं।

## Key Question 3 Page 109–110

Meanings—Remarkable—important महत्व पूर्ण। silt —sediment deposited by running water बहते हुये जल में एकत्रित मिट्टी या रेत। finciy divided soil in suspension—particles of soil dispersed through water but not dissoloved in it रेत के कण जो जल में रहते हैं परन्तु इसमें घुल नहीं पाते। varies—differs भिन्न २ होते हैं। nature—essential qualities प्रकृति। catchment area–land from which rain fall flows into a river or tank वह भूमि [illegible] वर्षा का जल बह कर नदी या तालाब में गिरता है। vivid—[illegible] fresh inflow —a fresh supply of water [illegible] बहता हुआ जल। [illegible]। inspite particles—कण। floating—[illegible] fact that of their greater density—i[illegible] l volume their weight is greater than [illegible] आयतन से of water इस वास्तविकता के बा[illegible] क। incredily–in an unbelieving[illegible] उनका भार अधिक है। extreme[illegible] हुये। solid

matter–the soil and sand forming the silt रेत या मिट्टी के कण। transported—taken ले जाये जाते हैं carried। rapid—fast तेज। precipitation—वेग से नीचे गिरने की क्रिया। suspended—separated अलग हुआ। successively—in a successive order यथा क्रम से। throngh varying......green—the colour of the sea near the mouth of a river may be red or brown or yellowish or greenish. It depends upon the type and quantity of silt which is mixed in the water नदी के मुहावने पर समुद्र का रंग लाल, भूरा, पीला या हरा कैसा भी हो सकता है क्योंकि यह तो मिट्टी या रेत के प्रकार तथा मात्रा पर निर्भर है जो कि जल में मिश्रित होती है। tract—extent विस्तार क्षेत्र। alluvial area—areas of land made up of sand, earth etc, left by river or flood नदी या बाढ़ के द्वारा छोड़ी गई मिट्टी या रेत से बने हुये क्षेत्र। usually—often प्रायः। consisting—havingरखते हुये।

हिन्दी अनुवाद—पानी के बारे में एक महत्व पूर्ण सत्य यह है कि उसमें अपने साथ मिट्टी या रेत के कण बहाकर ले जाने की शक्ति है। वर्षा के जल से परिपूर्ण तालाबों में पानी के रंगीन हो जाने का यही मूल कारण है। यह रंग उस क्षेत्र की मिट्टी के रंग के अनुकूल बदलता है, जिस क्षेत्र (या मिट्टी) में को होकर तालाब में पानी [illegible] है तथा वर्षा के पश्चात स्वच्छ बहते हुये जल से यह बात स्पष्ट हो [illegible]वत रक्खे रहो। बहता हुआ पानी प्रर्याप्त मात्रा में बालू या मिट्टी के भारी [illegible]—युगों २ से मनुष्य [illegible] अपने घनित्व के अधिक होने पर बहुत महीन कण के [illegible]करने का [illegible]यास किया है [illegible]था दूर २ तक ले जाये जाते हैं। वास्तव में ऐसे [illegible] जी[illegible] हा त[illegible]ाने वाला [illegible]रन्तु उनकी संख्या बहुत अधिक है तथा यह विश्वास [illegible]कि [illegible] बहकर समुद्र में अत[illegible] [illegible]प में ठोस पदार्थ इस प्रकार एक स्थान से दूसरे स्थान [illegible]। यदि हम इस [illegible]ड़ा था [illegible]के काफी क्षेत्रों को ह[illegible]ती है। [illegible]मिट्टी तथा बालू के कणों से मिश्रित जल समुद्र में [illegible] जल में मिले हुये कण अलग होकर बहुत तेज ग[illegible]पण तथा जल—हमारे [illegible]यार [illegible] हैं। यह ठीक प्रकार से देखा जा [illegible] हम प्रत्येक क्षेत्रों में [illegible]

सकता है यदि कोई व्यक्ति किसी बड़ी नदी से समुद्र तक स्ट्रीमर से यात्रा करता हो। जल का रंग यथा क्रम से (एक के बाद एक शीघ्रता से) गन्दे लाल या भूरे बालू या मिट्टी कणों से बहुत प्रकार के जैसे पीले, हरे तथा अन्त में गहरे समुद्र के नीले रंगों में परिवर्तित हो जाता है। मिट्टी के कणों से निर्मित भूमि के विशाल क्षेत्र, जो इस प्रकार के कणों के एकत्रित हो जाने से बनते हैं, बाढ़ के द्वारा छोड़ी गई मिट्टी या रेत से बने हुये क्षेत्रों (एलू वियल प्रदेश) की मिट्टी का निरीक्षण करने से स्पष्ट प्रतीत होते हैं। ऐसी भोग, जिसमें कि यह जल से अलग किये हुये महीन कण मिलते हैं, बहुत अधिक उपजाऊ होती है।

**Exp.**—*Such particles are......suspended matter. Page 109*

**Ref.**–These lines have been taken from the lesson, 'Water', by C. V. Raman.

**Cont.**—Here the writer describes one of the remarkable facts about water i. e. its power to carry silt with its flow. In this way large quantity of solid matter is transported by rivers, canals or streams.

**Exp.**—In fact, the particles carried by water are very small but they are great in number. So large amounts of solid matter can be easily carried from one place to anothor. This process ever continues within the water, till the river water falls into sea. When this silt mixed water goes to sea, this solid substance is separated all of a sudden. Th[illegible]d sand are held in suspension in the water. They [illegible]rom the water of the sea and goes quickly into t[illegible] sea.

Here the author has given [illegible] water and silt mixed water of the rivers. [illegible]e water is evident due to its silt.

व्याख्या—वास्तव में जल के द्वारा ले[illegible]त छोटे होते हैं परन्तु उनकी संख्या बहुत अधिक है [illegible]त्रा में ठोस पदार्थ एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले[illegible]क्रिया जल के अन्तंगत सदा ही चलती रहती है जब [illegible] समुद्र में गिरता है। जब रेत या मिट्टी के कणों [illegible] पहुचता है, तो यह ठोस पदार्थ (कण) अचानक ही ज[illegible] पानी के

अन्तर्गत से मिट्टी तथा रेत अलग हो जाती है। वे अपने को समुद्र के जल से भी अलग रखते हैं तथा तेजी से समुद्र की तली में बैठ जाते हैं।

यहां पर लेखक ने समुद्र के जल तथा रजत कण से परिपूर्ण नदियों के जल के विषय में कुछ सत्यों का वर्णन किया है। पानी के अन्दर रंग उसमें मिली हुई मिट्टी या बालू के कणों के कारण दिखाई देता है।

## Key Question 4 Page 110–111 Para 1

Meanings—Flow—बहाव। undoubtedly—of course निःसन्देह। beneficent–useful लाभदायक। geological proces-ses- natural changes in the composition and struc-ture of the earth पृथ्वी की आकृति तथा निर्माण में प्राकृतिक परिवर्तन। formed—made निर्मित। crust–पर्त layer । appropriate conditions—favourable circumstances उचित परिस्थितियां। destructive—runious विनाश कारी। allowed to proceed unchecked–if the washing away of the soil is not sto-pped अगर भूमि कटाव को न रोका गया। disastrous–dangerous खतरनाक। soil erosion—भूमि कटाव। of serious importance—of great im[illegible]nce बड़े महत्व की। successive steps—by stages [illegible] apparent—clear स्पष्ट । gullies and ravin[illegible]d deep channels cut or for-med by [illegible] जल से बने हुये संकुचित तथा गहरी नालियां। c[illegible]ses—other causes अन्य कारण। slope—[illegible] नीची भूमि। removal of the pro-tective [illegible] the falling of trees, the destru[illegible] का गिराना तथा झाड़ियों आदि का नष्ट करना। [illegible]us खतरनाक । ruts—grooves लकीर लीक [illegible] [emba]nkments। contour—an out-line of [illegible] का ढलुआ भाग। momentum—गति।

हिन्दी अनुवाद—जल प्रवाह ने निःसन्देह ही पृथ्वी की आकृति तथा निर्माण की प्रक्रिया में एक महत्व पूर्ण तथा लाभकारी योगदान दिया है जिसके द्वारा पृथ्वी के ऊपर की भूमि चट्टानों की पर्तों से बनकर तैयार हुई है। यही जल, उचित परिस्थितियों में विनाशकारी भी बन सकता है तथा उस मिट्टी को बहा सकता है जो समस्त कृषि का आधार है और यदि इसे बिना रुकावट के बहने दिया जाय तो देश के जीवन पर भयानक प्रभाव डाल सकता है। विभिन्न देशों में भूमि कटाव की समस्या अत्यन्त गम्भीर है और विशेष रूप से भारत के अधिकांश भागों में यह समस्या है। वे दशाएं जिनके कारण यह होता है तथा इसकी रोक के उपायों का ध्यान पूर्वक अध्ययन करना चाहिए। भूमि कटाव यथा क्रम से होता है प्रारम्भ में तो इसका पता भी नहीं चलता। बाद में भूमि कटाव तथा मिट्टी का बहाव साफ दिखाई देता है जबकि गहरे तथा संकुचित खाईयां बन जाती है। जिनके कारण समस्त खेती असम्भव हो जाती है। अत्याधिक वर्षा से पानी के अचानक बहाव ही भूमि कटाव का मुख्य कारण है। अन्य कारण भूमि का ढ़ाल होना, वृक्षों तथा वनस्पति को नष्ट कर देना तथा लीख-गड्ढों का बन जाना, जिनमें पानी अत्याधिक वेग से बहने लगता है तथा इस प्रकार के बहाव को रोकने के साधनों की कमी का होना है। विश्वास नहीं होता मगर ऐसी परिस्थितियों के होने पर, जैसी कि दुर्भाग्य से प्रायः रहती ही है, बहुमूल्य मिट्टी की काफी मात्रा बह जाती है। भारत के अधिकांश भागों में भूमि कटाव का संकट निरन्तर सफल कृषि के लिए खत[illegible]ता है तथा इसकी ओर ध्यान देने तथा इसे रोकने के लिए [illegible]यकता है। भूमि पर बाढ़ बांधना, पानी रोकने के लिये [illegible]ती का प्रयोग तथा कुछ उपयुक्त प्रकार की वनस्पति [illegible] हैं। जिनका इस सम्बन्ध में (भूमि का कटाव रोकने [illegible] यह स्पष्ट है कि जल की तेज गति धारण करने तथा [illegible]ण करने से पहले ही, इसके प्रवाह को प्रारम्भिक अव[illegible]ते।

**Exp.**—The problem of [illegible]

Imp.
Page 110

**Ref.**–These lines have been taken from the lesson, 'Water' written by Sir C. V. Raman.

**Cont.**—The excessive flow of water causes soil-erosion. If much water is allowed to proceed uncheked, it can wash away precious soil which is the foundation of all agriculture.

**Exp.**—The problem of soil erosion is very common in many countries and particularly in India. It causes much difficulty in agriculture. Large quantity of precious land is washed away by the flowing water. Soil erosion takes place under some conditions. It should be properly checked in order to have good agriculture. Unfortunately it is an alarming condition in many parts of India. We must carefully study the condition under which soil erosion takes place and the measures by which we can check it.

**व्याख्या**—भूमि कटाव की समस्या बहुत से देशों में तथा विशेष रूप से भारत में अत्यन्त गम्भीर है। यह खेती में काफी कठिनाई उत्पन्न कर देती है। बहते हुए जल के साथ बहुमूल्य भूमि का बड़ा भाग भी बह जाता है। अच्छी खेती करने के लिए इसे पूरी तरह से रोकना चाहिए। दुर्भाग्य से भारत के अधिकांश भागों में यह अत्यन्त खतरनाक दशा है। हमें उन दशाओं का ध्यान पूर्वक अध्ययन करना चाहिए जिनके कारण भूमि कटाव होता है तथा उन साधनों को ज्ञात करना चाहिए जिनसे हम इसे रोक सकते हैं।

Key Questi[...]e 111, 1.2, & 113 Para 1
वत रक्खे रहो।

Meanings—युगों २ से मनुष्य[...]ial portion—a large part
काफी भाग। करने का प्रयास किया है[...]d water—pure water or
mixed wit[...] जी[...] त[...]ने वाली[...]1. शुद्ध जल या अन्य रसायनिक पदार्थों
से मिश्रित जल कि[...] बहकर समुद्र में अत[...] activity—normal activity
of living [...]। यदि हम इस[...]ड़ा था[...]धारण क्रिया। fluid–a liquid
द्रव। equa[...] के काफी क्षेत्रों को ह[...]ती है। [...]ally vital and necessary
समान रूप से[...] [...]tl [...]। species—kinds प्रकार।
conservat[...]रण तथा जल—हमारे[...]याग[...]
[...] हम प्रत्येक क्षेत्रों में [...] s[...]क्षण। artesian water—
water fro[...] [...] कुओं से प्राप्त जल। seasonal

rainfall—rainfall dependent upon season मौसमी वर्षाएं। sensitive to......irregularity—affected quickly and greatly by the failure of monsoon मानसून के होने से वहुत अधिक प्रभाव होता है। inadequate—insufficient अपर्याप्त। immense—much काफी। precious fluid—water जल। the harnessing of rivers—putting river-water to good use by building dams, bunds etc. मेंढ या वान्ध वनाकर नदी के जल का उचित उपयोग करना। scrub jungle—land covered with trees and bushes of poor quality कटीले पौधों से भरपूर जंगल।

हिन्दी अनुवाद—समस्त जीवन का आधार जल है। प्रत्येक पौधे या पशु के शरीर में पर्याप्त मात्रा विशुद्ध या मिश्रित होता है। और जीवधारियों की कोई भी क्रिया सम्भव नहीं है जिसमें जल का आवश्यक योग दान न हो। वास्तव में, जल पशुओं के जीवन के लिए आवश्यक है जबकि पृथ्वी की नमी पेड़-पौधों के जीवन तथा विकास के लिए समान रूप से आवश्यक तथा महत्वं पूर्ण है यद्यपि जल की मात्रा भिन्न २ किस्म के पौधों के लिए काफी रूप में बदलती रहती है (अर्थात भिन्न भिन्न किस्म के पौधों को कम या अधिक जल की आवश्यकता होती है।) इसलिए जल का सरंक्षण या उपयोग मानव कल्याण के लिए विशेष महत्वशाली है। गहरे कुंओं से प्राप्त जल के अतिरिक्त सभी दशाओं में जल प्राप्ति का अन्तिम साधन वर्षा या बर्फ का [illegible] भारत की अधिकांश कृषि मौसमी वर्षाओं पर आधारित है [illegible] के कारण या देर से वर्षा होने के कारण यह वहुत अ[illegible] भूमि कटाव की समस्या अपर्याप्त या अनियमत वर्षा [illegible] से वहुत अधिक सम्बन्धित है। यह स्पष्ट है कि भू[illegible] को अपनाने से आवश्यक स्थानों पर जल का स[illegible] चलेगी। दूसरे शब्दों में दो उपाय भूमि के अन्दर [illegible] करते हैं। फिर भी यह स्पष्ट है कि किसी देश में, [illegible] ही होती हैं, पर्याप्त मात्रा में वर्षा जल बह जाता है [illegible] करता तथा

इसका उपयोग करना बहुत अधिक महत्व पूर्ण है। यह अधिकांश जल तो नदी या स्रोतों में बहता है तथा अन्त में समुद्र में पहुंच जाता है। विश्वास नहीं होता बहुमूल्य जल की अधिकांश मात्रा व्यर्थ चली जाती है मेंढ या वान्ध लगाकर नदी के जल को सुरक्षित रखना तथा इसका ठीक उपयोग करना, जो कि अधिकांशतः वेकार हो जाता है, एक महान राष्ट्रीय समस्या है जिसका राष्ट्रीय आधारों पर विचार करना चाहिए तथा समाधान करना चाहिए। सुनियोजित तथा साहसिक कार्य करने से भूमि के विशाल क्षेत्रों को, जो कि अब कोरे व्यर्थ के जंगल हैं, उपजाऊ तथा घनी भूमि के रूप में विकसित किया जा सकता है।

**Exp.**—Water is.........part. (Page 111-112) **Imp.**

**Ref** –These lines have been taken from the lesson, 'Water' by C. V. Raman.

**Cont.**—Here the author says that water plays an important role in our lives. No life is possible without water.

**Exp.**—Water is nccessary for all life in the world, In fact, every animal or plant contains substantial quantity of water in its body. This water is either pure or mixed with other chemicals. There is no physiological activity on earth in which we do not need water. It is essential for the normal, healthy functioning of living-beings. Thus it plays an important role in life.

व्याख्या—संसार में समस्त जीवधारियों के लिए जल आवश्यक है। वास्तव में प्रत्येक पौधा या प[वत रक्खे रहों।]में जल की पर्याप्त मात्रा रखता है। यह जल शुद्ध या रसायनिक[—युगों २ से मनुष्य]होता है। पृथ्वी पर ऐसी कोई शारीरिक क्रिया नहीं है [करने का प्रयास किया है]वश्यकता न होती हो। यह जीवन के साधारण तथा[जी... तक... ने वाली]लिए आवश्यक है। इस प्रकार जीवन में यह एक महत्[क... बहकर समुद्र में अन... act]

**Exp**[... । यदि हम इस... ड़ा था]...well planned action.

**Ref**[के काफी क्षेत्रों को ह... ती है] taken from the lesson, 'Water' written by

**Con**[रण तथा जल—हमारे...]is of all life. But we do n't care

[हम प्रत्येक क्षेत्रों में ...]

for it. Much of the rain-water flows down into the streams and rivers and goes to waste.

**Exp.**—Here the author says that it is very important to collect and conserve rain water. The water of rivers and streams mostly run to waste. It is a national problem and it should be solved with due attention. We can utilize most of the rain water, if we construct dams and bunds etc. on the rivers. It is very necessary to put our river water to good and useful purpose. Vast areas of dry and useless land can be turned into green fields, if we take up well though-out plans in our country. In this way large scurb jungles can be turned into fertile land.

व्याख्या—यहां पर लेखक कहते हैं कि वर्षा जल को एकत्रित करना तथा इसका संरक्षण करना अत्यन्त महत्वशाली कार्य है। नदी तथा स्रोतों का जल अधिकांशत व्यर्थ में बहता है। यह एक राष्ट्रीय समस्या है और इसका समाधान ध्यान पूर्वक करना चाहिए। हम अधिकांश रूप से वर्षा के जल का उपयोग कर सकते हैं—यदि हम नदियों पर मेंढ या बान्ध बनावें। नदियों के जल का ठीक तथा लाभकारी उद्देश्य के लिए उपयोग करना अत्यन्त आवश्यक है। यदि हम अपने देश में सुनियजित योजनाओं के अनुसार कार्य करे तो सूखी तथा बेकार पड़ी भूमि के विशाल क्षेत्रों को हरे भरे मैदानों में बदला जा सकता है। इस प्रकार से बड़े बड़े शुष्क जंगलों को उपजाऊ भूमि में बदला जा सकता है।

## Key Question 6 Page 113 para 1

Meanings—Afforestation—[illegible] ting of trees over large areas विशाल भू भागों [illegible] । civilized forests—forests planted an[illegible] man मनुष्य द्वारा लगाए गए तथा नियन्त्रित वन। [illegible] —other than भिन्न। fuel—इन्धन। [illegible] —make needless अनावश्यक बना देना [illegible] the burning of dung-cake[illegible] cattle-dung could be used on [illegible] fertile—गोबर के उपले जलाना 'व्यर्थ' है [illegible] के रूप में भूमि को उपजाऊ बनाने के लिए [illegible]

हिन्दी अनुवाद—'जल-सप्लाई' के लिए पानी को सुरक्षित रखने तथा वृक्षारोपण की समस्या भी अधिक सम्बन्धित है। प्रत्येक सम्भव तथा यहां तक कि असम्भव क्षेत्रों में उपयुक्त प्रकार के वृक्षों का ठीक प्रकार से लगाना तथा मानव द्वारा नियन्त्रित तथा लगाए हुए जंगलों का विकास, जो कि अनियन्त्रित तथा भयानक जंगलों से बिल्कुल भिन्न होंगे, भारत की अत्यन्त आवश्यक आवश्यकताओं में से एक है। इस प्रकार के वृक्षारोपण प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में देश के लिए एक प्रकार की बहुमूल्य सम्पत्ति है। वे भूमि कटाव को रोकेगें तथा देश के वर्षा जल को बेकार में बहने से बचाए रक्खेगें और सस्ते इन्धन की आवश्यक उपलब्धि भी करा सकेगें। तथा इन्धन के रूप में गोबर के प्रयोग को अनावश्यक बना कर, उसे खाद के रूप में प्रयुक्त होने देगें।

## Key Question 7 Page 113 & 114 Para 1

Meanings—Serve subsidiary purpose—act as supplements or supports सहायक के रूप में। countryside—rural देहात। internal—आन्तरिक। internal transport—means of carrying goods and people from one place to another within the country एक स्थान से दूसरे स्थान तक लोगों तक समान के ले जाने के साधन। barges–big boats बड़ी नावें। hydro-electric power—electric power produced with the help of the [illegible] water जल विद्युत शक्ति। tremendous—great म[illegible] [illegible]onomy—the economy condition of t[illegible] [illegible] की आर्थिक दशा। enable underground w[illegible] [illegible]—जमीन के नीचे का पानी विद्युत नलकूपों के द्वा[illegible] [illegible]nt—greater degree काफी मात्रा।

हिन्दी [illegible] नियन्त्रित करने तथा जल पूर्ति को सुरक्षित रखन[illegible] [illegible] के जीवन के लिए सहायक रूप में लाभदायक हो सक[illegible] में आन्तरिक यातायात का सबसे सस्ता साधन नदी त[illegible] [illegible]ा ही होता रहा है। हम रेल तथा सड़क

निर्माण के कार्यों के बारे में तो बहुत अधिक सुनते हैं परन्तु भारत में आन्तरिक यातायात के साधनों के विषय में बहुत ही कम सुनते हैं। पुनः जल का संरक्षण करने से जल विद्युत शक्ति का भी सम्भव विकास होता है। विद्युत शक्ति के प्राप्त होने से ग्रामीण जीवन में महान अन्तर आ जावेगा तथा अनेक दिशाओं में गांवों की आर्थिक दशा में सुधार होगा। विशेष रूप से, पृथ्वी के अन्दर के जल का विद्युत नलकूपों द्वारा पर्याप्त रूप से विकास हो सकेगा तथा इस प्रकार जल पूर्ति के अन्य साधनों की कमी या अनियमितता से उत्पन्न कठिनाईयों पर विजय प्राप्त हो सकेगी।

**Exp.**—Then again.........various directions,

**Ref.**–These lines have been taken from the lesson, 'Water' written by Sir C. V. Raman,

**Cont.**—It is necessary to control the movement of water and conserve its supply. It will make our countryside teeming with new life and happiness.

**Exp.**—Water can be used for the development of hydro-electric power which is a great boon to the villagers. Hence the harnessing of water supply is very useful for the country. Electricity would bring a great change in our villages to remove their economic difficulties in many fields. With the help of electricity, there will be an all-round progress in our villages. It is, therefore, of great importance to develop the hydro-electric power for the benefits of our villages.

Page 114 ... amazing

Meanings—Uncommon— ... । unique properties–wonderful qual... रक्षित करना, —wonderful अद्भुत । main ... of water nature of water—the ... rtance पानी के आवश्यक गुण । scienti... न्त महत्व from scientific view poin... austed पूर्ण । far from being—not at a... d expe-field of research–a field of s... riment वैज्ञानिक अध्ययन तथा प्रयोगों

हिन्दी अनुवाद—एक रूप में जल सब द्रवों में अत्यन्त साधारण है। दूसरे रूप में, सभी द्रवों में अत्यन्त असाधारण है क्योंकि इसमें आश्चर्य जनक गुण है जो कि पशु तथा पौधों के जीवन सरंक्षण के लिए आश्चर्य जनक शक्ति प्रदान करते है। इसलिए जल की प्रकृति तथा गुणों की खोज करना वैज्ञानिक दृष्टि-कोण से अत्यन्त महत्व पूर्ण है तथा वैज्ञानिक अन्वेषण के विस्तृत क्षेत्र से तनिक भी दूर नहीं है।

**Exp.**—In onc sense......of research. **(Imp.)**

**Ref.**—These are the concluding llnes of the lesson, 'water,' written by Sir C. V. Raman.

**Cont.**—Water is important for all life in the world. It is the commonest of all liquids but it provides lot of interest for scientific observations.

**Exp.**—Here the author tells us that water is a very common liquid i. e. it is easily found every where. But in another sense, it is also the most uncommon of all liquids because it contains unique power. It is essential for all life in the world. Life on earth is not possible without water. As a matter of fact water provides a vast field for scientific researches. It has wonderful qualities that make it useful for life. It is, indeed, the life giving substance in the world.

व्याख्या—यहां पर लेखक बताते हैं कि जल अत्यन्त साधारण द्रव है अर्थात यह प्रत्येक स्थान पर वत रक्खे रहो [illegible] मिल जाता है। परन्तु दूसरे अर्थ में, यह सभी द्रवों में अत्य—युगों २ से मनुष्य [illegible] क्योंकि इसमें अद्भुत शक्ति विद्यमान है। यह संसार में [illegible] करते का [illegible]यास किया [illegible] आवश्यक है। पृथ्वी पर बिना जल के जीवन सम्भव [illegible] जी[illegible] त[illegible] ने वाली [illegible]निक खोजों के लिए जल विस्तृत क्षेत्र प्रदान करता कि [illegible] बहकर समुद्र [illegible] act[illegible] है जो कि जीवन के लिए लाभ-कारी है। [illegible] । यदि हम इस [illegible] ड़ा था [illegible] तत्व है।

[illegible] के काफी क्षेत्रों को [illegible] ती है [illegible]

## [illegible]d Answers

**Key** [illegible] मण तथा जल—हमारे [illegible] has Egyptian civilization been sustained [illegible] [illegible]ters of the Nile? What kind of a role has [illegible] हम प्रत्येक क्षेत्रों में [illegible] ing the course of the earth's history?

**Ans.**—One of the most remarkable fact about water is that it has the power to carry silt. This silt changes the colour of the water and this colour differs with the nature of the soil. Swiftly flowing water can carry silt in large quantity. The finest particles always remain floating within the liquid. In this way large amount of solid matter is carried from one place to another. When this silt laden water mixes with the salt water of the sea, the silt separates out from the water and settle quickly at the bottom of the sea. This process can be clearly visible, if one travels by a streamer down a great river to the deep sea.

The colour of the sea water near the mouth of a river changes its colour according to the type and quantity of the silt which is mixed in the river water. Finally, this water changes itself into blue colour of the deep sea. These are the effects of the power of water to carry silt.

**Key question 4**—Why does soil erosion take place ? What are the dangers of soil erosion ? How can it be checked ?

भूमि कटाव कैसे हो जाता है ? भूमि कटाव से क्या खतरे हैं ? इसे कैसे रोका जा सकता है ?

**Ans.**–Please see the summary of the lesson for the answer of this question under sub heading, "Water causes Soil erosion."

**Key question 5**—Why is the conservation and utilization of water fundamental to human welfare ?

जल का संरक्षण तथा उपयोग मानव कल्याण के लिये क्यों आवश्यक है ?

**Ans.**–Please [illegible] mary of the lesson for the answer of this question [illegible] ng, 'Conservation and utilization of water."

**Key qu**[illegible] forestation important for our country ?

**Ans.**–F[illegible] for human welfare. They play an imp[illegible] act [illegible] course of our life. It is therefore, [illegible] forests in the country. [illegible] and it needs the immediate [illegible] stematic planting of suitable [illegible] impossible areas would be [illegible]

**Key** [illegible]
ained [illegible] n water.
role has [illegible] pends upon seasonal rain-fall
[illegible] ry ?

but much rain water flows in waste resulting in shortage of water at some dry places in the country Secondly excessive rain causes soil erosion which is a great threat to agriculture. Afforestation will be helpful in this respect. It will check soil erosion and conserve the rain fall of the country. Again it can provide us the necessary supplies of cheep fuel also. So, afforestation is of vital importance for the country.

**Key question 7**—What subsidiary purposes would be served by control over the movement and conservation of the supplies of water ? In what sense can it be said that water is the most uncommon of liquids ?

**Ans.—Uses of water conservation**–It is very necessary to control the excessive flow of water and conserve it for future supply. This control over the movenment of water and its conservation can serve valuable subsidiary purposes also. First of all, it will be helpful in the development of internal water ways in the country, which is the cheapest means of transport. It is really very sad that we do not know much about internal water ways in India

Secondly the conservation of water will be helpful in the development of hydro electric power, which is a great boon to the village people. Electricity will bring a great change in the life of Indian villages. It will remove the economic distress of the villagers. With the help of electricity, our villagers will be able to have grain grinders, cane crushers and tube wells etc. in their villages. In this way they can im[illegible] their conditions in all directions.

**Water the most uncomm**[illegible]**ds**—Water is most essential in our day today [illegible] it is the commonest of all liquids, becau[illegible] everywhere in the world. But, in anoth[illegible] uncommon of all fluids It is because [illegible] hat maintain all life among men, an [illegible] lso provides a great field for scientifi[illegible] wonderful qualities interest the scientist [illegible]

Indeed, Water is the basis [illegible]

THE [illegible]

सहारनपुर

तथा स्प
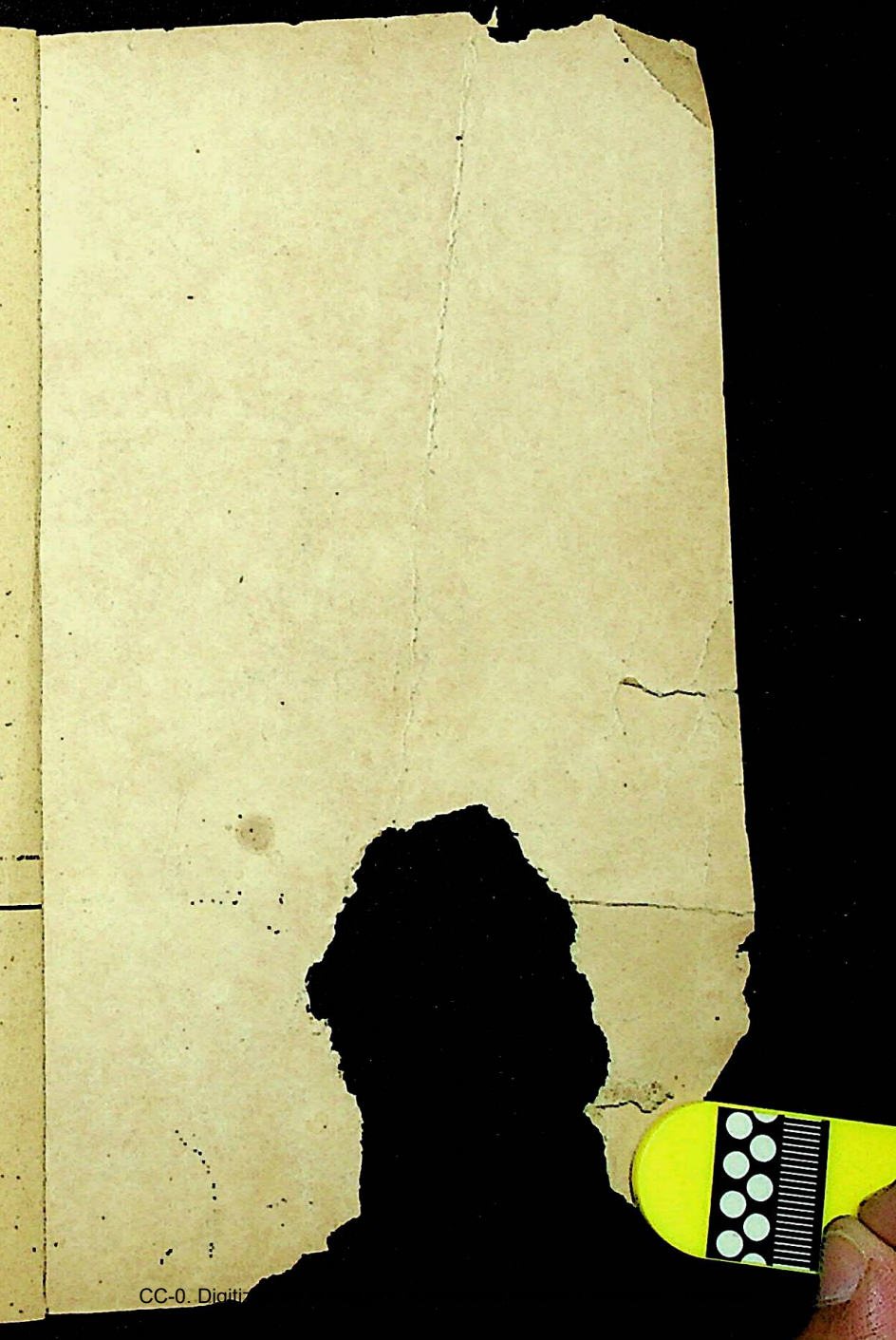
वत रक्खे रहो ।

—युगों २ से मनुष्य

करने का प्रयास किया

जी... ने वाला

वहकर समुद्र में अत

। यदि हम इस

के काफी क्षेत्रों को

रण तथा जल—हमारे

हम प्रत्येक क्षेत्रों में